CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 02-03-2026 Zone: Mahanagar Edition: 2 Page: NBTMAHFP User: cci Time: 03-02-2026 00:09 Color:

नई दिल्ली > सोमवार, 2 मार्च 2026 > फाल्गुन 11 शक संवत 1947 फाल्गुन कृष्ण चतुर्दशी, विक्रम संवत 2082

WATCH GOD WATCHDOG

वर्ष 80, संख्या 52 > पेज 14 > मूल्य ₹5.00 या ₹10.00* द टाइम्स ऑफ इंडिया सहित www.nbt.in

*मासिक खरीद पर ही लागू

होलिका दहन आज

NBT नवभारत टाइम्स

एनबीटी में विज्ञापन देने के लिए 18001205474 पर कॉल करें। नवभारत टाइम्स का अंक प्राप्त करने के लिए 18001200004 पर कॉल करें या subscribe.timesofindia.com पर जाएं।

धमाकों के बीच दुबई में फंसी बैडमिंटन स्टार पी. वी. सिंधु

p12

ईरान के सुप्रीम लीडर खामेनेई की मौत के बाद बातचीत का रास्ता

राष्ट्रपति ट्रंप का दावा, ईरान के नए नेता बात करना चाहते हैं | ईरान का वॉरशिप पर हमला, अमेरिका ने गलत बताया | खामेनेई के साथ ही बेटी, दामाद और पोती भी नहीं रहे

■ एपी/एएफपी, तेहरान

अमेरिका और इस्राइल के हमलों में ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत हो गई। उनकी उम्र 86 साल थी। वह 1989 से इस्लामी गणराज्य के सबसे बड़े नेता थे। ईरान के सरकारी टीवी के प्रेजेंटर ने रोते हुए खामेनेई की मौत की घोषणा की। ईरानी मीडिया ने खामेनेई की बेटी, दामाद और पोती की मौत की भी खबर दी। सूत्रों के मुताबिक, हमले में ईरान के पूर्व राष्ट्रपति महमूद अहमदीनेजाद की जान गई। साथ ही ईरानी सेना के चीफ ऑफ स्टाफ और रक्षा मंत्री भी मारे गए। ईरान की सेना रिवोल्यूशनरी गार्ड्स के प्रमुख जनरल मोहम्मद पाकपोर के भी मारे जाने की भी पुष्टि हुई है। इस्राइल ने कहा, 'खामेनेई की मौत के साथ दशकों पुराने अध्याय का अंत हो गया।' ईरान ने चेतावनी दी कि वह सबसे बड़ा हमला करेगा। इस अभियान में तीन अमेरिकी सैनिक मारे गए। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने दावा किया कि ईरान के नए नेता बात करना चाहते हैं।

> 86 साल के थे खामेनेई, 1989 से थे ईरान के सुप्रीम लीडर

खामेनेई की मौत की पुष्टि के बाद ईरान की राजधानी तेहरान के इंकलाब चौक पर सरकार समर्थक बड़ी तादाद में जमा हुए। Agency

खामेनेई पर यहां हमला

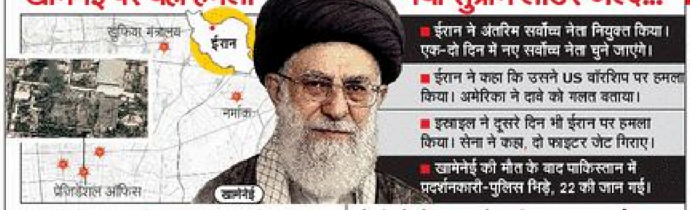

नया सुप्रीम लीडर जल्द...

- ईरान ने अंतरिम सर्वोच्च नेता नियुक्त किया। एक-दो दिन में नए सर्वोच्च नेता चुने जाएंगे।
- ईरान ने कहा कि उसने US वॉरशिप पर हमला किया। अमेरिका ने दावे को गलत बताया।
- इस्राइल ने दूसरे दिन भी ईरान पर हमला किया। सेना ने कहा, दो फाइटर जेट गिराए।
- खामेनेई की मौत के बाद पाकिस्तान में प्रदर्शनकारी-पुलिस भिड़े, 22 की जान गई।

भारत ने वीज़ा में राहत का भरोसा दिया

केंद्र ने कहा है कि जिन विदेशी नागरिकों की फ्लाइट्स कैंसल हो गई है, उन्हें वीजा बढ़वाने में मदद दी जाएगी। विदेश मंत्रालय ने फॉरेनर्स रीजनल रजिस्ट्रेशन ऑफिस (FRRO) से संपर्क करने को कहा है।

दो दिनों में 850 से अधिक फ्लाइट कैंसल

दो दिनों में 850 से अधिक इंटरनैशनल फ्लाइट कैंसल करनी पड़ी है। रविवार को भारत से केवल मिडल-ईस्ट देशों के लिए जाने वाली 350 से अधिक फ्लाइटों को कैंसल किया गया।

मिडल-ईस्ट

UAE पर हुए ईरानी हमले में भारतीय शख्स घायल

■ पीटीआई, नई दिल्ली: मिडल-ईस्ट में हमलों के बीच UAE पर हुए ईरानी हमले में एक भारतीय भी घायल हो गए। हालत खतरे से बाहर है। पीएम मोदी ने UAE के राष्ट्रपति से बात की और हमलों की निंदा की। कहा कि भारत UAE संग एकजुटता से खड़ा है। मोदी की अध्यक्षता में रविवार को सुरक्षा मामलों से जुड़ी मंत्रिमंडलीय समिति की बैठक हुई। इसमें देश की सुरक्षा से जुड़े पहलुओं पर चर्चा की गई। » पेज 4, 10, 11

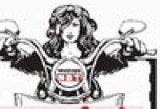

8 मार्च को बाइक रैली में आ रही हैं आप?

अन्तरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर NBT की ऑल वुमन बाइक रैली अपने 12वें माइलस्टोन एडिशन में नई थीम Driving Forces of the Nation के साथ लौटी है। रैली लिम्का बुक ऑफ रेकॉर्ड्स और INMA जैसे अवॉर्ड पा चुकी है। अगर आपके पास स्कूटर या बाइक है तो आप भी रजिस्ट्रेशन कराकर वुमन बाइक रैली का हिस्सा ले सकते हैं। रविवार, 8 मार्च को होने वाली रैली के लिए आप आज ही रजिस्ट्रेशन करा लें। » पेज 2

ऐसे बनें हिस्सा
7003890071 पर AWBR लिखकर Whatsapp करें

तारीख: रवि, 8 मार्च 2026
जगह: A-ब्लॉक पार्किंग कर्नॉट प्लेस

ALL WOMEN BIKE RALLY NBT

मुकद्दस रमज़ान

इफ्तार सोमवार
सुन्नी 6:21 pm
शिया 6:33 pm

सहरी मंगलवार
सुन्नी 5:27 am
शिया 5:16 am

भारत वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में

संजू सैमसन ने 97 रन बनाए।

■ पीटीआई, कोलकाता: भारत ने T20 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली है। रविवार को सुपर-8 के आखिरी मुकाबले में उसने वेस्टइंडीज को 5 विकेट से हरा दिया। उसके सामने 196 रन का टारगेट था। संजू सैमसन की 97 रन की बदौलत भारत ने मैच जीतकर सेमीफाइनल में जगह बना ली। » पेज 12

BJP, मोदी पर बरसे केजरीवाल

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: शराब घोटाला मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट द्वारा आरोप मुक्त किए जाने के बाद रविवार को आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने जंतर-मंतर पर जनसभा को संबोधित किया। केजरीवाल ने बीजेपी और पीएम मोदी पर कई तरह के आरोप लगाए। » पेज 5

मौसम

अधिकतम तापमान 30.7°
15.4° न्यूनतम तापमान
सूर्यास्त सोमवार 6.21 | सूर्योदय मंगलवार 6.44

3 साल में मार्च की शुरुआत सबसे गर्म। इस हफ्ते पारा कम नहीं होगा।

*T&C apply. ^Scheme Offer valid till 31st March 2026 only & may vary based on models and other parameters. Digitally created visual. Picture of vehicle was not taken while driving. The Aero Edition kit is an accessory package to be fitted by authorized dealers based on customer preference and at additional cost.

Toyota Mobility Service
TOYOTA TRUST
TOYOTA FINANCIAL SERVICES

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 02-03-2026 Zone: Mahanagar Edition: 2 Page: NBTMAH08 User: cci Time: 03-01-2026 23:15 Color:

'फ्लाइट्स कैंसल, हॉस्टल में ठहरे हैं, थोड़ी-थोड़ी देर में धमाके हो रहे'

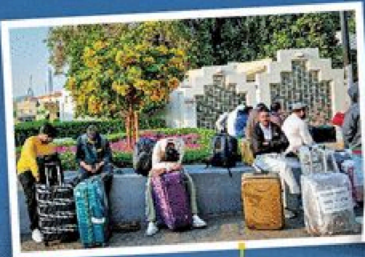
दुबई एयरपोर्ट: फ्लाइट्स कैंसल होने के बाद जानकारी के लिए घंटों इंतजार करते रहे लोग।

कोच्चि एयरपोर्ट: इंटरनैशनल उड़ानें टलने के बाद परेशान दिखे हवाई यात्री। सामान के साथ भटकते रहे।

मुंबई एयरपोर्ट: फ्लाइट्स कैंसल होने के बाद कुछ यात्री रातभर फंसे रहे। कहा, कोई अपडेट नहीं मिला।

दुबई से गुहार: कोटा के कुछ छात्रों ने दुबई से रेस्क्यू की अपील की। सोशल मीडिया पर विडियो डाली।

90 लाख भारतीय मिडिल ईस्ट में केंद्र से सुरक्षित निकालने की गुहार

जंग के बाद मिडिल ईस्ट का एयरस्पेस दूसरे दिन रविवार को भी बंद रहा। दुनियाभर में हवाई यात्री जहां-तहां फंसे रहे। करीब 90 लाख भारतीय खाड़ी देशों में हैं। कई लोगों ने केंद्र सरकार से उन्हें सुरक्षित रेस्क्यू की अपील की। सोशल मीडिया पर सैकड़ों लोगों ने विडियो शेयर कर गुहार लगाई। दुबई में फंसे कोटा के स्टूडेंट सिद्धार्थ जैन ने बताया, वे दुबई के अकैडमी एजुकेशनल जोन में हैं। एक हॉस्टल में ठहरे हुए हैं। पास ही मिसाइल से हमला हुआ है। कहा, थोड़ी-थोड़ी देर में धमाके हो रहे हैं। अधिकारियों ने बताया, पुणे के 90 MBA स्टूडेंट्स भी दुबई में फंसे हुए हैं।

PHOTOS- AFP/AP

ईरान की राजधानी तेहरान में रविवार को इस्राइली मिसाइलें गिरीं, कई बिल्डिंग्स को भारी नुकसान पहुंचा है।

पश्चिम एशिया में फंसे भारतीयों को अभी करना होगा इंतजार

Alpyu.Singh@timesofindia.com

■ **नई दिल्ली :** पश्चिम एशिया में ईरान और इस्राइल में प्रत्यक्ष खतरे का सामना कर रही भारतीय आबादी के अलावा दूसरे देशों से भी यात्री और छात्र वापस आना चाहते हैं। कई देशों के एयरपोर्ट्स पर भारतीय यात्री फंसे हैं, जिनके संपर्क में सरकार बनी हुई है लेकिन जानकार मानते हैं कि फिलहाल एयरस्पेस प्रतिबंधों और नाजुक हालात के चलते सरकार के लिए किसी भी तरह की रेस्क्यू ऑपरेशन चलाना संभव नहीं। ध्यान देने वाली बात ये है कि पहले भी समय-समय पर युद्ध क्षेत्र में फंसे भारतीयों की सुरक्षित देश वापसी के लिए इस तरह के ऑपरेशन चले हैं।

> क्षेत्र के मौजूदा हालात गंभीर, रेस्क्यू संभव नहीं

क्यों मुश्किल है अभी रेस्क्यू? जानकारों का मानना है कि पश्चिम एशिया के तमाम देशों में बड़ी तादाद में भारतीय रह रहे हैं। इतनी बड़ी तादाद में लोगों को निकालना ना तो संभव है और ना व्यवहारिक, जब तक स्थिति नियंत्रण से बाहर ना हो जाए। जब तक एयर स्पेस साफ नहीं होगा, तब तक एयरलिफ्ट करने का सोचा भी नहीं जा सकता। वहीं चाबहार पोर्ट के जरिए निकासी इसलिए संभव नहीं क्योंकि स्ट्रेट ऑफ होरमुज से निकलने वाले जहाजों की मूवमेंट निशाने पर है। इसलिए फिलहाल हालात थोड़े बेहतर होने का इंतजार करना पड़ेगा।

पिछले साल किया था 4 हजार को रेस्क्यू: इस्राइल ईरान संघर्ष की वजह से बिगड़े, वेस्ट एशिया के डिवेलपमेंट को देखते हुए भारत सरकार ने बीते साल 18 जून को ऑपरेशन सिंधु लॉन्च किया था। इस ऑपरेशन के जरिए कॉन्फ्लिक्ट जोन से करीब 4415 लोगों को बाहर निकाला था।

जब 75 हजार को बचाया था

अंतरराष्ट्रीय मामलों के जानकार और दूसरे गल्फ वॉर में भारतीय नागरिकों की निकासी के वक्त सक्रिय भूमिका में रहे एंबेसेडर राजीव डोगरा बताते हैं कि उस वक्त कुवैत और ईराक से लोगों को सड़क के रास्ते जॉर्डन ले जाया गया था, जहां से फिर एयर इंडिया की फ्लाइट्स से देश वापसी की गई। तब 75 हजार लोगों को वापस लाया गया था।

विदेशी नागरिकों को सलाह

विदेश मंत्रालय ने बिगड़ते हालात के चलते भारत में मौजूद विदेशी नागरिकों के लिए सलाह दी कि अगर उन्हें वीजा एक्सटेंशन चाहिए या वो भारत में अपने प्रवास को वैध करना चाहते हैं तो वो फॉरेन रिजनल रजिस्ट्रेशन ऑफिस यानि FRRO से संपर्क करें। इस संबंध में FRRO इस संबंध में सहायता में मदद करेगी।

दुबई से भारतीय बोले

रातभर धमाके हुए, आसमान में रोशनी की लकीरें दिखीं

Arvind.Kumar7@timesofindia.com

■ **नई दिल्ली :** दुबई में शनिवार देर रात कई इलाकों में तेज धमाकों की आवाजें सुनाई दीं और आसमान में रोशनी की लंबी लकीरें नजर आईं। मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के बीच वहां रह रहे भारतीयों ने भी इन घटनाओं को महसूस किया।

देहरादून के आशीष भट्ट ने फोन पर बताया कि शनिवार दिन में शुरू हुई हलचल रविवार तड़के तक जारी रही। दुबई के जबेल अली इलाके में रह रहे आशीष के मुताबिक, कुछ घंटों के अंतराल पर तेज आवाजें सुनाई देती रहीं और प्रशासन की ओर से मोबाइल पर अलर्ट जारी किए जाते रहे।

'रातभर ब्लास्ट की सूचना से चिंता में रहे' दिल्ली के राहुल, किशन और जतिन ने बताया कि रात का माहौल सामान्य दिनों से अलग रहा। मोबाइल पर समय-समय पर अलर्ट आते रहे। उनके अनुसार, आसमान में रोशनी की लकीरें तेजी से गुजरतीं और फिर आवाज के साथ बिखरती दिखाई देती थीं। उत्तर प्रदेश के नितेंद्र ने बताया कि रातभर विस्फोट जैसी आवाजों की सूचनाएं मिलती रहीं, जिससे लोगों में चिंता रही।

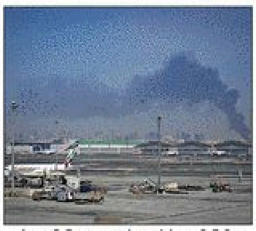
ईरान की मिसाइल दुबई एयरपोर्ट पर भी गिरी।

गरिमा बोलीं, दुबई में रिश्तेदार सेफ

दुबई में रह रहे अपनों को लेकर भारत में भी परिजनों की नजरें वहां से आने वाली सूचनाओं पर टिकी हैं। दिल्ली की गरिमा दत्त ने बताया कि उनकी बहन, जीजा और उनके दो बेटे कई वर्षों से दुबई में रह रहे हैं और परिवार लगातार उनके संपर्क में है। गरिमा ने कहा कि फिलहाल उनके रिश्तेदार सुरक्षित हैं और वहां स्थिति पर नजर रखी जा रही है। उन्होंने अपील की कि इस समय आधिकारिक सूचनाओं पर ही भरोसा किया जाए और शांति बनाए रखी जाए, ताकि अफवाहों से बचा जा सके।

एक्ट्रेस सोनल की गुहार

एक्ट्रेस सोनल चौहान भी दुबई में फंसी हुई हैं। उन्होंने पीएम से मदद की गुहार लगाई है। उन्होंने लिखा, मैं दुबई में फंसी हुई हूं। उड़ानें रद्द हैं। भारत लौटने का कोई तरीका नहीं है। सुरक्षित घर वापसी के लिए सरकार से मार्गदर्शन की अपील है।

CBSE ने बोर्ड एग्जाम टाले

CBSE ने ईरान-इस्राइल संघर्ष के मद्देनजर मिडिल-ईस्ट क्षेत्र में 2 मार्च को होने वाली क्लास 10 और 12 की बोर्ड परीक्षाएं टाल दीं। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी।

लोकतांत्रिक दुनिया के तथाकथित नेताओं द्वारा संप्रभु देश की लीडरशिप को निशाना बनाकर की गई हत्या घिनौनी है। *-प्रियंका गांधी वाड्रा*

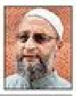
इससे पूरे पश्चिम एशिया क्षेत्र में अस्थिरता बढ़ेगी। सरकार को स्थिति पर गंभीरता से नजर रखनी चाहिए। *-असदुद्दीन ओवैसी, AIMIM प्रमुख*

संप्रभु राष्ट्र की नेतृत्व व्यवस्था पर सीधा हमला और अंतरराष्ट्रीय कानून की खुली अवहेलना। *-मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस अध्यक्ष*

ईरान हमारा पारंपरिक मित्र रहा है। ऊर्जा सुरक्षा के क्षेत्र में अहम भूमिका निभाई है। केंद्र स्पष्ट रुख अपनाए। *-संजय सिंह, AAP नेता*

350 उड़ानें रविवार को रद्द

दो दिन में 850 फ्लाइट्स रद्द, 2 लाख लोग प्रभावित

Maneesh.Aggarwal @timesofindia.com

■ **नई दिल्ली:** मिडिल-ईस्ट का एयरस्पेस बंद होने से तमाम फ्लाइटों को कैंसल करना पड़ा है। नागर विमानन मंत्रालय ने बताया कि दो दिनों में 350 से अधिक इंटरनैशनल फ्लाइट कैंसल करनी पड़ी हैं। एक मार्च को भारत से केवल मिडिल-ईस्ट देशों के लिए जाने वाली 350 से अधिक फ्लाइटों को कैंसल किया गया। इनके अलावा यूके, अमेरिका और अन्य यूरोपीय देशों की फ्लाइटें भी कैंसल की गई हैं। जानकारों का कहना है कि दो लाख यात्रियों पर असर पड़ा है। भारतीय एविएशन इंडस्ट्री को अभी तक तकरीबन 500 करोड़ रुपये का घाटा हो चुका है। फ्लाइटों के कैंसल होने से एयरपोर्ट्स पर हवाई जहाजों को खड़ा करने के लिए पार्किंग फुल हो गई। सरकार और एयरलाइंस ने यात्रियों को अडवाइजरी जारी कर कहा है कि वह अपनी किसी भी इंटरनैशनल फ्लाइट से पहले संबंधित एयरलाइंस से संपर्क करके अपनी फ्लाइट के स्टेटस के बारे में जरूर पता कर लें कि कहीं वह कैंसल या री-शेड्यूल तो नहीं की गई है।

कई एयरपोर्ट्स पर जहाजों की पार्किंग फुल हो गई है।

विदेशी एयरलाइंस भी प्रभावित

विदेशी एयरलाइंस, जिनपर असर हुआ उनमें एमिरेट्स, फ्लाई दुबई, एतिहाद, एयर अरेबिया, कतर एयरवेज, ब्रिटिश एयरवेज, ईरान एयरलाइंस, इराकी एयरवेज, कुवैत एयरवेज, टर्किश एयरलाइंस, यूनाइटेड एयरलाइंस और ओमान एयर समेत अन्य विदेशी एयरलाइंस शामिल हैं।

वैकल्पिक रूट पर भी विचार

युद्ध अगर लंबा चला तो दूसरे इंटरनैशनल रूटों पर भी विचार किया जा रहा है। इसमें ओमान के नीचे सलालाह और रियाद होते हुए आगे अमेरिका और इंग्लैंड समेत अन्य देशों की तरफ फ्लाइटों का मूवमेंट कराया जा सकता है।

क्रूड, गैस, शेयर मार्केट... कई सेक्टर्स पर जंग का असर

जंग लंबी खिंची तो इकॉनमी के लिए चुनौतियां बढ़ सकती हैं। होर्मुज की खाड़ी से जहाजों की आवाजाही प्रभावित होने से क्रूड, गोल्ड-सिल्वर में तेजी के आसार हैं। स्टॉक मार्केट सेंटिमेंट कमजोर है, हालांकि ट्रंप ने नई ईरानी लीडरशिप से बातचीत का प्रस्ताव आने की बात कही है, जो पॉजिटिव डिवेलपमेंट है। पढ़िए अखिलेश प्रताप सिंह की रिपोर्ट

तेल का कितना भंडार?

भारत अपनी जरूरत का 88% क्रूड ऑयल आयात करता है। 9 फरवरी को पेट्रोलियम मिनिस्टर हरदीप सिंह पुरी ने बताया था, पेट्रोलियम का रणनीतिक भंडार 74 दिनों के लिए पर्याप्त है।

टेंशन क्यों?

चिंता की वजह है होर्मुज की खाड़ी से जहाजों की आवाजाही का रुकना। यहां से दुनिया का 20% क्रूड ऑयल और LNG गुजरता है। भारत के कुल क्रूड इंपोर्ट का करीब 50% हिस्सा यहां से आता है।

दूसरी जगहों से मिल जाएगा क्रूड?

खाड़ी के इलाके से ढुलाई में 7-8 दिन का समय लगता है। अटलांटिक रूट से 25-45 दिन। रूस से अधिकांश तेल अटलांटिक रूट से आता रहा है। यानी मसला ज्यादा समय और ढुलाई लागत का है। Kpler के लीड एनालिस्ट सुमित रितोलिया ने कहा, भारतीय रिफाइनर्स को रूसी तेल का सहारा लेने में दिक्कत नहीं होगी।'

LPG में दिक्कत ज्यादा?

भारत के LNG इंपोर्ट का 60% हिस्सा कतर, UAE जैसे देशों से होरमुज स्ट्रेट के जरिए आता है। रितोलिया बोले, भारत के पास क्रूड का जितना बड़ा रणनीतिक भंडार है, उतना LPG का नहीं है।

लगेगा प्राइस शॉक?

हमले के बाद क्रूड में 2.87% का उछाल आया। युद्ध नहीं थमा तो यह जल्द 80 डॉलर पार कर सकता है। रितोलिया ने कहा, 'युद्ध बढ़ा तो सप्लाई के मोर्चे से ज्यादा असर प्राइस के लिहाज से पड़ेगा।

होर्मुज खाड़ी से दुनिया का 20%, भारत का 50% क्रूड गुजरता है।

महंगाई और रुपये पर असर

देखना होगा कि कीमतें चढ़ने पर सरकार एक्साइज ड्यूटी घटाकर उपभोक्ताओं को राहत देती है या नहीं। 5 राज्यों में असेंबली इलेक्शन को देखते हुए पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ाए जाने की संभावना कम ही है। हालांकि इंपोर्ट कॉस्ट बढ़ने पर रुपये पर दबाव बढ़ेगा। दूसरी चीजों का आयात महंगा होगा। ओम्नीसाइंस कैपिटल के CEO विकास गुप्ता ने कहा, 'क्रूड का भाव चढ़ने से डॉलर के मुकाबले रुपये की पोजिशन पर आंच आएगी।

फिसलेगा स्टॉक मार्केट!

सक्षम वेल्थ प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर समीर रस्तोगी ने कहा, 'क्रूड का भाव अगर 80 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर गया तो स्टॉक मार्केट पर असर पड़ेगा।

किनको हो सकता है लाभ?

समीर रस्तोगी ने कहा, 'ONGC, OIL, वेदांता जैसे स्टॉक्स के लिए यह फायदे की स्थिति हो सकती है। सोलर और बैटरी कंपनियों को भी बूस्ट मिल सकता है।'

क्या करें निवेशक?

रस्तोगी ने कहा, 'मार्केट सेंटिमेंट कमजोर रह सकता है। गिरावट पर खरीदारी की जा सकती है क्योंकि इंडियन इकॉनमी के फंडामेंटल्स मजबूत हैं।'

रेमिटेंस पर आंच?

इकनॉमिक सर्वे 2025-26 के मुताबिक, इस वित्त वर्ष के पहले 6 महीनों में विदेश में काम कर रहे भारतीयों ने 73 बिलियन डॉलर भारत भेजे। हमले से भारतीयों के कामकाज, रेमिटेंस पर असर पड़ सकता है।

बीमा लागत बढ़ने का डर

बीमा कंपनियों ने समुद्री जहाजों का इंश्योरेंस महंगा करने का संकेत दे दिया है। फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गनाइजेशंस (FIEO) के प्रेसिडेंट एस सी रल्हन ने कहा, इंश्योरेंस प्रीमियम बढ़ सकता है।

गोल्ड-सिल्वर में आएगा उछाल?

LKP सिक्योरिटीज के वाइस प्रेसिडेंट जतीन त्रिवेदी ने कहा, सोने-चांदी में उछाल दिखेगा। संकट सुलझने के आसार पर 3-5% तक उछाल के बाद प्रॉफिट बुकिंग दिख सकती है।'

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 02-03-2026 Zone: Mahanagar Edition: 2 Page: NBTMAH09 User: cci Time: 03-01-2026 23:38 Color:

खामेनेई की मौत के बाद भारत समेत दुनिया में आक्रोश

कराची में दूतावास निशाना

■ पीटीआई/एपी, नई दिल्ली/कराची

ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत की पुष्टि के बाद पाकिस्तान और भारत के कुछ हिस्सों में विरोध-प्रदर्शन तेज हो गए। कराची में अमेरिकी वाणिज्य दूतावास के बाहर प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़प में कम से कम 22 लोगों की मौत हो गई और 120 से ज्यादा घायल हैं। पाकिस्तान के ही स्कर्दू में प्रदर्शनकारियों ने यूनाइटेड नेशंस (UN) के ऑफिस में आग लगा दी है।

अधिकारियों के मुताबिक, बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारी वाणिज्य दूतावास की ओर बढ़े और गेट तोड़कर अंदर घुसने की कोशिश की। स्थिति बिगड़ने पर पुलिस ने आंसू गैस के गोले दागे और लाठीचार्ज किया। सिविल अस्पताल की प्रवक्ता डॉ. सुमैय्या सैयद ने बताया कि 10 शव अस्पताल लाए गए हैं, जिनमें कुछ पर गोली लगने के निशान हैं। करीब 30 घायलों का ट्रॉमा सेंटर में इलाज चल रहा है, जिनमें चार पुलिसकर्मी भी शामिल हैं। सिंध के गृह मंत्री जिया उल हसन लंजार ने घटना की न्यायिक जांच के आदेश दिए हैं और कहा है कि किसी को भी कानून अपने हाथ में लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी। उन्होंने उन अटकलों को खारिज किया कि मृतकों को वाणिज्य दूतावास की सुरक्षा में तैनात अमेरिकी मरीन ने गोली मारी।

Photos: AP/AFP/PTI

शिया समुदाय के प्रदर्शनकारियों ने खामेनेई की हत्या के विरोध में लाहौर में अमेरिकी वाणिज्य दूतावास के गेट पर आग लगाई और विरोध रैली में हिस्सा लिया।

खामेनेई की मौत के विरोध में शिया समुदाय ने लखनऊ में प्रदर्शन किया। इस दौरान अमेरिका और इस्राइल के खिलाफ नारेबाजी की गई।

कश्मीर में स्कूल-कॉलेज बंद

भारत में भी विरोध के स्वर सुनाई दिए। श्रीनगर समेत कश्मीर के कई शिया बहुल इलाकों में प्रदर्शन हुए। एहतियातन कश्मीर मंडल में सोमवार और मंगलवार को स्कूल और कॉलेज बंद रखने का फैसला किया गया है। उत्तर प्रदेश में ऑल इंडिया शिया पर्सनल लॉ बोर्ड और ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने खामेनेई की मौत पर शोक और आक्रोश जताया है। लखनऊ के छोटा इमामबाड़ा में प्रदर्शन और शोक सभा की घोषणा की गई है, जबकि शिया समुदाय ने तीन दिन के शोक का ऐलान किया है।

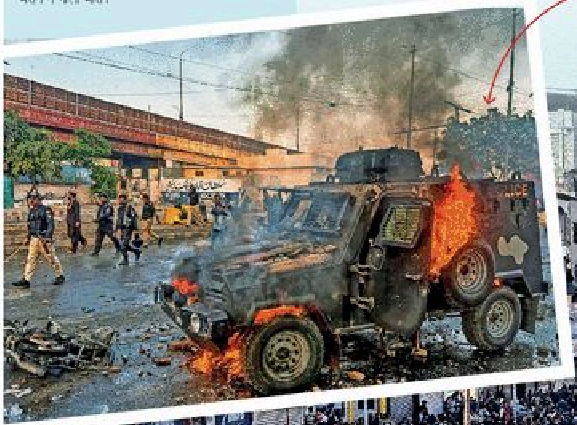

कराची में अमेरिकी वाणिज्य दूतावास के बाहर प्रदर्शनकारियों ने हिंसक प्रदर्शन करते हुए पुलिस की कार में आग लगा दी।

जम्मू-कश्मीर के लाल चौक, सैदा कदल, बडगाम, बांदीपोरा, अनंतनाग और पुलवामा इलाकों में भी विरोध प्रदर्शन हुए।

खामेनेई

36 साल की नेतृत्व कहानी

जन्म: 19 अप्रैल 1939, मशहद, ईरान

पद: ईरान के सर्वोच्च नेता (1989 से)

■ **शुरुआती जीवन और शिक्षा**

खामेनेई ने मशहद और कोम में इस्लामी धर्मशास्त्र की पढ़ाई की। वे 1979 की ईरानी इस्लामी क्रांति के नेता अयातुल्ला रुहोल्लाह खुमैनी के करीबी सहयोगी रहे।

■ **राजनीतिक सफर**

1981 से 1989 तक ईरान के राष्ट्रपति रहे। 1989 में अयातुल्ला खुमैनी के निधन के बाद उन्हें देश का सर्वोच्च नेता नियुक्त किया गया। सर्वोच्च नेता के रूप में वे ईरान के सशस्त्र बलों के कमांडर-इन-चीफ भी रहे।

■ **विदेश और सुरक्षा नीति**

ईरान की परमाणु नीति पर अंतिम निर्णयकारी भूमिका निभाई। 2015 के परमाणु समझौते को मंजूरी दी, लेकिन 2018 में US के समझौते से हटने का विरोध किया। लेबनान, सीरिया, इराक और यमन में ईरान के प्रभाव को समर्थन देने की नीति अपनाई।

■ **नेतृत्व शैली:** खामेनेई सख्त और सतर्क निर्णयकर्ता माने जाते हैं। समर्थक उन्हें ईरान की संप्रभुता का रक्षक बताते हैं। आलोचक राजनीतिक स्वतंत्रताओं पर नियंत्रण और असहमति के प्रति कठोर रवैये को लेकर सवाल उठाते रहे हैं।

ईरान को मिला अंतरिम सुप्रीम लीडर

जन्म: 1959, मेयबोद, ईरान

पद: अंतरिम सर्वोच्च नेता (इंटरिम सुप्रीम लीडर), ईरान

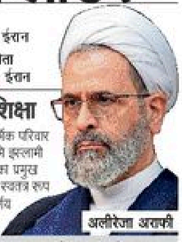

अलीरेजा अराफी

■ **पृष्ठभूमि व शिक्षा**

अलीरेजा अराफी एक धार्मिक परिवार से आते हैं। उन्होंने कोम में इस्लामी शिक्षा प्राप्त की, जो ईरान का प्रमुख शिया धार्मिक केंद्र है। वह स्वतंत्र रूप से इस्लामी कानून पर निर्णय देने के पात्र माने जाते हैं।

■ **धार्मिक और प्रशासनिक भूमिका**

मेयबोद और बाद में कोम में जुमे की नमाज के इमाम रहे। अल-मुस्तफा इंटरनैशनल यूनिवर्सिटी के चेयरमैन रहे।

2019 में गार्जियन काउंसिल का सदस्य नियुक्त किया गया। यह निकाय कानूनों, उम्मीदवारों की समीक्षा करता है।

असेंबली ऑफ एक्सपर्ट्स से भी जुड़े रहे, जो सर्वोच्च नेता के चयन की जिम्मेदारी निभाती है।

■ **अंतरिम नियुक्ति**

ईरान के संविधान के तहत, सर्वोच्च नेता का चयन असेंबली ऑफ एक्सपर्ट्स करती है। स्थायी चयन तक एक अंतरिम व्यवस्था बनाई जाती है। एक-दो दिन में चुना जा सकता है नया सुप्रीम लीडर

क्रूज से बलिस्टिक तक, आसमान में वार-पलटवार

Ballistic

अमेरिका-इस्राइल और ईरान के बीच हमलों में अत्याधुनिक हथियारों का इस्तेमाल हुआ। एक तरफ टॉमहॉक क्रूज मिसाइल, एफ-35 और एफ-18 जैसे फाइटर जेट व कामिकाजी ड्रोन रहे, तो दूसरी ओर ईरान ने बलिस्टिक मिसाइल और आत्मघाती ड्रोन दागे। पूनम पाण्डे की रिपोर्ट:

अमेरिका-इस्राइल की स्ट्राइक क्षमता

F-35 (पांचवीं पीढ़ी का स्टेल्थ फाइटर)
- स्टेल्थ टेक्नोलॉजी
- GPS गाइडेड बम और मिसाइल ले जाने में सक्षम
- स्ट्राइक पैकेज का हिस्सा

F/A-18 (मल्टी-रोल फाइटर जेट)
- एयर-टु-एयर और एयर-टु-ग्राउंड मिशन
- बहुउद्देश्यीय लड़ाकू विमान

टॉमहॉक क्रूज मिसाइल
- लंबी दूरी की प्रिसिजन गाइडेड क्रूज मिसाइल
- समुद्र या जमीन से हो सकती है लॉन्च
- कम ऊंचाई पर उड़ान, एयर डिफेंस से बचने की क्षमता
- रेंज: लगभग 1600 किमी+

GBU-28 बंकर-बस्टर बम
- जमीन के नीचे बने ठिकानों/कमांड सेंटर को निशाना
- कंक्रीट संरचनाओं को भेदने में सक्षम

एक्सपर्ट्स के अनुमान के अनुसार

कामेकाजी (स्यूसाइड) ड्रोन
- लक्ष्य से टकराकर विस्फोट
- मिसाइल के मुकाबले कम लागत

(इस्राइली डिफेंस फोर्सेस के अनुसार, करीब 200 फाइटर जेट का इस्तेमाल किया)

ईरान की कार्रवाई

मीडियम और लॉन्ग रेंज बलिस्टिक मिसाइलें
- लंबी दूरी तक मार करने में सक्षम
- तेज गति से लक्ष्य पर प्रहार

आर्म्ड/आत्मघाती ड्रोन
- विस्फोटक से लैस
- कम लागत, बड़े पैमाने पर उपयोग संभव

खामेनेई की मौत के बाद मोसाद फिर चर्चा में

ईरान के सुप्रीम लीडर खामेनेई की मौत के बाद इस्राइल की खुफिया एजेंसी मोसाद चर्चा में है। सोशल मीडिया पर पूर्व राष्ट्रपति महमूद अहमदीनेजाद का एक पुराना विडियो वायरल है, जिसमें उन्होंने तुर्किये के चैनल को दिए इंटरव्यू में दावा किया था कि मोसाद के खिलाफ बनाई गई ईरानी खुफिया इकाई का प्रमुख ही कथित तौर पर मोसाद से जुड़ा निकला। हालांकि इस दावे की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। 2024 के लेबनान पेजर विस्फोट हमले के बाद भी मोसाद की कार्यशैली पर चर्चा हुई थी, जिसकी जिम्मेदारी इस्राइल ने औपचारिक रूप से नहीं ली।

CIA ने रखी नज़र, इस्राइल ने बनाया निशाना

Israel

■ NBT रिपोर्ट

पश्चिम एशिया की राजनीति उस वक्त हिल गई जब इस्राइल डिफेंस फोर्सेस (IDF) ने बयान जारी कर कहा कि ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई एक बड़े सैन्य ऑपरेशन में मारे गए। सेना के अनुसार यह कार्रवाई तेहरान स्थित उनके नेतृत्व परिसर पर CIA के सटीक खुफिया जानकारी के आधार पर की गई।

The Times of Israel ने सैन्य बयान के हवाले से बताया कि खामेनेई पर इस्राइल के खिलाफ नेटवर्क खड़ा करने के आरोप थे। ईरान की सरकारी एजेंसी Islamic Republic News Agency (IRNA) ने भी अमेरिकी-इस्राइली हमलों में उनकी मौत की पुष्टि की। इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति Donald Trump ने उनके मारे जाने की घोषणा की थी। पूरे ऑपरेशन में Central Intelligence Agency (CIA) की भूमिका अहम बताई गई। एजेंसी कई महीनों से खामेनेई की गतिविधियों, ठिकानों और मूवमेंट पैटर्न पर नजर रखे हुए थी। 'हाई फिडेलिटी' इंटेलिजेंस साझा करने को हमले की टाइमिंग तय करने में निर्णायक माना गया।

इस्राइल ने हवाई हमलों की फुटेज जारी की।

ट्रंप का ईरान पर आरोप

- जिनेवा में अमेरिका-ईरान परमाणु वार्ता का ठप होना
- जून युद्ध में क्षतिग्रस्त परमाणु सुविधाओं के पुनर्निर्माण की शुरुआत
- ट्रंप का दावा, ईरान हर महीने किसी न किसी हमले में शामिल रहा

क्या खामेनेई अलग इमारत में थे?

रिपोर्ट्स के मुताबिक, जिस परिसर में राष्ट्रीय सुरक्षा अधिकारी बैठक कर रहे थे, खामेनेई उसी परिसर की एक अलग लेकिन नजदीकी इमारत में मौजूद थे। ठिकाने की पहचान होते ही इस्राइली विमानों ने सटीक बमबारी की। ईरानी मीडिया के अनुसार, शुरुआती हमले के बाद उन अन्य स्थानों पर भी हमले हुए जहां खुफिया अधिकारी ठहरे थे।

कब और कैसे हुआ हमला?

- सुबह 6 बजे इस्राइल से लड़ाकू विमान रवाना हुए
- लंबी दूरी की सटीक मिसाइलों से लैस थे विमान
- तेहरान समयानुसार 9:40 बजे मिसाइलें दागी गईं
- परिसर पर 30 बम गिराए जाने की रिपोर्ट
- इस्राइल ने 'टैक्टिकल सरप्राइज' हासिल करने का दावा किया

रिपोर्ट: The New York Times, The Wall Street Journal

खुफिया बढ़त कैसे मिली?

इस ऑपरेशन की पृष्ठभूमि पिछले वर्ष के युद्ध से जुड़ी थी। अमेरिकी एजेंसियों ने तब दबाव की स्थिति में खामेनेई और IRGC की संवाद व आवाजाही की प्रणाली को समझा, जिससे लोकेशन ट्रैकिंग और पैटर्न विश्लेषण और मजबूत हुआ।

इस्राइल-सऊदी की सख्ती

The Washington Post के मुताबिक ऑपरेशन 'Epic Fury' से पहले इस्राइल और सऊदी अरब ने वॉशिंगटन पर दबाव बनाया। नेतन्याहू ने हमले का समर्थन किया, जबकि सऊदी क्राउन प्रिंस सलमान ने निजी तौर पर सख्त रुख अपनाया।

जानें ईरान-इस्राइल संघर्ष में दूसरे दिन क्या-क्या हुआ

ईरान: मिसाइल और ड्रोन से किया हमला

अमेरिकी ठिकानों पर IRGC का दावा
- इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (IRGC) ने दावा किया कि खाड़ी क्षेत्र में US बलों को निशाना बनाया।
- एयरक्राफ्ट कैरियर USS Abraham Lincoln को भी टारगेट करने की बात कही। हालांकि अमेरिका ने ईरान के दावे को खारिज किया।
- अगर यह हमला सच है, तो यह नौसेना युद्ध के इतिहास में पहली बार होगा जब किसी देश ने US के विमानवाहक पोत को बलिस्टिक मिसाइल से निशाना बनाया है।

यूएई पर हमला
- संयुक्त अरब अमीरात के रक्षा मंत्रालय के अनुसार,165 बैलिस्टिक मिसाइलें और 541 ड्रोन दागे गए।
- अधिकांश हमले हवा में ही इंटरसेप्ट कर लिए गए। कुछ हमले सफल रहे- पाकिस्तान, नेपाल और बांग्लादेश के 3 नागरिकों की मौत, 58 लोग घायल।

■ **कुवैत भी निशाने पर**

कुवैत पर 97 मिसाइलें और 283 ड्रोन दागे गए। स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक एक व्यक्ति की मौत हुई। 32 घायलों का इलाज चल रहा।

■ **इस्राइल में बढ़ा मौत का आंकड़ा**

इस्राइल पर ईरानी हमले में मृतकों की संख्या बढ़कर 8 हुई। कम से कम 23 लोग घायल हैं।

■ **ओमान के पास तेल टैंकर पर हमला**

ओमान के तट के पास एक तेल टैंकर को निशाना बनाया गया। ईरानी स्टेट टीवी के अनुसार जहाज डूब रहा था, धुएं में घिरा दिखा। 15 स्टाफ घायल, क्रू में भारतीय भी शामिल।

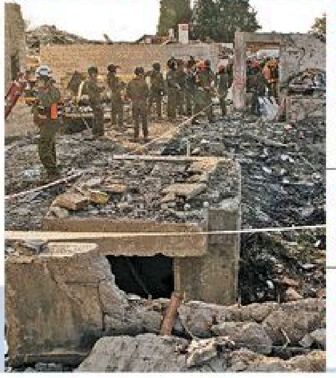

इस्राइल: 'नॉन-स्टॉप स्ट्राइक' की घोषणा

■ **दो ईरानी फाइटर जेट तबाह: IDF**

इस्राइल डिफेंस फोर्स (IDF) ने कहा कि उड़ान भरने की तैयारी कर रहे दो ईरानी फाइटर जेट नष्ट किए गए। इस्राइल ने कहा कि ऑपरेशन के लिए 1,00,000 और सैनिकों को बुलाया है।

इस्राइल का ऐलान- हमले जारी रहेंगे
- इस्राइल के रक्षा मंत्री ने कहा कि ईरान पर 'नॉन-स्टॉप स्ट्राइक' जारी रहेगी।
- राष्ट्रपति ट्रंप ने दावा किया है कि ईरान की नौसेना के नौ युद्धपोतों को डुबो दिया गया है।

तेहरान में धमाका, धुएं का गुबार
- तेहरान में जोरदार विस्फोट, सरकारी इमारतों वाले इलाके में घना धुएं का गुबार दिखा।
- ईरानी मीडिया ने कहा कि स्कूल पर हमले में मरने वालों की संख्या बढ़कर 165 हो गई है।

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 02-03-2026 Zone: Mahanagar Edition: 1 Page: NBTMAH10 User: cci Time: 03-01-2026 23:20 Color:

20 20 WORLD CUP अल्टीमेट रोमांच

कोलकाता में न्यूजीलैंड के खिलाफ सेमीफाइनल खेलना रोमांचक होगा। हमारे खिलाड़ी इसके लिए पूरी तरह तैयार होंगे। हमें ध्यान रखना होगा कि 40 ओवर्स तक अच्छा खेल दिखाना है। - एडेन मार्करम, कप्तान, साउथ अफ्रीका

कुल मैच 52 | टोटल रन 16327 | विकेट गिरे 661 | 4 1340 | 6 699 बाउंड्री मीटर | हाईएस्ट स्कोर: प्लेयर 110 (युवराज सामरा, कनाडा), टीम 256/4 (भारत vs जिम्बाब्वे) | बैटर नंबर-1 383 एस फरहान (पाकिस्तान) | बोलर नंबर-1 13 शैडली वान (यूएसए)

*आंकड़े शाई की वेस्टइंडीज vs भारत मैच तक

25 विकेट गंवाए पाकिस्तान ने मौजूदा टी20 वर्ल्ड कप में डेथ ओवर्स में (16 से 20 ओवर्स)। पाकिस्तान मौजूदा वर्ल्ड कप में डेथ ओवर्स में सर्वाधिक विकेट गंवाने वाली टीम है

टीम इंडिया ने वेस्टइंडीज को पांच विकेट से हराकर सेमीफाइनल में बनाई जगह

संजू स्पेशल से ईडन पर भारत की जय

कोलकाता से लाइव
Rupesh.Singh@timesofindia.com

■**कोलकाता:** कॉन्फिडेंस के नाम पर कई बार ढलेवन से अंदर-बाहर हुए संजू सैमसन ने सोचे को पाटलाकर बना दिया। वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 वर्ल्ड कप के 'नॉकआउट' मैच में स्पेशल पारी खेलकर वह भारतीय टीम की जीत के नायक बन गए। संजू की 97* रन (50 बॉल) की पारी की बदौलत भारत ने 196 रन के रेकॉर्ड चेज के साथ टी20 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में जगह बनाई। टी20 वर्ल्ड कप में टारगेट का पीछा करते हुए भारत के लिए रेकॉर्ड पारी खेलने वाले संजू की इस मैच विनिंग पारी के बाद भारतीय टीम 5 मार्च को मुंबई में इंग्लैंड के खिलाफ भरपूर आत्मविश्वास के साथ उतरेगी।

वर्ल्ड कप में रेकॉर्ड चेज: रोवमैन पॉवेल और जेसन होल्डर की अंतिम ओवरों में निभाई गई 35 गेंद पर 76* रन की साझेदारी ने वेस्टइंडीज को 195/4 के मजबूत टोटल तक पहुंचाया था। भारत ने टी20 वर्ल्ड कप में कभी इतना बड़ा लक्ष्य सफलतापूर्वक हासिल नहीं किया था। पॉवेल ने 19 गेंदों में 34* रन बनाए, जबकि होल्डर ने 22 गेंदों पर 37* रन जोड़े। पावरप्ले में ही अभिषेक शर्मा और ईशान किशन आउट हो गए और फिर टोटल तीन अंकों में पहुंचने से पहले कप्तान सूर्यकुमार यादव (18) भी चलते बने। संजू को यहां से तिलक वर्मा का साथ मिला जिन्होंने 15 गेंद पर 27 रन बनाने के अलावा संजू के साथ 42 रन की साझेदारी करके पारी को पटरी पर डाला।

खामोशी के बीच खुशी भरी चीख: ईडन में अभिषेक आत्मविश्वास के साथ उतरे थे और सामने बाएं हाथ के स्पिनर अकील हुसैन के होने के बावजूद खुद स्ट्राइक लिया। अभिषेक ने दूसरी ही गेंद पर चौका जड़ा। तीसरे ओवर में अकील दोबारा आए तो अभी तक स्ट्राइक से दूर रहे संजू ने उन पर दो सिक्स और एक फोर लगाकर रन गति तेज करने का जिम्मा अपने हाथों में लिया। ओवर में 17 रन बन चुके थे, लेकिन अंतिम गेंद को अपने नाम करने की कोशिश में अभिषेक मिस टाइम कर गए और शिमरॉन हेटमायर ने कैच टपकाने की वो गलती नहीं की जो अभिषेक ने फील्डिंग करते वक्त दो बार की थी। खामोशी के बीच स्टेडियम में कैरेबियन प्लेयर्स की खुशी भरी चीख हर भारतीय दर्शक को परेशान करने लगी। यह तकलीफ और बढ़ गई जब पांचवें ओवर में ईशान ने भी हेटमायर को कैच थमा दिया।

पारी की धड़कन बने संजू: टीम इंडिया ने 41 रन पर ही अपने दो धुरंधर बल्लेबाजों को गंवा दिया था। संजू इस वर्चुअल क्वॉर्टर फाइनल में भारतीय पारी की धड़कन बनकर क्रीज पर डट गए। पावरप्ले में भारत ने दो विकेट पर 53 रन बनाए, जिसमें संजू के 13 गेंदों पर 24 रन रहे। पावरप्ले के बाद के पहले दो ओवर्स में भारत ने 25 रन बटोरे। ये ओवर वेस्टइंडीज के दो बेहतर गेंदबाजों होल्डर और गुडाकेश मोती ने डाले।

भारत vs वेस्टइंडीज

2 कैच टपकाए वेस्टइंडीज के बल्लेबाजों के अभिषेक शर्मा ने। इस वर्ल्ड कप में भारतीय टीम ने कुल 12 कैच टपकाए हैं

19 सिक्स के साथ टी20 वर्ल्ड कप के एक एडिशन में सर्वाधिक सिक्स जड़ने का रेकॉर्ड शिमरॉन हेटमायर ने अपने नाम किया

20 टी20 इंटरनैशनल मैचों से लगातार वरुण चक्रवर्ती ने हरेक मैच में कम से कम एक विकेट जरूर निकाला है

35 विकेट हो गए हैं जसप्रीत बुमरा के टी20 वर्ल्ड कप में और वह अर्शदीप सिंह के साथ वर्ल्ड कप में भारत के सबसे सफल बोलर हैं

50 वां मैच खेला सूर्यकुमार यादव ने कप्तान के तौर पर। T20I में 50 या इससे ज्यादा मैचों में कप्तानी करने वाले वह चौथे भारतीय हैं

97* रन की पारी खेली संजू ने वेस्टइंडीज के खिलाफ। यह टी20 वर्ल्ड कप में किसी भारतीय द्वारा सबसे बड़ी पारी का रेकॉर्ड है

T20 टी20 वर्ल्ड कप 2026

संजू सैमसन 97* रन | 50 बॉल | 12 फोर | 4 सिक्स

स्कोरकार्ड

वेस्टइंडीज: शाई होप बो वरुण 32, रोस्टन चेज कॉ सूर्यकुमार बो बुमरा 40, शिमरॉन हेटमायर कॉ सैमसन बो बुमरा 27, शेरफेन रदरफोर्ड कॉ सैमसन बो पड्या 14, रोवमैन पॉवेल नॉट आउट 34, जेसन होल्डर नॉट आउट 37 **एक्स्ट्राज:** 11 **टोटल:** 20 ओवर्स में चार विकेट पर 195 रन **विकेट:** 1-68, 2-102, 3-103, 4-119 **बोलिंग:** अर्शदीप सिंह 4-0-43-0, हार्दिक पड्या 4-0-40-1, अक्षर पटेल 4-0-35-0, जसप्रीत बुमरा 4-0-36-2, वरुण चक्रवर्ती 4-0-40-1

भारत: अभिषेक शर्मा कॉ हेटमायर बो हुसैन 10, संजू सैमसन नॉट आउट 97, ईशान किशन कॉ हेटमायर बो होल्डर 10, सूर्यकुमार यादव कॉ रदरफोर्ड बो जोसफ 18, तिलक वर्मा कॉ हेटमायर बो होल्डर 27, हार्दिक पड्या कॉ होल्डर बो जोसफ 17, शिवम दुबे नॉट आउट 8 **एक्स्ट्राज:** 12 **टोटल:** 19.2 ओवर्स में पांच विकेट पर 199 रन **विकेट:** 1-29, 2-41, 3-99, 4-141, 5-179 **बोलिंग:** अकील हुसैन 2-0-22-1, मैथ्यू फोर्ड 3-0-22-0, जेसन होल्डर 4-0-38-2, गुडाकेश मोती 2-0-18-0, रोमारियो शेफर्ड 2.2-0-34-0, शामार जोसफ 4-0-42-2, रोस्टन चेज 2-0-18-0

बुमरा का डबल स्ट्राइक

इससे पूर्व, भारतीय टीम के लिए जसप्रीत बुमरा और वरुण चक्रवर्ती ने शानदार बोलिंग की। वरुण ने होप को अंदर की गेंद पर उलझाकर भारत को पहली सफलता दिलाई तो ईडन पहली बार शोर के महासागर में डूब गया। टीम इंडिया के लिए यह राहत की बात नहीं थी क्योंकि शिमरॉन हेटमायर क्रीज पर आ गए थे। बाएं हाथ के इस पावरहिटर ने आते ही दो सिक्स जड़े। उन्होंने 12 बॉल पर 27 रन बना लिए थे और हर गेंद के बाद और खतरनाक होते दिख रहे थे। बुमरा ने 12वें ओवर में आते ही सिर्फ तीसरी गेंद पर इस 'सिक्सर हिटिंग मशीन' का विकेट निकाल डाला। हालांकि, रिव्यू लेने के बाद भी थर्ड अंपायर द्वारा आउट दिए गए फैसले से हेटमायर और डग आउट में बैठे कोच डैरेन सैमी नाखुश नजर आए। कैरेबियन टीम अभी इस सदमे से उबरी भी नहीं थी कि बुमरा एक गेंद बाद जम चुके रोस्टन चेज को भी चलता कर दिया।

स्लॉग ओवर्स में खोया कंट्रोल

भारतीय गेंदबाजों ने स्लॉग ओवर्स शुरू होने से पहले चार विकेट निकाल लिए थे और वेस्टइंडीज के खाते में सिर्फ 119 रन आए थे। अर्शदीप द्वारा डाले गए पारी के 16वें ओवर से नजारा बदल गया। जेसन होल्डर और रोवमैन पॉवेल ने अपने बल्ले के प्रहार से ईडन के शोर को शांत किया। अर्शदीप ने दो सिक्स खाने के अलावा कई अतिरिक्त रन भी दिए जिससे इस एक ओवर में 24 रन बन गए। कैरेबियन बैटर्स ने फिर वरुण और बुमरा को भी निशाने पर लिया। अर्शदीप ने 19वें ओवर में सिर्फ छह रन देकर अपने पिछले ओवर की भरपाई की। इसके बावजूद अंतिम पांच ओवर्स में वेस्टइंडीज के बल्लेबाजों ने बिना विकेट खोए 70 रन बनाए।

World Cup Special Reel

ऐसा पहली बार हुआ टूर्नामेंट में

मौजूदा टी20 वर्ल्ड कप में कई नए कीर्तिमान बने हैं। कुछ टीमें वर्ल्ड कप के शुरुआती चरण में ही बाहर हो गईं, लेकिन उनके खिलाड़ियों ने अपने प्रदर्शन से इसको यादगार बना दिया। एक नजर डालते हैं उन अनोखे रेकॉर्ड्स, खिलाड़ियों और घटनाक्रमों पर, जो टी20 वर्ल्ड कप में इससे पहले कभी नहीं देखे गए

1 युवराज सिंह सामरा

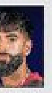

टीम: कनाडा
रेकॉर्ड: टी20 वर्ल्ड कप के इतिहास में सेंचुरी लगाने वाले सबसे युवा बैटर बने। उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच में 19 साल 141 दिन की उम्र में यह उपलब्धि हासिल की।

2 हैरी ब्रुक

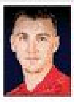

टीम: इंग्लैंड
रेकॉर्ड: ब्रुक टी20 वर्ल्ड कप में सेंचुरी जमाने वाले पहले कप्तान हैं। उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ सुपर-8 में 51 बॉल में 100 रन की पारी खेली।

3 शैडली वान स्काल्कविक

टीम: यूएसए
रेकॉर्ड: शैडली ने ग्रुप स्टेज के चार मैचों में 13 विकेट निकाले। यह टी20 वर्ल्ड कप में किसी असोसिएट देश के बोलर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।

4 साहिबजादा फरहान

टीम: पाकिस्तान
रेकॉर्ड: साहिबजादा ने इस एडिशन में नामीबिया और श्रीलंका के खिलाफ सेंचुरी जमाई। वह टी20 वर्ल्ड कप के एक ही एडिशन में दो सेंचुरी लगाने वाले पहले बैटर हैं। वह एक एडिशन में सर्वाधिक (383) रन बनाने वाले बैटर भी हैं।

5 स्कॉटलैंड

रेकॉर्ड: स्कॉटलैंड ने ग्रुप स्टेज में इटली के खिलाफ चार विकेट पर 204 रन बनाए। स्कॉटलैंड टी20 वर्ल्ड कप में 200+ स्कोर बनाने वाला पहला असोसिएट देश बना।

6 डबल सुपर ओवर

टीम: साउथ अफ्रीका vs अफगानिस्तान
रेकॉर्ड: टीमों के बीच हुए ग्रुप स्टेज मैच का विजेता तय करने के लिए डबल सुपर ओवर का सहारा लेना पड़ा। टी20 वर्ल्ड कप में खेला गया यह पहला सुपर ओवर था।

वर्ल्ड कप स्पेशल QUIZ

इस पेज पर छपी खबरों में ही इन सवालों का जवाब है

1 मौजूदा टी20 वर्ल्ड कप में डेथ ओवर्स में सर्वाधिक विकेट किस टीम ने गंवाए हैं?
A) इंग्लैंड B) साउथ अफ्रीका C) भारत D) पाकिस्तान

2 टी20 वर्ल्ड कप के एक ही एडिशन में दो सेंचुरी बनाने का रेकॉर्ड किस प्लेयर के नाम है?
A) साहिबजादा फरहान B) हैरी ब्रुक C) क्रिस गेल D) विराट कोहली

कल के जवाब
1. A) साउथ अफ्रीका 2. C) 8

लकी WINNERS

1 बलजीत सिंह, करम पुरा, दिल्ली
2 कल्पेश, पालघर, महाराष्ट्र
3 नवीता सक्सेना, गाजियाबाद, यूपी

आप अपने जवाब हमें 9319282367 पर अपने नाम, तस्वीर और शहर/गांव के नाम के साथ वॉट्सऐप करें। एक 'लकी विनर' का नाम और तस्वीर हम कल के अंक में छापेंगे। दो अन्य विजेताओं के नाम भी प्रकाशित होंगे।

फटाफट खबरें

गुकेश ने फिर खेला ड्रॉ

■**प्राग:** वर्ल्ड चैंपियन डी गुकेश का पहली जीत का इंतजार प्राग इंटरनैशनल चेस फेस्टिवल के चौथे राउंड में भी जारी रहा। चेक रिपब्लिक के डेविड नवारा ने उन्हें ड्रॉ पर रोका। नीदरलैंड्स के जॉर्डन वान फॉरेस्ट ने उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक याकुबोव्व को हराकर तीन अंक के साथ बढ़त बनाई। अरविंद चिदंबरम को विन्सेंट केमर से हार मिली।

लुकाकू का विजयी गोल

■**मिलान:** रोमेलु लुकाकू ने इंजरी टाइम में गोल दागकर नेपोली को हेलास वेरोना पर 2-1 से जीत दिलाई। गंभीर चोट के कारण पूरे सीजन में सीमित समय खेलने वाले लुकाकू का यह सीजन का पहला गोल है। यह नेपोली की चार मैचों में पहली जीत रही।

सीना बने चैंपियन

■**पुणे:** इटली के युवा फेडरिको सीना ने महा ओपन एटीपी चैलेंजर 75 के मेंस सिंगल्स का खिताब अपने नाम किया। उन्होंने फाइनल में ब्रिटेन के फेलिक्स गिल को 6-3, 5-7, 7-6 से मात दी।

ओल्बाना को खिताब

■**चंडीगढ़:** चंडीगढ़ इंटरनैशनल मैराथन में 3500 धावकों ने हिस्सा लिया। फुल मैराथन में इथियोपिया के ओल्बाना एन वैहेट और मेस्केरेम तेरफाये किंफाहू ने क्रमशः पुरुष और महिला वर्ग का खिताब जीता।

सिकंदर ने की भरपूर कोशिश, लेकिन साउथ अफ्रीका जीता

नई दिल्ली से लाइव
Sanjeev.Kumar11@timesofindia.com

■**नई दिल्ली:** कप्तान सिकंदर रजा के ऑलराउंड प्रदर्शन (73 रन और 3 विकेट) के बावजूद जिम्बाब्वे की टीम प्रचंड फॉर्म में चल रहे साउथ अफ्रीका के विजय अभियान पर ब्रेक नहीं लगा सकी। टी20 वर्ल्ड कप के सुपर-8 मैच में साउथ अफ्रीका ने जिम्बाब्वे को पांच विकेट से हराकर अपनी जीत का सिलसिला आगे बढ़ाया। पहले ही सेमीफाइनल में जगह बना चुकी अफ्रीकी टीम अब कोलकाता में न्यूजीलैंड से भिड़ेगी।

नहीं मिला किसी का साथ: टॉस जीतकर पहले बैटिंग करने उतरी जिम्बाब्वे की टीम की शुरुआत खराब रही। एक छोर पर विकेट गिरते रहे, लेकिन सिकंदर ने मोर्चा संभाले रखा। उन्होंने महज 43 बॉल पर 8 फोर और 4 सिक्स की मदद से 73 रनों की तूफानी पारी खेली। उनके अलावा सिर्फ क्लाइव मदांदे (26* रन, 20 बॉल) ही कुछ टिक सके, जिसके दम पर टीम ने 153 रनों का सम्मानजनक स्कोर खड़ा किया। क्वेना मफाका और कोर्बिन बॉश ने 2-2 विकेट लिए।

शुरुआत में बनाया प्रेशर: केवल 154 रनों के टारगेट का पीछा करने उतरी साउथ अफ्रीका की शुरुआत झटकों भरी रही। क्विंटन डीकॉक (0) और कप्तान एडेन मार्करम (4) सस्ते में पविलियन लौट गए। मैच पर जिम्बाब्वे का शिकंजा कसता नजर आ रहा था, लेकिन रयान रिकेल्टन (31 रन) और डेवाल्ड ब्रेविस (42 रन) ने आक्रामक रुख अपनाकर साउथ अफ्रीका से दबाव हटा दिया। ब्रेविस ने महज 18 गेंदों में 4 सिक्स और 2 फोर जड़कर जिम्बाब्वे के बोलर्स को बैकफुट पर धकेल दिया। बीच में डेविड मिलर (22 रन) ने भी हाथ दिखाए। इसके बाद सिकंदर ने अपनी फिरकी का कमाल दिखाया और तीन विकेट लेकर मैच में रोमांच भर दिया। हालांकि, जॉर्ज लिंडे (30* रन, 21 बॉल) और ट्रिस्टन स्टब्स (21* रन, 24 बॉल) की 53* रनों की अटूट साझेदारी ने 17.5 ओवर्स में ही साउथ अफ्रीका की जीत सुनिश्चित कर दी।

हारने पर मुझे पहले कभी 'मैन ऑफ द मैच' नहीं मिला। वैसे हर हार अपने साथ कुछ कीमती सबक लेकर आती है। उम्मीद है कि हम पहले से अधिक मजबूत और बेहतर होकर वापसी करेंगे।
-सिकंदर रजा, कप्तान, जिम्बाब्वे क्रिकेट टीम

साउथ अफ्रीका vs जिम्बाब्वे | सुपर-8 का मैच

90 विकेट हो गए हैं लुंगी एनगिडी के नाम टी20 इंटरनैशनल में। वह इस फॉर्मेट में साउथ अफ्रीका के टॉप बोलर बन गए हैं

ब्रीफ स्कोर
जिम्बाब्वे: 20 ओवर्स में 153/7 (सिकंदर रजा 73, क्लाइव मदांदे 26*, क्वेना मफाका 2/21, कोर्बिन बॉश 2/40)
साउथ अफ्रीका: 17.5 ओवर्स में 154/5 (डेवाल्ड ब्रेविस 42, रयान रिकेल्टन 31, सिकंदर रजा 3/29)

एक बार फिर परफेक्ट रेकॉर्ड

NBT Lens खबरों के अंदर की बात

साउथ अफ्रीकी टीम ने एक बार फिर परफेक्ट रेकॉर्ड के साथ नॉकआउट राउंड में जगह बनाई है। यह टीम पिछले वर्ल्ड कप में भी प्रचंड फॉर्म में थी। उसने ग्रुप स्टेज में बांग्लादेश, श्रीलंका, नीदरलैंड्स और नेपाल को हराने के बाद सुपर-8 में इंग्लैंड, वेस्टइंडीज और यूएसए को शिकस्त दी थी। सेमीफाइनल में उसके सामने अफगान टीम ने आसानी से घुटने टेक दिए थे। वह खिताबी मैच में भी भारत के खिलाफ बेहतर स्थिति में थी, लेकिन अंत में 7 रन से मैच गवा बैठी। इस वर्ल्ड कप में भी प्रोटियाज ने अब तक के अपने सभी सात मैच जीते हैं। अब सेमीफाइनल में ईडन गार्डंस में उसके सामने न्यूजीलैंड है।

हमने उम्मीद से कम प्रदर्शन किया है: आगा

पाकिस्तान के कप्तान सलमान अली आगा

■**एजेंसियां, पल्लेकेले:** सलमान अली आगा ने टी20 वर्ल्ड कप सुपर-8 राउंड से बाहर होने के बाद टीम के कमजोर प्रदर्शन की पूरी जिम्मेदारी लेते हुए माना कि दबाव के क्षणों में पाकिस्तान सही फैसले नहीं ले सका। श्रीलंका के खिलाफ पांच रन की जीत के बावजूद पाकिस्तान सेमीफाइनल में जगह बनाने से चूक गया।

मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कप्तान आगा ने कहा, 'हमने उम्मीद से कम प्रदर्शन किया है। बीस ओवरों के मैच में हमने 18 ओवर बहुत अच्छे से खेले और दूसरी टीम को दो ओवर अच्छे से खेलने दिए गए। आखिरी तीन ओवर्स में रणनीति पर अच्छी तरह अमल नहीं किया।' उन्होंने

वर्ल्ड कप रिएक्शंस

खराब प्रदर्शन की जिम्मेदारी लेते हुए आगे कहा, 'हम इसकी पूरी जिम्मेदारी लेंगे। क्यों नहीं? क्योंकि हम टीम चुनने में शामिल थे और खिलाड़ियों के लिए हम जिम्मेदार थे। मैं जिम्मेदारी लूंगा और मुझे यकीन है कि कोच भी लेंगे। जब हम दबाव में हों तो हमें बेहतर फैसले लेने होंगे।'

कप्तानी छोड़ने का सवाल: कप्तानी छोड़ने से जुड़े सवाल पर आगा असहज दिखे। उन्होंने कहा, 'अभी कोई फैसला भावनात्मक होगा। हमें समय लेकर ठंडे दिमाग से सोचना होगा।' उन्होंने आगे कहा कि टीम फैसले सामूहिक होते हैं, किसी एक व्यक्ति के नहीं।

वर्ल्ड कप में निराशा के बाद जयसूर्या छोड़ेंगे कोच का पद

कोलंबो: सनथ जयसूर्या ने टी20 वर्ल्ड कप में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद श्रीलंका क्रिकेट टीम के हेड कोच पद से हटने का फैसला लिया है। सह-मेजबान श्रीलंका सुपर-8 स्टेज में अपने सभी मुकाबले हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गया। पाकिस्तान के खिलाफ आखिरी मैच में हार के बाद जयसूर्या ने कहा कि उनका कॉन्ट्रैक्ट जून में खत्म होना था, लेकिन वह उससे पहले ही पद छोड़ना चाहते हैं और इस फैसले पर श्रीलंका क्रिकेट से चर्चा करेंगे।

धमाकों के बीच फंसी सिंधु और उनके कोच

■**एजेंसियां, दुबई:** बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु ने संडे को दुबई हवाई अड्डे पर स्थिति को 'तनावपूर्ण और डरावना' बताया क्योंकि जहां खाड़ी क्षेत्र में बढ़ते तनाव के बीच वह और उनके इंडोनेशियन कोच रुके हुए थे और उसके पास एक धमाका हुआ। सिंधु को तीन मार्च से शुरू होने वाली ऑल इंग्लैंड ओपन बैडमिंटन चैंपियनशिप में हिस्सा लेना है और वह शनिवार से अपने इंडोनेशियन कोच इर्वान्स्याह आदि प्रतामा के साथ दुबई में फंसी हुई हैं। सिंधु ने पीटीआई विडियो को बताया, "जैसे ही हमारा विमान दुबई में उतरा तो हमारे कंट्रोल से बाहर की चीजें होने लगीं। कुछ घंटों बाद दुबई हवाई अड्डे पर हम जहां छिपे हुए थे उसके बहुत पास एक धमाका हुआ। जब यह हुआ तो मेरे कोच मुश्किल से 100 मीटर दूर थे। अब हमें होटल में रखा गया है। हम ठीक हैं।"

वॉर का असर

बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु

चैंपियंस लीग के मैच स्थगित

कुआलालंपुर: एशियन फुटबॉल कॉन्फेडरेशन ने ईरान पर अमेरिका और इस्राइल के हमले के बाद इस हफ्ते पश्चिम एशिया में होने वाले महाद्वीपीय क्लब चैंपियनशिप एलीट मैच को स्थगित कर दिया है। पश्चिम क्षेत्र में मंगलवार और बुधवार को होने वाले एएफसी चैंपियंस लीग टू और एएफसी चैलेंज लीग क्वॉर्टर फाइनल्स मैच भी स्थगित किए जाएंगे। वहीं, वॉर की वजह से पाकिस्तान शाहीन्स और इंग्लैंड लायन्स के बीच चल रही सीरीज का दूसरा वनडे मैच अबू धाबी में रद्द कर दिया गया। उधर, फ्लाइट कैंसिल होने की वजह से भारतीय आइस हॉकी टीम जर्मनी नहीं जा पाई।

बेयरस्टो ने लगाई मदद की गुहार

नई दिल्ली: इंग्लैंड के बैटर जॉनी बेयरस्टो अबू धाबी में फंसे हुए हैं। इंग्लैंड लायन्स टीम के साथ बतौर कोच अबू धाबी आए जॉनी ने मदद की गुहार लगाई है। इंग्लैंड के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने ईरान पर अपना बयान पोस्ट किया था। इसके जवाब बेयरस्टो ने एक्स पर लिखा, 'क्या आप हमें घर पहुंचा सकते हैं?'

आखिरी मैच में हीली की स्पेशल पारी, भारतीय टीम सीरीज हारी

■**एजेंसियां, होबार्ट:** ऑस्ट्रेलिया की कप्तान एलिसा हीली ने वनडे करियर के आखिरी मैच को यादगार बनाते हुए 158 रन की विस्फोटक पारी खेली। इसकी बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने भारत के खिलाफ तीसरे व अंतिम मैच में 185 रन की बड़ी जीत दर्ज करते हुए सीरीज 3-0 से अपने नाम कर ली। टॉस हारकर बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने 'प्लेयर ऑफ द मैच' हीली और बेथ मूनी (106* रन) की शतकीय पारियों की बदौलत सात विकेट पर 409 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। हीली ने अपने 126वें वनडे में 98 गेंदों पर 27 फोर और दो सिक्स की मदद से आठवां वनडे शतक जड़ा। भारतीय टीम 45.1 ओवर्स में 224 रन पर सिमट गई। इससे पूर्व, अपने वनडे करियर के आखिरी मैच में उतरी हीली को भारतीय टीम ने 'गार्ड ऑफ ऑनर' दिया।

ऑस्ट्रेलिया Vs भारत
विमिंस वनडे सीरीज, तीसरा मैच

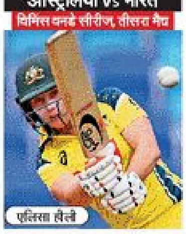

एलिसा हीली

कनाडा के 'युवराज' बदलना चाहते हैं ट्रेंड

Bhavin.Pandya
@timesofindia.com

■**मुंबई:** बीते 17 फरवरी को चेन्नै में न्यूजीलैंड के खिलाफ T20 वर्ल्ड कप में 65 गेंदों पर 110 रन की जबर्दस्त पारी से कनाडा के युवा बैटर युवराज सिंह सामरा सुर्खियों में आए थे। वर्ल्ड कप में कनाडा का सफर काफी पहले खत्म हो चुका है लेकिन सामरा स्वदेश नहीं लौटे हैं। टीम का अभियान खत्म होने के बाद वह मुंबई पहुंच गए। अपने खेल को और निखारने के लिए वह कुछ दिन यहीं रहेंगे। उनके मार्गदर्शक बने हैं जानेमाने कोच ज्वाला सिंह जो, जिन्होंने यशस्वी जायसवाल, पृथ्वी शॉ को तराशा है।

कोच ज्वाला सिंह के साथ युवराज

विडियो कॉल से हुआ था संपर्क: कोविड के बाद के दौर में ज्वाला से युवराज का संपर्क विडियो कॉल के जरिए हुआ था। इसके लिए युवराज के पिता ने कोशिश की थी। ज्वाला ने बताया, "तब युवराज के साथ बातचीत और उनकी बैटिंग के विडियोज देखने के बाद लगा कि उनमें गजब का पोटेंशियल है। इसी और निखारने के लिए उन्हें टर्निंग पिच बैटिंग प्रैक्टिस चाहिए। मुझे खुशी है कि उन्होंने वर्ल्ड कप के बाद भारत में रहने का फैसला लिया।"

मैं हर साल मुंबई आऊंगा, ज्वाला सर के पास ट्रेनिंग के लिए। कनाडा में साल के इस समय मौसम बर्फीला रहता है। माइनस में रहता है टेंपरेचर इसलिए रोज आउटडोर प्रैक्टिस संभव नहीं।
-युवराज सिंह सामरा

मुंबई में मिला आदर्श माहौल: मुंबई की टर्निंग पिचें, जहां बैटर्स का असली इम्तिहान होता है, सामरा का नया लर्निंग स्कूल हैं। सामरा ने बताया, 'कनाडा में इस मौसम में बर्फबारी के कारण नियमित आउटडोर अभ्यास मुश्किल हो जाता है। इंडोर नेट्स में तकनीक पर काम तो होता है, लेकिन मैच वाली सिचुएशन की फीलिंग नहीं आ पाती। मुंबई की पिचें उन्हें वही चुनौती दे रही हैं-धीमी सतह, अचानक टर्न, असमान उछाल, जहां बल्लेबाज को हर गेंद पर सोचना पड़ता है।' सामरा ने बताया कि कनाडा में केवल क्रिकेट खेलकर भारत की तरह जीवनयापन संभव नहीं। वहां नौकरी या अन्य पेशेवर काम भी करना पड़ता है।

सविता बाहर, टेटे को मिली टीम की कमान

■**एजेंसियां, हैदराबाद:** हॉकी इंडिया ने विमिंस हॉकी वर्ल्ड कप क्वॉलिफायर के लिए 20 सदस्यीय भारतीय टीम की घोषणा कर दी है। अनुभवी गोलकीपर और पूर्व कप्तान सविता पूनिया निजी कारणों से टूर्नामेंट से हट गई हैं। सलीमा टेटे को टीम की कमान सौंपी गई है। यह क्वॉलिफायर आज से 14 मार्च तक हैदराबाद में खेला जाएगा।

वर्ल्ड कप क्वॉलिफायर

कप्तान सलीमा टेटे

टीम: बांसरी सोलंकी, बिच्चू देवी खारीबम, सुशीला चानू पुखरामबम, निक्की प्रधान, मनीषा चौहान, ज्योति, इशिका चौधरी, नेहा, सलीमा टेटे, सुनीता टोप्पो, साक्षी राणा, वैष्णवी विठ्ठल फाल्के, रुतजा दादासो पिसल, दीपिका सोरेंग, नवनीत कौर, इशिका, लालरेमसियामी, ब्यूटी डुंगडुंग, बलजीत कौर, अन्नू।

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 02-03-2026 Zone: Mahanagar Edition: 1 Page: NBTMAH11 User: cci Time: 03-01-2026 22:23 Color:

नवभारत टाइम्स NBT
Delhi Times
masala mix
MONDAY, MARCH 2, 2026 ADVERTORIAL, ENTERTAINMENT, PROMOTIONAL FEATURE

करण जौहर हाल ही में बोले, 'कलाकार इनसिक्योर होते हैं, कोई वफादार नहीं'

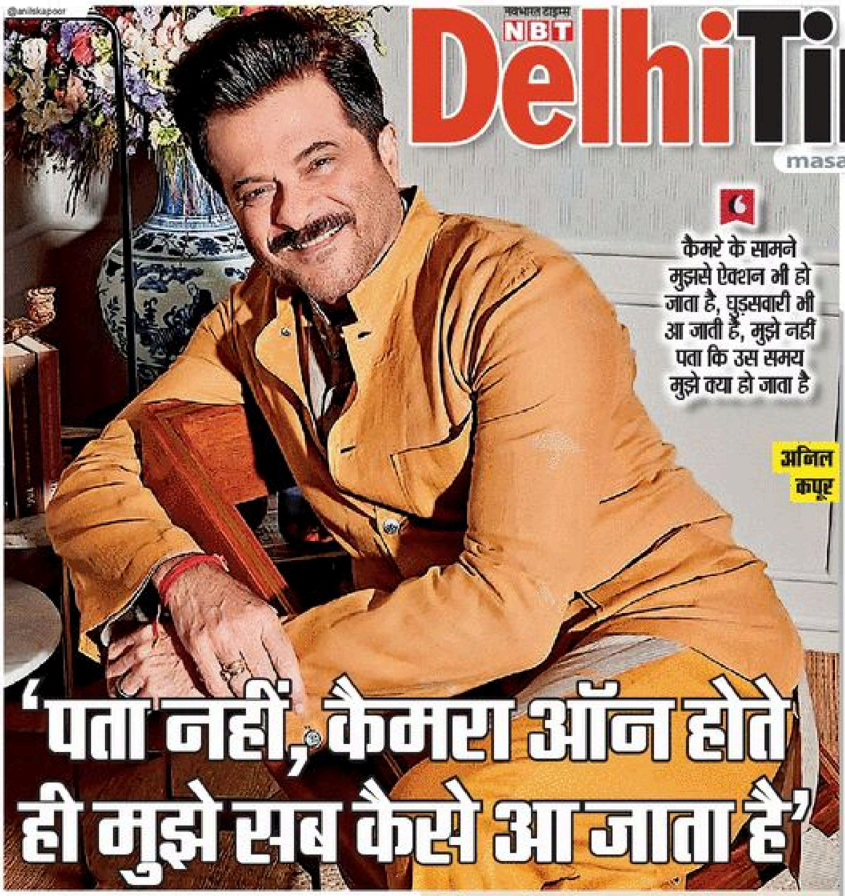

@anilskapoor

कैमरे के सामने मुझसे ऐक्शन भी हो जाता है, घुड़सवारी भी आ जाती है, मुझे नहीं पता कि उस समय मुझे क्या हो जाता है

अनिल कपूर

'पता नहीं, कैमरा ऑन होते ही मुझे सब कैसे आ जाता है'

गौरव खरे

अनिल कपूर बतौर ऐक्टर फिल्म इंडस्ट्री में चार दशक से भी ज्यादा समय से काम कर रहे हैं। अब वह जल्द ही फिल्म सूबेदार में नजर आने वाले हैं। इसी से जुड़े एक इवेंट में उन्होंने कहा, 'अगर मैं चुनौतियां लेना छोड़ दूंगा तो जिंदगी जीने का मजा क्या रहेगा। मुझे चुनौतियों से प्यार है।'

'मैं 16-16 घंटे भी काम करता हूं'

अनिल का कहना है कि कैमरा सामने आते ही उन्हें सब कुछ अपने आप आ जाता है। वह कहते हैं, 'एक फिल्म थी जिसमें मुझे घोड़े पर सवार होना था, जो कि मैं पहले कभी नहीं हुआ था। मैंने बड़े-बड़े घोड़े फिल्मों में देखे थे, लेकिन पता नहीं ऐसा क्या होता है कि जब कैमरा ऑन होता है, तो मुझे सब कुछ अपने आप आ जाता है। ऐसा कैसे होता है ये मुझे आज तक समझ नहीं आया। ऐक्शन भी हो जाता है, घुड़सवारी भी आ जाती है, मोटरसाइकिल पर भी बैठ जाता हूं।' उन्होंने आगे कहा, 'मैं कभी-कभी 16 घंटे भी काम करता हूं, कभी-कभी ऐसा भी हुआ है कि सुबह 7 बजे शूटिंग की है और अगले दिन पैकअप हुआ।'

'मैं आज भी हमेशा अपने डायरेक्टर के चेहरे पर सिर्फ मुस्कुराहट ही देखना चाहता हूं'

इतने दशक में उनके लिए क्या कुछ बदला है? इस सवाल के जवाब में वह कहते हैं, 'हर दौर में अच्छे-अच्छे फिल्ममेकर्स होते हैं। मैं खुशनसीब रहा हूं कि मुझे उनसे जुड़ने का मौका मिला। इसकी वजह ये भी है कि उनकी कहानियां अच्छी थीं, मेरे साथी कलाकार अच्छे थे, इसलिए वे फिल्में आज भी लोग याद करते हैं।' वह आगे कहते हैं, 'मेरा एक ही उद्देश्य रहता है कि जो मेरी फिल्म का डायरेक्टर है, मेरे काम करने के बाद उसके चेहरे पर मुस्कुराहट रहे। मैं 1983 में भी लीडिंग मैन था, हालांकि उस समय मुझे कोई जानता नहीं था। बापू साहब से लेकर 'वो सात दिन' तक जो मेरे डायरेक्टर थे, वह मेरे काम से खुश थे। उम्मीद है कि आज जिनके साथ काम करता हूं, वह भी खुश होते होंगे।'

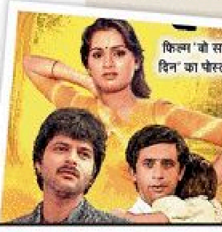

फिल्म 'वो सात दिन' का पोस्टर

तमन्ना ने ऐक्ट्रेस को दी खास सलाह

तमन्ना भाटिया ने एक इंटरव्यू में फाइनैंशियल प्लानिंग के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने जोर दिया कि ऐक्टर्स को अपने काम से अलग निवेश पर भी ध्यान देना चाहिए, नहीं तो एक समय बाद उनके पास कुछ भी नहीं बचेगा। बकौल तमन्ना, 'खासकर ऐक्टर्स के साथ ऐसा बहुत होता है कि आप शायद लगातार बहुत पैसा कमा रहे हो, लेकिन अगर आप इसे सही समय पर बचाते नहीं हैं या इसे बढ़ाने के तरीके नहीं ढूंढते हैं, तो अंत में आपको एहसास होता है कि आपके पास कुछ खास नहीं बचा है।' इस दौरान तमन्ना ने बताया कि उनके करियर के शुरुआती दौर में उनके पिता ने उनकी कमाई को मैनेज करने में अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने कहा, 'मेरे पिता तब मेरे फाइनैंस का ख्याल रखते थे। वह आज भी मुझे सपोर्ट और गाइड करते हैं।'

अगर आप सही समय पर पैसे नहीं बचाते हैं तो अंत में आपको एहसास होता है कि आपके पास कुछ खास नहीं बचा

राघव और परिणीति ने बेटे के लिए घर में बनाई सेंक्चुअरी

@parineetichopra

बेटे नीर के कमरे में राघव-परिणीति

परिणीति चोपड़ा और राघव चड्ढा ने अपने बेबी बॉय नीर के लिए एक प्यारा सा कमरा तैयार किया है जिसे उन्होंने बेटे नीर के लिए सेंक्चुअरी बताया है। दरअसल उन्होंने अपने बेटे के कमरे को ऐसा लुक दिया है जिसमें कई जानवरों के सॉफ्ट टॉय रखे हैं। उन्होंने इसकी फोटोज सोशल मीडिया पर शेयर की। फोटोज में नीर का छोटा सा कमरा दिख रहा है, जिसमें एक छोटा सा बेड और सॉफ्ट टॉयज रखे हुए हैं। इन तस्वीरों के साथ परिणीति ने लिखा, 'नीर के लिए हमारी छोटी सी सेंक्चुअरी। पहली बार माता-पिता बनने के नाते, हम चाहते थे कि हमारी नर्सरी ऐसी हो जहां कदम रखते ही शांति और ध्यान जैसा अहसास हो। हल्की धूप, ठंडी हवा, नरम रंग और एक सादगी भरा क्लासिक अंदाज जो हम दोनों की पसंद को दर्शाता है। हम नहीं चाहते कि शुरुआती महीनों में यह कमरा शोर-शराबे वाला हो। शुरुआती दिनों के लिए बस गर्माहट, हीलिंग एनर्जी और एक ऐसी जगह जहां हम तीनों सुकून से रहें।'

NBT कम्युनिटी कनेक्ट

मातृभाषा दिवस पर भोजपुरी कवि सम्मेलन

आयोजन से भोजपुरी भाषियों को मिला सशक्त मंच

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: मातृभाषा दिवस के अवसर पर सफदरजंग एयरपोर्ट अथॉरिटी क्लब के सभागार में 'भोजपुरी समाज, दिल्ली' ने कवि सम्मेलन और विचार-मंथन का आयोजन किया। इस दौरान 'विश्व भोजपुरी सम्मेलन' और 'भोजपुरी समाज' के अध्यक्ष अजीत दुबे ने कहा कि मातृभाषाएं हमारी संस्कृति, जीवन-दर्शन, इतिहास और लोक परंपराओं की संवाहक होती हैं। इस अवसर पर राज्य सभा सांसद अशोक वाजपेयी ने देश-विदेश में भोजपुरी की लगातार बढ़ रही लोकप्रियता को लेकर प्रसन्नता व्यक्त की।

भाजपा पूर्वांचल मोर्चा के अध्यक्ष संतोष ओझा ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम के आयोजन से राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में भोजपुरी भाषियों को एक सशक्त मंच मिलता है। भारत सरकार के पूर्व सचिव अमरेंद्र कुमार दुबे ने कहा कि भोजपुरी भाषा न सिर्फ एक भाषा है, बल्कि भारतवर्ष की एक जीवंत संस्कृति भी है।

मोहन उप्रेती की स्मृतियों के बीच गूंजी लोक धुनें

मोहन उप्रेती के 98वें जन्मदिवस पर हुआ आयोजन

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: सांस्कृतिक संस्था 'पर्वतीय कला केंद्र' की ओर से संस्था के संस्थापक और रंगमंच जगत के सुप्रसिद्ध संगीतकार मोहन उप्रेती के 98वें जन्मदिवस पर बीते शनिवार को मंडी हाउस स्थित एलटीजी सभागार में संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संस्था की 58 वर्षों की प्रभावी उपलब्धियों पर स्मारिका का लोकार्पण और मोहन उप्रेती द्वारा गीतनाट्यों व नाटकों में संगीतबद्ध किए गए गीत-संगीत का आयोजन किया गया।

आयोजित संगोष्ठी में प्रमुख वक्ताओं में संगीत नाटक अकादमी सम्मान प्राप्त दीवान सिंह बजेली, वरिष्ठ साहित्यकार व हिंदी अकादमी, दिल्ली सरकार के सेवानिवृत्त सचिव डॉ. हरिसुमन बिष्ट, आंचलिक फिल्म निर्माता संजय जोशी, उत्तराखंड प्रवासी राज्यमंत्री पूरन चंद्र नैलवाल, उत्तराखंड सीएम के मीडिया कोऑर्डिनेटर मदन मोहन सती, भारतीय उद्योग जगत से जुड़े टी. सी. उप्रेती व नरेंद्र लडवाल आदि थे।

कहीं सुरों की 'बैठकी' तो कहीं 'फागुली' का जश्न

रागों की धुन और लोक नृत्यों की जुगलबंदी में बसी 'पहाड़ी होली'

Poonam.Bisht
@timesofindia.com

■ नई दिल्ली: भारत में होली के यूं तो कई रूप प्रचलित हैं मगर ब्रज और पहाड़ी होली इनमें सबसे अलग है। ब्रज की होली के बारे में तो सभी लोग जानते हैं मगर पहाड़ी होली के बारे में बहुत सी बातें अब भी लोग नहीं जानते। उत्तराखंड के कुमाऊं और गढ़वाल क्षेत्र में गाई जाने वाली पहाड़ी होली इसलिए खास है क्योंकि यह दो-चार दिन का नहीं बल्कि महीने भर से भी पहले मनाई जाने लगती है। होली के इस रूप में गायन, वादन अहम हो जाता है और यही बात इसे खास बनाती है। पहाड़ी होली के विशेषज्ञ संदीप गोरखा बताते हैं, पहाड़ी होली के चार रूप हैं : पहली बैठकी होली जिसमें रागों के आधार पर गीत गाए जाते हैं। यह पूस के महीने के पहले रविवार से शुरू हो जाती है। दूसरा रूप है पुरुषों की खड़ी होली का। यह रंगभरनी एकादशी से अपने चरम पर आता है। पहाड़ी होली का तीसरा रूप है महिला होली का। यह अमूमन बैठकर गाई जाती है। होली का चौथा रूप है स्वांग का। यह विनोद के रूप में की जाती है। हालांकि होली का यह रूप अब कम ही देखा जाता है। उत्तराखंड के कुमाऊं क्षेत्र में होली के ये चारों रूप अमूमन प्रचलित हैं।

गढ़वाल और कुमाऊं क्षेत्र में दिखते हैं पहाड़ी होली के अलग रंग

पहाड़ में महीने भर पहले से मनाई जाती है होली

पहाड़ी होली का यह रूप कुछ इस तरह हुआ विकसित

पहाड़ी होली की जानकार डॉ कुसुम भट्ट बताती हैं, उत्तराखंड के गढ़वाल क्षेत्र में बैठकी होली की बजाय खड़ी होली ज्यादातर गाई जाती है। यह सिलसिला होलिका अष्टमी से शुरू होता है। यहां पैया (पहाड़ी पेड़) की डाली तोड़कर उसकी पूजा की जाती है। इसे उसी जगह पर रोपा जाता है जहां होलिका जलाने वाला स्थान होता है। इसके बाद जगह-जगह जाकर हुल्यार होली गीत गाते हुए होली का दान मांगते हैं। ये लोग सफेद झंडा लेकर चलते हैं जिसे प्रहलाद कहते हैं। लोग इन हुल्यारों को पैसे, गुड़, वस्त्र आदि अपने सामर्थ्य से दान देते हैं।

खोलो किवाड़ चलो मठ भीतर...

Poonam.Bisht
@timesofindia.com

■ दिल्ली में उत्तराखंड की लोक संस्कृति के प्रमुख केंद्र 'गढ़वाल भवन' में 'उत्तराखंड लोक मंच' के अध्यक्ष बृजमोहन उप्रेती के नेतृत्व में शनिवार शाम पारंपरिक बैठी होली और खड़ी होली का आयोजन किया गया। गायक सर्वेश्वर बिष्ट, सतेंद्र फरंडीयाल और सुजन रावत ने अपने होली गीतों से बैठी होली का रंग जमाया तो उत्तराखंड के राठ क्षेत्र से पहुंची सचिन पुरोला होल्यार टीम और साहिबाबाद से आई 'पर्वतीय ब्रात् मंडल' की टीम ने गढ़वाल क्षेत्र की पारंपरिक खड़ी होली को मंच पर प्रस्तुत किया। इस अवसर पर नीरज बवाड़ी और मीना कंडवाल ने भी होली गीतों के साथ लोक गीतों की शानदार प्रस्तुति दी। इनमें जिला जज (गाजियाबाद) विनोद रावत, सीनियर अधिवक्ता संदीप शर्मा, चारू तिवारी, डॉ. शरद पांडे, पी.एस. नेगी, मुकेश हिंदवाण, गढ़वाल हितैषिणी सभा के अध्यक्ष सूरत सिंह रावत, राकेश गौड़, वरिष्ठ कांग्रेसी नेता लक्ष्मण सिंह रावत, पी. एन. शर्मा, पूर्व निगम पार्षद गीता रावत, खुशहाल सिंह बिष्ट, डॉ. ए.पी. लखेड़ा, प्रभाकर पोखरियाल, आर.पी. चमोली, वीरेंद्र सिंह नेगी, राकेश बुडाकोटी, दिनेश ध्यानी, नीरज बवाड़ी और मीना कंडवाल आदि शामिल थे।

उत्तराखंडी युवाओं की होल्यार टीमों ने जमाया पारंपरिक होली का रंग

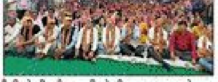

बैठी होली और खड़ी होली का हुआ आयोजन

और इंटरनेट पर छा गई सांगला की होली

सांगला घाटी में 4 मार्च तक चलेगा होली का उत्सव

सांगला घाटी में चार दिन का पर्व : हिमाचल के किन्नौर की होली को फागुली कहा जाता है। सांगला घाटी में इस बार संडे से उत्सव शुरू हुआ है जो 4 मार्च तक चलेगा।

होली के पूर्व संध्या पर अनुष्ठान: होली से एक रात पहले समुदाय एक साथ बोनफायर पर कुछ खास अनुष्ठान और रीति-रिवाज करते हैं, जो त्योहार की शुरुआत का हिस्सा है।

कासुर का स्वाद: इस पर्व के दौरान स्थानीय लोग अपनी पारंपरिक शराब कासुर बांटते हैं, जो इस संस्कृति का एक खास हिस्सा है।

देवता, रंग और नृत्य: मुख्य दिन पर लोग मंदिर में पूजा, लोक गीत गाते हैं और पर्व के एक हिस्से के रूप में पारंपरिक वेश-भूषा में रामायण के पात्रों की रूप-रेखा में नृत्य और नाटक करते हैं, जिससे यह उत्सव और भी जीवंत बनता है।

ढोल, भजन और लट्ठ की गूंज: ऐसे खेली जाती है गुर्जरों की अनोखी होली

Mohit.Chandela
@timesofindia.com

■ छोटी होली पर माताएं बच्चों की लंबी उम्र के लिए रखती हैं व्रत
■ चौपालों में कई दिन पहले से गूंजते भजन, गीत और ढोल-नगाड़ों की थाप
■ रंग वाली होली पर गांव भर में टोलियां बनाकर घर-घर खेला जाता गुलाल
■ दोपहर होते ही प्रेम और मस्ती के संग शुरू होती लट्ठमार होली

■ नई दिल्ली: रंगों का त्योहार होली पूरे देश में उत्साह और उमंग के साथ मनाया जाता है, लेकिन गुर्जर समाज में यह पर्व सिर्फ रंग-गुलाल तक सीमित नहीं रहता। यहां होली की शुरुआत कई दिन पहले से ढोल-नगाड़े, भजन संध्या, पूजा-पाठ और पारंपरिक रस्मों के साथ हो जाती है। छोटी होली से लेकर रंग वाली होली अपना अलग महत्व और उत्साह होता है।

समाज के लोगों ने बताया कि छोटी होली के दिन माताएं अपने बच्चों की लंबी उम्र और सुख-समृद्धि की कामना के लिए व्रत रखती हैं। देवी-देवताओं की विधि-विधान से पूजा की जाती है और उन्हें भोग लगाया जाता है। गांवों की चौपाल पर लोग एकत्रित होकर होलिका दहन से पहले ढोल-नगाड़े बजाते हैं। होलिका माता का पूजन गुड़, हल्दी, जल, दूध, घी, जौ की बाल और गोबर से निर्मित बुरकला से किया जाता है। पूजन के बाद खीर-पूड़ी का प्रसाद बनाया जाता है। माताएं अपने घर के मुख्य द्वार पर हल्दी से शुभ प्रतीक सातियां बनाकर व्रत खोलती हैं।

दिल्ली, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के गुर्जर बहुल इलाकों में होली से कई दिन पहले से ही भजन और पारंपरिक गीतों का अभ्यास शुरू हो जाता है। शाम ढलते ही गांव के लोग चौपाल पर जुटते हैं। बच्चे, बुजुर्ग और युवा मिलकर होली के गीत गाते हैं। होली से एक दिन पहले भजन संध्या और गीत प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जाती हैं, जिससे त्योहार का माहौल और भी रंगीन हो जाता है।

रंग वाली होली के दिन सुबह से ही घरों में पकवानों की खुशबू फैल जाती है। कचौड़ी, पकौड़ी और अन्य पारंपरिक व्यंजन बनाए जाते हैं। इसके बाद गांव में अलग-अलग टोलियां बनती हैं, जो घर-घर जाकर एक-दूसरे को रंग लगाती हैं। यह दौर हंसी-मजाक और आपसी प्रेम का होता है। दोपहर होते-होते गांव का माहौल एक अलग रंग में रंग जाता है, जब लट्ठमार होली की शुरुआत होती है। महिलाएं लट्ठ उठाती हैं और पुरुषों को प्रेमपूर्वक मारती हैं। यह परंपरा आपसी स्नेह और मस्ती का प्रतीक मानी जाती है। गांव में मौजूद लोग इस दृश्य का आनंद लेते हैं और माहौल में ढोल-नगाड़ों की थाप गूंजती रहती है। कई जगहों पर इस लट्ठमार होली को देखने के लिए आसपास के गांवों से भी लोग पहुंचते हैं।

होली के दिन चूरा-चावल बनाना भी एक खास परंपरा है। गुर्जर समाज के लिए होली केवल रंगों का उत्सव नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक विरासत है, जो पीढ़ी दर पीढ़ी चली आ रही है। ढोल की थाप, भजन की स्वर लहरियां, पूजन की श्रद्धा और लट्ठमार की मस्ती, इन सबके साथ गुर्जरों की होली रंग, रस और रिश्तों का अनोखा संगम बन जाती है।

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 02-03-2026 Zone: Mahanagar Edition: 2 Page: NBTMAHBP User: cci Time: 03-02-2026 00:18 Color:

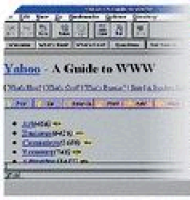

NBT AI टाइम मशीन

आज रजिस्टर्ड हुआ था Yahoo

आज ही के दिन 1995 में Yahoo एक कंपनी के तौर पर रजिस्टर्ड हुई थी। हालांकि इसकी शुरुआत जनवरी 1994 में ही हो गई थी। इसकी शुरुआत स्टैनफर्ड यूनिवर्सिटी के दो स्टूडेंट्स, जेरी यांग (Jerry Yang) और डेविड फिलो (David Filo) ने की थी। 90 के दशक के अंत में याहू दुनिया का सबसे चर्चित वेब पोर्टल था। लोग ईमेल, समाचार और मैसेंजर के लिए सबसे पहले इसी का इस्तेमाल करते थे।

NBT
Front Page-2
नवभारत टाइम्स। नई दिल्ली
सोमवार, 2 मार्च 2026

भविष्य में सोचते ही मिलेगा जवाब

ChatGPT के अनुसार, भविष्य में किसी जानकारी के लिए आज की तरह सर्च नहीं करना होगा। बस सोचने भर से जवाब सामने होंगे। AI इतना समझदार होगा कि आपके हिसाब से ही जानकारी समझाएगा- विडियो, 3D या लाइव डेमो के साथ। किसी भी भाषा की रुकावट नहीं रहेगी। गलत खबरें लगभग खत्म हो जाएंगी क्योंकि सिस्टम तुरंत सच-झूठ पहचान लेगा। मतलब, जानकारी पाना उतना ही आसान होगा जितना किसी दोस्त से सवाल पूछना।

AI Images

SPEED News

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री

अमित शाह ने महाराष्ट्र के नवी मुंबई में गुरु तेगबहादुर के 350वें शहीदी दिवस समागम समारोह में गुरु साहिब की स्मृति को नमन कर उपस्थित संगत से संवाद किया।

10 मार्च को स्थापना दिवस से पहले

CISF के 32 हजार से अधिक कॉन्स्टेबलों को 'सीनियर कॉन्स्टेबल' के रूप में पदोन्नत किया गया है। यह कार्यक्रम CISF मुख्यालय में आयोजित हुआ।

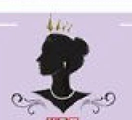

NBT इरा

भीड़ का हिस्सा बनना उसकी फितरत नहीं। वह आज की नारी है, वह 'Gen She' है।
IRA 2026
बिना दिखावे के। बिना किसी बनावट के। अपनी शर्तों पर जीने वाली निडर लड़कियां।
सुंदरता अब किसी की मोहताज नहीं।
हुनर और सौंदर्य की मिसाल बनें। आज ही रजिस्टर करें।
व्हाट्सऐप नंबर - 7003890071

चीन का दावा, स्टेम-सेल से ठीक की टाइप-2 डायबिटीज़

दावा: मरीज़ को इंसुलिन की ज़रूरत नहीं

■ NBT रिपोर्ट : डायबिटीज के इलाज में स्टेम-सेल थेरपी बड़ी उम्मीद बनकर सामने आ रही है। सबसे पहले ब्राजील में एक स्टडी ने दिखाया कि इस से टाइप 1 डायबिटीज के मरीज लंबे समय तक इंसुलिन से मुक्त रह सकते हैं। अब चीन के वैज्ञानिकों ने टाइप-2 डायबिटीज को स्टेम-सेल से रिवर्स करने में सफलता हासिल कर इस उम्मीद को और मजबूत कर दिया है।

मरीज को इंसुलिन से छुटकारा

ब्राजील की स्टडी के बाद चीन के वैज्ञानिकों ने टाइप-2 डायबिटीज के मरीज पर स्टेम-सेल थेरपी का प्रयोग किया। उन्होंने मरीज की स्टेम-सेल को लैब में इंसुलिन बनाने वाली बीटा कोशिकाओं में बदलकर शरीर में ट्रांसप्लांट किया। ट्रांसप्लांट के बाद ये कोशिकाएं खुद इंसुलिन बनाने लगीं और मरीज को न तो इंसुलिन इंजेक्शन की जरूरत रही और न ही शुगर की दवाओं की।

इस तरह काम करती है थेरपी

- स्टेम-सेल ऐसी खास कोशिकाएं होती हैं, जो शरीर की जरूरत के अनुसार किसी भी प्रकार की कोशिका में बदली जा सकती हैं।
- वैज्ञानिक इन्हें लैब में पैंक्रियाज की इंसुलिन बनाने वाली कोशिकाओं में बदलते हैं और फिर मरीज के शरीर में डालते हैं।
- इसके बाद शरीर खुद ब्लड शुगर को नियंत्रित करने लगता है, मरीज को राहत मिलने लगती है।

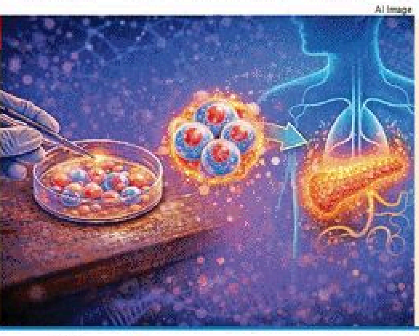

AI Image

ब्राजील की स्टडी, वर्षों बिना इंसुलिन रहे मरीज़

ब्राजील में टाइप-1 डायबिटीज से पीड़ित 21 लोगों पर क्लिनिकल ट्रायल किया गया। इसमें मरीजों को स्टेम-सेल थेरपी दी गई, जिसके बाद ज्यादातर मरीज करीब साढ़े तीन साल तक बिना इंसुलिन के रह सके। एक मरीज तो आठ साल तक बिना इंसुलिन इंजेक्शन के सामान्य जीवन जीता रहा। हालांकि, यह इलाज हर मरीज में पूरी तरह सफल नहीं रहा, लेकिन इससे यह साबित हुआ कि स्टेम-सेल से शरीर की इंसुलिन बनाने की क्षमता वापस लाई जा सकती है।

थेरपी से भारत के लिए भी भविष्य में उम्मीद

भारत में करोड़ों लोग डायबिटीज से पीड़ित हैं और बड़ी संख्या में मरीज इंसुलिन पर निर्भर हैं। अगर स्टेम-सेल थेरपी सुरक्षित और सस्ती साबित होती है तो भविष्य में डायबिटीज का इलाज स्थायी रूप से संभव हो सकता है और मरीजों को रोज-रोज इंजेक्शन और दवाओं से राहत मिल सकती है। हालांकि, कुछ भारतीय मरीजों ने भी स्टेम सेल से टाइप 1 डायबिटीज के इलाज कराने का दावा किया है। कुछ निजी सेंटर इसकी सुविधा देने का दावा करते हैं। हालांकि, यह इलाज बहुत महंगा है।

तमिलनाडु में PM की हुंकार, भ्रष्टाचार पर DMK को घेरा

परिवारवाद और जनभावनाओं की अनदेखी के आरोप लगाए | तमिलनाडु-पुडुचेरी में 7,100 करोड़ के प्रोजेक्ट्स शुरू किए

■ भाषा, मदुरै/पुडुचेरी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को तमिलनाडु के मदुरै में एक बड़ी चुनावी रैली को संबोधित करते हुए राज्य की सत्ताधारी DMK सरकार पर जोरदार हमला बोला। उन्होंने DMK पर भ्रष्टाचार, परिवारवाद और जनता की भावनाओं की अनदेखी करने के गंभीर आरोप लगाए।

मोदी ने तिरुप्परंकुंद्रम मंदिर के दीप जलाने के मुद्दे का जिक्र करते हुए कहा कि DMK सरकार ने श्रद्धालुओं की भावनाओं को नजरअंदाज किया। इस मामले में एक श्रद्धालु ने अपनी जान तक दे दी, जो बेहद दुखद है। मोदी ने भरोसा जताया कि भगवान मुरुगन के भक्तों की जीत जरूर होगी।

उन्होंने DMK सरकार पर कई बड़े घोटालों के आरोप भी लगाए, जिनमें नौकरी घोटाला, ट्रांसफर घोटाला, कॉन्ट्रैक्ट घोटाला और रेत खनन घोटाला शामिल हैं। मोदी ने कहा कि DMK सरकार भ्रष्टाचार में डूबी हुई है और उसे सत्ता में रहने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। प्रधानमंत्री ने दावा किया कि आने वाले विधानसभा चुनाव में NDA गठबंधन तमिलनाडु में सरकार बनाएगा।

मोदी ने रविवार को तमिलनाडु और पुडुचेरी में कुल 7,100 करोड़ के प्रोजेक्ट्स भी शुरू किए। इस मौके पर मोदी ने कहा कि केंद्र का सामूहिक लक्ष्य विकसित भारत के लिए एक विकसित तमिलनाडु है।

PTI

राजनीति के बीच भक्ति... मोदी ने तिरुप्परनकुंद्रम स्थित प्रसिद्ध अरुलमिगु सुब्रह्मण्य स्वामी मंदिर में पूजा की।

शशिकला ने नई पार्टी का किया ऐलान

■ आईएएनएस, चेन्नै : तमिलनाडु विधानसभा चुनाव से पहले पूर्व मुख्यमंत्री जयललिता की विश्वासपात्र रहीं वी.के. शशिकला ने नई राजनीतिक पार्टी की घोषणा कर दी है। उन्होंने अम्मा द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (ADMK) नाम से एक नई राजनीतिक पार्टी बनाई है, जिसे टीटीवी दिनाकरण की अम्मा मक्कल मुनेत्र कड़गम (AMMK) के लिए चुनौती माना जा रहा है।

शशिकला

बंगाल की मतदाता सूची से 50 लाख से अधिक घुसपैठियों के नाम हटे: नितिन

■ भाषा, कूच बिहार : बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने रविवार को दावा किया कि पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची से 50 लाख से अधिक घुसपैठियों के नाम हटाये गए हैं। नवीन का यह बयान पश्चिम बंगाल में SIR प्रक्रिया के बाद मतदाता सूची के प्रकाशन के एक दिन बाद आया है, जिसमें 63.66 लाख नाम हटा दिए गए हैं। पश्चिम बंगाल के कूच बिहार में पार्टी की परिवर्तन यात्रा को रवाना करने से पहले एक रैली को संबोधित करते हुए नवीन ने दावा किया कि जिन्हें मतदाता सूची से हटाया गया है वे घुसपैठिए थे, जो सरकारी योजनाओं का लाभ उठा रहे थे।

विस्फोट के बाद कई शव बुरी तरह झुलसे मिले

नागपुर की फैक्ट्री में धमाका, 18 लोगों की गई जान, 24 हुए घायल

■ पीटीआई, नागपुर

महाराष्ट्र के नागपुर जिले में रविवार सुबह विस्फोटक निर्माण करने वाली फैक्ट्री में हुए भीषण धमाके में कम से कम 18 लोगों की मौत हो गई, जबकि 24 अन्य घायल हो गए। हादसा काटोल तहसील के राउलगांव स्थित एसबीएल एनर्जी लिमिटेड की फैक्ट्री में हुआ।

पुलिस के मुताबिक, विस्फोट इतना तेज था कि कई शव बुरी तरह झुलसे मिले, जिनकी पहचान मुश्किल हो गई। मृतकों की पहचान के लिए परिजनों के डीएनए सैंपल लिए जा रहे हैं। घटना के बाद परिजन फैक्ट्री परिसर के बाहर जुट गए और अपनों की जानकारी के लिए व्याकुल दिखे। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने हादसे की गहन जांच के आदेश दिए हैं। घायलों को तुरंत नागपुर के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। कंपनी ने बयान जारी कर कहा कि धमाका सुबह सात से सवा सात बजे के बीच डिटोनेटर पैकिंग यूनिट में हुआ, जहां उस समय सक्रिय निर्माण कार्य नहीं चल रहा था। कंपनी ने प्रभावित कर्मचारियों और उनके परिजनों को हरसंभव सहायता देने तथा घायलों के इलाज का पूरा खर्च उठाने की बात कही है।

PTI

हादसा काटोल तहसील के राउलगांव स्थित एक फैक्ट्री में हुआ।

GST कलेक्शन की रफ्तार 5 महीनों में सबसे ज्यादा

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली : फरवरी में GST कलेक्शन सालभर पहले से 8.1% बढ़कर 1.83 लाख करोड़ रुपये रहा। जनवरी के 1.93 लाख करोड़ रुपये के कलेक्शन से यह कम रहा, लेकिन ग्रोथ रेट 5 महीनों में सबसे ज्यादा रही। इस वित्त वर्ष में फरवरी तक कुल कलेक्शन 20.27 लाख करोड़ हो गया, जो सालभर पहले की इसी अवधि से 8.3% ज्यादा है। रविवार को जारी सरकारी आंकड़ों से यह जानकारी मिली। 2024-25 में कुल संग्रह 22.08 लाख करोड़ था।

कोबरा बटैलियन के सहायक कमांडेंट सहित दो घायल

■ पीटीआई, चाईबासा

झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम जिले में नक्सलियों द्वारा लगाए गए आईईडी विस्फोट में कोबरा बटैलियन के एक सहायक कमांडेंट सहित दो जवान घायल हो गए। घटना रविवार को सारंडा जंगल क्षेत्र में चलाए जा रहे एंटी-नक्सल अभियान के दौरान हुई।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सुरक्षा बल जंगल में अभियान चला रहे थे, तभी आईईडी फट गया। धमाके के तुरंत बाद नक्सलियों ने फायरिंग शुरू कर दी। सुरक्षा बलों ने जवाबी कार्रवाई की। विस्फोट में कोबरा के एक सहायक कमांडेंट घायल हुए, जबकि मुठभेड़ के दौरान पहले से घायल एक अन्य जवान को गोली भी लगी।

छत्तीसगढ़ में 15 नक्सलियों का सरेंडर

■ पीटीआई, महासमुंद : छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले में विशेष जोनल कमिटी सदस्य विकास सहित 15 नक्सलियों ने रविवार को सुरक्षा बलों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। उपमुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा ने इसे राज्य की पुनर्वास नीति के तहत अहम सफलता बताया।

पाक-अफगानिस्तान जंग के बीच LoC पर अलर्ट

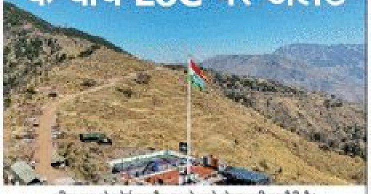

सीमा पार से कोई घुसपैठ ना हो, इसे लेकर पूरी मुस्तैदी है।

Poonam.Pandey
@timesofindia.com

■ नई दिल्ली : पाकिस्तान-अफगानिस्तान जंग के बीच लाइन ऑफ कंट्रोल (LoC) पर भारतीय सेना हाईअलर्ट पर है। हर हरकत पर नजर रखी जा रही है। सीमा पार से कोई घुसपैठ ना हो, इसे लेकर पूरी मुस्तैदी है।

पुंछ में रविवार तड़के पाकिस्तान की तरफ से आया ड्रोन दिखाई दिया, जिसे सतर्क सैनिकों ने देखा और गोली बरसाई। ड्रोन वापस LoC पार चला गया। पिछले 3 दिन में ड्रोन देखे जाने की दूसरी घटना है। पहले भी LoC पार से ड्रोन आते रहे हैं। जनवरी में भी पाकिस्तान की तरफ से कई ड्रोन आए थे। तब भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा था कि ये डिफेंसिव ड्रोन थे जो ऊपर आकर देखना चाहते थे कि कहीं उनके खिलाफ कोई कार्रवाई तो नहीं हो रही, हो सकता है कि वो ये भी देख रहे हों कि कहीं इंडियन आर्मी की तैनाती में कोई गैप तो नहीं है जहां से वो आतंकी भेज सकें।

> सैनिकों ने पुंछ में मंडरा रहे पाकिस्तानी ड्रोन को खदेड़ा।

आर्मी चीफ ने तब कहा था कि उन्होंने (पाकिस्तान) देख लिया होगा कि आज की तारीख में ऐसा कोई गैप नहीं है, जहां से पाकिस्तान आतंकी भेज सके।

आतंकी गतिविधियों को लेकर सतर्कता

पाक-अफगानिस्तान जंग का फायदा उठाकर पाकिस्तान के आतंकी संगठन कश्मीर में हरकत करने की कोशिश कर सकते हैं, इसे लेकर दो तरह की राय है। यूएन सिक्योरिटी काउंसिल की रिपोर्ट कहती है कि पाकिस्तान-अफगानिस्तान पर जितनी अस्थिरता बढ़ती है उसका फायदा आतंकी उठाकर फिर से खुद को री-ग्रुप कर सकते हैं और भारत में कोई हरकत करने की कोशिश कर सकते हैं। हालांकि, सिक्योरिटी एक्सपर्ट्स का ये भी मानना है कि अगर पाकिस्तान अपनी पश्चिमी सीमा पर उलझा रहता है तो भारत की तरफ उसका फोकस कुछ हद तक कम हो सकता है। दूसरा पहलू यह है कि पाकिस्तान अपने लोगों को दिखाने के लिए भारत में कुछ हरकत की कोशिश कर सकता है, इसलिए सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह अलर्ट हैं।

इस बीच अफगानिस्तान ने दावा किया कि उसने बगराम एयरबेस पर पाक सेना के हवाई हमले की कोशिश को नाकाम कर दिया है।

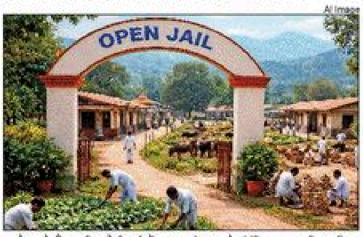

'पुनर्वास संस्था के रूप में काम करे ओपन जेल'

जेलों में भीड़ और ओपन जेल से संबंधित याचिका पर SC में हुई सुनवाई

Rajesh.Choudhary
@timesofindia.com

■ नई दिल्ली : सुप्रीम कोर्ट ने ओपन जेलों के विस्तार और सुधार के लिए पैन इंडिया निर्देश जारी किए हैं। कोर्ट ने कहा कि इन्हें सुधार और पुनर्वास की सार्थक संस्थाओं के रूप में कार्य करना चाहिए।

बेंच ने कहा कि ये निर्देश इसलिए जारी किए जा रहे हैं ताकि भारत के संविधान के अनुच्छेद 14, 15 और 21 के तहत प्रदत्त समानता, भेदभाव-निषेध और गरिमा के साथ जीने के अधिकार के संवैधानिक दायित्व को देशभर की जेलों के प्रशासन में सार्थक रूप से लागू किया जा सके।

सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को सुनवाई के दौरान बंद जेलों की तुलना में ओपन करेक्शनल इंस्टिट्यूशन्स (ओपन जेल) के आर्थिक लाभ पर भी ध्यान दिया। राजस्थान के आंकड़ों का उल्लेख किया, जिनके अनुसार बंद जेल में एक कैदी पर राज्य को प्रति माह लगभग 3,000 खर्च करने पड़ते हैं, जबकि ओसीआई में एक कैदी पर प्रति माह लगभग 50 रुपये का खर्च आता है। अदालत ने कहा कि विशेष रूप से इस गंभीर अंतर, बल्कि यह कहें कि बंद जेलों की तुलना में ओपन ओसीआई के गंभीर आर्थिक लाभ पर ध्यान दिया है। न्यायालय ने ये निर्देश जेलों में भीड़भाड़ और ओपन जेल के संचालन से संबंधित एक जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए जारी किए। अदालत ने गोवा, हरियाणा, झारखंड, मणिपुर, मिजोरम, नागालैंड और तेलंगाना राज्यों, जहां वर्तमान में कोई भी कार्यरत ओसीआई नहीं है, को ऐसे संस्थानों की आवश्यकता का आकलन करने और एक प्रोटोकॉल तैयार करने का निर्देश दिया।

AI Image

संस्थानों का नहीं हो रहा पूरा उपयोग

NBT Lens खबरों के अंदर की बात

मई 2024 में न्यायालय ने टिप्पणी की थी कि खुली जेलों या शिविरों की स्थापना भीड़भाड़ की समस्या का एक समाधान हो सकती है और यह भी उल्लेख किया था कि ऐसा तंत्र राजस्थान में कार्यरत है। 17 मई 2024 को न्यायालय ने कहा कि केंद्र सरकार ने एक मॉडल कारागार मैनुअल तैयार किया है, जिसमें खुली जेलों को ओसीआई के रूप में रेफर किया गया है। उपलब्ध आंकड़ों से पता चलता है कि इन संस्थानों का पर्याप्त उपयोग नहीं हो रहा है।

दस हुए थे अरेस्ट

AI समिट विरोध मामले में गिरफ्तार आरोपियों को बेल

■ भाषा, नई दिल्ली: पटियाला हाउस कोर्ट ने AI समिट विरोध मामले में गिरफ्तार 9 आरोपियों को जमानत दे दी। सिद्धार्थ अवधूत की जमानत याचिका खारिज कर दी गई है। उन्हें 4 दिन की और पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है। बता दें कि दिल्ली में हाल ही में आयोजित AI समिट के विरोध प्रदर्शन के दौरान 10 यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया था। इससे पहले, AI समिट के विरोध प्रदर्शन के दौरान गिरफ्तार कांग्रेस नेता उदय भानु चिब को कोर्ट ने जमानत दे दी थी। इस मामले में पुलिस ने यूथ कांग्रेस के कई नेताओं को अलग-अलग राज्यों से गिरफ्तार किया था।

> एक आरोपी सिद्धार्थ अवधूत की जमानत याचिका खारिज

शरीयत के प्रावधान लागू करने के बारे में केंद्र, राज्यों से मांगा जवाब

■ राजेश चौधरी, नई दिल्ली : सुप्रीम कोर्ट ने टिप्पणी की है कि मुस्लिम पर्सनल लॉ (शरियत) कानून की धारा 4 के प्रावधानों को सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में समान रूप से लागू नहीं किया गया है। कोर्ट ने इस संबंध में एक व्यापक स्टेटस रिपोर्ट पेश करने कहा।

बेंच ने कहा कि यह मामला हमारे संज्ञान में लाया गया है। कोर्ट ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की ओर से पेश वकीलों से अनुरोध किया कि वे कानून के कार्यान्वयन की वास्तविक स्थिति का पता लगाकर न्यायालय को सूचित करें।

क्राइम और ऐक्शन... GST इंटेलिजेंस कर रही है जांच, करोड़ों रुपये की GST चोरी का संदेह

मनी गेम से जुड़े फिनो बैंक के CEO के तार!

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

फिनो पेमेंट्स बैंक के मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ ऋषि गुप्ता को ऑनलाइन मनी गेमिंग से जुड़े एक मामले में अरेस्ट किया गया। ऑनलाइन मनी गेमिंग पर देश में प्रतिबंध है।

सूत्रों ने बताया कि मामले में करोड़ों की GST चोरी का संकेत है और डायरेक्टरेट जनरल ऑफ GST इंटेलिजेंस (DGGI) इसकी गहराई से जांच कर रहा है। गुप्ता की गिरफ्तारी को लेकर इंफोसिस के पूर्व बोर्ड मेंबर मोहनदास पाई ने सवाल उठाया था, जिसके बाद उनके सोशल मीडिया पोस्ट को टैग करते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि इस मामले पर गौर करेंगी। फिनो पेमेंट्स बैंक ने शुक्रवार को बताया था कि टैक्स अथॉरिटीज ने गुप्ता को GST से जुड़े कानूनों के कथित उल्लंघन के मामले में अरेस्ट कर लिया है। इसके बाद बैंक ने एक स्पेशल बोर्ड मीटिंग बुलाई थी और गुप्ता की जगह पर चीफ फाइनैंशल ऑफिसर केतन मर्चेंट को नियुक्त कर दिया था। बैंक ने कहा था कि यह जांच बैंक के बिजनेस पार्टनर्स से जुड़ी है, न कि बैंक के GST नियमों के पालन करने से।

AI Image

कार्रवाई CEO ऋषि गुप्ता (इनसेट) मनी गेमिंग में अरेस्ट।

करोड़ों रुपये की GST चोरी का है आरोप

सूत्रों ने शनिवार को बताया कि DGGI ऑनलाइन मनी गेमिंग के एक मामले की जांच कर रहा है, जिस पर प्रतिबंध है। जांच में संकेत मिला है कि कई शेल कंपनियों और पेमेंट एग्रीगेटर्स के जरिए करोड़ों रुपये की GST चोरी की गई है। इन इकाइयों का इस्तेमाल ऑनलाइन मनी गेमिंग के जरिए मिली रकम को छिपाने में किया गया है। इस फ्रॉड में बैंक का एक अधिकारी अरेस्ट कर लिया गया है।

अब फोटो छपवाने का मौका भी

खबरों का ज्ञान

रोज की खबरों पर कितनी पैनी नजर है, आजमाएं

1. ईरान में अंतरिम सुप्रीम लीडर किसे चुना गया है?
A. अयातुल्लाह अराफी B. रहमतुल्ला C. गुलाम मोहसेनीन
2. GST कलेक्शन फरवरी में कितना रहा?
A. 1.83 लाख करोड़ B. 1.63 लाख करोड़ C. 1.23 लाख करोड़
3. जयललिता की विश्वासपात्र रही शशिकला की पार्टी का नाम क्या है?
A. ADMK B. SDMK C. JDMK
4. वनडे इंटरनैशनल की आखिरी पारी में ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट की कप्तान एलिसा हीली का स्कोर कितना रहा?
A. 158 रन B. 138 रन C. 118 रन
5. BJP की परिवर्तन यात्रा की शुरुआत इनमें किस राज्य में हुई??
A. असम B. पश्चिम बंगाल C. तमिलनाडु

कल के जवाब

A1 C. HPV A2 A. केरलाना A3 C. 6 घंटे A4 B. Railone ऐप A5 B. इजराइल

लकी विनर्स

1. दीपक कुमार गुप्ता, नई दिल्ली
2. सुनीता जैन, ईस्ट पंजाबी बाग
3. मनोज सक्सेना, साहिबाबाद

ऐसे भेजें अपने जवाब

अपने नाम, शहर के साथ जवाब भेजें nbtreader@timesofindia.com पर, साथ में फोटो भी भेजें। सब्जेक्ट में KKG लिखें। हर दिन सभी सही जवाब देने वाले तीन चुनिंदा रीडर्स में से एक का फोटो और दो के नाम छापे जाएंगे। जवाब आज के पेपर की खबरों में ही छिपे हैं।

नई दिल्ली / एनसीआर › 2-8 मार्च 2026 › वर्ष 1, संख्या ९ › पेज 6 › मूल्य ₹6.00

NBT Wealth
नवभारत टाइम्स

निवेश कर बेफिक्र होना चाहते हैं?
SEBI ने लाइफ साइकल फंड का कॉन्सेप्ट दिया है। अब बस अपना रूट सेट करें और भूल जाएं, फंड अपना काम करेगा।
देखें PG-2

नमो भारत से मेरठ का रियल एस्टेट चमका
दिल्ली-NCR वालों के लिए अब मेरठ भी नया रेजिडेंशल डेस्टिनेशन बन रहा है। नमो भारत ने दूरी जो घटा दी है।
PG-5

198 IPO में सिर्फ 35 विनर

सही IPO कैसे चुनें, जानें आसान तरीका

आपकी बात

NBT Wealth आपको कैसा लगता है, इसमें क्या पसंद आता है और क्या नहीं, आप और किन विषयों पर लेख पढ़ना चाहते हैं? आप कॉल करके अपनी बात नोट करा सकते हैं। आपका संदेश संपादक तक पहुंच जाएगा।

कॉल करें 011-4978 0064
आज दिन में 11 बजे से 12 बजे तक

अमेरिका-ईरान तनाव का तेल और बाजार पर असर

अमेरिका और ईरान के बीच भड़के युद्ध के बाद विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि कच्चे तेल की कीमतें 80 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच सकती हैं। भारत अपनी जरूरत का करीब 85-90% कच्चा तेल आयात करता है, जिसका बड़ा हिस्सा हॉर्मुज जलडमरूमध्य से होकर आता है। यदि यह समुद्री मार्ग बाधित होता है तो भारत के लिए तेल सप्लाई महंगी पड़ सकती है। इसका सीधा असर पेट्रोल-डीजल की कीमतों, परिवहन लागत और महंगाई पर पड़ेगा, साथ ही रुपये पर भी दबाव बढ़ सकता है।

वेल्थमिल्स सिक्योरिटीज के इक्विटी स्ट्रैटेजी निदेशक क्रांति बथिनी के अनुसार, बाजार पहले से आशंकित था कि तनाव युद्ध में बदल सकता है। 80 डॉलर प्रति बैरल का स्तर बाजार के लिए नकारात्मक हो सकता है और निकट भविष्य में उतार-चढ़ाव जारी रह सकता है। उन्होंने निवेशकों को गिरावट में दीर्घकालिक निवेश की सलाह दी। विशेषज्ञ अनुज गुप्ता ने भी बाजार में गिरावट की संभावना जताई है। वहीं केडिया अडवाइजरी के डायरेक्टर अजय केडिया के मुताबिक, वॉर प्रीमियम से सोना और कच्चा तेल मजबूत खुल सकते हैं, क्योंकि निवेशक सुरक्षित विकल्पों की ओर रुख कर रहे हैं।

सुधा श्रीमाली
Sudha.Shrimali
@timesofindia.com

भारत के प्राइमरी मार्केट में पिछले 2 वर्षों में रिकॉर्ड फंड जुटा, लेकिन रिटर्न का हिसाब चौंकाने वाला है। सैकड़ों नए शेयरों में से मुट्ठीभर ही निवेशकों की पूंजी बढ़ा पाए। ऐसे माहौल में जरूरी है समझना कि IPO में आवेदन उत्साह में आकर नहीं, सही विश्लेषण के बाद करना चाहिए।

पिछले कुछ सालों में IPO यानी इनीशियल पब्लिक ऑफर में निवेश का जबरदस्त क्रेज देखने को मिला। लाखों रिटेल निवेशक हर नए इश्यू में लिस्टिंग गेन की उम्मीद से पैसा लगाने लगे। लेकिन अब तस्वीर बदलती दिख रही है। आंकड़े बताते हैं कि हालिया समय में ज्यादातर IPO लंबी अवधि की वैल्यू देने में नाकाम रहे हैं। Trendlyne के अनुसार, 2026 में अब तक मेनबोर्ड और SME सेगमेंट में 32 कंपनियां लिस्ट हुई हैं, जबकि पिछले साल इसी समय 50 कंपनियां डेब्यू कर चुकी थीं। इनमें से 11 स्टॉक डिस्काउंट पर लिस्ट हुए हैं और 5 अपने इश्यू प्राइस के आसपास। 2025 की शुरुआत में जहां छह स्टॉक 90% तक प्रीमियम पर लिस्ट हुए थे, वहीं 2026 में यह संख्या सिर्फ 2 रह गई। औसत लिस्टिंग गेन घटकर सिंगल डिजिट, लगभग 8% पर आ गया है, जो 2019 के बाद सबसे कम है। बड़े इश्यू जैसे Aye Finance को भी ठंडा रिस्पॉन्स मिला।

भीड़ में कुछ ही 'रियल जेम्स'

इस साल अब तक आए 32 IPO में से 11 की लिस्टिंग ही मामूली बढ़त के साथ हुई, जबकि करीब 60% इश्यू अपने इश्यू प्राइस से नीचे ट्रेड हुए। जनवरी 2024 से जनवरी 2026 के बीच 198 IPO आए, जिनके जरिए करीब 3.69 लाख करोड़ जुटाए गए। लेकिन इनमें से सिर्फ 65 फिलहाल फायदे में हैं और सिर्फ 35 ऐसे हैं जिन्होंने लगातार पॉजिटिव रिटर्न दिया है। 2024 में 88 कंपनियां बाजार में आई थीं। साल के अंत तक इनमें से 51 ने सकारात्मक रिटर्न दिया, लेकिन अभी सिर्फ 11 ही टिके हुए प्रॉफिटेबल हैं। कुछ बेहतर प्रदर्शन करने वालों में गरुड़ कंस्ट्रक्शन्स (84%), क्वैकबक (119%), भारती हेक्साकॉम (122%) जैसे नाम शामिल हैं। वहीं 2025 में 106 IPO लॉन्च हुए, पर जनवरी 2026 तक केवल 35 ही फायदे में रहे। 2025 के इश्यू में क्वालिटी पावर, एथर एनर्जी और बेलराइज इंडस्ट्रीज आगे रहे। लेकिन कुल मिलाकर तस्वीर यही है कि भीड़ में कुछ ही 'रियल जेम्स' निकले। S&P BSE IPO इंडेक्स पिछले छह महीनों में करीब 8% गिरा है, जबकि इसी अवधि में सेंसेक्स लगभग 2% चढ़ा है। यह अंतर साफ बताता है कि IPO मार्केट भी बाजार के साइकिल का हिस्सा है। जब माहौल अनुकूल होता है तो नए शेयर तेजी पकड़ते हैं, लेकिन हालात बदलते ही सबसे पहले वही दबाव में आते हैं।

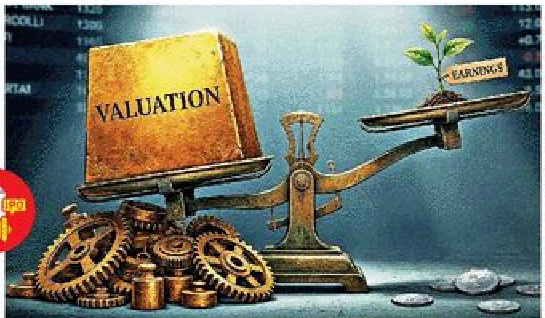

OFS और एग्जिट का खेल समझें

हर बुल मार्केट में कंपनियां ऊंचे वैल्यूएशन पर IPO लाती हैं, इसलिए निवेशकों को फ्रेश इश्यू और ऑफर-फॉर-सेल (OFS) का अनुपात जरूर देखना चाहिए। OFS में पुराने निवेशक हिस्सेदारी बेचते हैं। यह गलत नहीं, लेकिन प्रमोटर या प्राइवेट इक्विटी फंड बड़े स्तर पर एग्जिट ले रहे हों तो सतर्क रहें। जैसे, ब्रेनबी सॉल्यूशंस (फर्स्टक्राई) में बड़े निवेशकों के बाहर निकलने के बाद स्टॉक 67% गिरा। ओला इलेक्ट्रिक और यूनिमेक एयरोस्पेस भी दबाव में रहे, जबकि हुंडई मोटर्स ने एक साल में 30% रिटर्न दिया। यानी एग्जिट से भी ज्यादा कंपनी की गुणवत्ता और ग्रोथ देखना अहम है।

अब क्यों हो रहा मोहभंग?

पिछले दो सालों में बाजार में ज्यादा लिक्विडिटी रही, इसलिए निवेशक 20% ग्रोथ वाली कंपनियों को भी 100 गुना PE पर खरीदने को तैयार थे। लेकिन ऊंची वैश्विक ब्याज दरों और FII बिकवाली से वैल्यूएशन दबाव में आ गए। कई IPO लिस्टिंग के बाद चढ़े, फिर तेज गिरे। IPO बाजार खत्म नहीं हुआ है, बस अब निवेशक चयनात्मक रणनीति अपना रहे हैं।

क्या करें निवेशक?

हर तेजी के बाद करेक्शन आता है। IPO न तो गारंटीड मुनाफा है और न ही शॉर्टकट। समझदारी यही है कि इसे कंपनी के साथ लंबी साझेदारी की शुरुआत मानें। बाजार के शोर से दूर रहकर तथ्यों पर आधारित निर्णय लें, तभी IPO से असली फायदा मिल सकता है।

इन बातों पर दें ध्यान

- फंडामेंटल्स और वैल्यूएशन का विश्लेषण करें।
- OFS और प्रमोटर की हिस्सेदारी पर ध्यान दें।
- सेकेंडरी मार्केट की दिशा समझें।
- पोर्टफोलियो का छोटा हिस्सा ही IPO में लगाएं।
- लिस्टिंग गेन के लालच से बचें।
- यदि खुद विश्लेषण करना कठिन लगे तो स्वतंत्र विशेषज्ञ की सलाह लें।

एक्सपर्ट क्या सलाह देते हैं?

IPO को लॉटरी टिकट नहीं, लंबी अवधि के निवेश की तरह देखें। हाइप, ग्रे मार्केट प्रीमियम या लिस्टिंग डे के उत्साह से प्रभावित न हों। सबसे पहले कंपनी का बिजनेस मॉडल, कमाई की स्थिरता और ग्रोथ की क्षमता समझें। यह भी देखें कि वैल्यूएशन उचित है या नहीं। अनुशासन रखें और तथ्यों के आधार पर निर्णय लें। ***-श्रीपाल शाह, MD और CEO, कोटक सिक्योरिटीज***

IPO में अप्लाई करने को लिस्टेड शेयर खरीदने जैसा ही समझें, लेकिन ज्यादा गहराई से जांच करें। मजबूत फंडामेंटल्स और सही कीमत हो। महंगे वैल्यूएशन पर कमजोर बिजनेस में निवेश से बचें। ग्रे मार्केट प्रीमियम या सब्सक्रिप्शन आंकड़ों पर भरोसा के बजाय प्राइसिंग और ग्रोथ की वास्तविक क्षमता देखें। ***-गीतांजलि केडिया, चीफ एनालिस्ट, SPTulsian.com***

IPO की सफलता कंपनी की आंतरिक वैल्यू, लाभदायक ग्रोथ की निरंतरता, सही प्राइसिंग पर निर्भर करती है। सेकेंडरी मार्केट की स्थिति भी समझें, क्योंकि लिस्टिंग के बाद वही भाव तय करती है। सेकेंडरी मार्केट में मिड-कैप और स्मॉल-कैप स्टॉक्स में लगातार कमजोरी से 2026 में ज्यादातर IPOs की लिस्टिंग में नुकसान हुआ है। ***-अक्षय गुप्ता, डायरेक्टर, प्राइम सिक्योरिटीज***

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 02-03-2026 Zone: NBTWealth Edition: 1 Page: NBTWD2 User: cci Time: 02-28-2026 19:25 Color:

एक साल में 200% से ज्यादा का रिटर्न | **174%** से ज्यादा बढ़ चुका है। हिंदुस्तान कॉपर एक साल में | **130%** के करीब रिटर्न दिया है एक साल में भारत की कंपनी GMDC ने भी

इतना क्यों चमक रहे रेयर अर्थ स्टॉक्स?

प्रदीप तिवारी
Pradeep.Tiwari@timesofindia.com

चीन की निर्यात पाबंदियों और इलेक्ट्रिक वाहन, डिफेंस और ग्रीन एनर्जी की बढ़ती मांग ने रेयर अर्थ कंपनियों को सुर्खियों में ला दिया है। नतीजा यह कि कुछ स्टॉक्स ने एक साल में 150% से 230% तक रिटर्न दे डाले। लेकिन यह समझना जरूरी है कि क्या यह लंबी दौड़ है या फिर शॉर्ट-टर्म चमक?

पिछले एक साल से शेयर बाजार में एक नया सितारा चमक रहा है- रेयर अर्थ सेक्टर। हिंदुस्तान कॉपर हो या गुजरात मिनरल डिवेलपमेंट कॉर्पोरेशन (GMDC), इन कंपनियों के स्टॉक्स में ऐसी रफ्तार आई कि निवेशक हैरान हैं और सोच में भी कि क्या अभी इसमें पैसा लगाना चाहिए? हिंदुस्तान कॉपर एक साल में करीब 174% से ज्यादा बढ़ चुका है। GMDC भी करीब 130 % का रिटर्न दे चुका है। अगर ग्लोबल स्टॉक्स की बात करें तो कनाडा की कंपनी Neo Performance Materials ने तो 230% से ज्यादा का रिटर्न दिया। समझते हैं कि आखिर ये 'रेयर अर्थ' है क्या, क्यों चर्चा में है और क्या इसमें वाकई निवेश का मौका है।

नाम रेयर, काम पावरफुल

रेयर अर्थ मतलब ऐसे 17 खास धातु तत्व जो स्मार्टफोन से लेकर इलेक्ट्रिक गाड़ियों, फाइटर जेट्स और विंड टरबाइन तक हर जगह काम आते हैं। ये धातुएं दिखने में तो मामूली लगती हैं, लेकिन इनके बिना आज की कोई भी हाई-टेक चीज बन ही नहीं सकती। एक स्मार्टफोन में करीब 8-10 रेयर अर्थ एलिमेंट होते हैं। एक इलेक्ट्रिक गाड़ी में 1 से 3 किलो तक ये होते हैं। और एक फाइटर जेट? उसमें 400 किलो से भी ज्यादा रेयर अर्थ एलिमेंट होते हैं।

...तो निवेश करें या नहीं?

रेयर अर्थ का भविष्य दमदार है। इलेक्ट्रिक वाहन, रक्षा और ग्रीन एनर्जी की मांग दिन प्रतिदिन बढ़ रही है। यानी यह लंबी रेस का घोड़ा साबित हो सकता है। लेकिन एक्सपर्ट कह रहे हैं कि सावधान रहें, ये सेक्टर अभी शुरुआती दौर में है। भारत में प्रोडक्शन कम है, टेक्नोलॉजी का अनुभव भी कम और चीन पर निर्भरता अब भी बनी हुई है। साथ ही, इन कंपनियों की कीमतें अभी काफी चढ़ चुकी हैं। जल्दबाजी में निवेश करने से फायदा कम, नुकसान ज्यादा हो सकता है। अडवाइजर से सलाह लेना फायदेमंद हो सकता है।

...तो चर्चा में क्यों ये स्टॉक्स?

रेयर अर्थ के निर्यात पर चीन ने पाबंदी कड़ी कर दी है। चीन दुनिया का सबसे बड़ा उत्पादक है, इसलिए अमेरिका, जापान और यूरोप जैसे देशों में चिंता बढ़ गई। भारत ने भी अपने पब्लिक सेक्टर IREL को जापान को रेयर अर्थ भेजने से मना कर दिया। सरकार ने 7,280 करोड़ की योजना के जरिए देश में ही REE मैग्नेट बनाने और 4 राज्यों में रेयर अर्थ कॉरिडोर विकसित करने की शुरुआत की है, जिससे कंपनियों के शेयरों में तेजी आई है।

एक साल में इन कंपनियों ने दिया सबसे ज़्यादा रिटर्न

Neo Performance Materials
कनाडा की इस कंपनी ने एक साल में 230% का रिटर्न दिया। चीन के बाहर रेयर अर्थ एलिमेंट्स की प्रोसेसिंग, सप्लाई में यह अग्रणी है। यह मैग्नेट पाउडर (NdFeB) बनाती है।

हिंदुस्तान कॉपर
अपने देश की इस कंपनी ने एक साल में 174% से ज्यादा का रिटर्न दिया। भारत की इकलौती एकीकृत कॉपर उत्पादक कंपनी, जो अब टेलिंग्स से REE निकालने की योजना पर काम कर रही है। सरकार की थीम बेस्ड रिटेल इन्वेस्टमेंट से स्टॉक में तेजी देखने को मिली।

MP Materials
अमेरिका की इस कंपनी ने एक साल में 150% का रिटर्न दिया है। अमेरिका की इकलौती सक्रिय रेयर अर्थ माइन Mountain Pass का मैनेजमेंट इसे ऑपरेट करता है। ये कंपनी माइनिंग भी करती है और चुंबक (मैग्नेट) भी बनाती है। कंपनी ने Apple के साथ सप्लाई डील साइन की है।

Shenghe Resources
चीन की इस कंपनी ने एक साल में 183% का रिटर्न दिया है। चीन की बड़ी और वैश्विक रूप से सक्रिय REE कंपनी है। अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया और एशिया में खदानों में हिस्सेदारी लेती है। इस कंपनी की वैश्विक पहुंच है।

Lynas Rare Earths
ऑस्ट्रेलिया की इस कंपनी ने एक साल में 150% का रिटर्न दिया। यह चीन के बाहर की सबसे बड़ी रेयर अर्थ खनन और रिफाइनिंग कंपनी। ऑस्ट्रेलिया की Mt Weld खदान और मलेशिया में रिफाइनरी चलाती है।

कॉर्पोरेशन (GMDC)
भारत की इस कंपनी ने एक साल में 130% का रिटर्न दिया है। पहले यह केवल लिग्नाइट बॉक्साइट पर केंद्रित थी, अब यह रेयर अर्थ सेक्टर में भी प्रवेश कर रही है। भारत सरकार की रेयर अर्थ नीति, कॉरिडोर और PLI योजना से सीधा फायदा मिला, जिससे शेयरों में तेजी दिखी।

SEBI का फैसला, 35% तक हो सकेगी हिस्सेदारी

इक्विटी MF में गोल्ड-सिल्वर

मृत्युंजय त्रिपाठी
Mrityunjay.Tripathi@timesofindia.com

SEBI ने म्यूचुअल फंड नियमों में बड़ा बदलाव करते हुए इक्विटी स्कीमों को गोल्ड और सिल्वर में 35% तक निवेश की अनुमति दी है। साथ ही स्कीम वर्गीकरण में सख्ती और ओवरलैप सीमित करने के नियम लागू किए गए हैं। एक्सपर्ट्स का कहना है कि इससे पारदर्शिता बढ़ेगी और निवेशकों को बेहतर स्पष्टता मिलेगी।

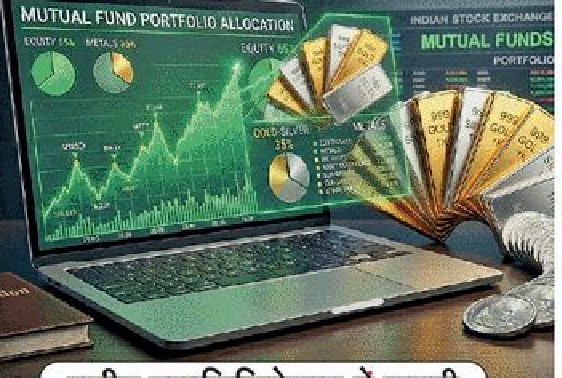

भारत के पूंजी बाजार नियामक SEBI ने म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री के लिए बड़े बदलावों की घोषणा की है। नए नियमों के तहत अब एक्टिवली मैनेज्ड इक्विटी म्यूचुअल फंड अपनी कुल संपत्ति का अधिकतम 35% हिस्सा गोल्ड और सिल्वर इंस्ट्रूमेंट्स में निवेश कर सकेंगे। इसके साथ ही इंफ्रास्ट्रक्चर इनवेस्टमेंट ट्रस्ट (InvITs) में भी निवेश की अनुमति दी गई है।

यह बदलाव ऐसे समय में आया है, जब वैश्विक स्तर पर गोल्ड जैसे 'हार्ड असेट' की मांग बढ़ रही है। इस साल जनवरी में भारतीय निवेशकों ने गोल्ड ETF में इक्विटी फंड की तुलना में ज्यादा पैसा लगाया, जो बाजार में अस्थिरता के बीच सुरक्षित विकल्प की बढ़ती लोकप्रियता को दिखाता है।

क्या बदला है?

अब तक इक्विटी फंड मुख्य रूप से शेयरों में निवेश करते थे और सीमित हिस्सा मनी मार्केट या लिक्विड साधनों में रखते थे। नए नियमों के तहत, अपने मुख्य निवेश लक्ष्य को पूरा करने के बाद, वे शेष हिस्से का 35% तक गोल्ड और सिल्वर से जुड़े साधनों में लगा सकते हैं। इसका मतलब यह नहीं है कि इक्विटी फंड अब गोल्ड फंड बन जाएंगे। उनकी प्राथमिक पहचान इक्विटी फंड ही रहेगी, लेकिन निवेश के विकल्प बढ़ जाएंगे। इससे फंड मैनेजर बाजार की स्थिति के अनुसार बेहतर डायवर्सिफिकेशन कर सकेंगे। SEBI ने हाइब्रिड फंड्स को भी गोल्ड और सिल्वर ETF में निवेश की अनुमति दी है।

लाइफ-साइकल फंड को मंजूरी

SEBI ने एक नई कैटिगरी 'लाइफ-साइकल' या 'टारगेट-डेट' फंड्स को मंजूरी दी गई है। ये फंड खास तौर पर लक्ष्य आधारित निवेश (जैसे रिटायरमेंट प्लानिंग) के लिए होंगे।

इन फंड्स की तय मच्योरिटी 5 से 30 साल के बीच होगी। असेट मैनेजमेंट कंपनियां एक समय में अधिकतम 6 एक्टिव लाइफ-साइकल फंड लॉन्च कर सकेंगी। इन फंड्स को अपनी कुल संपत्ति का 10% तक गोल्ड और सिल्वर ETF, कमोडिटी डेरिवेटिव्स और इक्विटी ट्रस्ट में निवेश की अनुमति होगी।

सॉल्यूशन-ओरिएंटेड स्कीम बंद

SEBI ने सॉल्यूशन-ओरिएंटेड स्कीम्स को तत्काल प्रभाव से बंद करने का फैसला किया है। मौजूदा स्कीमों को नए नियमों के अनुसार अन्य समान योजनाओं में मर्ज करना होगा। इसके लिए नियामकीय मंजूरी जरूरी होगी।

स्कीम क्लासिफिकेशन में सख्ती

- SEBI ने सिर्फ निवेश की छूट नहीं दी, बल्कि स्कीमों के वर्गीकरण को भी सख्त किया है। उद्देश्य यह है कि अलग-अलग फंड कैटिगरी के बीच अनावश्यक ओवरलैप कम हो और निवेशकों को साफ पता रहे कि वे किस तरह के फंड में पैसा लगा रहे हैं।
- अब वैल्यू और कॉन्ट्रा फंड दोनों चल सकते हैं, लेकिन इनके पोर्टफोलियो में 50% से ज्यादा ओवरलैप नहीं होना चाहिए। इसी तरह थीमैटिक फंड्स को भी दूसरी इक्विटी कैटिगरी से 50% से ज्यादा समानता नहीं रखनी होगी। बड़े कैप फंड इस नियम से बाहर रहेंगे।
- थीमैटिक फंड्स को नए नियमों के अनुरूप खुद को ढालने के लिए तीन साल का समय दिया गया है, जबकि अन्य फंड्स को छह महीने में अनुपालन करना होगा। साथ ही, असेट मैनेजमेंट कंपनियों को हर महीने अपनी वेबसाइट पर कैटिगरी-वाइज ओवरलैप की जानकारी सार्वजनिक करनी होगी।

निवेशकों के लिए इसके क्या मायने है?

एक्सपर्ट का कहना है कि इन बदलावों से इक्विटी और हाइब्रिड फंड्स को अधिक लचीलापन मिलेगा। गोल्ड और सिल्वर में निवेश की अनुमति से पोर्टफोलियो में जोखिम संतुलन बेहतर किया जा सकेगा, खासकर तब जब शेयर बाजार में अस्थिरता हो। दूसरी तरफ, ओवरलैप पर सख्ती और पारदर्शिता बढ़ाने के कदम से निवेशकों को स्पष्टता मिलेगी कि उनका पैसा वास्तव में कहां और कैसे लगाया जा रहा है। तेजी से बढ़ते 900 अरब डॉलर के म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री में यह बदलाव लॉन्ग टर्म में निवेशकों के लिए फायदेमंद साबित हो सकते हैं।

सोने-चांदी के वैल्यूएशन का तरीका भी बदला

SEBI ने म्यूचुअल फंड स्कीमों के पास मौजूद फिजिकल गोल्ड और सिल्वर की वैल्यू तय करने का तरीका बदल दिया है। 1 अप्रैल 2026 से गोल्ड-सिल्वर की कीमत तय करने के लिए मान्यता प्राप्त स्टॉक एक्सचेंजों द्वारा जारी 'पोल्ड स्पॉट प्राइस' का इस्तेमाल होगा। यही कीमतें उन डेरिवेटिव कॉन्ट्रैक्ट्स के सेटलमेंट में उपयोग होती हैं, जिनमें असली सोना या चांदी की डिलीवरी होती है। अभी तक गोल्ड-सिल्वर ETF अपनी होल्डिंग की वैल्यू लंदन बुलियन मार्केट असोसिएशन (LBMA) की एएम फिक्सिंग कीमत के आधार पर तय करते थे, जिसे रुपये में बदलकर और टैक्स और अन्य खर्च जोड़कर घरेलू कीमत निकाली जाती थी। नए नियम से वैल्यूएशन घरेलू बाजार के ज्यादा करीब होगा।

सोशल मीडिया पोस्ट में रजिस्ट्रेशन नंबर ज़रूरी

SEBI ने सभी रजिस्टर्ड मार्केट इंटरमीडियरी और उनके एजेंट्स को निर्देश दिया है कि वे सोशल मीडिया पर शेयर बाजार से जुड़ा कोई भी कंटेंट पोस्ट करते समय अपना रजिस्टर्ड नाम और रजिस्ट्रेशन नंबर साफ तौर पर लिखें। यह नियम स्टॉक ब्रोकर, म्यूचुअल फंड, असेट मैनेजमेंट कंपनी, इन्वेस्टमेंट एडवाइजर, रिसर्च एनालिस्ट, AIF और पोर्टफोलियो मैनेजर समेत सभी पर लागू होगा। अगर किसी संस्था के पास एक से ज्यादा रजिस्ट्रेशन हैं, तो उसे वेबसाइट लिंक और संबंधित डिटेल्स भी देनी होगी। यह नियम 1 मई 2026 से लागू होगा। इसका मकसद फर्जी और अनरजिस्टर्ड लोगों से निवेशकों को बचाना है।

लाइफ साइकल फंड हो सकता है वेल्थ क्रिएशन का आसान रास्ता

रूट सेट करो और भूल जाओ निवेश में आया ये फॉर्म्युला

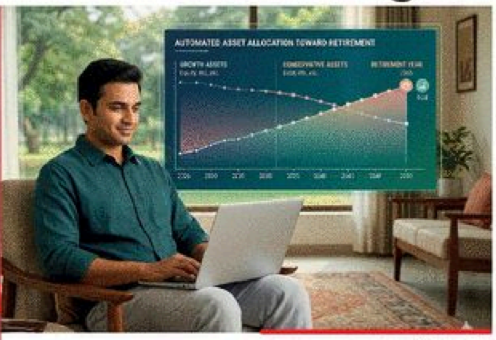

दो दूनी चार

रमेश तिवारी
Ramesh.Tiwari@timesofindia.com

निवेश की दुनिया में अब एक नया फॉर्म्युला तेजी से जगह बना रहा है- 'सेट करो और भूल जाओ'। लाइफ साइकल फंड्स ऐसा मॉडल लेकर आए हैं, जिसमें उम्र और लक्ष्य के हिसाब से पोर्टफोलियो खुद-ब-खुद बदलता रहता है। इससे निवेश आसान, अनुशासित और कम तनाव वाला बन सकता है।

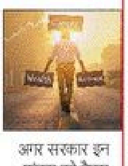

अगर सरकार इन फंड्स को टैक्स बेनिफिट्स देती है, तो यह बड़ा आकर्षण हो सकता है। अगर असेट मैनेजमेंट कंपनियां इन्हें महंगे एक्टिव फंड्स के बजाय कम लागत वाले पैसिव फंड्स के तौर पर चलाने का फैसला करती हैं, तो और बेहतर।

लाइफ साइकल फंड्स निवेश को ऑटोमैटिक ट्रैक पर डालते हैं। लक्ष्य साल के करीब आते ही इक्विटी घटती और सेफ असेट्स बढ़ते जाते हैं। यह मॉडल इमोशनल फैसलों को सीमित कर सकता है, लेकिन हर निवेशक की जरूरत के मुताबिक पूरी तरह लचीला नहीं होता।

क्या आपने कभी 'सेट करो और भूल जाओ' इन्वेस्टिंग के बारे में सुना है? म्यूचुअल फंड (MF) इंडस्ट्री के लिए एक बड़ा बदलाव किया गया है, जिसमें आप यही कर सकेंगे। मार्केट रेगुलेटर SEBI ने लाइफ साइकल फंड का कॉन्सेप्ट सामने रखा है। यह दुनिया भर में आम है। US में टारगेट डेट फंड्स इसी प्रिंसिपल पर काम करते हैं। आप नाम में किसी खास साल वाला फंड चुनते हैं, और जैसे-जैसे आप उस साल के करीब आते हैं, यह अपने आप इक्विटी से बॉन्ड में शिफ्ट हो जाता है। भारत अब इसे ठीक से अपना रहा है। यहां तक कि नैशनल पेंशन सिस्टम (NPS) में भी यह सुविधा उपलब्ध है। इसमें ऑटो चॉइस कैटिगरी में यह सुविधा मिलती है, लेकिन NPS में पैसा निकालने पर बंदिशें हैं। मच्योरिटी के बाद बीमा कंपनियों से एन्युटी खरीदने की भी शर्त है।

विकसित बाजारों में लाइफ साइकल फंड्स सफल मॉडल्स की तरह देखे गए हैं, जो फालतू चीजों को हटाते हैं। इसे अपनी वित्तीय यात्रा के लिए एक GPS की तरह समझें। जैसे गाड़ी में बैठते ही आपने रूट सेट कर दिया, ठीक इसी तरह ये आपको मार्केट में मंजिल तक पहुंचाता है। ये वेल्थ क्रिएशन का आसान रास्ता हो सकता है, जिसमें मानसिक दबाव कम होगा। आपको रिटर्न के पीछे भागने के बजाय अपने करियर और जिंदगी पर फोकस करने के लिए ज्यादा समय मिलेगा।

लाइफ साइकल फंड्स है क्या? मान लीजिए कि आपका 2050 में रिटायरमेंट है। इस लक्ष्य के लिए यह फंड अग्रेसिव तरीके से शुरू होता है: मैक्सिमम ग्रोथ के लिए इक्विटी में 95% तक पैसा जाता है। हर साल, यह ऑटोमैटिकली धीरे-धीरे इक्विटी यानी शेयर कम करता है और डेट जैसे सेफ असेट्स बढ़ाता है। जैसे-जैसे टारगेट साल पास आता है, पोर्टफोलियो कंजर्वेटिव हो जाता है। मोटे तौर पर देखें तो अभी MF में हाइब्रिड फंड्स का ऑप्शन उपलब्ध है, जहां इक्विटी और डेट दोनों में पैसा लगा होता है। लेकिन असेट को ऑटोमैटिक तरीके से रीबैलेंस किया जाएगा। हाइब्रिड फंड्स की तरह फंड मैनेजर की मर्जी नहीं चलेगी। वैसे, लाइफ साइकल फंड्स का पैसा सिर्फ डेट ही नहीं, दूसरे और असेट क्लासेज में भी लगाया जाएगा। इसमें गोल्ड, सिल्वर जैसे असेट्स भी शामिल हो सकते हैं।

ऐसे इन्वेस्टर जिनका लॉन्ग-टर्म गोल साफ हो और जो ऑटोमैटिक असेट एलोकेशन पसंद करते हों, यह कैटिगरी उनके काम की हो सकती है। अगर 5 साल से कम समय हो तो सौ फीसदी इक्विटी में निवेश से बचें। 10 साल से ज्यादा का वक्त हो तो सिर्फ डेट के भरोसे बैठना जरूरी नहीं है। लेकिन हम निवेशक के तौर पर अक्सर भावनाओं के साथ चलते हैं। जब लक्ष्य की तारीख नजदीक होती है, हम इक्विटी को लेकर बेचैन रहते हैं। मार्केट में गिरावट पर निवेश से निकलने के लिए बेचैन हो जाते हैं। ये फंड हमें इमोशनल फैसले लेने से रोकेंगे। लाइफ साइकल फंड का स्ट्रक्चर एक तरह से रोबोटिक गाइड का काम करता है। जैसे-जैसे लक्ष्य पास आता है, पोर्टफोलियो धीरे-धीरे इक्विटी से कम रिस्क वाले असेट्स में शिफ्ट हो जाता है।

पोर्टफोलियो रीबैलेंस भी इससे आसान होगा। रीबैलेंस का मतलब है कि पैसे को इक्विटी से डेट, या डेट से इक्विटी की ओर शिफ्ट करना। इसमें टैक्सेशन आड़े आता है। ऑटोमैटिक रीबैलेंसिंग से टैक्स बोझ भी कम होगा। हालांकि इसमें कोई पर्सनलाइजेशन नहीं है। यह डिजाइन से ही सख्त है। ज्यादा अग्रेसिव इन्वेस्टर्स को यह बहुत जल्दी बहुत कंजर्वेटिव लग सकता है, जिससे ग्रोथ का पोटेंशियल चूक सकता है। सतर्क रुख रखने वाले इन्वेस्टर्स को अभी भी अपनी पसंद से पहले ज्यादा रिस्क का सामना करना पड़ सकता है। मार्केट में बड़ी गिरावट के समय ही आपका पैसा इक्विटी से डेट की ओर शिफ्ट हो रहा हो तो भी नुकसान हो सकता है। इस तरह के फंड्स को सेफ बताकर बेचना भी समस्या हो सकती है। इक्विटी चाहे कम मात्रा में हो, लेकिन उतार-चढ़ाव का असर पूरे फंड पर पड़ेगा।

अगर सरकार इन फंड्स को टैक्स बेनिफिट्स देती है, तो यह बड़ा आकर्षण हो सकता है। अगर असेट मैनेजमेंट कंपनियां इन्हें महंगे एक्टिव फंड्स के बजाय कम लागत वाले पैसिव फंड्स के तौर पर चलाने का फैसला करती हैं, तो और बेहतर। अगर इक्विटी मार्केट अगले दशक में अच्छा परफॉर्म करते हैं, तो शुरुआती इन्वेस्टर्स के लिए अनुभव काफी सुखद होगा। कुल मिलाकर, लाइफ साइकल फंड्स भारतीय रिटेल इन्वेस्टर के लिए सच में अच्छा प्रोडक्ट बन सकते हैं।

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 02-03-2026 Zone: NBTWealth Edition: 1 Page: NBTWD3 User: cci Time: 02-28-2026 19:26 Color:

डिविडेंड यील्ड फंड

निवेश करें या नहीं? फायदे, जोखिम और टैक्स को समझें

इक्विटी में निवेश करते समय कई लोग स्थिरता और संभावित आय के बीच संतुलन ढूंढते है। डिविडेंड यील्ड फंड ऐसी ही एक रणनीति है, जो मजबूत और लाभ कमाने वाली कंपनियों पर फोकस करता है। लेकिन रिटर्न, जोखिम और टैक्स के पहलुओं को समझे बिना निवेश करना सही नहीं होगा।

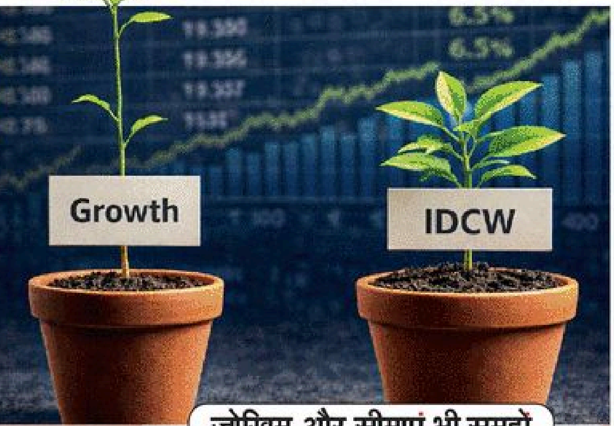

सुदेश रंजन
Sudesh.Ranjan@timesofindia.com

डिविडेंड का मतलब है कंपनी द्वारा अपने मुनाफे का एक हिस्सा शेयरधारकों में बांटना। अगर आपके पास उस कंपनी के शेयर है, तो आपको यह लाभांश मिलता है।

डिविडेंड यील्ड बताता है कि शेयर की मौजूदा कीमत पर कितना प्रतिशत डिविडेंड मिल रहा।

शेयर बाजार में निवेश को अक्सर जोखिम से जोड़ा जाता है। तेज उतार-चढ़ाव के कारण कई निवेशक इक्विटी में पैसा लगाने से बचते है। हालांकि, इक्विटी म्यूचुअल फंड की दुनिया में कुछ ऐसे विकल्प भी है, जो अपेक्षाकृत कम अस्थिर माने जाते हैं और संभावित रूप से नियमित आय का अवसर भी देते है। डिविडेंड यील्ड फंड ऐसा ही एक विकल्प है।

यह फंड उन कंपनियों में निवेश करता है जो नियमित और अपेक्षाकृत अधिक डिविडेंड देती है। यानी निवेशक को दो तरह का लाभ मिल सकता है- एक, संभावित नियमित आय और दूसरा, लंबे समय में पूंजी में बढ़ोतरी।

डिविडेंड यील्ड क्या है?

- डिविडेंड का मतलब है कंपनी द्वारा अपने मुनाफे का एक हिस्सा शेयरधारकों में बांटना। अगर आपके पास उस कंपनी के शेयर है, तो आपको यह लाभांश मिलता है। डिविडेंड यील्ड बताता है कि कंपनी अपने शेयर की मौजूदा कीमत के मुकाबले कितने प्रतिशत डिविडेंड दे रही है।
- उदाहरण के लिए, अगर किसी शेयर की कीमत 100 है और कंपनी साल में 5 का डिविडेंड देती है, तो उसका डिविडेंड यील्ड 5% होगा।
- SEBI के नियमों के अनुसार, डिविडेंड यील्ड फंड को अपनी कुल संपत्ति का कम से कम 65% हिस्सा उन कंपनियों में निवेश करना होता है, जिनका डिविडेंड यील्ड बाजार औसत से अधिक है। ये कंपनियां आमतौर पर मजबूत बैलेंस शीट वाली, स्थिर और परिपक्व (Mature) होती है। PSU, FMCG और IT सेक्टर में ऐसी कई कंपनियां मिलती है।

फंड की विशेषताएं

1. **मजबूत और स्थिर कंपनियां:** डिविडेंड देने वाली कंपनियां आम तौर पर लगातार मुनाफा कमाती है और उनके पास पर्याप्त नकदी होती है।
2. **अपेक्षाकृत कम उतार-चढ़ाव:** बाजार गिरने पर भी ऐसी कंपनियों के शेयर अन्य ग्रोथ स्टॉक्स की तुलना में कम गिरते है। डिविडेंड निवेशकों के लिए सुरक्षा कवच जैसा काम करता है।
3. **वैल्यू आधारित निवेश:** ये फंड अक्सर उन शेयरों में निवेश करते है जो अपनी वास्तविक कीमत से कम पर उपलब्ध होते है।
4. **संभावित नियमित आय:** अगर IDCW (डिविडेंड) विकल्प चुना जाए तो निवेशक को समय-समय पर नकद राशि मिल सकती है। यह FD से बेहतर रिटर्न की संभावना देता है।

किसे निवेश करना चाहिए?

- कम जोखिम वाले निवेशक, जो इक्विटी में रहना चाहते है लेकिन ज्यादा उतार-चढ़ाव नहीं चाहते।
- कम से कम 5 साल या उससे अधिक समय के लिए निवेश करने वाले लोग।
- जो अपने पोर्टफोलियो में स्थिरता और कैश फ्लो चाहते है। रिटायर्ड लोगों के लिए भी यह सही हो सकता है।
- अगर आपके पास पहले से स्मॉल-कैप या ग्रोथ फंड ज्यादा है, तो यह फंड संतुलन ला सकता है।

किन्हें नहीं करना चाहिए?

- जो बहुत तेज रिटर्न की उम्मीद करते है।
- जो 30% टैक्स स्लैब में है और IDCW विकल्प चुनना चाहते है।

टैक्स नियमों को समझें

2020 के बाद डिविडेंड पर टैक्स नियम बदल गए है। अब डिविडेंड निवेशक के हाथ में टैक्सेबल है।

डिविडेंड पर टैक्स

- मिलने वाला डिविडेंड आपकी कुल आय में जुड़ता है।
- आपकी टैक्स स्लैब के अनुसार टैक्स लगेगा।
- सालाना ₹5,000 से अधिक डिविडेंड पर 10% TDS कट सकता है।

यूनिट बेचने पर टैक्स

- **शॉर्ट टर्म कैपिटल गेन (STCG):** 12 महीने से पहले बेचने पर मुनाफे पर 20% टैक्स।
- **लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन (LTCG):** 12 महीने बाद बेचने पर ₹1.25 लाख तक का मुनाफा टैक्स-फ्री, उससे ऊपर 12.5% टैक्स।
- मान लीजिए आपने ₹2 लाख निवेश किए और 2 साल बाद ₹3.5 लाख में बेचे। मुनाफा ₹1.5 लाख हुआ, जिसमें ₹1.25 लाख तक टैक्स-फ्री है। बाकी ₹25,000 पर 12.5% टैक्स लगेगा, जो ₹3,125 (सेस अतिरिक्त) होगा।

जोखिम और सीमाएं भी समझें

- **धीमी ग्रोथ:** ये कंपनियां मुनाफे का बड़ा हिस्सा बांट देती है, इसलिए तेज विस्तार और शेयर कीमतों में तेजी सीमित हो सकती है।
- **सेक्टर एकाग्रता:** कुछ फंड विशेष सेक्टरों (जैसे यूटिलिटीज या माइनिंग) पर ज्यादा निर्भर हो सकते है।
- **टैक्स का असर:** डिविडेंड आपकी टैक्स स्लैब के अनुसार टैक्सेबल है।

क्या करें निवेशक?

डिविडेंड यील्ड फंड उन निवेशकों के सही हो सकता है जो इक्विटी की ग्रोथ के साथ स्थिरता और संभावित आय चाहते है। यह पूरी तरह सुरक्षित विकल्प नहीं है, लेकिन अन्य इक्विटी फंड्स की तुलना में अपेक्षाकृत कम उतार-चढ़ाव वाला हो सकता है। समझदारी यही है कि अपने वित्तीय लक्ष्यों के अनुसार ही विकल्प चुनें।

ग्रोथ बनाम IDCW

आजकल अधिकतर म्यूचुअल फंड डिविडेंड शब्द की जगह 'Income Distribution cum Capital Withdrawal (IDCW)' शब्द इस्तेमाल करते हैं। इसमें जो पैसा मिलता है, वह मुनाफे के साथ आपकी मूल राशि (Capital) का हिस्सा भी हो सकता है।

फंड में आपको दो ऑप्शन मिलते है, एक ग्रोथ का और दूसरा DCW का। अगर आपको समय-समय पर नकद पैसा लेने की जरूरत नहीं है, तो ग्रोथ विकल्प आम तौर पर ज्यादा बेहतर माना जाता है। इसमें फंड को जो डिविडेंड कंपनियों से मिलता है, वह आपके बैंक खाते में नहीं आता, बल्कि उसी फंड में दोबारा लगा दिया जाता है। इससे आपका निवेश धीरे-धीरे बढ़ता रहता है और कंपाउंडिंग का फायदा मिलता है। टैक्स भी आपको हर बार नहीं देना पड़ता, बल्कि तभी लगता है जब आप अपनी यूनिट बेचते है।

वहीं, अगर आपको बीच-बीच में नकद रकम चाहिए, तो आप IDCW विकल्प चुन सकते है। इसमें फंड समय-समय पर आपके खाते में पैसा भेजता है। लेकिन यह समझना जरूरी है कि यह रकम केवल मुनाफे से ही नहीं, बल्कि आपकी लगाई गई मूल राशि का हिस्सा भी हो सकती है। इसलिए हर बार मिलने वाली रकम को पूरी तरह अतिरिक्त कमाई समझना सही नहीं होता। डिविडेंड यील्ड फंड का मतलब यह भी नहीं है कि हर महीने निश्चित आय मिलेगी ही। आम तौर पर डिविडेंड तिमाही या साल में 1-2 बार मिलता है। यह इस बात पर निर्भर करता है कि फंड को कंपनियों से कब और कितना डिविडेंड मिला।

SMART STATS

1 Top 5 SIPs

Top 5 equity schemes based on 10-year SIP returns

Scheme	Return
Quant Small Cap Fund(G)	22.26
Nippon India ETF Nifty PSU Bank BeES	22.23
Kotak Nifty PSU Bank ETF	22.18
ICICI Pru Infrastructure Fund(G)	21.13
Quant Infrastructure Fund(G)	20.92

25 Feb 2016 to 25 Feb 2026 | % ANNUALISED RETURNS As on: 26 Feb 2026

किसका, कैसा रिटर्न?

यहां अलग कैटेगरी में अधिक रिटर्न देने वाले शीर्ष 5 और कम रिटर्न वाले फिसड्डी 5 फंड्स की सूची है।

Equity: Large Cap 3-year returns

अव्वल		फिसड्डी	
Nippon India Large Cap Fund(G)	19.84	PGIM India Large Cap Fund(G)	11.93
ICICI Pru Large Cap Fund(G)	18.67	LIC MF Large Cap Fund-Reg(G)	12.51
Taurus Large Cap Fund-Reg(G)	18.40	Sundaram Large Cap Fund-Reg(G)	13.28
DSP Large Cap Fund-Reg(G)	18.35	UTI Large Cap Fund-Reg(G)	13.30
WOC Large Cap Fund-Reg(G)	18.19	Axis Large Cap Fund-Reg(G)	13.36

Equity: Flexi Cap 3-year returns

अव्वल		फिसड्डी	
HDFC Flexi Cap Fund(G)	22.80	Samco Flexi Cap Fund-Reg(G)	3.10
Bank of India Flexi Cap Fund-Reg(G)	22.71	UTI Flexi Cap Fund-Reg(G)	10.36
ITI Flexi Cap Fund-Reg(G)	22.11	Shriram Flexi Cap Fund-Reg(G)	11.59
Motilal Oswal Flexi Cap Fund-Reg(G)	21.27	PGIM India Flexi Cap Fund-Reg(G)	13.50
Invesco India Flexi Cap Fund-Reg(G)	20.56	Navi Flexi Cap Fund-Reg(G)	14.32

Equity: Mid Cap 3-year returns

अव्वल		फिसड्डी	
Invesco India Midcap Fund-Reg(G)	27.43	PGIM India Midcap Fund-Reg(G)	14.17
Nippon India Growth Mid Cap	27.16	Quant Mid Cap Fund(G)	15.42
HDFC Mid Cap Fund-Reg(G)	26.79	Taurus Mid Cap Fund-Reg(G)	15.98
Edelweiss Mid Cap Fund-Reg(G)	26.60	SBI Midcap Fund-Reg(G)	17.75
ICICI Pru Midcap Fund(G)	26.56	UTI Mid Cap Fund-Reg(G)	17.77

Equity: Small Cap 3-year returns

अव्वल		फिसड्डी	
Bandhan Small Cap Fund-Reg(G)	29.81	Tata Small Cap Fund-Reg(G)	13.51
ITI Small Cap Fund-Reg(G)	24.71	SBI Small Cap Fund-Reg(G)	13.65
Invesco India Smallcap Fund-Reg(G)	24.68	PGIM India Small Cap Fund-Reg(G)	14.48
Mahindra Manulife Small Cap	23.85	Kotak Small Cap Fund(G)	15.07
Nippon India Small Cap Fund(G)	21.26	Canara Robeco Small Cap Fund	16.77

Hybrid: Aggressive 3-year returns

अव्वल		फिसड्डी	
BoI Mid & Small Cap Equity-Debt Fund	19.60	PGIM India Aggressive Hybrid Equity	11.18
ICICI Pru Equity & Debt Fund(G)	19.49	HDFC Hybrid Equity Fund(G)	11.90
JM Aggressive Hybrid Fund-Reg(G)	17.70	Tata Aggressive Hybrid Fund	12.11
Mahindra Manulife Aggressive Hybrid	17.18	Shriram Aggressive Hybrid Fund	12.11
Edelweiss Aggressive Hybrid Fund-Reg(G)	16.93	Axis Aggressive Hybrid Fund	12.28

ANNUALISED RETURNS IN %, As on: 26 Feb 2026

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 02-03-2026 Zone: NBTWealth Edition: 1 Page: NBTWD4 User: cci Time: 02-28-2026 19:28 Color:

ड्राफ्ट नियमों में सालाना रिपोर्टिंग की सीमा 20 लाख से घटाकर 10 लाख करने का है प्रस्ताव

कैश लेन-देन में कितना टैक्स रिस्क?

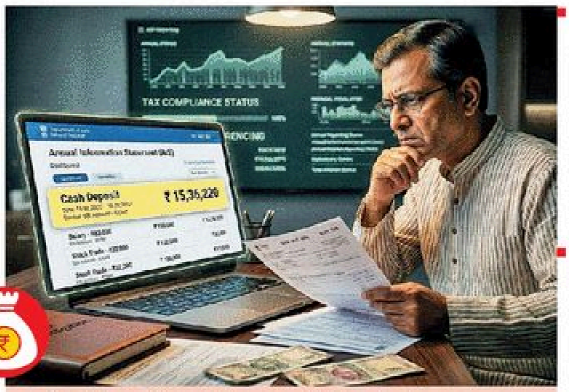

डेविड शर्मा
Devid.Sharma @timesofindia.com

कैश में लेनदेन सुविधा का मामला नहीं, बल्कि टैक्स जोखिम का सवाल भी है। बड़े जमा, निकासी और हाई वैल्यू ट्रांजैक्शन सीधे AIS में दर्ज होते हैं। रिपोर्टिंग सीमा घटाने के प्रस्ताव और 200% तक पेनल्टी के प्रावधान ने नकद लेनदेन को पहले से ज्यादा संवेदनशील बना दिया है।

गुल्लक में सहेजे गए सिक्के हों या तिजोरी में रखी मेहनत की गाढ़ी कमाई, 'कैश' हमेशा से हमारे लिए सुकून और सिक्योरिटी की वजह रहा है। लेकिन जरा ठहरिए! जो कैश आपकी ताकत है, वही सबसे बड़ी चिंता भी बन सकता है। बदलते समय में अब 'कैश' सिर्फ कागज के नोट नहीं रहे, वो इनकम टैक्स डिपार्टमेंट की पैनी नजरों के रेडार पर चमकते सिग्नल बन चुके हैं। कैश लेन-देन को लेकर अनजाने में की गई एक छोटी सी चूक आपके जीवन भर की कमाई पर भारी पड़ सकती है। बेहिसाब कैश पर तो 200% तक की भारी पेनल्टी की गाज गिर सकती है।

फाइनेंस और टैक्स कंसल्टेंट लक्ष्मण झा बताते हैं कि देश में कैश लेनदेन को लेकर कानून पहले से ही सख्त हैं लेकिन अब निगरानी और ज्यादा सिस्टमैटिक और टेक्नोलॉजी आधारित हो गई है। बैंक, इनकम टैक्स डिपार्टमेंट और जांच एजेंसियां बड़े और असामान्य कैश ट्रांजैक्शन पर लगातार नजर रखती हैं। चार्टर्ड अकाउंटेंट सिद्धार्थ चौधरी के मुताबिक, इनकम टैक्स कानून 1961 के तहत कैश जमा या निकासी की कोई सीधी अधिकतम सीमा तय नहीं है लेकिन पैन रिपोर्टिंग और अन्य प्रावधानों के जरिए इन पर सख्ती रखी जाती है। नए इनकम टैक्स कानून में कुल मिलाकर, कैश लेनदेन से जुड़े मूल नियमों में बड़ा बदलाव नहीं हुआ है लेकिन रिपोर्टिंग लिमिट में बदलाव और निगरानी में सख्ती की जा रही है।

कब आ सकता है IT नोटिस?

CA सिद्धार्थ के मुताबिक, बैंक तय लिमिट से ज्यादा हाई वैल्यू लेनदेन की जानकारी स्टेटमेंट ऑफ फाइनेंशल ट्रांजैक्शन (SFT) के जरिए इनकम टैक्स डिपार्टमेंट को भेजते हैं। सेविंग अकाउंट में एक साल में 10 लाख या उससे ज्यादा कैश जमा या निकासी को फ्लैग किया जा सकता है। करंट अकाउंट में 50 लाख या उससे ज्यादा कैश जमा भी रिपोर्ट होता है। हालांकि कोई तय रकम ऐसी नहीं है जिस पर अपने आप नोटिस जारी हो जाए, लेकिन अगर ट्रांजैक्शन आपकी ITR में दिखाई गई इनकम से मेल न खाए तो स्क्रूटनी के दौरान सफाई मांगी जा सकती है।

AIS में दर्ज होती है बड़ी रकम

बड़े कैश जमा, निकासी, प्रॉपर्टी खरीद और बड़े क्रेडिट कार्ड पेमेंट की जानकारी बैंक और रजिस्ट्रार रिपोर्ट करते हैं। ये डेटा एनुअल इन्फॉर्मेशन स्टेटमेंट (AIS) और टैक्सपेयर इन्फॉर्मेशन समरी (TIS) में दिखाई देता है। टैक्स कंसल्टेंट लक्ष्मण झा कहते हैं कि AIS अब टैक्स जांच का बड़ा आधार बन चुका है क्योंकि इसमें लगभग सभी बड़े वित्तीय लेनदेन दिखते हैं।

बैंक में जमा कैश घोषित इनकम से मेल नहीं खाए तो?

बैंक में जमा कैश घोषित इनकम से मेल नहीं खाता और स्रोत साबित नहीं कर पाते, तो इसे अघोषित आय माना जाता है। बजट 2026 से पहले ऐसे मामले में 78% टैक्स और 10% अतिरिक्त पेनल्टी थी। अब टैक्स 39% है। स्वयं ITR में घोषित करने पर सिर्फ 39% टैक्स लगेगा, लेकिन विभाग के पकड़ने पर 200% पेनल्टी और आपराधिक कार्रवाई का भी जोखिम रहेगा।

बड़े कैश लेनदेन पर लग सकती है 100% तक पेनल्टी

इनकम टैक्स कानून बड़े कैश लेनदेन पर सख्ती करता है। सेक्शन 269SS और 269T के तहत 20,000 रुपये या उससे ज्यादा का कैश लोन या डिपॉजिट लेना-चुकाना प्रतिबंधित है, उल्लंघन पर पूरी रकम के बराबर पेनल्टी लग सकती है। सेक्शन 269ST के तहत एक व्यक्ति से एक दिन या एक लेनदेन में 2 लाख से ज्यादा कैश लेना गैरकानूनी है। नियम तोड़ने पर 100% पेनल्टी लगती है।

बिजनेस के लिए ठीक नहीं यह तरीका

अगर किसी कारोबारी के बैंक में जमा कैश, GST रिटर्न में दिखाए गए कैश सेल से मेल नहीं खाता, तो इसे बिक्री छिपाना या टैक्स चोरी माना जा सकता है। ऐसे मामले में आयकर और GST विभाग संयुक्त जांच कर सकते हैं। भारी पेनल्टी, पुराने वर्षों की दोबारा जांच, GST रजिस्ट्रेशन रद्द होना और छापे जैसी कार्रवाई संभव है। बैंक संदिग्ध लेनदेन पर नजर रखकर STR और SFT रिपोर्ट एजेंसियों को भेजते हैं।

डिजिटल भुगतान सुरक्षित: कैश लेनदेन में कागजी रिकॉर्ड नहीं होता, जांच के समय पूरा बोझ करदाता पर होता है। नकली नोट, चोरी, भारी पेनल्टी का खतरा भी रहता है। डिजिटल भुगतान में पारदर्शिता रहती है।

कैश में सैलरी: कैश में सैलरी देने पर सीधे पेनल्टी नहीं है, लेकिन सेक्शन 40A(3) के तहत 10,000 रुपये से ज्यादा कैश भुगतान खर्च नहीं माना जाता। इससे नियोक्ता का टैक्स बोझ बढ़ सकता है।

...तो फ्रीज हो सकता है खाता

कैश लेनदेन संदिग्ध हो या फ्रॉड, हवाला अथवा टैक्स चोरी से जुड़ा दिखे, तो पुलिस, ED, CBI, आयकर या GST विभाग बैंक खाता फ्रीज कर सकते हैं। PMLA के तहत अपराध से जुड़ी रकम पर अकाउंट और संपत्ति जब्त हो सकती है। हालांकि सिर्फ ज्यादा या बार-बार कैश लेनदेन अपने आप मनी लॉन्ड्रिंग नहीं माना जाता।

घर में कितना कैश रख सकते हैं?

कानून में घर पर कैश रखने की कोई तय सीमा नहीं, बशर्ते आप सोर्स साबित कर सकें। सिर्फ ज्यादा कैश होना छापे की वजह नहीं बनता लेकिन बिना दस्तावेज बड़ी रकम जोखिम बढ़ा सकता है। रिकॉर्ड और सोर्स स्पष्ट होने पर कैश रखना गैरकानूनी नहीं है।

प्रॉपर्टी, शादी में नियम जानें

प्रॉपर्टी लेनदेन में 2 लाख से ज्यादा कैश लेना सेक्शन 269ST के तहत मना है। 50 लाख से ऊपर की बिक्री पर 1% TDS जरूरी है। शादी के गिफ्ट टैक्स फ्री हैं, लेकिन रिकॉर्ड रखें। गैर-रिश्तेदार से 50,000 रुपये से ज्यादा गिफ्ट टैक्सेबल है।

पैन कब जरूरी?

एक दिन में 50,000 या साल में 20 लाख से ज्यादा कैश जमा या निकासी पर पैन जरूरी है। नए ड्राफ्ट नियमों में 50,000 की दैनिक सीमा हटाने और सालाना रिपोर्टिंग सीमा 10 लाख करने का प्रस्ताव है।

साप्ताहिक आर्थिक भविष्यफल
(2-8 मार्च 2026)

नन्दिता पाण्डेय
NBTwealth @timesofindia.com

मेष (22 मार्च-21 अप्रैल)
सप्ताह की शुरुआत से हालात बेहतर रहेंगे। निवेश, शेयर मार्केट या जोखिम वाले सौदों से लाभ मिल सकता है। आपकी समझदारी सही फैसले दिलाएगी। हफ्ते के दूसरे हिस्से में आय के नए स्रोत खुल सकते हैं और साझेदारी के काम में फायदा होगा। बैंकिंग, इंश्योरेंस, आईटी, फार्मा और सोलर एनर्जी में निवेश से लाभ के संकेत मिल रहे हैं। सप्ताह के अंत में धन वृद्धि के अच्छे योग बन रहे हैं।

वृषभ (22 अप्रैल-21 मई)
सप्ताह के शुरुआती दो दिन खर्च बढ़ा सकते हैं, खासकर घर, वाहन या निजी जरूरतों पर। बाद में अचानक धन लाभ के संकेत हैं। निवेश से फायदा होगा और पुराने कर्ज से राहत मिल सकती है। आय के नए अवसर बनेंगे। फार्मा, पेट्रोलियम, केमिकल, ऑटोमोबाइल, एयरलाइन, होटल और मीडिया सेक्टर में निवेश के लिए समय अनुकूल दिख रहा है। सप्ताह के अंत तक आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर रहेगी।

मिथुन (22 मई-21 जून)
सप्ताह की शुरुआत में निवेश से लाभ मिल सकता है। आपकी बातचीत की कला और संपर्क बढ़ाने की क्षमता से आर्थिक अवसर बनेंगे। नेटवर्किंग से फायदा होगा। सप्ताह के मध्य में कुछ अनावश्यक खर्च हो सकते हैं, इसलिए सतर्क रहें। गुरुवार और शुक्रवार को सोच-समझकर फैसले लें। सप्ताहांत में अचानक लाभ के संकेत हैं। बैंकिंग, शिक्षा, होटल, मीडिया, फैशन सेक्टर से लाभ मिल सकता है।

कर्क (22 जून-21 जुलाई)
यह सप्ताह समझदारी से लिए गए फैसलों का है। आपकी सूझबूझ अच्छे निवेश दिलाएगी और धन लाभ के योग बनेंगे। संपर्क और व्यवहार से इस सप्ताह आपको नए आर्थिक अवसर मिल सकते हैं। सप्ताह के अंत में खर्च बढ़ सकते हैं, इसलिए बजट पर ध्यान रखें। डेयरी, होटल, मीडिया, फैशन और खाद्य उत्पाद क्षेत्र से लाभ मिलने की संभावना दिख रही है। कुल मिलाकर आर्थिक स्थिति संतुलित और मजबूत बनी रहेगी।

सिंह (22 जुलाई-21 अगस्त)
सप्ताह की शुरुआत से स्थितियां आपके अनुकूल रहेंगी। सही निवेश से धन वृद्धि होगी। आपकी मधुर वाणी और नेटवर्किंग क्षमता आर्थिक अवसर दिलाएगी। सप्ताह के उत्तरार्ध में आर्थिक उन्नति के संकेत हैं। होटल, मीडिया, फैशन, गारमेंट, रेस्टोरेंट, कंज्यूमर गुड्स से जुड़े लोगों को विशेष लाभ मिल सकता है। पूरे सप्ताह सकारात्मक ऊर्जा रहेगी और आर्थिक स्थिति में स्थिरता बनी रहेगी।

कन्या (22 अगस्त-21 सितंबर)
सप्ताह के पहले दो दिन खर्च अधिक हो सकते हैं और आपको थोड़ी अस्थिरता महसूस हो सकती है। बुधवार के बाद स्थिति सुधरेगी और धन लाभ के अवसर मिलेंगे। समझदारी से किया गया निवेश फायदा देगा। होटल, मीडिया, फैशन, जेम्स-स्टोन, कंज्यूमर इंडस्ट्री, बैंकिंग और सोना-चांदी से जुड़े लोगों को अच्छा लाभ मिल सकता है। सप्ताह के अंत तक आर्थिक स्थिति मजबूत और संतुलित बनती जाएगी।

तुला (22 सितंबर-21 अक्टूबर)
मेहनत और समझदारी से इस सप्ताह अच्छा लाभ मिल सकता है। सीनियर्स की सलाह आपके लिए फायदेमंद रहेगी। शेयर मार्केट, प्रॉपर्टी या पैतृक संपत्ति से लाभ के संकेत हैं। सप्ताह के मध्य में खर्च बढ़ सकते हैं, इसलिए निवेश में सावधानी रखें। सप्ताहांत में स्थिति बेहतर होगी। होटल, मीडिया, फैशन, परफ्यूम और कंज्यूमर गुड्स क्षेत्र से जुड़े लोगों को आर्थिक फायदा मिल सकता है।

वृश्चिक (22 अक्टूबर-21 नवं.)
यह सप्ताह मेहनत और अनुशासन का है। जैसे-जैसे सप्ताह आगे बढ़ेगा, आपकी समझदारी और फैसले धन लाभ दिलाएंगे। गुरुवार और शुक्रवार खास तौर पर लाभकारी रह सकते हैं। सप्ताहांत में खर्च बढ़ सकते हैं, इसलिए निवेश की समीक्षा करें। सोलर पावर, हेल्थ, आईटी, फार्मा, केमिकल, सर्जिकल इंस्ट्रूमेंट्स और ऑटोमोबाइल क्षेत्र से आर्थिक उन्नति के संकेत मिल रहे हैं। कुल मिलाकर स्थिर प्रगति का समय है।

धनु (22 नवंबर-21 दिसंबर)
सप्ताह की शुरुआत में सोमवार से ही बेहतर स्थितियां बनेंगी। व्यापारिक या काम से जुड़ी यात्राएं लाभकारी साबित हो सकती हैं। वरिष्ठों की सलाह से फायदा होगा। गुरुवार और शुक्रवार को धन लाभ के अच्छे योग हैं। पैतृक संपत्ति से भी लाभ मिल सकता है। सोलर पैनल्स, हेल्थ इंडस्ट्री, बैंकिंग, इंश्योरेंस, आईटी, फार्मा और डिफेंस सेक्टर से इस सप्ताह आर्थिक अवसर मिल सकते हैं।

मकर (22 दिसंबर-21 जनवरी)
सप्ताह की शुरुआत में सेहत और खर्च दोनों पर ध्यान देने की जरूरत है। छोटी परेशानियां खर्च बढ़ा सकती हैं। बुधवार के बाद धन आगमन के योग बनेंगे और मेहनत का फल मिलेगा। निवेश सोच-समझकर करें। सप्ताह के दूसरे भाग में भाग्य आपका साथ देगा। आईटी, फार्मा, पेट्रोलियम, केमिकल, होटल, मीडिया और फैशन क्षेत्र से जुड़े लोगों को आर्थिक लाभ मिल सकता है। धीरे-धीरे स्थिति मजबूत होगी।

कुंभ (22 जनवरी-18 फरवरी)
साझेदारी और जीवनसाथी से आर्थिक सहयोग मिल सकता है। सप्ताह के मध्य में कुछ खर्च बढ़ सकते हैं, खासकर गुरुवार और शुक्रवार को सावधानी रखें। सप्ताहांत में भाग्य का साथ मिलेगा और अचानक धन लाभ के संकेत हैं। बैंकिंग, इंश्योरेंस, शिक्षा, सोना-चांदी, डिफेंस, होटल क्षेत्र से जुड़े लोगों को आर्थिक फायदा मिल सकता है।

मीन (19 फरवरी-21 मार्च)
सप्ताह की शुरुआत में आय के नए स्रोत खुल सकते हैं। साझेदारी से लाभ मिलेगा और जीवनसाथी से आर्थिक सहयोग संभव है। सप्ताह के आगे बढ़ने के साथ उन्नति होगी। सप्ताहांत में कुछ खर्च बढ़ सकते हैं, लेकिन सही योजना से स्थिति संभाली जा सकती है। बैंकिंग, इंश्योरेंस, शिक्षा, सोना-चांदी, डेयरी और होटल क्षेत्र से जुड़े लोगों को अच्छा आर्थिक लाभ मिल सकता है।

(लेखिका ऐस्ट्रो-टैरो रीडर, आध्यात्मिक गुरु और लाइफ कोच हैं।)

बुलबुले क्यों बनते हैं, इन्हें कैसे रोकें?

किताब लाजवाब

मृत्युंजय राय
Mrityunjay.Ray @timesofindia.com

एलन एस. ब्लाइंडर अपनी किताब 'After the Music Stopped' में बताते हैं कि हाउसिंग बुलबुले, सस्ते कर्ज और ढीली निगरानी ने कैसे दुनिया को गहरे आर्थिक संकट में धकेल दिया था, कई कंपनियां दिवालिया हो गईं और लोगों को रोजगार से हाथ धोना पड़ा था।

अमेरिका के 2007-2008 के सब-प्राइम क्राइसिस का कारण तब के फेडरल रिजर्व यानी वहां के केंद्रीय बैंक के चीफ एलन ग्रीनस्पैन को भी माना जाता है। कहते हैं कि केंद्रीय बैंक ने अगर समय रहते कदम उठाए होते तो उस क्राइसिस को रोका जा सकता था, लेकिन ग्रीनस्पैन ने ऐसा नहीं किया। अमेरिका के नीति-निर्माताओं की गलतियों ने जिस सब-प्राइम क्राइसिस को जन्म दिया, उसने आगे वैश्विक वित्तीय संकट का रूप धारण कर लिया। इस संकट के कारण कई कंपनियां दिवालिया हो गईं और बड़े पैमाने पर लोगों को रोजगार से हाथ धोना पड़ा।

एलन एस. ब्लाइंडर फेडरल रिजर्व के वाइस चेयरमैन रह चुके हैं। उन्होंने 2007-08 क्राइसिस पर 'After the Music Stopped' नाम की किताब लिखी है। इसमें उन्होंने इस क्राइसिस के कारणों के साथ सरकार के जवाब के बारे में भी लिखा है। एलन यह भी बताते हैं कि भविष्य में ऐसे किसी संकट से बचने के लिए क्या उपाय करने चाहिए।

'जब निगरानी व्यवस्था कमजोर होती है तो असेट्स में बुलबुले बनते हैं। इन्हें तभी रोका जा सकता है, जब नीति-निर्माता चौकस रहें।'

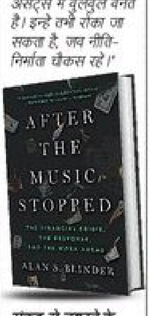

संकट से उबरने के लिए अमेरिका ने 700 बिलियन डॉलर का TARP और बाद में 787 बिलियन डॉलर का स्टीमुलस पैकेज दिया। ब्याज दरें शून्य के करीब लाई गई थीं।

- **संकट की शुरुआत:** एलन लिखते हैं कि सब-प्राइम क्राइसिस दो अहम माने जाने वाले असेट्स की कीमतों में बुलबुला बनने से शुरू हुआ। इन दो असेट्स के नाम हैं- हाउसिंग और होम लोन के आधार पर जारी किए गए बॉन्ड। आसान और बेहद सस्ता कर्ज मिलने से घरों के दाम में अनापशनाप तेजी आई। बहुत खराब क्रेडिट रेटिंग वाले बॉरोअर्स को भी घर खरीदने के लिए कर्ज दिया जाता रहा और उन घरों को कुछ अच्छे क्रेडिट रेटिंग वाले बॉरोअर्स के घरों के साथ मिलाकर बनाए गए बॉन्ड पेंशन, इंश्योरेंस और मर्चेंट बैंकिंग कंपनियों को बेचे गए। आगे चलकर जब खराब क्रेडिट रेटिंग वाले बॉरोअर्स डिफॉल्ट करने लगे तो उससे इनके बॉन्ड खरीदने वालों को बड़ा नुकसान हुआ।
- **लालच भारी पड़ा:** वॉल स्ट्रीट के बैंकों ने इन बॉन्ड्स के आधार पर डेरिवेटिव प्रोडक्ट्स भी बेचे थे, इसलिए यह नुकसान कहीं ज्यादा बड़ा हो गया। 158 साल पुराना वॉल स्ट्रीट का बैंक लीमैन ब्रदर्स दिवालिया हो गया।
- **स्टीमुलस पैकेज:** संकट से निकलने के लिए तब की बुश सरकार ने TARP (Troubled Asset Relief Program) पेश किया। उसने बैंकों को बचाने के लिए 700 बिलियन डॉलर दिए। फेडरल रिजर्व ने ब्याज दरें शून्य के करीब कर दीं। उसने इमरजेंसी लोन दिए और वित्तीय बाजार में पैसा डालने के लिए क्वॉन्टिटेटिव ईजिंग प्रोग्राम लॉन्च किया। बुश के बाद सत्ता में आई ओबामा सरकार ने 787 बिलियन डॉलर का स्टीमुलस पैकेज दिया ताकि इकॉनमी को सब-प्राइम क्राइसिस के बुरे असर से उबारा जा सके। 2009 के आखिर में जाकर मार्केट स्टेबल हुआ।
- **निगरानी जरूरी:** एलन लिखते हैं कि जब निगरानी व्यवस्था कमजोर होती है तो असेट्स में बुलबुले बनते हैं। इन्हें तभी रोका जा सकता है, जब नीति-निर्माता चौकस रहें। अमेरिका में 2007-08 के संकट में वह दोनों अहम पार्टियों के मिलकर काम करने की सराहना करते हैं, लेकिन यह भी कहते हैं कि इसमें वॉल स्ट्रीट को सस्ते में छोड़ दिया गया।

क्यों कर्ज के जाल में फंस रही Gen Z, जानिए खतरे के बड़े संकेत

30,000 सैलरी और 40 लाख कर्ज!

रिजु मेहता
Riju.Mehta @timesofindia.com

1997 और 2012 के बीच पैदा हुए जूमर्स पहली पीढ़ी है जिन्होंने इतना बड़ा कर्ज लिया है, जो पिछली पीढ़ियों से बिल्कुल अलग है जिनके लिए लोन लेना मना था। हालात चिंताजनक स्तर पर पहुंच चुकी है।

आज की युवा पीढ़ी, जो Gen Z के नाम से जानी जा रही है, वह कम उम्र में ही भारी कर्ज के बोझ तले दबती जा रही है। 25-35 साल के युवा, जिनकी मासिक सैलरी 30,000-40,000 के आसपास है, वे 20-40 लाख तक के कर्ज में फंस रहे हैं। यह सिर्फ एक-दो मामलों की बात नहीं है, बल्कि एक बढ़ती हुई प्रवृत्ति है। आसान डिजिटल लोन, क्रेडिट कार्ड और 'अभी खरीदो, बाद में चुकाओ' जैसे विकल्पों ने कर्ज लेना तो बेहद आसान बना दिया है, लेकिन चुकाना उतना ही मुश्किल है।

छोटी रकम से शुरू

कर्ज लेने की शुरुआत अक्सर बड़ी रकम से नहीं, बल्कि छोटे-छोटे अमाउंट से ही होती है। 10,000-50,000 के इंस्टेंट ऐप लोन, क्रेडिट कार्ड EMI, BNPL (Buy Now Pay Later), या पर्सनल लोन। शुरुआत में सब कुछ आसान लगता है- कोई गारंटी नहीं, कोई लंबी प्रक्रिया नहीं, पैसा सीधे खाते में। समस्या तब शुरू होती है जब हर महीने EMI बढ़ती जाती है और उसे चुकाने में इनकम कम पड़ती जाती है। फिर एक लोन चुकाने के लिए दूसरा लोन लिया जाता है। यही चक्र धीरे-धीरे खतरनाक जाल बन जाता है।

आसान कर्ज, बढ़ती महंगाई, लाइफस्टाइल दबाव और मानसिकता- इन सबने मिलकर एक ऐसा माहौल बना दिया है, जहां युवा 'पेचेक टु पेचेक' जी रहे हैं। Gen Z की कर्ज समस्या सिर्फ व्यक्तिगत गलती नहीं, बल्कि सामाजिक, आर्थिक और तकनीकी बदलावों का परिणाम है।

डिफॉल्ट के मामले बढ़े

आंकड़े कहते हैं कि नए क्रेडिट लेने वालों में Gen Z की हिस्सेदारी लगभग 40% से ज्यादा है। वहीं, 50,000 से कम के छोटे लोन में डिफॉल्ट यानी पेमेंट में 90 दिन से ज्यादा देरी के मामले करीब 25% तक पहुंच गए हैं। माइक्रोफाइनेंस सेक्टर में तनावग्रस्त लोन तेजी से बढ़ रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यह संकट बढ़ा-चढ़ाकर नहीं बताया जा रहा, बल्कि सचमुच चिंताजनक है।

अच्छे-बुरे कर्ज में फर्क समझें

जरूरत के लिए कर्ज लेना अपराध नहीं है, लेकिन शौक के लिए कर्ज लेना अक्सर बड़ी गलती साबित होता है। होम लोन, एजुकेशन लोन, बिजनेस या करियर बढ़ाने वाले कर्ज भविष्य में संपत्ति या आय बढ़ाते हैं। लेकिन, गैजेट, ट्रैवल, पार्टी, शॉपिंग, क्रेडिट कार्ड बकाया, ऐप आधारित इंस्टेंट लोन- ये सिर्फ खर्च बढ़ाते हैं, संपत्ति नहीं बनाते।

कर्ज पूरी तरह बुरा नहीं है, लेकिन बिना योजना के लिया गया कर्ज खतरनाक है। सवाल यह नहीं कि कर्ज लें या नहीं, बल्कि यह है कि क्या आप उसे संभाल सकते हैं?

सुरक्षित अनुपात क्या होना चाहिए?
- डेट-टु-इनकम (DTI) 30% से कम रखें।
- क्रेडिट कार्ड उपयोग 30% से कम रखें। 40-50% से ऊपर जाना खतरनाक संकेत है।

अगर आप पहले से फंसे हैं तो...
- पहले स्वीकार करें कि बदलाव जरूरी है।
- व्यवहार में सुधार लाएं।
- जरूरत हो तो मनोवैज्ञानिक सलाह लें।
- समझदारी से समझौता (सेटलमेंट) की प्रक्रिया अपनाएं।

65% से ज्यादा कर्ज लेने वाले 26-35 साल के हैं NBFC फिनटेक से। CRIF-UFF की रिपोर्ट के मुताबिक।

50,000 से कम के छोटे लोन में डिफॉल्ट यानी 90 दिन से ज्यादा देरी के मामले 25% तक पहुंच गए हैं।

क्यों फंस रही Gen Z?

बेहद आसानी से, तुरंत मिल रहा कर्ज

आज मोबाइल पर कुछ क्लिक करते ही तुरंत लोन मिल जाता है, लेकिन क्रेडिट कार्ड EMI, ऐप लोन और पे-डे लोन पर 18% से 48% तक APR लगता है। सिर्फ मिनिमम ड्यू भरने से कर्ज तेजी से बढ़ता है।

बेहिसाब खर्च

महंगाई 7-8% की रफ्तार से बढ़ रही है, जबकि वेतन वृद्धि 10-11% के आसपास है। सैलरी जल्दी खत्म होती है, धीरे-धीरे EMI आय से ज्यादा हो जाती है।

मनोवैज्ञानिक कारण

कई युवाओं को लगता है कि बाद में ज्यादा कमाएंगे और कर्ज चुका देंगे। लेकिन कर्ज तेजी से बढ़ता है, जबकि उतनी तेजी से वे कमाई नहीं बढ़ा पाते।

सोशल मीडिया और लाइफस्टाइल दबाव

सोशल मीडिया ने तुलना बढ़ाई है, जिससे मोबाइल, ब्रैंडेड कपड़े, यात्रा जरूरी लगने लगे हैं। लोन लाइफस्टाइल खर्च के लिए भी लिए जा रहे हैं।

कुछ रेड फ्लैग कि आप कर्ज के जाल में हैं

कर्ज के जाल के संकेत साफ हैं, अगर आप सिर्फ क्रेडिट कार्ड का मिनिमम ड्यू भर रहे हैं, EMI मिस कर रहे हैं या एक लोन चुकाने के लिए दूसरा ले रहे हैं। आय का 50% से ज्यादा EMI में जा रहा हो, FOIR 70% से ऊपर हो, रोजमर्रा खर्च के लिए उधार लेना पड़े या कार्ड लिमिट 80-90% तक इस्तेमाल हो, तो स्थिति गंभीर है।

इस जाल से कैसे बचें?

कर्ज से बचने के लिए छह महीने का इमरजेंसी फंड बनाएं, महंगे लोन से बचें, लाइफस्टाइल खर्च घटाएं। कई छोटे लोन को कम ब्याज वाले एक लोन से समेटें। अतिरिक्त आय की भी सोचें। जरूरत पड़े तो वित्तीय सलाह जरूर लें।

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 02-03-2026 Zone: NBTWealth Edition: 1 Page: NBTWD5 User: cci Time: 02-28-2026 19:30 Color:

घर खरीदें या दुकान? बड़ी समझदारी से लेना होगा यह फैसला

लोकेश के. भारती
Lokesh.Bharti@timesofindia.com

घर खरीदें या दुकान में निवेश करें, यह फैसला सिर्फ रिटर्न देखकर नहीं लेना चाहिए। इसमें आपकी आय, जरूरत, जोखिम उठाने की क्षमता और लोकेशन जैसे कई फैक्टर अहम होते हैं।

पहले घर लेना चाहिए क्या? नहीं-नहीं पहले दुकान लो, घर तो दुकान के पैसे से ही हो जाएगा। क्या यही सच है? इस टॉपिक पर अक्सर चर्चा होती रहती है, जिसमें आजकल यह भी शामिल हो गया है कि चूंकि 2-3 BHK की कीमतें काफी बढ़ चुकी हैं, इसलिए ऐसी प्रॉपर्टी लो जो कुछ रेजिडेंशल और कुछ कमर्शल हो, यानी स्टूडियो अपार्टमेंट।

कई लोग प्रॉपर्टी में निवेश करते समय सही फैसला नहीं ले पाते। फिर वक्त गुजर जाता है तो पछतावा ही होता है। कई लोग इस तरह की चर्चा करते रहते हैं कि अरे! एक वक्त था जब उनके एरिया में फ्लैट या फिर शॉप्स की रेट कितनी कम थी। आज देख लो। जो दुकान पहले 25 लाख रुपये की थी, वह अब एक से डेढ़ करोड़ तक पहुंच गई है। इसी तरह की बात कोई फ्लैट के लिए भी करता है। ऐसे में यह समझना जरूरी है कि कब घर लेना सही है और कब दुकान लेना। क्योंकि होली आने वाली है। इस फेस्टिव सीजन में बुकिंग में तेजी महसूस की जा सकती है। बात चाहे दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद या फिर गुड़गांव की करें। हर जगह मांग बढ़ी है। फेस्टिव सीजन में घर खरीदार बुकिंग कर अपने घरों में प्रवेश करना चाहते हैं। ऐसे में यह भी निवेश का एक अच्छा ऑप्शन है। पर निवेश चाहे दुकान में करें या फिर फ्लैट में, कुछ बातों का जरूर ध्यान रखें।

कहां लें शॉप?

- फुटफॉल बेहतर हो।
- मार्केट में भीड़ रहती हो।
- उस एरिया में रिहाइश अच्छी हो।
- अगर मॉल में ले रहे हैं तो यह देख लें कि वहां पर किस तरह के ब्रैंड्स ने बुकिंग कराई है। अगर अच्छे ब्रैंड्स हैं तो मुमकिन है फायदा होगा।
- अगर मॉल में मूवीज (सिनेमा हॉल हो) देखने के विकल्प भी हों तो फुटफॉल बढ़ जाता है।
- बच्चों के खेलने के लिए ऑप्शन हो।
- पार्किंग का इश्यू न हो।

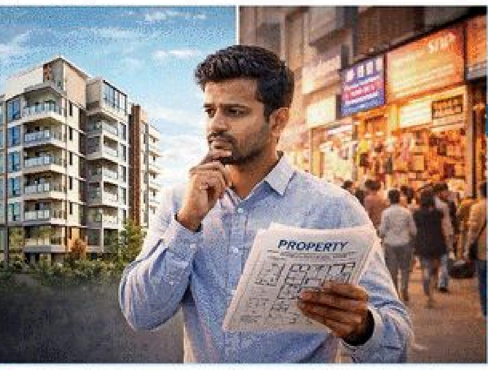

इन्हें लगाना चाहिए फ्लैट में पैसा

जो जॉब में हैं, फिक्स्ड सैलरी है, 2-3 BHK फ्लैट की EMI दे सकते हैं, उन्हें किराए+EMI का दोहरा बोझ उठाने के बजाय रेडी-टु-मूव फ्लैट खरीदना चाहिए, दुकान नहीं।

दूसरे फ्लैट में निवेश तब

- जब दो EMI का बोझ भी ज्यादा परेशान न करे। बच्चों को पढ़ाने का खर्च कम हो या इसे झेल सकते हों।
- फायदा कमाने के लिहाज से निवेश तभी करना चाहिए जब आर्थिक रूप से बैकअप मजबूत हो।
- अगर एक-दो साल या इससे ज्यादा वक्त के लिए प्रॉपर्टी को होल्ड पर रखने की जरूरत हो तो परेशानी न हो।

ये दुकान में लगा सकते हैं पैसा

- पहले से एक फ्लैट हो। अगर रेंट पर हो तो दुकान के लिए EMI देना मुश्किल न हो।
- दुकान कई बार खाली रहती है और उसकी EMI ज्यादा होती है, तो बिजनेसमैन खुद उपयोग कर सकता है।

कहां पर शॉप लेने से बचें?

अगर दुकान ऐसी जगह है जहां कम लोग ही विजिट करने आते हैं, वहां किरायादार खोजना मुश्किल है। मुमकिन है EMI खुद भरनी पड़े और रेंट कम मिले।

फूड रेस्टोरेंट खोलना है तो कपड़ों के बाजार में शॉप का फायदा नहीं। फूड कोर्ट या ऐसी लोकेशन चुनें जहां खाने के लिए नियमित भीड़ आती हो।

जहां कनेक्टिविटी अच्छी न हो, जाम की समस्या अक्सर रहती हो, लोग ऐसी जगहों पर जाने से बचना चाहते हैं। ऐसी जगह निवेश करने से बचें।

क्या है एक्सपर्ट की सलाह?

"पहली प्रॉपर्टी हमेशा अपना घर होना चाहिए, क्योंकि इससे स्थायित्व आता है। अपने घर में रहकर कमर्शल प्रॉपर्टी या शॉप में निवेश बेहतर है। शॉप खरीदते समय एरिया, दुकानों की प्रकृति, संभावित रेंटल आय का आकलन जरूर करें। - *अनंतराम बी. वरयूर, मनासुम सीनियर लिविंग*

"आजकल दिल्ली-एनसीआर में 2-3 बीएचके और कमर्शल प्रॉपर्टी काफी महंगी हो चुकी है। ऐसे में स्टूडियो अपार्टमेंट में पैसा लगाना सही विकल्प हो सकता है। इससे रेंटल भी सामान्य रेजिडेंशल की तुलना में बेहतर मिलता है। *-मोहित मित्तल, CEO, गोर्स*

रैपिड-मेट्रो कॉरिडोर से मेरठ रियल एस्टेट में उछाल

मेरठ में 30% तक बढ़े प्रॉपर्टी के दाम

बेहतर कनेक्टिविटी, मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर और बड़े प्रोजेक्ट्स के चलते घर खरीदने वालों की पसंद बन रहा।

खासकर, मेरठ में रेल कॉरिडोर के आसपास प्लॉट और फ्लैट के दामों में 30% से ज्यादा की बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

शादाब रिजवी
NBTwealth@timesofindia.com

नमो भारत रैपिड रेल और मेट्रो प्रोजेक्ट की वजह से दिल्ली के नजदीक मेरठ शहर घर खरीदारों का नया ठिकाना बन रहा है। दिल्ली, गाजियाबाद, नोएडा और गुरुग्राम में बढ़ती जमीन की कीमतों और सीमित उपलब्धता के चलते घर खरीदार तेजी से मेरठ की ओर आकर्षित हो रहे हैं।

नमो भारत रैपिड रेल और मेट्रो का असर अब मेरठ के रियल एस्टेट मार्केट में साफ दिखने लगा है। बेहतर कनेक्टिविटी, मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर और बड़े प्रोजेक्ट्स के चलते शहर निवेशकों और घर खरीदने वालों की पसंद बनता जा रहा है। खासकर रेल कॉरिडोर के आसपास प्लॉट और फ्लैट के दामों में 30% से ज्यादा की बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

नमो भारत रेल कॉरिडोर से जुड़े परतापुर, मोहिउद्दीनपुर, रिठानी, शताब्दी नगर, मोहकमपुर, दिल्ली रोड, मोदीपुरम और पल्लवपुरम जैसे इलाकों में 2 किलोमीटर के दायरे में जमीन की कीमतों में तेज उछाल देखा जा रहा है। शहर के भीतरी हिस्सों जैसे साकेत, मानसरोवर, डिफेंस कॉलोनी, गंगानगर, शास्त्रीनगर, हापुड़ रोड और गढ़ रोड पर भी प्रॉपर्टी के रेट तेजी से बढ़े हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि दिल्ली, गाजियाबाद, नोएडा और गुरुग्राम जैसे शहरों में जमीन महंगी होने और उपलब्धता कम होने से अब लोग मेरठ की ओर रुख कर रहे हैं।

पहली इंटीग्रेटेड टाउनशिप मेरठ में: UP की पहली 'इंटीग्रेटेड टाउनशिप' मेरठ में विकसित की जा रही है। मोहिउद्दीनपुर और छज्जूपुर क्षेत्र में इस प्रोजेक्ट के लिए 150 हेक्टेयर जमीन खरीदी जा चुकी है। पहले चरण में मेरठ विकास प्राधिकरण (MDA) 50 हेक्टेयर क्षेत्र में विकास कार्य करेगा और अप्रैल से प्लॉटिंग की तैयारी शुरू होगी। पिछले वर्ष UP के CM योगी आदित्यनाथ ने इस टाउनशिप का शिलान्यास किया था।

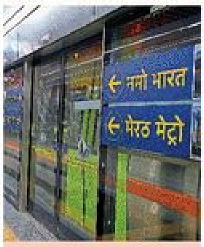

2029 आवेदन प्राप्त हुए 30 प्लॉट के लिए

मेरठ में बढ़ती मांग का सबूत है कि आवास एवं विकास परिषद की माधवपुरम में 30 प्लॉट के लिए कुल 2029 आवेदन मिले। आवेदन करने वालों में दिल्ली, गाजियाबाद, फरीदाबाद, गुड़गांव और चंडीगढ़ के लोग भी शामिल थे। परिषद अब गंगा एक्सप्रेस-वे और बिजली बंबा बाईपास के पास सलेमपुर, ततीना, नरहेड़ा और बजौट समेत 10 गांवों की जमीन पर नई टाउनशिप विकसित करने की तैयारी में है। इससे रियल एस्टेट बाजार में और तेजी की संभावना है।

क्या कहते हैं डिवेलपर्स?

रियल एस्टेट डिवेलपर्स असोसिएशन के महामंत्री कमल ठाकुर ने कहा कि नमो भारत ट्रेन कॉरिडोर से मेरठ में बड़ा बदलाव तय है। कॉरिडोर के आसपास जमीन की मांग बढ़ी है, जिससे कीमतों में उछाल स्वाभाविक है। बिल्डर पवन मित्तल कहते हैं कि रैपिड रेल से विकास, रोजगार, आवासीय कॉलोनी की मांग बढ़ेगी।

शताब्दी नगर में बदली तस्वीर

- मेरठ विकास प्राधिकरण की शताब्दी नगर आवासीय योजना में फ्लैटों की बिक्री धीमी थी, लेकिन रैपिड और मेट्रो प्रोजेक्ट शुरू होने के बाद हालात बदल गए। 'पहले आओ, पहले पाओ' योजना के तहत शताब्दी नगर के सभी 214 फ्लैट बिक चुके हैं।
- कॉरिडोर से दूर स्थित अन्य योजनाओं में अभी बिक्री अपेक्षाकृत धीमी है, हालांकि वहां भी धीरे-धीरे सुधार हो रहा है। सैनिक विहार योजना में 32 में से 20 फ्लैट बिके हैं। रक्षा ग्रीन, श्रद्धापुरी, लोहिया नगर और गंगानगर में भी फ्लैट बिक्री बढ़ी है।
- MDA के उपाध्यक्ष संजय कुमार मीणा का कहना है कि रैपिड रेल कॉरिडोर का सीधा फायदा मेरठ रियल एस्टेट सेक्टर को मिल रहा है।

मेरठ बन रहा निवेश का केंद्र

रियल एस्टेट जानकारों का मानना है कि नमो भारत कॉरिडोर, शहर की मेट्रो, नई इंटीग्रेटेड टाउनशिप और गंगा एक्सप्रेस-वे जैसे मेगा प्रोजेक्ट्स से मेरठ सुरक्षित और मुनाफे वाला निवेश विकल्प बन रहा है। उनका अनुमान है कि आने वाले वर्षों में मेरठ NCR का प्रमुख आवासीय हब बन सकता है।

बॉटेनिकल गार्डन-नोएडा सेक्टर 142 मेट्रो कॉरिडोर का असर

नोएडा से एयरपोर्ट तक होगी रियल स्टेट मार्केट की धमक

सुनील पाण्डेय
Sunil.Pandey2@timesofindia.com

बेहतर कनेक्टिविटी ही किसी शहर के रियल एस्टेट बाजार की असली ताकत होती है। नोएडा के बॉटेनिकल गार्डन से सेक्टर-142 तक प्रस्तावित मेट्रो कॉरिडोर को केंद्र सरकार की मंजूरी मिलते ही नोएडा और ग्रेटर नोएडा के प्रॉपर्टी बाजार में नई हलचल दिखाई देने लगी है। यह कॉरिडोर नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे के समानांतर विकसित होगा और आगे चलकर इसका प्रभाव जेवर में बन रहे नोएडा इंटरनैशनल एयरपोर्ट तक महसूस किया जाएगा।

बॉटेनिकल गार्डन से सेक्टर-142 तक का मेट्रो कॉरिडोर पूरे एक्सप्रेसवे बेल्ट के लिए ग्रोथ कैटेलिस्ट यानी विकास को तेज करने वाला कारक साबित हो सकता है। बेहतर कनेक्टिविटी, कम ट्रैफिक दबाव और बढ़ती लाइफस्टाइल वैल्यू के साथ यह कॉरिडोर नोएडा, ग्रेटर नोएडा और जेवर क्षेत्र के रियल एस्टेट बाजार को दीर्घकालिक मजबूती दे सकता है। अभी सेक्टर-142 तक एक्वा लाइन जाती है, लेकिन वहां से इसका रूट एक्सप्रेसवे से दूर हो जाता है। नए कॉरिडोर की मंजूरी के बाद मेट्रो लाइन एक्सप्रेसवे के किनारे-किनारे चलेगी, जिससे ऑफिस हब, आईटी पार्क और बड़े रेजिडेंशल सेक्टर सीधे जुड़ेंगे।

विशेषज्ञों का मानना है कि सबसे अधिक असर नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे कॉरिडोर वाले एरिया के रियल एस्टेट पर पड़ेगा। ग्रेटर नोएडा का प्रॉपर्टी मार्केट भी बढ़ेगा। नॉलेज पार्क, टेकजोन, यमुना एक्सप्रेसवे क्षेत्र में मांग बढ़ेगी। इससे यहां के फ्लैट और प्लॉट की कीमतों में धीरे-धीरे 15% तक बढ़ोतरी की संभावना जताई जा रही है। बेहतर सार्वजनिक परिवहन से क्षेत्र की लाइफस्टाइल वैल्यू बढ़ेगी, जिससे एंड-यूजर और निवेशक दोनों सक्रिय हो सकते हैं।

प्रस्तावित स्टेशनों में बॉटेनिकल गार्डन, नोएडा सेक्टर-44, नोएडा ऑफिस, सेक्टर-97, सेक्टर-105, सेक्टर-108, सेक्टर-93 और पंचशील बालक इंटर कॉलेज शामिल हैं। इससे नोएडा सेक्टर-18, 27, 93A, 94, 125, 126, 135, 137, 142, 143, 144, 150, 151 और 168 जैसे सेक्टरों की कनेक्टिविटी परी चौक तक सुगम हो जाएगी।

प्रॉपर्टी की मांग, कीमतें बढ़ेंगी

मेट्रो कॉरिडोर का यह पूरा इलाका पहले से आईटी, कॉरपोरेट ऑफिस और ग्रुप हाउसिंग परियोजनाओं का बड़ा केंद्र है। मेट्रो लाइन शुरू होने के बाद स्टेशन के आसपास की परियोजनाओं की कीमतों में 10 से 20% तक वृद्धि संभव है।

किराया बाजार को भी रफ्तार

बेहतर मेट्रो कनेक्टिविटी का सीधा फायदा नौकरीपेशा वर्ग को होगा। रोजाना आने-जाने का समय घटेगा। ग्रेटर नोएडा और एक्सप्रेसवे क्षेत्रों में रहना आकर्षक बनेगा। इससे किराये की मांग और रेंटल यील्ड बढ़ सकती है, खासकर मेट्रो स्टेशन के पास।

एयरपोर्ट कनेक्टिविटी से लाभ

जेवर में नोएडा इंटरनैशनल एयरपोर्ट इस पूरे क्षेत्र के विकास का बड़ा केंद्र है। मेट्रो विस्तार से एयरपोर्ट तक पहुंच आसान होगी, जिससे इंडस्ट्रियल, कमर्शल और रेजिडेंशल प्रॉपर्टी की मांग और बढ़ सकती है।

नई हाउसिंग स्कीम की उम्मीद

मांग बढ़ने के संकेत मिलते ही अथॉरिटीज भी सक्रिय होंगी। यमुना अथॉरिटी पहले से ग्रुप हाउसिंग प्लॉट की स्कीम चला रही है। संभावना है कि नोएडा और ग्रेटर नोएडा अथॉरिटी भी अपने-अपने क्षेत्रों में नई ग्रुप हाउसिंग स्कीम लॉन्च करें।

ट्रेड डील्स से बदलेगी पावरफुल SUV की तस्वीर?

खालिद अमीन
Khalid.Amin@timesofindia.com

भारत में फुल साइज SUV सेगमेंट नए दौर में है। MG Motor की मेजेस्टर की एंट्री, Toyota Fortuner का दबदबा और संभावित ट्रेड डील्स मिलकर मुकाबले को दिलचस्प बना रहे हैं। विदेशी ब्रैंड्स की वापसी इस सेगमेंट पर बड़ा असर डालेगी।

फुल साइज SUV सेगमेंट भारतीय ऑटो बाजार का वह किला है, जहां एंट्री कई ब्रैंड लेते हैं, लेकिन राज बहुत कम के हिस्से आता है। यहां सिर्फ फीचर्स या कीमत नहीं, बल्कि भरोसा, रोड प्रेजेंस और लंबी अवधि की परफॉर्मेंस बिकती है। वर्षों से Toyota Fortuner इस सेगमेंट की पहचान बनी हुई है। अब MG Motor ने अपनी नई SUV MG Majestor के साथ चुनौती पेश की है। साथ ही अमेरिका और यूरोप के साथ बढ़ती ट्रेड डील्स से आयात नियम आसान होने की चर्चा ने प्रतिस्पर्धा को और दिलचस्प बना दिया है।

एमजी मेजेस्टर को प्रीमियम, टेक्नॉलजी-लोडेड SUV के रूप में पेश किया गया है। यह डी-SUV सेगमेंट में लंबाई, चौड़ाई और ऊंचाई के लिहाज से बड़ी है। इसमें लेवल 2 ADAS, 2.0 लीटर ट्विन टर्बो डीजल इंजन, 8 स्पीड ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन और 2WD और 4WD विकल्प मिलते हैं। कंपनी इसे लग्जरी और फीचर पैकेज के दम पर शहरी ग्राहकों को आकर्षित करने की रणनीति के साथ ला रही है।

हालांकि, फॉर्च्यूनर की सबसे बड़ी ताकत उसकी भरोसेमंद वैल्यू है। इसे मजबूत, टिकाऊ और ऊंची रीसेल वैल्यू वाली SUV माना जाता है। इतिहास बताता है कि फीचर-रिच मॉडल भी इसकी पकड़ कमजोर नहीं कर पाए। मेजेस्टर सीधे बिक्री पर बड़ा असर डाले या नहीं, लेकिन यह सेगमेंट में टेक्नॉलजी और फीचर की अपेक्षाएं जरूर बढ़ा सकती है।

ट्रेड डील्स बन सकती है गेम चेंजर?

- **फोर्ड एंडेवर की संभावित वापसी:** CBU/CKD रूप में Ford Endeavour की वापसी होती है, तो Toyota Fortuner को चुनौती मिल सकती है, जहां मुकाबला फीचर्स नहीं, परफॉर्मेंस बनाम भरोसे का होगा।
- **प्रीमियम स्पेस की तलाश में यूरोपीय ब्रैंड्स:** आयात नियम आसान हुए तो यूरोपीय ऑटो कंपनियां CBU मॉडल लॉन्च कर ब्रैंड पोजिशनिंग मजबूत कर सकती हैं, मांग बढ़ने पर लोकल असेंबल कर सकती हैं।
- **सिट्रोएन के कम्फर्ट की अलग पहचान:** फ्रेंच ऑटोमेकर सिट्रोएन (Citroen) सस्पेंशन कम्फर्ट और यूनिक डिजाइन के लिए जानी जाती है। यह फुल-साइज 4x4 SUV लाई, तो फोकस राइड क्वालिटी पर होगा।
- **फोक्सवागन का इंजिनियरिंग दांव:** Volkswagen सॉलिड बिल्ड, हाई-स्पीड स्टेबिलिटी में माहिर है। उसका फोकस ड्राइविंग डायनेमिक्स और प्रीमियमनेस पर होगा। Tayron (₹46.99 लाख*) लॉन्चिंग भी एक संकेत है।
- **स्कोडा ने बनाई है मास-प्रीमियम की पहचान:** Skoda Auto अगर Kodiaq से ऊपर फुल-साइज SUV लाती है, तो उसका फोकस प्रीमियम इंटीरियर, उपयोगी फीचर्स और प्रतिस्पर्धी कीमत पर होगा।
- **वास्तविक असर क्या रहेगा?:** CBU रूट से आने वाली SUV ब्रैंड इमेज मजबूत करेंगी, लेकिन ऊंची कीमत, सीमित सर्विस से असर सीमित रहेगा। असली बदलाव लोकल असेंबली या मैन्युफैक्चरिंग शुरू होने पर दिखेगा।

CBU और CKD रूट क्या है?

ये ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री में आयात मॉडल हैं, जिनके जरिए विदेशी कंपनियां भारत में गाड़ियां बेचती हैं।

CBU रूट

(Completely Built Unit) रूट से मतलब है कि विदेश में गाड़ी तैयार होकर सीधे भारत आती है। ऐसी गाड़ियों पर इम्पोर्ट ड्यूटी ज्यादा हो सकती है। इसलिए CBU मॉडल आमतौर पर महंगे होते हैं।

CKD रूट

(Completely Knocked Down) में गाड़ी के पार्ट्स किट के रूप में आते हैं और भारत में फैक्ट्री में असेंबल होते हैं। इस पर इम्पोर्ट ड्यूटी कम लगती है, इसलिए अंतिम कीमत CBU से कम रहती है।

क्या होने वाला है?

हाइब्रिड टेक्नॉलजी, ड्यूटी बदलाव और नए ब्रैंड्स की एंट्री से फुल-साइज SUV सेगमेंट में प्रतिस्पर्धा तेज हो सकती है।

प्रपत्र IV

प्रेस और पत्रिका पंजीकरण अधिनियम, 2023 के अनुसार प्रकाशित होने वाले समाचार पत्र नवभारत टाइम्स वेल्थ, नई दिल्ली के स्वामित्व और अन्य विवरणों के बारे में विवरण

1.	प्रकाशन का स्थान	:	द टाइम्स ऑफ इंडिया, 7, बहादुरशाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002
2.	प्रकाशन की आवधिकता	:	साप्ताहिक
3.	क) मुद्रक का नाम	:	मनीष सिन्हा, कृते प्रोपराइटर, ए1/31, ए ब्लॉक, द्वितीय तल, पंचशील एन्क्लेव, नई दिल्ली, दिल्ली - 110017
	ख) राष्ट्रीयता	:	भारतीय
	ग) पता	:	7 बी एस जेड मार्ग, नई दिल्ली-110 002
4.	क) प्रकाशक का नाम	:	राजीव यादव, कृते प्रोपराइटर, बेनेट, कोलमैन एंड कंपनी लिमिटेड
	ख) राष्ट्रीयता	:	भारतीय
	ग) पता	:	7 बी एस जेड मार्ग, नई दिल्ली-110 002
5.	क) संपादक (दिल्ली मार्केट)	:	आशीष पांडे
	ख) राष्ट्रीयता	:	भारतीय
	ग) पता	:	द टाइम्स ऑफ इंडिया, 7, बहादुरशाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110 002

बेनेट, कोलमैन एंड कंपनी लिमिटेड

दिनांक 28.02.2026 तक कंपनी की कुल चुकता पूंजी का 1% से अधिक शेयर रखने वाले शेयरधारकों की सूची।

1) [illegible] प्रॉपर्टीज लिमिटेड, 814, प्लॉट नंबर 7, अग्रवाल टावर, लक्ष्मी नगर डिस्ट्रिक्ट सेंटर, नई दिल्ली - 110 092
2) भारत निधि लिमिटेड, 3/8, द्वितीय तल, आसफ अली रोड, दरिया गंज, सेंट्रल दिल्ली, नई दिल्ली-110002
3) पीएनबी फाइनेंस एंड इंडस्ट्रीज लिमिटेड, द्वितीय तल, प्रॉपर्टी नंबर 3/8, आसफ अली रोड, दरिया गंज, सेंट्रल दिल्ली, नई दिल्ली-110002
4) कैमेक कमर्शियल कंपनी लिमिटेड, द्वितीय तल, प्रॉपर्टी नंबर 22-ए, आसफ अली रोड, दरिया गंज, सेंट्रल दिल्ली, नई दिल्ली-110002
5) अर्थ उद्योग लिमिटेड, चतुर्थ तल, 15, प्रताप नगर, मयूर विहार, फेज-1, पूर्वी दिल्ली, भारत-110091
6) [illegible] लिमिटेड, द्वितीय तल, प्रॉपर्टी नंबर 3/8, आसफ अली रोड, दरिया गंज, सेंट्रल दिल्ली, नई दिल्ली-110002
7) [illegible] इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड, 814, प्लॉट नंबर 7, अग्रवाल टावर, लक्ष्मी नगर, डिस्ट्रिक्ट सेंटर, पूर्वी दिल्ली, नई दिल्ली-110092
8) अशोका विनियोग लिमिटेड, 77ए, ब्लॉक-बी, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली-110048

मैं, राजीव यादव, एतद्द्वारा घोषणा करता हूं कि ऊपर दिए गए विवरण मेरे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार सत्य हैं।

2 मार्च, 2026

राजीव यादव
प्रकाशक

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 02-03-2026 Zone: Mahanagar Edition: 2 Page: NBTMAH02 User: cci Time: 03-01-2026 23:34 Color:

8 मार्च को बाइक रैली में आ रही हैं न आप...

संघर्षों के बीच कैब ने बदली तकदीर: मिलिए जांबाज़ सीमा चौधरी से!

8 मार्च 2026 रविवार

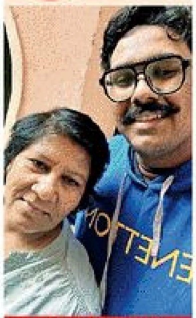

'अपनी शर्तों पर जीवन जीना है ज़रूरी'

- 21 की उम्र में शादी के बाद सपने बिखर गए, लेकिन बेटे के भविष्य के लिए नई राह चुनी
- आर्थिक तंगी और घरेलू कलह के बीच हार मानने के बजाय कैब की स्टीयरिंग थामी
- बेटे का एक्सिडेंट और फिर लॉकडाउन में गाड़ी जब्त होने जैसी बड़ी मुश्किलों का किया सामना
- आज बेटा MNC में नौकरी कर रहा है और सीमा अपनी शर्तों पर जीवन जी रही हैं

Ashu.Mishra
@timesofindia.com

■ **गाजियाबाद:** मात्र 21 साल की उम्र में एक लड़की को सुनहरे सपने दिखाकर, उसकी शादी कर दी जाती है। मगर ससुराल में गृह प्रवेश के साथ ही उसके सपने बिखर जाते हैं। फिर शुरू होता है जिंदगी का असली संघर्ष। एक ऐसा संघर्ष जिसने उस लड़की को बहुत कम उम्र में पहले खुद के लिए फिर अपने बेटे के लिए लड़ना सिखा दिया। रोजी रोटी की खोज उसे बुलंदशहर के एक छोटे से कस्बे से गाजियाबाद ले आई, जहां जब कमाई का कोई जरिया नहीं मिला तो कैब चलाकर उसने अपना और अपने बेटे का लालन पालन किया। ये कहानी है कैब ड्राइवर सीमा चौधरी की जो राजनगर एक्सटेंशन में औरा कायमेरा सोसायटी में रहती हैं।

अपनी जिंदगी के कठिन पलों को एनबीटी के साथ साझा करते हुए सीमा चौधरी बताती हैं कि शादी के पहले दिन से ही उन्हें समझ आ गया था कि जिंदगी की स्टीयरिंग उन्हें अपने हाथों में लेनी है। लेकिन पारिवारिक दबाव और सामाजिक बेड़ियों के कारण वह पूरी तरह यह फैसला नहीं ले पा रही थीं। लेकिन एक निश्चित समय के बाद आर्थिक रूप से जिम्मेदार होने के लिए उन्होंने खुद की कॉस्मेटिक शॉप खोली जिसमें उनकी बचपन की दोस्त ने उनका बहुत सहयोग किया। लेकिन पारिवारिक हालात नहीं बदले। वह बताती हैं कि जब उनका बेटा दसवीं में पहुंचा तो तंग आकर उन्होंने अपने पति से अलग होने का फैसला किया। बेटे की 12वीं की परीक्षा होने के बाद उसके भविष्य के लिए वह दिल्ली पहुंचीं। यहां भी आते ही भगवान ने उनकी परीक्षा लेना बंद नहीं किया। बीसीए में बेटे को एडमिशन दिलाने और कोचिंग सेंटर में दाखिला दिलवाने के कुछ महीने बाद ही बेटे का इतना बड़ा एक्सिडेंट हुआ कि पहले उससे उबरने में ही उन्हें समय लगा। बेटे के ठीक होने के बाद उन्होंने किसी तरह अपने लिए एक गाड़ी फाइनेंस करवाई। बतौर कैब ड्राइवर उन्होंने गाड़ी चलानी शुरू ही की थी कि कोरोना का लॉकडाउन लग। इस दौरान गाड़ी की किस्त जमा नहीं कर पाने की वजह से उनकी गाड़ी भी जब्त हो गई। लेकिन उन्होंने फिर भी हार नहीं मानी। किसी तरह पैसों का इंतजाम करके उन्होंने वापस कैब चलाना शुरू कर दिया। आज उनकी जिंदगी पटरी पर लौटी है। उनका बेटा भी एक मल्टीनैशनल कंपनी में काम कर रहा है। कुछ लोगों से लिया पैसा उन्हें जरूर वापस करना है। फिर भी वह जिंदगी अपनी शर्तों पर जी रही हैं। इन चुनौतियों का सामना करने की हिम्मत उन्हें उनकी दोस्त ने दी, जो हमेशा उनके साथ खड़ी रहती हैं। उनका बेटा उनकी ताकत है। उन्हें उम्मीद है कि आगे उनकी राह और आसान होगी क्योंकि उन्होंने लड़ना सीखा है, हार मानना नहीं।

49 की उम्र में भी पूरे पैशन के साथ बाइक चला रही हैं सीमा

'बाइक सिर्फ एक मशीन नहीं मेरी आज़ादी की पहचान है'

समाज अक्सर नारी को उसकी सीमाओं और जिम्मेदारियों के दायरे में बांधने की कोशिश करता है, लेकिन कुछ महिलाएं ऐसी होती हैं जो खुद अपनी पहचान की कहानी लिखती हैं। यह कहानी एक ऐसी ही महिला की है, जिनका जन्म एक ग्रामीण परिवार में हुआ। उस दौर में समाज ने उन्हें नाम दिया था—'रामधकेली'। इस नाम को बदलना शायद उनके लिए आसान था, लेकिन उस समाज की पुरानी सोच और अपनी किस्मत को बदलना एक बड़ा संघर्ष साबित होने वाला था।

सीमा की असली परीक्षा तब शुरू हुई जब साल 1999 में उन्होंने प्रेम विवाह किया। एक सुनहरे भविष्य की उम्मीद के साथ उन्होंने जिसे अपना हमसफर चुना, वह उम्मीदों के बिल्कुल उलट निकला। जिस प्रेम के लिए उन्होंने दुनिया से बगावत की थी, वही रिश्ता उनके जीवन का सबसे बड़ा बोझ बन गया। इस रिश्ते ने उनके अस्तित्व को कुचलने की कोशिश की। एक छोटी बच्ची की मां होने के नाते उनके सामने दुनिया खड़ी थी और सहारा देने वाला कोई नहीं था। जब जुल्म और बर्बरता सहने की हिम्मत जवाब दे गई, तब उनके भीतर की मां और शिक्षिका ने जागने का फैसला किया। उनके पास धन-दौलत नहीं थी, लेकिन उनकी 'शिक्षा' उनकी सबसे बड़ी ढाल बनी। उन्होंने बिना किसी शोर-शराबे के अपनी बेटी का हाथ थामा और उस माहौल को हमेशा के लिए पीछे छोड़ दिया। एक टीचर की नौकरी शुरू की, जहां तनख्वाह कम थी और चुनौतियां पहाड़ जैसी। लेकिन उनका संकल्प था—अपनी बेटी को ऐसी शिक्षा और संस्कार देना कि उसे कभी किसी के आगे हाथ न फैलाना पड़े।

> सीमा साबित करती है कि आप किसी भी उम्र में जिंदगी का नया 'गियर' डाल सकते हैं और आसमान को छू सकते हैं

सालों की कड़ी मेहनत के बाद जब बेटी अपने पैरों पर खड़ी हो गई, तब उन्हें एहसास हुआ कि उनकी अपनी जिंदगी के सपने अभी अधूरे हैं। 47 साल की उम्र में उन्होंने फिर से घर बसाया और अपनी खुशियों को एक दूसरा मौका दिया। लेकिन सबसे बड़ा बदलाव तब आया जब 49 की उम्र में उन्होंने बाइक चलाना सीखा। आज जब वह हेलमेट पहनकर और मजबूती से बाइक का हैंडल थामकर सड़क पर उतरती हैं, तो दुनिया की कटाक्ष भरी निगाहें उन्हें नहीं रोक पातीं। लोग आज भी उन्हें अजीब नजरों से देखते हैं, लेकिन उनकी खामोश मुस्कुराहट उन सब पर भारी पड़ती है। उनके लिए वह बाइक सिर्फ लोहे और इंजन की मशीन नहीं है, बल्कि वह उनकी 'आजादी की पहचान' है।

उनकी कहानी दुनिया की हर उस महिला के लिए एक मिसाल है जो उम्र या हालातों की दुहाई देकर थक हार कर बैठ गई है। वह साबित करती हैं कि अगर आपके पास खुद पर अटूट भरोसा है, तो आप 50 की दहलीज पर भी अपनी जिंदगी का नया 'गियर' डाल सकते हैं और आसमान को छू सकते हैं।

ऐसे लें हिस्सा

हिस्सा लेने के लिए **7003890071** पर **AWBR** लिखकर **Whatsapp** करें।

जगह
ए ब्लॉक पार्किंग, कनॉट प्लेस, नई दिल्ली

तारीख
8 मार्च 2026, रविवार

आप भी भेजें अपनी कहानी

अगर आप भी संघर्षों से लड़कर जीतने वाली प्रेरणादायक मिसाल बन चुकी हैं या दूसरों को सशक्त बनाने में आपने मदद की है तो आप भी हैं ड्राइविंग फोर्स ऑफ द नेशन। इस ऑल वुमन बाइक रैली के लिए अपना रजिस्ट्रेशन करवाएं और हमें अपनी कहानी 300 शब्दों में लिखकर **nbtreader@timesofindia.com** भेजें। साथ ही अपनी एक फोटो भी भेजें। सब्जेक्ट में लिखें **Bike Rally**. सबसे प्रेरणादायक कहानियों को हम नवभारत टाइम्स में प्रकाशित करेंगे।

तीन साल में मार्च की हुई सबसे गर्म शुरुआत

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली:** बीते तीन साल में मार्च की शुरुआत सबसे गर्म रही है। वहीं इस हफ्ते के दौरान तापमान में कमी आने की संभावना भी नहीं है। हफ्ते के अंत तक तापमान बढ़कर 35 डिग्री तक पहुंच सकता है। सोमवार से बुधवार तक सतही हवाएं तेज रहेंगी। इस वजह से तापमान अधिक तेजी से नहीं बढ़ेगा।

> इस हफ्ते के अंत तक तापमान 35 डिग्री को छू सकता है

रविवार को पूरे दिन धूप खिली रही। तेज हवाओं के बावजूद दोपहर के समय गर्मी महसूस हुई। रविवार को अधिकतम तापमान 30.7 डिग्री रहा। यह सामान्य से 4.6 डिग्री अधिक रहा। वहीं न्यूनतम तापमान 15.4 डिग्री रहा। यह सामान्य से 2.9 डिग्री अधिक रहा।

पूर्वानुमान के अनुसार, सोमवार को आसमान साफ रहेगा। कभी-कभी सतही तेज हवाएं चलेंगी। इनकी गति 15 से 25 किलोमीटर प्रति घंटे रह सकती है। अधिकतम तापमान 31 डिग्री और न्यूनतम तापमान 15 डिग्री रह सकता है। वहीं 3 से 5 मार्च तक भी सतही हवाएं तेज रहेंगी।

10 दिन प्रदूषण का स्तर सामान्य रहने की उम्मीद

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली:** मार्च की शुरुआत सामान्य स्तर के प्रदूषण के साथ हुई है। वहीं अगले दस दिनों तक भी प्रदूषण के इसी स्तर पर बने रहने की संभावना है।

> रविवार को राजधानी का एक्यूआई 191 दर्ज किया गया

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के एयर बुलेटिन के अनुसार रविवार को राजधानी का एक्यूआई 191 रहा। मुख्य प्रदूषक ओजोन और पीएम 10 रहे। फरीदाबाद का एक्यूआई 193, गाजियाबाद का 202, ग्रेटर नोएडा का 218, गुरुग्राम का 238 और नोएडा का 169 रहा। पूर्वानुमान के अनुसार 2 से 4 मार्च तक प्रदूषण का स्तर सामान्य रहेगा। इसके बाद अगले छह दिनों तक यह सामान्य बना रह सकता है। रविवार को हवाओं की गति 15 से 25 किमी प्रति घंटे के आसपास रही। यह सोमवार से बुधवार तक 15 से 25 किमी प्रति घंटे पर बनी रह सकती है।

मॉनसून से निपटने के लिए 2137 किलोमीटर लंबा 'सफाई जाल'

Sudama.Yadav
@timesofindia.com

■ **नई दिल्ली:** दिल्ली में मॉनसून के दौरान होने वाले जलभराव की समस्या से लोगों को निजात दिलाने के लिए सरकार ने नालों की सफाई का एक व्यापक 'थ्री-लेयर' प्लान तैयार किया है। इस योजना के तहत लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के 1406 किलोमीटर लंबे सड़क नेटवर्क पर स्थित कुल 2137 किलोमीटर लंबी ड्रेन (नालों) की सफाई की जा रही है। अधिकारियों के मुताबिक, नालों की सफाई का पहला चरण पिछले साल दिसंबर में ही पूरा हो चुका है, जबकि दूसरे फेज की डेडलाइन 15 मार्च तय की गई है। इसके तुरंत बाद तीसरा और अंतिम फेज शुरू होगा, जो 30 जून तक चलेगा।

पीडब्ल्यूडी अधिकारियों के अनुसार, 2137 किलोमीटर लंबी इन ड्रेन्स को उनके आकार के आधार पर अलग-अलग श्रेणियों में बांटा गया है। इसमें 600 एमएम डायमीटर के नालों की लंबाई करीब 464.78 किमी, 600-1200 एमएम के नालों की लंबाई 1169.59 किमी, 1200-1800 एमएम के नालों की लंबाई 137.20 किमी और 1800-3000 एमएम चौड़े नालों की लंबाई करीब 20.04 किमी है। इन सभी कैटिगरी के नालों की सफाई का लक्ष्य तीन चरणों में निर्धारित है। पहले फेज का काम पिछले साल जून में शुरू होकर दिसंबर तक खत्म हो चुका है, वहीं दूसरे फेज का काम दिसंबर के मध्य से जारी है। मार्च के मध्य से शुरू होने वाले तीसरे चरण के लिए विभाग ने 30 जून की समयसीमा तय की है। अब तक लगभग 40-45 प्रतिशत नालों की सफाई की जा चुकी है, जिससे करीब 2,68,928 मीट्रिक टन सिल्ट (गाद) निकाली गई है।

> दिसंबर से शुरू हुआ अभियान अब दूसरे चरण में

200 मेंटिनेंस वैन से वॉटर लॉगिंग पॉइंट्स की निगरानी: जलभराव की समस्या पर काबू पाने के लिए इस साल मॉनसून के दौरान 200 मेंटिनेंस वैन सड़कों पर तैनात की जाएंगी, जो संवेदनशील पॉइंट्स की निगरानी करेंगी। पानी की निकासी सुनिश्चित करने के लिए पीडब्ल्यूडी के पास 153 स्थायी पंपिंग स्टेशन और कुल 735 मोटर पंप उपलब्ध हैं। इसके अतिरिक्त, जहां भी जरूरत होगी वहां पानी निकालने के लिए 277 मोबाइल पंप भी लगाए जाएंगे। जलभराव वाले स्थानों पर त्वरित कार्रवाई के लिए सुपरिंटेंडेंट इंजीनियरों को नोडल अफसर नियुक्त किया गया है। साथ ही, कुछ मुख्य स्थानों पर रियल टाइम मॉनिटरिंग के लिए सीसीटीवी कैमरे भी लगाए गए हैं।

142.23 किमी लंबी ड्रेन है मौजूद: विभागीय आंकड़ों के अनुसार, ईस्ट रोड डिवीजन में 72.48 किमी लंबी सड़कों पर 142.23 किमी लंबी ड्रेन मौजूद है। वहीं, नॉर्थ-वेस्ट रोड डिवीजन-1 में सड़कों की लंबाई 112.01 किमी है, जिस पर 191.77 किमी लंबी ड्रेन है। नॉर्थ-वेस्ट रोड डिवीजन-2 में कुल 188.18 किमी और वेस्ट रोड डिवीजन-2 में नालों की कुल लंबाई करीब 170.99 किमी है। सरकार को उम्मीद है कि इस व्यवस्थित योजना से इस बार दिल्ली वालों को जलभराव से काफी हद तक राहत मिलेगी।

नालों की डिसिल्टिंग क्यों ज़रूरी?

NBT Lens खबरों के अंदर की बात

नालों की डिसिल्टिंग (गाद निकालना) मॉनसून से पहले बाढ़ को रोकने और नालों में पानी के सुचारू बहाव को सुनिश्चित करने और जलभराव की समस्या से बचने के लिए आवश्यक है। दिल्ली में सड़कों के किनारे जितने बड़े नाले हैं, उनकी अगर शत प्रतिशत डिसिल्टिंग हो तो जलभराव की नौबत ही न आए। लेकिन किसी भी साल नालों की शत प्रतिशत सफाई नहीं हो पाती। नालों की सफाई करने वाली अलग-अलग एजेंसियां हैं, उन एजेंसियों में भी आपसी तालमेल की कमी रहती है, जिससे काम न तो रफ्तार से होता है और न समय पर पूरा हो पाता है।

आज राष्ट्रपति जारी करेंगी पिंक मोबिलिटी कार्ड

इस कार्ड से दिल्ली की महिलाएं डीटीसी की बसों में फ्री में यात्रा कर सकेंगी

NBT 5 मिनट में पढ़ें

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

केंद्र सरकार की 'वन नेशन, वन कार्ड' से प्रेरणा लेते हुए दिल्ली सरकार सोमवार को राजधानी की महिलाओं के लिए नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड (NCMC) की शुरुआत करने जा रही है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का कहना है कि यह कार्ड दिल्ली की महिलाओं को डीटीसी बसों में फ्री यात्रा की सुविधा प्रदान करेगा।

मुख्यमंत्री ने बताया कि योजना के तहत तीन प्रकार के एनसीएमसी कार्ड जारी किए जाएंगे। पिंक कार्ड दिल्ली की महिलाओं के लिए होगा, जबकि ब्लू कार्ड सामान्य यात्रियों के लिए और ऑरेंज कार्ड मंथली पास के लिए जारी किया जाएगा। शुरुआती चरण में पिंक और ब्लू कार्ड लॉन्च किए जाएंगे, जिसके बाद ऑरेंज कार्ड लागू किया जाएगा।

> सामान्य यात्रियों के लिए ब्लू कार्ड और मंथली पास के लिए ऑरेंज कार्ड

उन्होंने बताया कि कार्ड जारी करने के लिए डीटीसी ने हिंदुजा मर्केंटाइल लिमिटेड (मुफिनपे) और एयरटेल पेमेंट्स बैंक लिमिटेड को अधिकृत किया है। ये कार्ड दिल्ली की सार्वजनिक परिवहन प्रणाली में पहले से लागू ऑटोमेटिक फेयर कलेक्शन सिस्टम (AFCS) से एकीकृत होंगे। पिंक कार्ड पात्र महिलाओं को फ्री दिया जाएगा। इसकी पूरी लागत दिल्ली सरकार वहन करेगी।

इसके अलावा राष्ट्रपति इस कार्यक्रम के दौरान होली और दिवाली पर दिल्ली के सभी राशन कार्ड धारक परिवारों को प्रति वर्ष दो मुफ्त एलपीजी सिलिंडर देने की योजना का औपचारिक रूप से शुभारंभ करेंगी। योजना का लाभ डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर के माध्यम से दिया जाएगा। यह राशि एक एलपीजी सिलिंडर की मौजूदा कीमत के बराबर होगी और परिवार के मुखिया के आधार-लिंक्ड बैंक खाते में जमा की जाएगी, जिनके नाम पर राशन कार्ड जारी किया गया है। लगभग 15.50 लाख राशन कार्ड धारक परिवारों को योजना का लाभ मिलेगा।

होली मिलन : रविवार को होली मिलन के एक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता शामिल हुईं। इस दौरान उन्होंने बच्चों को होली के गिफ्ट भी बांटे

आज IG स्टेडियम आएंगी राष्ट्रपति द्रौपदी मूर्मू, लागू रहेगा ट्रैफिक डायवर्जन

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली:** राष्ट्रपति द्रौपदी मूर्मू सोमवार को इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में आयोजित एक कार्यक्रम में दिल्ली सरकार की कई योजनाओं की शुरुआत करेंगी। राष्ट्रपति के स्टेडियम पहुंचने और कार्यक्रम समाप्त होने के बाद यहां से निकलकर राष्ट्रपति भवन जाने के दौरान कई प्रमुख सड़कों पर आम गाड़ियों की आवाजाही बंद रहेगी। कई सड़कों पर ट्रैफिक डायवर्जन लागू रहेगा। ट्रैफिक पुलिस ने आम लोगों से अपील की है कि सुबह 10 बजे से लेकर दोपहर तक आईटीओ, दिल्ली गेट, लाल किला बाईपास और रिंग रोड के कुछ हिस्सों पर जाने से बचें। राष्ट्रपति का काफिला जिन प्रमुख सड़कों से निकलेगा उसमें जवाहर लाल नेहरू मार्ग, बहादुरशाह जफर मार्ग, आसफ अली रोड, राजघाट से आईपी फ्लाईओवर के बीच रिंग रोड का हिस्सा शामिल है। ऐसे में इन रास्तों पर दूसरे वाहनों की आवाजाही बंद रहेगी। इनका असर विकास मार्ग के माध्यम से यमुनापार से आईटीओ की तरफ आने वाले ट्रैफिक पर भी पड़ेगा।

दिल्ली की बेटियों को मिलेगी आर्थिक सुरक्षा, राष्ट्रपति आज करेंगी योजना का शुभारंभ

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

दिल्ली की बेटियों आज 'लखपति बिटिया योजना' की गारंटी मिलने वाली है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु दिल्ली सरकार की इस महत्वाकांक्षी का औपचारिक शुभारंभ करेंगी। सोमवार को इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में एक विशेष कार्यक्रम 'सशक्त नारी समृद्ध दिल्ली' का आयोजन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के अनुसार यह कार्यक्रम महिला सशक्तिकरण के प्रति दिल्ली सरकार की प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

> राष्ट्रपति आज करेंगी 'लखपति बिटिया योजना' का शुभारंभ

मुख्यमंत्री ने कहा कि बदलते समय और उच्च शिक्षा की बढ़ती लागत को देखते हुए लड़कियों के लिए यह योजना बनाई है। लाडली योजना को विस्तारित और बेहतर रूप में 'दिल्ली लखपति बिटिया योजना' के पुनर्गठित किया गया है। उन्होंने कहा कि पहले इस योजना के तहत हर लड़की जिसका जन्म किसी अस्पताल या मेडिकल सेंटर में होने पर 11,000 रुपये और घर पर जन्म होने पर 10,000 रुपये जमा किए जाते थे। इसके अलावा क्लास एक, छह और नौवीं में प्रवेश, क्लास दसवीं में पास करने और क्लास 12वीं में प्रवेश जैसे महत्वपूर्ण शैक्षणिक पड़ावों पर 5,000 रुपये की राशि जमा की जाती थी। यह राशि ब्याज सहित 18 वर्ष की आयु में निकाली जा सकती थी।

सीएम ने चांदनी चौक में जनता के बीच एक वर्ष के कामकाज का रिपोर्ट कार्ड रखा किया

सीएम ने साफ किया नई योजना में सहायता की राशि और दृष्टिकोण दोनों को व्यापक रूप से बढ़ाया गया है। लड़की के नाम पर विभिन्न चरणों में 56,000 रुपये जमा किए जाएंगे। ब्याज सहित 21 वर्ष की आयु तक यह 1 लाख से अधिक होने की उम्मीद है। इसका मकसद सुनिश्चित करना है कि ग्रैजुएशन या व्यावसायिक डिप्लोमा पूरा करना अपवाद नहीं बल्कि सामान्य उपलब्धि बने।

डिजिटल और पारदर्शी व्यवस्था: नई योजना पूरी तरह डिजिटल होगी। फंड का प्रबंधन एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड द्वारा किया जाएगा और निवेश एसबीआई लाइफ धनराशि साधन के अंतर्गत होगा। विभाग द्वारा जमा की गई राशि लड़की की उम्र के साथ बढ़ती रहेगी और मैच्योरिटी पर पूरी जमा राशि सीधे लाभार्थी के आधार से जुड़े बैंक खाते में ट्रांसफर कर दी जाएगी।

पात्रता और विस्तारित दायरा

योजना का लाभ उन्हीं परिवारों को मिलेगा जिनकी वार्षिक आय 1.20 लाख रुपये से अधिक न हो और जो पिछले तीन वर्षों से दिल्ली में रह रहे हों। बालिका का जन्म दिल्ली में होना अनिवार्य है। रजिस्ट्रेशन जन्म के एक वर्ष के भीतर या निर्धारित शैक्षणिक पड़ावों पर कराया जा सकता है। यह लाभ प्रति परिवार दो जीवित लड़कियों तक सीमित रहेगा। महत्वपूर्ण रूप से योजना का दायरा बढ़ाकर भारत में किसी भी सरकारी मान्यता प्राप्त या यूजीसी मान्यता प्राप्त संस्थान में स्नातक या व्यावसायिक डिप्लोमा पाठ्यक्रम कर रही लड़कियों को शामिल किया गया है। लाभ केवल शैक्षणिक शर्तों की पूर्ति पर ही देय होगा।

मिलेगी 'मेरी पूंजी मेरा अधिकार'

इस दौरान 'सशक्त नारी समृद्ध दिल्ली' कार्यक्रम में दिल्ली लाडली योजना के तहत 40,642 पात्र लाभार्थियों को 100.25 करोड़ रुपये की डिजिटल राशि डीबीटी की जाएगी, जो काफी समय से अपनी मैच्योर राशि प्राप्त नहीं कर पाए थे। यह राशि 'मेरी पूंजी मेरा अधिकार' के तहत प्रदान की जाएगी। 2008 में शुरू हुई दिल्ली लाडली योजना का उद्देश्य बच्चों के जन्म और शिक्षा को प्रोत्साहित करना और शिक्षा के महत्वपूर्ण पड़ावों पर सावधि वित्तीय सहायता के माध्यम से लैंगिक असमानताओं को दूर करना था। मैच्योर राशि, अर्जित ब्याज सहित, डीबीटी माध्यम से सीधे आधार से जुड़े बैंक खातों में ट्रांसफर की जाएगी।

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 02-03-2026 Zone: NBTWealth Edition: 1 Page: NBTWD6 User: gagan.malhotra@timesofindia.co Time: 02-27-2026 21:59 Color:

Nippon india Mutual Fund

Wealth sets you free

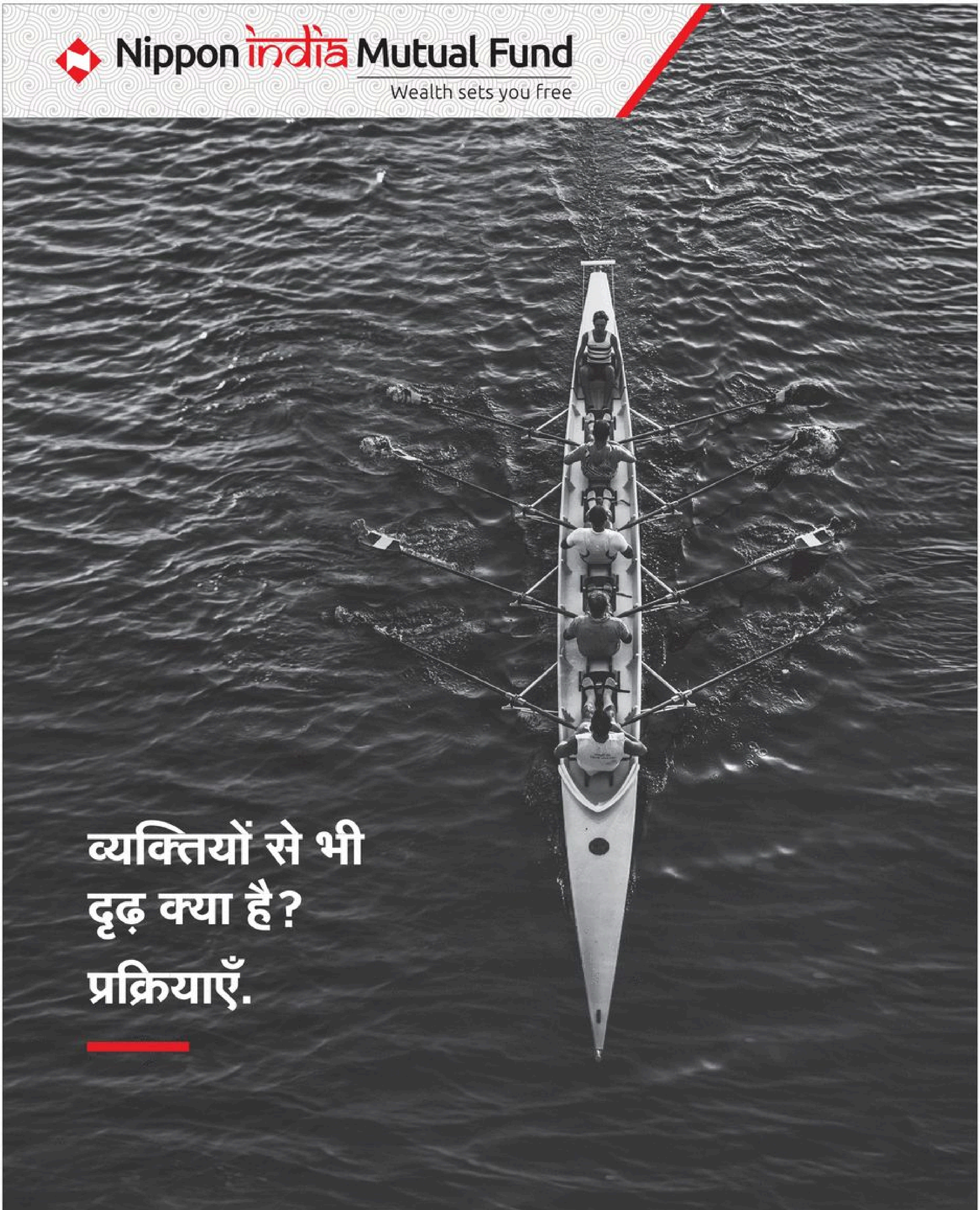

व्यक्ति बदल सकते हैं, पर भरोसेमंद तरीके, कभी नहीं.

जाँची-परखी हुई प्रक्रियाएँ किसी भी निवेश कंपनी की सफलता के लिए प्रमुख होती हैं क्योंकि यही उस कंपनी की कार्यशैली को दर्शाती हैं. इसलिए, ऐसा निवेश प्रबंधक चुनें जो सिर्फ़ कुछ कुशल व्यक्तियों के बल पर नहीं, बल्कि मज़बूत प्रक्रियाओं के विश्वास पर टिका हो.

सुदृढ़ प्रक्रियाएँ और रिस्क मैनेजमेंट आपको अपने लक्ष्यों को स्थिरता और निरंतरता के साथ प्राप्त करने में मदद करते हैं.

mf.nipponindiaim.com/EdgeOfKnowledge

अपने म्यूचुअल फंड वितरक या निवेश सलाहकार से संपर्क करें। **8000112244** पर मिस्ड कॉल दीजिए

निप्पॉन इंडिया म्यूचुअल फंड की निवेशक शिक्षा और जागरुकता पहल.

म्यूचुअल फंड निवेशकों के लिए सहायक जानकारी: सभी म्यूचुअल फंड निवेशकों को वन टाइम KYC (नो योर कस्टमर) प्रक्रिया से गुजरना होता है. निवेशकों को केवल पंजीकृत म्यूचुअल फंड्स में निवेश करना चाहिए, जिसकी जाँच SEBI की वेबसाइट पर 'Intermediaries/Market Infrastructure Institutions' के अंतर्गत की जानी चाहिए. अपनी शिकायतों के निवारण के लिए आप https://scores.sebi.gov.in पर विज़िट कर सकते हैं. KYC, विभिन्न विवरणों में बदलाव और शिकायतों के निवारण पर अधिक जानकारी के लिए, विज़िट करें mf.nipponindiaim.com/investoreducation/what-to-know-when-investing

म्यूचुअल फंड निवेश बाजार जोखिमों के अधीन है, योजना से जुड़े सभी दस्तावेजों को ध्यान से पढ़ें.

rediffusion.in

समयपुर बादली में 25 फरवरी को हुए महिला-बच्चों के मर्डर में आरोपी पति अरेस्ट

ऑनलाइन सट्टे में हारा, परेशान होकर ली पत्नी-बच्चों की जान

■ NBT रिपोर्ट, समयपुर बादली

ऑनलाइन के साथ-साथ ऑफलाइन जुआ, क्रिकेट मैच के साथ-साथ ऑफलाइन तीन पत्ती में भी बेटिंग, वह जुए में बहुत सारा पैसा हार गया, ससुराल वालों से 2 लाख रुपये लिए वह भी हार गया। बस, इसी कुंठा में उसने अपनी तीन मासूम बेटियों और पत्नी की गला रेतकर हत्या कर दी। 25 फरवरी को समयपुर बादली इलाके में चार हत्या की उलझी गुत्थी को पुलिस ने सुलझाते हुए आरोपी मुनचुन को गिरफ्तार कर उससे कई सारे राज उगलवाए हैं। पुलिस ने लगातार छापेमारी कर राजस्थान के किशनगढ़ से उसे पकड़ लिया।

ऑनलाइन बैटिंग में हार गया था लाखों रुपये

डीसीपी हरेश्वर वी स्वामी के मुताबिक, 25 फरवरी की सुबह सिरसपुर के चंदन पार्क के एक घर में अनीता (30) और उनकी तीन बेटियों (उम्र 3, 4 और 5 साल) की धारदार हथियार से गला रेता गया था। महिला का पति मुनचुन केवट जो आजादपुर मंडी में अदरक बेचता था, मौके से गायब मिला। समयपुर बादली एसएचओ शैलेंद्र सिंह जाखड़, एंटी-नारकोटिक्स सेल इंस्पेक्टर गौरव चौधरी, इंस्पेक्टर प्रमोद, स्पेशल स्टाफ आनंद झा के सुपरविजन में 800 से ज्यादा CCTV कैमरों को खंगाला। फेस रिकग्निशन सिस्टम (FRS) टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया। एक साथ बिहार, तमिलनाडु और राजस्थान में टीम ने छापेमारी की। सीटिंग्ध के भागने के रास्ते को दिल्ली के ट्रांसपोर्ट हब से अजमेर के पास एक छोटे से शहर तक ट्रैक किया और आरोपी को किशनगढ़ में पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपी ने हत्याओं को कबूल कर लिया। बताया कि 'बड़े लोन' के कारण परिवार बहुत ज्यादा पैसे के दबाव में था, जिससे अक्सर घरेलू झगड़े होते थे। 25 फरवरी की सुबह पत्नी से झगड़े के बाद आरोपी ने हत्या करने से पहले अपने परिवार के सो जाने का इंतजार किया।

पुलिस ने आरोपी को राजस्थान के किशनगढ़ से किया गिरफ्तार

दरअसल वारदात से दो दिन पहले 23 फरवरी को मुनचुन के गांव के युवक मिथिलेश ने उसे फोन किया और उधार दिए गए 60 हजार रुपये वापस मांगे। मिथिलेश ने कहा कि वह अपनी पत्नी को उसके पास भेज दे। उससे और बच्चों से काम करवाएगा। इससे वह बहुत गुस्सा हो गया। उसने मिथिलेश को ब्लॉक कर दिया और उसी पल अपनी पत्नी को मारने का प्लान बनाया।

23 फरवरी को मंडी से खरीदकर लाया था चाकू

दोपहर करीब 1 बजे उसने मंडी से 90 रुपए में एक बड़ा चाकू खरीदा (कटहल काटने वाला चाकू) और घर पर छिपा दिया। उसने उसी रात उसे मारने की सोची लेकिन ऐसा नहीं कर सका। 24 फरवरी को वह फिर से काम पर गया और दोपहर करीब 1 बजे लौटा। मंगलवार था, और उसका व्रत था। शाम को वह अपनी पत्नी और बच्चों के साथ बाजार गया। घर लौटकर उसने थोड़ी खीर खाई। उसकी पत्नी ने बताया कि मिथिलेश ने उसे बुलाया था। रात करीब 11:30 बजे उसका अपनी पत्नी से झगड़ा हुआ, जिसके बाद वह बच्चों के साथ सोने चली गई। वह पूरी रात सो नहीं सका। 25 फरवरी को सुबह करीब 4 बजे उसने चाकू उठाया और अपनी पत्नी का गला रेत दिया। उसकी बड़ी बेटी जाग गई और रोने लगी, तो उसने उसे भी मार डाला। उसके बाद उसने बाकी दो बेटियों को भी मार डाला। वह खुद को भी मारने वाला था, लेकिन ऐसा नहीं कर सका। उसके बाद वह अजमेर भाग गया। हालांकि पुलिस को आरोपी के दावे में अभी भी संदेह बना हुआ है।

डेढ़ करोड़ रुपये की चोरी का खुलासा, मास्टरमाइंड गिरफ्तार

■ NBT न्यूज, जनकपुरी

जनकपुरी थाना की पुलिस टीम ने दीवार तोड़कर घर से डेढ़ करोड़ से ज्यादा की चोरी करने के एक बड़े मामले का खुलासा किया है। इस मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है और दो नाबालिग को हिरासत में लिया गया है। इनके पास से बड़ी मात्रा में गोल्ड और सिल्वर की जूलरी, कैश, वारदात में इस्तेमाल बाइक को जब्त किया है। बरामद जूलरी की कीमत डेढ़ करोड़ रुपये बताई गई है।

जनकपुरी पुलिस ने 2 नाबालिग को भी लिया हिरासत में

डीसीपी वेस्ट शरद भास्कर ने बताया कि यह चोरी की वारदात 21 फरवरी की देर रात हुई थी, जनकपुरी थाना इलाके के पोसंगीपुर में। पुलिस टीम जांच के लिए पहुंची तो पता चला फर्स्ट और थर्ड फ्लोर के रूम के दरवाजे के लॉक को तोड़कर चोरी की वारदात को अंजाम दिया गया है।

SHO कुलदीप कुमार तिवारी की देखरेख में सब इंस्पेक्टर मनोज कुमार, आशीष की टीम ने सीसीटीवी की मदद से पहचान की। दो नाबालिग को हिरासत में लिया। पूछताछ हुई तो मुख्य आरोपी दिव्यांश शर्मा को गिरफ्तार किया।

मंडोली जेल में विचाराधीन कैदी की मौत

■ NBT रिपोर्ट,नई दिल्ली

मंडोली जेल में रविवार सुबह एक विचाराधीन कैदी की मौत हो गई। बेहोशी की हालत में कैदी को अस्पताल प्रशासन जीटीबी अस्पताल लेकर गया, जहां पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान मो आजाद (35) के तौर पर हुई है। हालांकि आजाद के परिवार वालों ने आजाद के साथ मारपीट और हत्या का आरोप लगाया है। फिलहाल मामले में जांच की जा रही है।

मो. आजाद को बेहोशी की हालत में ले जाया गया था अस्पताल

नॉर्थ-ईस्ट जिला के डीसीपी आशीष मिश्रा ने बताया कि 1 मार्च की सुबह जीटीबी अस्पताल से हर्ष विहार पुलिस स्टेशन को सूचना मिली कि मंडोली जेल से विचाराधीन कैदी (यूटीपी) आजाद को बेहोशी की हालत में भर्ती कराया गया है। जहां पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की मां शकीला ने हत्या का शक जताया है।

बताया जा रहा है कि 24 फरवरी को मंडोली जेल में मो आजाद उर्फ शकल के साथ मारपीट हुई थी, जिसकी सूचना परिवारवालों ने 112 पर दी थी। शनिवार को मृतक की कड़कड़डूमा कोर्ट में तारीख थी। जहां वह अपनी मां से मिला था। उसकी मां ने बताया कि उसने पैसों की मांग की थी। उनसे कहा था कि कुछ पैसों का जुगाड़ कर दो जेल में देने हैं। आज सुबह जेल से पड़ोसी महिला के पास फोन आया था कि जीटीबी आ जाओ मो आजाद की तबीयत खराब है। जब परिवार वाले वहां पहुंचे तो पता लगा की आजाद की मौत हो चुकी है

24 फरवरी को मंडोली जेल में कैदी के साथ हुई थी मारपीट

दिल्ली की खबरों के लिए टेलीग्राम पर फॉलो करें
t.me/nbtdilli

ट्रेन की चपेट में आया शख्स, मौत

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली :** हिंद विहार रेलवे फाटक के पास ट्रेन से कटकर एक व्यक्ति की मौत हो गई। शुरुआती जांच के बाद पुलिस ने दुर्घटना का मामला बताया है। पुलिस का कहना है कि मृतक के पास से ऐसी कोई चीज बरामद नहीं हुई, जिससे उनकी पहचान हो सके।

रेलवे पुलिस के अनुसार, 28 फरवरी की दोपहर पुलिस को यूपी लाइन गेट नंबर 14वीं हिंद विहार फाटक के पास पोल नंबर 18-25 पर एक युवक के मृत पड़े होने की सूचना मिली। खबर मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस को 30 से 35 साल के व्यक्ति का शव रेलवे ट्रैक पर मिला। पुलिस अधिकारी के अनुसार, मृतक के पास से कोई दस्तावेज नहीं मिला, जिससे उनकी पहचान हो सके।

सरकारी नौकरी का झांसा देकर करता था ठगी, अरेस्ट

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

AI image

आईजीआई मेट्रो पुलिस ने सरकारी नौकरी दिलाने के नाम पर करोड़ों रुपये की ठगी करने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी की पहचान सुरेश के रूप में हुई है। आरोपी लंबे समय से फरार चल रहा था और पुलिस से बचने के लिए लगातार ठिकाने बदल रहा था।

डीसीपी कुशल पाल सिंह के अनुसार, 15 नवंबर 2025 को गुरुग्राम निवासी योगेश ने थाना आईजीआई मेट्रो में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया कि सुरेश ने वर्ष 2021-2022 के बीच गृह मंत्रालय में लोअर डिविजन क्लर्क (एलडीसी) की नौकरी दिलाने का झांसा देकर 8,55,000 रुपये ले लिए। पुलिस ने मामले की जांच कर केस दर्ज किया।

डीसीपी के अनुसार, इंस्पेक्टर संदीप शर्मा की देखरेख में एसआई नरेंद्र, हेड कॉन्स्टेबल दिलदार और कॉन्स्टेबल गोविंद राम ने जांच शुरू की। जांच में सामने आया कि आरोपी सरकारी विभागों में उच्च मांग वाली नौकरियों का लालच देता था। मोटी रकम वसूलने के बाद वह मोबाइल फोन बंद कर देता और परिवार सहित अपने निवास स्थान से फरार हो जाता था। तकनीकी निगरानी से बचने के लिए वह पूरी तरह से गोपनीय जीवन जी रहा था।

डीसीपी के अनुसार, रविवार को गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने द्वारका एक्सप्रेसवे के पास आरोपी को घेर लिया। पुलिस को देखते ही आरोपी भागने लगा। पुलिस ने पीछा करने के बाद उसे दबोच लिया। पुलिस के मुताबिक, जांच में पता चला है कि आरोपी सुरेश कोई पहली बार अपराध करने वाला नहीं है। वर्ष 2017 में हिसार की अदालत ने उसे भगोड़ा घोषित किया हुआ है। उसके खिलाफ धोखाधड़ी, मारपीट और चेक बाउंस जैसे मामलों में पांच से अधिक केस दर्ज हैं। अभी तक की जांच में विभिन्न जिलों में करोड़ों रुपये की ठगी से जुड़ी अन्य शिकायतों का पता चला है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर उसके सहयोगियों की तलाश में जुटी है।

साले और ससुर पर किया हमला, 4 अरेस्ट

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

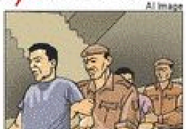

AI image

तुर्कमान गेट इलाके में पारिवारिक विवाद में दमाद ने अपने भाई और रिश्तेदारों के साथ मिलकर अपने साले, ससुर और उनके रिश्तेदार पर चाकू से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। हालांकि चांदनी महल पुलिस ने सीसीटीवी कैमरे की फुटेज की मदद से वारदात में शामिल पीड़ित के दमाद समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। उनके पास से वारदात में इस्तेमाल 3 चाकू और एक स्कूटी बरामद हुई है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान पीड़ित के दमाद वसीम (31), फईम (33), सलमान (27) और मोहम्मद अली (23) के तौर पर हुई है। चारों चांदनी महल इलाके के रहने वाले हैं।

सेंट्रल जिले के डीसीपी अनंत मित्तल ने बताया कि 24 फरवरी को चांदनी महल पुलिस को तुर्कमान गेट स्थित शरदा मेडिकल सेंटर में चाकूबाजी के संबंध में पीसीआर कॉल मिली थी। सूचना के बाद तुरंत पुलिस वाले मौके पर पहुंचे। जांच के दौरान पता चला कि वसीम की पत्नी को उसकी बहन ने कुछ परेशानी होने पर अस्पताल में भर्ती कराया था। इसकी जानकारी मिलने पर उसका पति वसीम अपनी मां के साथ अस्पताल पहुंचा। अस्पताल में वसीम और उसके ससुराल पक्ष के बीच कहासुनी शुरू हो गई। फिर वसीम और उसके साले के बीच मारपीट होने लगी। वसीम ने अपने भाई फईम को मदद के लिए बुलाया। फईम अपने दोस्त सलमान और मोहम्मद अली के साथ अस्पताल पहुंचा। आरोप है कि तीनों ने मिलकर वसीम के साले पर चाकुओं से हमला कर दिया, जिससे उसके पेट में गंभीर चोटें आईं। जब वसीम के ससुर अपने रिश्तेदार के साथ अपने बेटे को बचाने गए तो आरोपियों ने उन पर भी हमला किया। उनके बयान पर मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। अस्पताल परिसर एवं आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की जांच की गई। आरोपियों की पहचान कर गिरफ्तार कर लिया गया।

वसीम ने बताया कि उसका अपनी पत्नी से अक्सर विवाद होता था। उसे शक था कि उसका साला उसके वैवाहिक जीवन में हस्तक्षेप कर रहा है। इसी कारण घर में लगातार तनाव बना रहता था। उसने साले को सबक सिखाने की योजना बनाई थी।

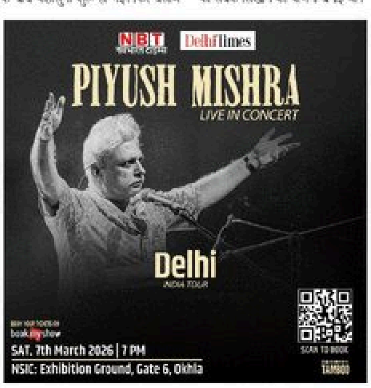

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 02-03-2026 Zone: Mahanagar Edition: 1 Page: NBTMAH04 User: cci Time: 03-01-2026 23:01 Color:

जंग के साए में कैद ज़िंदगियां- भूख, इंतज़ार और डर

Photos : PTI, Surender Kumar

ईरान में फंसी बेटी, मां ने की मदद की अपील

Abhishek.Gautam1
@timesofindia.com

■ नई दिल्ली: 'बाहर लगातार बमबारी हो रही है हर तरफ चीख-पुकार है। अंदर खाने को कुछ नहीं मिल रहा। कई घंटे से बच्चे भूखे हैं। कुछ के रोने भी हैं। हालात बहुत खराब हैं। कृपया मेरी बेटी को वापस ले आइए।' यह दर्द भरी अपील श्रीनगर की अफरोजा की है। इनकी बेटी ईरान में एमबीबीएस की पढ़ाई कर रही है। अफरोजा ने बताया कि बच्चे हॉस्टल में कैद हैं। कुछ खाने-पीने को नहीं मिल रहा है।

ईरान में सैकड़ों की संख्या में फंसे स्टूडेंट्स

अफरोजा के मुताबिक, बेटी अराक में एमबीबीएस की पढ़ाई कर रही है। टीवी और सोशल मीडिया पर जो दृश्य दिख रहे हैं, उससे डर लगा रहता है। फोन आता है तो जान में जान आती है। हम चाहते हैं कि भारत सरकार तुरंत छात्रों को सुरक्षित वापस लाने की व्यवस्था करे। अफरोजा बताती हैं कि बेटी से वह खुद संपर्क नहीं कर सकती, जब कॉल आती है तभी बात होती है। बेटी का सुबह कॉल आया था, कॉल देखते हुए आंखों से आंसू निकल आए। बेटी ने कहा कि मम्मी यहां हालात बहुत बुरे हो गए हैं। हर तरफ से तेज धमाके सुनाई देते हैं। हॉस्टल की कैंटीन बंद हो चुकी है, जिसकी वजह से खाना-पीना मुश्किल हो गया है। कई स्टूडेंट्स घंटों से भूखे हैं। कुछ ने रोना रखा है, उनके लिए हालात और मुश्किल हैं।

ऐसा धमाका हुआ कि 50 किमी तक उड़ गए परखच्चे: अबू धाबी के एक अस्पताल में तैनात एक भारतीय मूल के डॉक्टर ने बताया कि अभी हालात वहां ठीक हैं। बिगड़े हालात को देखते हुए डॉक्टर के परिजन और दोस्त लगातार उनसे संपर्क कर रहे हैं। एक डॉक्टर ने बताया कि शनिवार को अबू धाबी में एक तेज धमाके की आवाज आई, करीब 50 किलोमीटर दूर धमाका हुआ था, लेकिन उसके परखच्चे अस्पताल तक आए।

जंतर मंतर पर आंखों में आंसू, हाथों में खामेनेई के पोस्टर लिए सैकड़ों लोग सड़कों पर उतर आए

जयपुर के शहजाद बोले

'दुबई में युद्ध की खबरें टीवी पर, ज़मीन पर सब सामान्य'

■ नई दिल्ली: ईरान पर अमेरिकी हमले के बाद दुबई एयरनैशनल एयरपोर्ट को एहतियातन बंद जरूर किया गया है, बाकी यहां बिल्कुल शांति है। दुबई में रहने वाले लोग बिल्कुल नॉर्मल जिंदगी जी रहे हैं। पिछले कई साल से दुबई में रहकर एक रियल एस्टेट कंपनी में जॉब करने वाले शहजाद खान ने बताया कि शनिवार को भी वह रोजा खोलने के बाद आराम से सैर करने के लिए निकल गए थे। इसी से अंदाजा लगाया जा सकता है कि दुबई में सब कुछ सामान्य है। शहजाद ने बताया कि मैं मूलरूप से जयपुर का रहने वाला हूं, लेकिन पिछले कई साल से पत्नी और बच्चों के साथ दुबई में ही रह रहा हूं।

वहां- एयरपोर्ट बंद, लेकिन जनजीवन पटरी पर

कई परिवार चिंतित हैं

'बेटे से बात नहीं हो पा रही है, अब हो रही है टेंशन'

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: 'बेटा दुबई में रहता है। उससे शनिवार शाम को आखिरी बार बात हुई थी। वहां नेटवर्क की दिक्कत है, संपर्क नहीं हो पा रहा है,' कहना है मधू विहार की रजना प्रसाद का। रजना पाइल्ड राइट्स वर्कर हैं। रजना ने बताया कि उनके बेटे विरेश कुमार की दुबई में अपनी कंपनी है। शनिवार शाम को 5-10 मिनट के लिए बेटे से विडियो कॉल पर बात हुई थी। वह बालकनी से दुबई की गलियों की तस्वीर दिखा रहा था। मिसाइलों की आवाजें आ रही थीं। गलियां सुनसान दिख रही थीं। उसके बाद से बेटे से बात नहीं हुई है। सड़े को भी पूरे दिन फोन मिलाते रहे, हर घंटी पर देख रहे हैं कि शायद बेटे का फोन हो।

न्यूज में वहां के हालात देखकर परिवार बेहद परेशान

10 घंटे का सफर करके पहुंचे IGI, उड़ानें कैंसल

IGI एयरपोर्ट पर हवाई यात्रियों का आंखों देखा हाल, यहीं सोते दिखे लोग

■ नवीन निश्चल, एयरपोर्ट

जंग के बीच एयरोस्पेस बंद होने से दिल्ली एयरपोर्ट पर इंटरनैशनल फ्लाइट लेने वाले लोगों को लगातार दूसरे दिन भी काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। लोग 8 से 10 घंटे की दूरी बस से या ट्रेन से तय करके दिल्ली पहुंच रहे हैं। जब वह चेक इन करने के लिए एयरपोर्ट पहुंचते हैं, तो पता चलता है कि फ्लाइट कैंसल हो चुकी है। रविवार को भी यही हालात एयरपोर्ट पर दिखाई दिए।

लोगों का आरोप, नहीं मिली मोबाइल पर कोई सूचना

इंटरनैशनल एयरपोर्ट के डिपार्चर एरिया में कोई पंजाब, कोई उत्तर प्रदेश, कोई बिहार, तो कोई राजस्थान से आया था। सोमनाथ ने कहा कि कतर से लेबनान जाना था। जालंधर से दिल्ली पहुंचे थे। 10 घंटे लगे यहां पहुंचने में, सुबह 5:00 बजे आए, 9:55 की फ्लाइट थी। यहां आने पर पता चला की फ्लाइट कैंसल है। राजस्थान से 9 घंटे का सफर तय करके दिल्ली पहुंचे मो. शरीफ ने कहा कि 11:30 बजे की फ्लाइट थी। रियाद के लिए वह सुबह 6 बजे ही आ गए थे। यहां आकर पता चला कि फ्लाइट कैंसल है। कई घंटे इंतजार करने के बाद अब वापस लौट रहे हैं। कोई फैसिलिटी नहीं है, फ्लाइट कैंसल की जानकारी यहां आकर मिली। लेकिन अभी तक कोई मैसेज नहीं आया। वो 23 जनवरी को भारत आए थे।

बिहार के दीपक ने बताया, दुबई जाना था, 30 लोगों का ग्रुप था। यहां पता चला कि फ्लाइट कैंसल हो चुकी है। सुबह 5 बजे से सभी पहुंच गए थे, अब वापस जाने को लेकर असमंजस में हैं। कहीं इतनी दूर वापस गांव गए और पता चला कि अगले ही दिन सब कुछ ठीक हो गया। । लेकिन दिल्ली में रहने का कोई इंतजाम नहीं।

जामिया से जंतर मंतर तक छलके आंसू

प्रदर्शन में शामिल लोगों में दिखा गम और गुस्सा, मातम का माहौल

■ अश्वनी शर्मा, नई दिल्ली

ईरान के सुप्रीम लीडर खामेनेई की मौत की खबर ने दिल्ली के जामिया नगर से लेकर जंतर मंतर तक माहौल को मातम में बदल दिया। आंखों में आंसू, हाथों में खामेनेई के पोस्टर लिए सैकड़ों लोग सड़कों पर उतर आए। एक आवाज में कहते हुए कि यह सिर्फ एक नेता की मौत नहीं, बल्कि उनके विश्वास और अस्मिता पर हमला है। जंतर मंतर पर लोगों ने अमेरिका और इजरायल के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। भीड़ ने 'अमेरिका मुर्दाबाद' और 'इजरायल मुर्दाबाद' के नारे लगाए।

लोगों के अनुसार, दोपहर बाद अचानक बड़ी संख्या में लोग जामिया में इकट्ठा हुए। ज्यादा संख्या होने के कारण सभी जंतर मंतर आ गए। ऑल इंडिया शिया काउंसिल के जनरल सेक्रेटरी इमरान अली ने कहा कि यह हमला केवल एक व्यक्ति पर नहीं, पूरी उम्मत पर है। उन्होंने कहा कि 'शहादत से आंदोलन खत्म नहीं होता, और मजबूत होता है।' उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से हमले की निंदा की मांग की। शिया धर्मगुरु मौलाना सैयद कल्बे जवाद ने इस घटना को कायरतापूर्ण आतंकवादी हमला बताया।

यह कहना है लोगों का

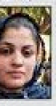
जिस तरह हिंदू समाज में शंकराचार्य को गुरु का दर्जा दिया जाता है, उसी तरह खामेनेई हमारे लिए सिर्फ एक राजनीतिक नेता नहीं, आध्यात्मिक मार्गदर्शक थे। वो जंग में शहीद हुए हैं। हमें उन पर नाज है। जो कुछ हुआ, वह कायराना है। - अर्शीशा

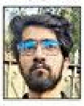
वह हमारे लिए हिम्मत का नाम थे। यकीन नहीं हो रहा कि अब वे इस दुनिया में नहीं हैं। उनके जाने से शिया समुदाय के हर एक व्यक्ति के दिल का खालीपन कौन भरेगा? यह कायराना कदम है, इंसाफ जरूर होना चाहिए। - अली यासिर

जैसे ही खबर मिली, मेरा दिल बैठ गया। हमने हमेशा उन्हें मजलूमों की आवाज उठाते देखा था। आज वही आवाज खामोश हो गई। यह हमला सिर्फ एक शख्स पर नहीं, बल्कि एक विचार पर है। इतिहास गवाह है, ऐसे लहू से आंदोलन और मजबूत होते हैं। - नौशाबा, निजामुद्दीन

खामेनेई सिर्फ एक नेता नहीं, बल्कि रहनुमा थे। हम उन्हें अपने बुजुर्ग की तरह मानते थे। उनका जाना हमारे लिए घर के बड़े के जाने जैसा है। वे जंग में शहीद हुए हैं। यह उनके लिए सम्मान की बात है, लेकिन दिल का दर्द कम नहीं होता। जो हुआ, वह नाइंसाफी है। - अंजिला

खामेनेई ने हमेशा अपने लोगों को सब्र और हिम्मत का रास्ता दिखाया। हम गुस्से में हैं, लेकिन हमारा विरोध शांतिपूर्ण रहेगा। - मोहम्मद जायद

हमारे लिए वो सिर्फ सियासी शख्सियत नहीं थे, बल्कि ईमान की ताकत थे। जो दर्द आज दिल में है, उसे बयान करना आसान नहीं। - अली मेहदी

दुबई की 50% से ज्यादा बुकिंग रद्द

Abhishek.Gautam1
@timesofindia.com

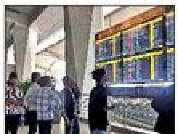

■ नई दिल्ली : मिडल ईस्ट में जारी वॉर से टूर कारोबार पर काफी असर पड़ा है। ट्रैवल एजेंसियों का कहना है कि बीते 24 घंटे में मिडल ईस्ट के लिए 60 प्रतिशत से ज्यादा टूर कैंसल हो चुके हैं। सबसे ज्यादा असर हनीमून पैकेज, ग्रुप टूर पर पड़ा है। इसके अलावा, दुबई घूमने गए कई पर्यटक फंस गए हैं।

सबसे ज्यादा असर हनीमून पैकेज, ग्रुप टूर पर

कई देशों की हवाई यात्राएं रोक दी गई हैं। अब दुबई घूमने या फिर हनीमून मनाने का सपना देखने वालों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। लोगों ने अपने-अपने प्रोग्राम को कैंसल कर दिया है। ट्रैवल एंड टूर एजेंसी के डायरेक्टर मनोज खंडेलवाल ने बताया कि यात्रियों के साथ-साथ टूर एंड ट्रैवल कारोबारी भी भारी संकट में हैं। अगले 15 दिनों के लिए लगभग सभी ग्रुप टूर, हनीमून पैकेज और फैमिली पैकेज रोक दिए गए हैं। जिससे यात्रियों में असमंजस की स्थिति है। सऊदी अरब, जॉर्डन और दुबई के लिए जाने वाले टूरिस्ट खास तौर पर प्रभावित हुए हैं।

दुबई में फंसे टूरिस्ट, परिवार परेशान: कुछ भारतीय पर्यटक अभी भी दुबई में हैं और वापसी की फ्लाइट को लेकर असमंजस में हैं। परिवार लगातार फोन और मैसेज के जरिए संपर्क में बने हुए हैं, लेकिन अनिश्चितता ने चिंता बढ़ा दी है। एक टूर एंड ट्रैवल्स एजेंसी ने बताया कि उनके कई पर्यटक जो ग्रुप और कपल के साथ घूमने के लिए दुबई गए थे। वह वहां होटलों में कैद हैं। लगातार वह फोन पर अपनी समस्याएं बता रहे हैं।

शिया जामा मस्जिद के इमाम बोले, हालात और खराब हो सकते हैं

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: ईरान के सुप्रीम लीडर खामेनेई की हत्या पर शिया जामा मस्जिद के इमाम मौलाना मोहम्मद अली मोहसिन तकवी ने गहरा दुख और चिंता जताई है।

कहा, न्याय के पक्ष में खड़ा हर शख्स बेहद गमगीन

उन्होंने कहा कि न्याय और किसी भी देश की संप्रभुता के पक्ष में खड़ा हर व्यक्ति आज बेहद गमगीन है। उनके मुताबिक, मौजूदा वैश्विक हालात आने वाले समय में और भी गंभीर रूप ले सकते हैं। आज दुनिया ऐसे दौर में पहुंच गई है, जहां किसी भी देश के राष्ट्रपति का अपहरण किया जा सकता है और किसी भी देश के नेतृत्व को बम से निशान बनाया जा सकता है।

TIMES TRIBUTE
PAYING HOMAGE TO THE DEPARTED SOUL

To book your ad
Logon to: ads.timesofindia.com
or Call: 18001205474 (Toll Free)
Scan QR Code

UTHAVANI

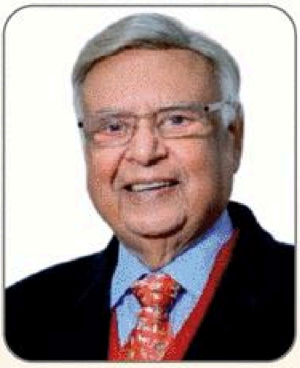

WITH PROFOUND GRIEF
WE INFORM YOU OF THE SAD DEMISE OF OUR BELOVED

JUSTICE VIJENDER JAIN

on Friday 27th February 2026

The uthavani will be held on
Monday 2nd March 2026, Time : 10:00 - 11:00 AM
at Club, Sector 15A, Noida 201301

In reverence and remembrance
Rohit Jain - Shalu Jain (Son & Daughter in law)
Sonika Jain (Daughter), Ananya Jain & Rishabh Jain (Grand Children)

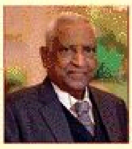

सातवीं पुण्य तिथि
श्री सुरेश चन्द जैन

जो मार्गदर्शक स्तम्भ के रुप में हमारे दिलों में सर्वदा विद्यमान है, हम उस महान आत्मा का नि:स्वार्थ, निष्काम, पक्षपातरहित व्यवहार और वात्सल्य को उनकी सातवीं पुण्य तिथि पर याद करते हुए उनकी दैविक शुभाशीषों की कामना करते है।

भावभीनी श्रद्धांजलि सपरिवार
विकास पेपर परिवार, दिल्ली

TIMES TRIBUTES
RATE CARD

Publications	Rates per sq. cms
TOID Capital + NBT (Delhi+NCR)	1295
TOID Full Run ## + NBT (Delhi+NCR)	1360
THE TIMES OF INDIA (Delhi+NCR)	780
THE TIMES OF INDIA (Delhi) Full Run##	900
NAVBHARAT TIMES (Delhi+NCR)	595
THE ECONOMIC TIMES (Delhi+NCR)	715
SANDHYA TIMES (Delhi)	100

Rates effective 5th June 2019

▸ *Placement on specified obit pages only. ▸ This rate benefit is extended up till the size of 320 sq. cm only. ▸ ## Full run includes Delhi City + NCR (Including Gurgaon + Noida) + Chandigarh + Western U.P. + Uttarakhand. ▸ TOI Capital (Delhi & NCR) Includes TOI Gurgaon & TOI Noida.

To place an Obituary announcement or Remembrance message please call
Vinod: 9958992088
Pankaj : 8130604727

TO BOOK AN OBITUARY AD PLEASE CONTACT
VINOD : 99589 92088 & PANKAJ : 81306 04727

REMEMBRANCE
SHARING MEMORIES

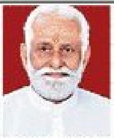

PT. Rajinder Sharma
(KALLA)

Aapke Dikhaye Marg Par Chalte Huye Kuch Adhure Karyon Ko Pura Karne Mae Prayasrat Rahenge........
Smt.Urmila Sharma (KALLA)
Atul Rajinder Kalla, Pankaj Rajinder Kalla
Yuven Kalla. # 9212574742, Mandir Mata Vaishno Devi Gali No-6, Arakashan Road, Paharganj,Yagshala Aaram Bagh, Delhi, Dharamshala, Mandir Mata Vaishno Devi, Haridwar (Uttarakhand)

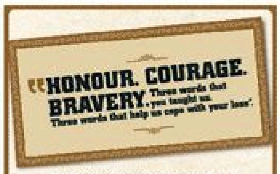

The silent joy of remembering a loved one.
The moments you shared together.
Little moments that make life beautiful.

Share them. With Friends. Relatives. Neighbours. Colleagues. With all those whose lives the departed Soul has touched. Because while life goes on, when you share memories, they stay on forever.

Publications	Total Outlay
The Times of India Delhi/NCR	5,600
TOI+NBT (Delhi/NCR)	8,800
TOI+ET (Delhi/NCR)	6,600

REMEMBRANCE
SHARING MEMORIES

For any information call
Vinod : 9958992088
Pankaj : 8130604727

Claude Cowork में फीचर्स

AI Image

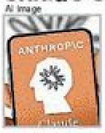

एंथ्रोपिक ने Claude Cowork में नए फीचर्स जोड़े हैं। इसका मकसद ऑफिस में रोज होने वाले कामों को आसान और तेज बनाना है। अब यह टूल Google Drive, DocuSign और Intuit जैसे सॉफ्टवेयर के साथ मिलकर काम कर सकता है। (NBT)

सारे काम कर देगा यह सिस्टम

AI Image

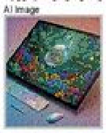

परप्लेक्सिटी ने Perplexity Computer नाम से नया सिस्टम लॉन्च किया है। यह काम को ऑटोमेट करने के लिए 19 अलग-अलग AI मॉडलों का इस्तेमाल करता है। हर काम सैंडबॉक्स में करता है, जिससे डेटा सुरक्षित रहता है। (NBT)

ऑडियो को टेक्स्ट में बदलें

AI Image

ऑडियो को टेक्स्ट में बदलने में Wispr Flow ने 89% एक्यूरेसी हासिल की है। यह टूल खासतौर पर कोडिंग करने वालों के लिए फायदेमंद बताया जा रहा है। कंपनी का दावा है कि इससे कोडिंग एजेंट्स को 10 गुना ज्यादा कॉन्टेक्स्ट मिल सकता है। (NBT)

AI के ताज़ा अपडेट्स

AI से ईरान पर वॉर

AP

इतना अहम क्यों बन गया Claude?

Claude पहले से ही अमेरिकी सेंट्रल कमांड के क्लासिफाइड नेटवर्क्स में इंटीग्रेटेड था। यानी यह सिर्फ एक बाहरी टूल नहीं था, बल्कि सैन्य सिस्टम का हिस्सा बन चुका था। इंटेलिजेंस प्रोसेसिंग, प्लानिंग और एनालिसिस में इसकी रीजनिंग कैपेबिलिटी इतनी अहम हो गई थी कि अचानक इसे हटाना अमेरिका के लिए आसान नहीं था। यही वजह है कि ट्रंप के बैन के ऐलान के बावजूद अमेरिकी सेना में इसका इस्तेमाल तुरंत बंद नहीं हुआ। हालांकि, अब सैम ऑल्टमैन की कंपनी OpenAI ने अमेरिकी रक्षा विभाग के साथ समझौता किया है। इसके तहत OpenAI अपने कुछ मॉडल्स को पेंटागन के क्लासिफाइड नेटवर्क पर तैनात करेगा। यानी जो काम अब तक Claude कर रहा था, लगभग वही काम OpenAI करेगा।

Pradeep.Tiwari
@timesofindia.com

■ **नई दिल्ली:** अमेरिका के ऑपरेशन एपिक फ्यूरी में ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की भी मौत हो गई। वॉल स्ट्रीट जर्नल (WSJ) के मुताबिक, इस सटीक हमले में एंथ्रोपिक के Claude AI ने मदद की। खास बात यह भी है कि हमले से ठीक पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने एंथ्रोपिक के इस टूल के फेडरल गवर्नमेंट में इस्तेमाल रोकने का आदेश जारी किया था। हालांकि, Claude का इस्तेमाल सीधे हथियार चलाने या ऑटोमैटिक हमले करने के लिए नहीं हुआ, लेकिन ऑपरेशन की तैयारी, रणनीति और विश्लेषण में इसकी बड़ी भूमिका रही। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (CENTCOM) के सटीक हमले में Claude AI ने 4 पॉइंट पर खास मदद की।

सैटलाइट इमेज में दिखा कि ईरान के सुप्रीम लीडर खामेनेई के ऑफिस पर US का हमला कितना सटीक था।

अमेरिका के सटीक हमले में 4 पॉइंट पर एंथ्रोपिक के Claude AI ने की मदद

1 रीयल टाइम इंटेलिजेंस

ईरान में किन ठिकानों पर हमला करना है, किस मिसाइल बेस पर क्या गतिविधि चल रही है, इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (IRGC) के कमांडर किस लोकेशन पर हैं, ऐसे डेटा अमेरिकी सेना के पास थे। ऐसे ही हजारों पन्नों के दस्तावेज, सैटलाइट इमेज और खुफिया इनपुट को तेजी से पढ़कर उनका विश्लेषण करने में Claude AI का इस्तेमाल किया गया। सैटलाइट इमेज में खामेनेई के ऑफिस के आसपास असामान्य गतिविधि दिखी, तो Claude उस तस्वीर को पुराने रेकॉर्ड, खुफिया रिपोर्ट और पिछले पैटर्न से मिलाकर बता दिया कि यह सामान्य मूवमेंट है या सैन्य तैयारी।

2 टारगेट की पहचान

अमेरिकी सेना के सामने असली चुनौती यह थी कि इतने सारे संभावित लक्ष्यों में से किसे पहले निशाना बनाया जाए। सुप्रीम लीडर खामेनेई का ऑफिस और घर, न्यूक्लियर साइट्स, मिसाइल लॉन्च बेस, कमांड सेंटर, सैन्य गोदाम, हर जगह का अलग रणनीतिक महत्व था। Claude ने इन संभावित लक्ष्यों की वैल्यू और रिस्क का आकलन करने में मदद की। AI ने टारगेट्स को रैंक करने, क्रॉस वेरिफिकेशन करने और आम लोगों के नुकसान को कम करने के लिए कई डेटा पॉइंट्स को जोड़कर सुझाव दिए। इससे अमेरिकी कमांडर्स को तेज और सोच समझकर फैसला लेने में मदद मिली।

3 युद्ध की प्रैक्टिस

ऑपरेशन एपिक फ्यूरी का सबसे बड़ा हिस्सा था 'अगर ऐसा हुआ तो क्या होगा?' अमेरिकी सेंट्रल कमांड की टीम को अंदेशा था कि ईरान बैलिस्टिक मिसाइलों, ड्रोन स्वार्मस या प्रॉक्सी ग्रुप्स से जवाबी हमला कर सकता है। Claude का इस्तेमाल इन संभावित स्थितियों की सिमुलेशन चलाने में किया गया। AI ने 100 से ज्यादा संभावित युद्ध परिदृश्यों पर काम किया। जैसे, अगर ईरान 500 से ज्यादा मिसाइलें इस्राइल की ओर दाग दे तो डिफेंस सिस्टम कैसे प्रतिक्रिया देगा। अगर अमेरिकी बेस पर ड्रोन हमले बढ़ जाएं तो कौन सी सुरक्षा रणनीति सबसे कारगर होगी।

4 पोस्ट-स्ट्राइक एनालिसिस

हमले के बाद भी Claude की भूमिका अहम रही। कुछ रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि स्ट्राइक के तुरंत बाद सैटलाइट तस्वीरें, ड्रोन फुटेज और खुफिया रिपोर्ट्स कमांड सेंटर तक पहुंचाई गईं। Claude ने हमले से पहले और बाद की तस्वीरों की तुलना कर यह आकलन करने में मदद की कि दोबारा कार्रवाई की जरूरत नहीं है। AI ने संभावित सेकंडरी डैमेज, जैसे आसपास के स्ट्रक्चर या सिविलियन इलाकों पर असर का भी विश्लेषण किया। AI ने ईरान की सैन्य गतिविधियों और उनके कम्युनिकेशन संकेतों का भी अनुमान लगाया।

इस्राइल, US बेस पर जवाबी हमला

ईरान ने भी मिसाइल और ड्रोन से दिखाई ताकत

AFP

ईरान के जवाबी हमले में इस्राइल के तेल अवीव में आग लग गई।

9 फरवरी को ईरान ने AI विडियो जारी कर मिसाइल और ड्रोन पावर दिखाई थी।

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

ईरान ने 9 फरवरी को करीब 2 मिनट का एक AI जेनरेटेड विडियो जारी किया था। इसमें अमेरिकी नेवी के विशाल युद्धपोत अब्राहम लिंकन जैसे एयरक्राफ्ट कैरियर को हाइपरसोनिक मिसाइलों और ड्रोन स्वार्म के हमले से तबाह होते हुए दिखाया था। विडियो में दिखाया गया कि पहले दर्जनों ड्रोन एक साथ उड़ान भरते हैं, फिर वे आपस में तालमेल बनाकर जहाज को घेर लेते हैं। फिर हाइपरसोनिक मिसाइलें टारगेट की ओर बढ़ती हैं और कुछ ही पलों में बड़ा विस्फोट होता है।

रक्षा विशेषज्ञों के अनुसार, इस तरह के AI जेनरेटेड विडियो का उद्देश्य युद्ध करना नहीं, बल्कि संदेश देना होता है कि ताकत कितनी है। इसी विडियो के बाद चर्चा शुरू हुई कि क्या ईरान ने मिसाइल और ड्रोन सिस्टम को AI से जोड़ दिया है।

ड्रोन और मिसाइलों में AI के दावे: इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (IRGC) पहले भी दावा करता रहा है कि उसने अपने Shahed सीरीज के ड्रोन और कुछ बैलिस्टिक मिसाइलों में AI बेस्ड टारगेटिंग सिस्टम जोड़े हैं। इससे हमलों की सटीकता बढ़ी है और ड्रोन स्वार्म, यानि एक साथ कई ड्रोन का हमला, ज्यादा प्रभावी हुआ है। शनिवार को अमेरिका और इस्राइल के हमले के बाद काफी हद तक यह सही भी दिखा। ईरान ने जवाबी कार्रवाई में इस्राइल के तेल अवीव जैसे अहम शहरों को निशाना बनाकर नुकसान पहुंचाया। हालांकि, कई विशेषज्ञों का मानना है कि ईरान में AI इंटीग्रेशन की कोशिशें जरूर हो रही हैं, लेकिन इनका बड़े पैमाने पर युद्ध में सफल और प्रमाणित इस्तेमाल अभी स्पष्ट नहीं है।

डेटा प्रोसेसिंग वॉरशिप

जुलाई 2024 में ईरान ने नैशनल AI ऑर्गनाइजेशन की स्थापना की, लेकिन AI की दिशा में तेजी से काम फरवरी 2025 से शुरू हुआ। सेना और IRGC दावा करते रहे हैं कि वे कमांड एंड कंट्रोल सिस्टम, बॉर्डर सिक्योरिटी और प्रिसिजन टारगेटिंग में AI को शामिल कर रहे हैं। ईरान ने नेवी में अहवास डेटा प्रोसेसिंग वॉरशिप भी शामिल किया और 1,000 AI सक्षम कॉम्बैट ड्रोन तैनात करने ऐलान किया। ऑटोनॉमस कॉम्बैट रोबॉट्स का भी ईरान ने टेस्ट करने का दावा किया। ईरान AI के क्षेत्र में आगे बढ़ने की कोशिश कर रहा है, पर बेसिक स्ट्रक्चर रफ्तार रोक रहे।

अगर आप भी AI से जुड़ी किसी जानकारी या सवाल का जवाब चाहते हैं, तो हमें nbtreader@timesofindia.com पर ईमेल करें। हमारे एक्सपर्ट आपके सवालों के जवाब देंगे। ईमेल के सब्जेक्ट में AI जरूर लिखें।

BJP सत्ता की राजनीति करे, हम जनता के काम करेंगे: केजरीवाल

जंतर मंतर पर हुई रैली में पहुंचे अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

Photos : Surender Kumar, PTI

केजरीवाल ने रैली में लोगों को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि पीएम मोदी सत्ता के लिए षड्यंत्र रचते हैं

शराब घोटाला मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट द्वारा आरोप मुक्त किए जाने के बाद रविवार को आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने जंतर मंतर पर जनसभा को संबोधित किया। केजरीवाल ने बीजेपी और पीएम मोदी पर कई तरह के आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि वे लोगसत्ता की राजनीति करें और हम जनता के लिए काम करेंगे। आज से यह बदलाव की गिनती शुरू हो गई है। प्रदर्शन के दौरान केजरीवाल के अलावा मनीष सिसोदिया, सत्येंद्र जैन, आतिशी, गोपाल राय, सौरभ भारद्वाज भी मौजूद रहे।

केजरीवाल ने आरोप लगाया कि मोदी सत्ता के लिए तरह-तरह के षड्यंत्र रचते हैं। इसके लिए एसआईआर, वोटर लिस्ट से नाम काटने-जोड़ने, पैसे-साड़ियां बांटने पड़े, जो करना पड़े, लेकिन इनको सिर्फ सत्ता चाहिए। उन्होंने कहा कि 4 अप्रैल 2011 को इसी जंतर मंतर पर देश के लोगों ने हुंकार भरी थी और देश से कांग्रेस का सफाया हो गया था। आज जंतर मंतर का यह दिन भी ऐतिहासिक है। एक मार्च 2026 के बाद बीजेपी की देश भर से उल्टी गिनती शुरू हो गई है।

इस दौरान केजरीवाल ने आरोप लगाते हुए कहा कि मोदी और अमित शाह ने मुझे गिरफ्तार कर संदेश दिया कि खबरदार सरकार में कोई ईमानदारी से काम करेगा तो उसकी केजरीवाल जैसी हालत कर देंगे। आम आदमी पार्टी में सभी आम लोग युवा हैं और ये मंत्री, मुख्यमंत्री, विधायक बन गए। हमारी सोच थी कि युवाओं को राजनीति में आना चाहिए, लेकिन मोदी ने युवाओं को संदेश दिया कि खबरदार राजनीति में आए तो केजरीवाल वाला हाल कर दूंगा।

केजरीवाल ने कहा कि देश के अंदर उम्मीदें खत्म हो गई थीं, लोगों ने कहना चालू कर दिया था कि इस देश का कुछ नहीं हो सकता है। दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार आई और देश के लोगों को एक उम्मीद दी। आम आदमी पार्टी ने 140 करोड़ लोगों को उम्मीद दी कि देश सुधर सकता है, लेकिन मोदी ने केजरीवाल को गिरफ्तार कर 140 करोड़ लोगों की उम्मीदों पर पानी फेर दिया।

अरविंद ने कहा कि दिल्ली की बीजेपी सरकार ने 10 हजार बस मार्शल निकाल दिए। हजारों डीटीसी ड्राइवरों, कंडक्टरों को निकाल दिया। मोहल्ला क्लिनिक के कर्मचारियों को निकाल दिया। डिम्स के कर्मचारियों को भी निकाल दिया। अस्पताल में काम करने वाले डेटा एंट्री ऑपरेटर भी निकाल दिए। उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी सरकार से पूरी दिल्ली दुखी है। सारी सड़कें टूटी पड़ी हैं। चारों तरफ गंदगी है। लोगों के घर में काला पानी आ रहा है। आज दिल्ली वाले याद कर रहे हैं कि इससे अच्छा तो केजरीवाल ही था। आज दिल्ली में चुनाव करा लो, बीजेपी की 10 भी सीट नहीं आएगी।

केंद्र और दिल्ली सरकार पर साधा निशाना

- केजरीवाल ने दिल्ली की बीजेपी सरकार और पीएम मोदी पर साधा निशाना
- आप के राष्ट्रीय संयोजक ने कहा, आज से बदलाव की गिनती शुरू हो गई है
- कहा, मोदी ने केजरीवाल को गिरफ्तार कर 140 करोड़ लोगों की उम्मीदों पर पानी फेर दिया था

आम आदमी पार्टी प्रमुख के लगाए आरोपों को BJP ने किया खारिज

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली : दिल्ली बीजेपी अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा है कि अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी (AAP) की समस्या यह है कि जरा सी राजनीतिक छूट मिलते ही ये लोग दिल्ली से पंजाब, गुजरात, गोवा से होते हुए इजरायल और अमेरिका तक की समस्याओं का दोष बीजेपी के सिर मढ़ते हुए राजनीतिक बयानबाजी शुरू कर देते हैं।

सचदेवा ने कहा है कि केजरीवाल की मुश्किल यह है की उन्हें 11 साल दिल्ली में सरकार चलाने का मौका मिला और अब 3.5 साल से पंजाब में सरकार चला रहे हैं। दोनों जगह उन्होंने जीरो विकास दिया है, लेकिन वह उस पर नहीं बोलते, वह दिल्ली की एक साल की सरकार पर सवाल खड़ा करना चाहते हैं, गुजरात और गोवा में अनेक बार नकारे जाने के बाद भी वहां की बीजेपी सरकारों से जवाब मांगते हैं।

वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सात दिन में सातों संसदीय क्षेत्रों में जनता के बीच अपना रिपोर्ट कार्ड रखकर देशभर में अनूठी मिसाल पेश की है। दिल्ली बीजेपी अध्यक्ष ने कहा कि रेखा गुप्ता सरकार ने लोक निर्माण विभाग, जल बोर्ड, बाढ़ नियंत्रण विभाग, परिवहन विभाग के माध्यम से हजारों करोड़ के विकास के कामों के साथ ही हर विधानसभा एरिया को 100 करोड़ रुपये की अलग विकास योजनाएं देकर जनप्रतिनिधियों को विकास का नया अवसर दिया है।

वीरेंद्र सचदेवा ने कहा- केजरीवाल हर चीज के लिए बीजेपी को ही दोष मढ़ते हैं

कांग्रेस ने AAP को फिर BJP की बी-टीम बताया

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली : जंतर मंतर पर आम आदमी पार्टी के विरोध प्रदर्शन की अनुमति के मद्देनजर प्रदेश कांग्रेस ने केंद्र की बीजेपी सरकार पर सवाल उठाया है। कांग्रेस का आरोप है कि दो दिन पहले युथ कांग्रेस अध्यक्ष की गिरफ्तारी के खिलाफ जब शांतिपूर्ण प्रदर्शन की मांग की अनुमति ठुकरा दी गई थी, लेकिन रविवार को आम आदमी पार्टी को प्रदर्शन की अनुमति देने से यह साफ हो रहा है कि आम आदमी पार्टी, बीजेपी की पोषित उनकी बी-टीम है।

देवेन्द्र ने कहा कि केजरीवाल की उपज में बीजेपी का हाथ है, यह किसी से छिपा नहीं है कि कैसे रामलीला मैदान में कांग्रेस सरकार के खिलाफ बीजेपी और आरएसएस द्वारा पोषित अरविन्द केजरीवाल को आगे बढ़ाकर कांग्रेस के खिलाफ मोहरा बनाया था।

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 02-03-2026 Zone: Mahanagar Edition: 1 Page: NBTMAH06 User: anjali.chand@timesofindia.com Time: 03-01-2026 23:00 Color:

उत्तर मध्य रेलवे

सं. : NCR-HQSCENG (GEN)/12/2026 दिनांक: 27.02.2026

डीपीआर की पीयर रिव्यू हेतु सेक्टर एक्सपर्ट के पैनल में शामिल करने के संबंध में सूचना

उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज द्वारा वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (एस.ए.जी.) या उससे उच्च पद से सेवानिवृत्त पात्र आई.आर.एस.ई. अधिकारियों से डीपीआर (रेलवे परियोजनाओं) की पीयर रिव्यू हेतु सेक्टर विशेषज्ञ के रूप में पैनल में शामिल किए जाने के लिए आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं।

आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि: 18.03.2026

आवेदन महाप्रबंधक कार्यालय की निर्माण इकाई में अधोहस्ताक्षरी को प्रस्तुत किए जाएं या अंतिम तिथि तक ईमेल द्वारा dyceopighq@gmail.com पर अथवा डाक द्वारा भेजे जाएं। आवेदन विधिवत भरा हुआ, हस्ताक्षरित तथा संबंधित आवश्यक दस्तावेजों सहित होना चाहिए।

उप मुख्य अभियंता/निर्माण/योजना
उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज

उत्तर मध्य रेलवे - निर्माण संगठन

सेक्टर एक्सपर्ट के रूप में पैनल में शामिल होने के लिए आवेदन प्रस्तुत करने हेतु निर्धारित प्रपत्र

महत्वपूर्ण-कृपया कोई भी कॉलम खाली न छोड़ें	पैनल सूचना संख्या	NCR/DPR review Empanelment/2026/02 Dated 27.02.2026	फोटो
	जिस पद के लिए आवेदन प्रस्तुत किया गया है	DPR की समीक्षा के लिए सेक्टर एक्सपर्ट	

व्यक्तिगत विवरण :-

1	नाम	:	
2	लिंग	:	
3	सेवा	:	
4	बैच	:	
5	जन्म तिथि	:	
6	आयु (अधिसूचना की अंतिम तिथि के अनुसार)	:	
7	एस.ए. ग्रेड में प्रवेश की तिथि	:	
8	सेवानिवृत्ति की तिथि	:	
9	जिस पद से सेवानिवृत्त हुए	:	
10	संपर्क विवरण		
(क)	ईमेल आईडी	:	
(ख)	मोबाइल नंबर	:	
(ग)	आधार संख्या	:	

11. शैक्षणिक योग्यताएं :-

क्र.सं.	योग्यता/डिग्री	उत्तीर्ण होने का वर्ष	संस्थान/विश्वविद्यालय, स्थान/देश

क्या कार्य रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर (नई लाइनें, मल्टीट्रैकिंग, गेज कन्वर्जन या इसी के समान) से जुड़ा है
12. अनुभव विवरण: (जे. ए. ग्रेड में एवं उसके ऊपर)

क्र.सं.	पदनाम संगठन पोस्टिंग का स्थान	ग्रेड/लेवल	सेवाकाल: से	तक	दिनों की संख्या	जॉब प्रोफाइल/किए गए कार्य का संक्षिप्त विवरण/अनुभव	क्या कार्य रेलवे अवसंरचना क्षेत्र (नई लाइन, मल्टी ट्रैकिंग, गेज परिवर्तन या समान) से संबंधित है

13. रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स जैसे नई लाइन, मल्टीट्रैकिंग और गेज कन्वर्जन आदि के लिए DPRs तैयार करने का अनुभव, अगर कोई हो (कृपया जानकारी दें)।

14. रिटायरमेंट के पिछले 5 सालों में सज़ा, अगर कोई हो।

मैं प्रमाणित करता/करती हूं कि उपरोक्त दी गई जानकारी सत्य है तथा मैं पैनल सूचना में निर्धारित मानदंडों के अनुसार इस पद हेतु पात्र हूं।

स्थान : ....
दिनांक : .... (आवेदक का नाम एवं हस्ताक्षर) 477/26(A)

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

व्यापारी बोले, अतिक्रमण पर ऐक्शन हो

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली : पुरानी दिल्ली के बाजारों में अतिक्रमण की परेशानी बढ़ती ही जा रही है जिसके खिलाफ व्यापारियों ने सख्त कदम उठाने की मांग की है।

दिल्ली व्यापार महासंघ ने संडे को प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया, जहां प्रशासन, न्यायपालिका और नीति-निर्माताओं से इस गंभीर मुद्दे पर तत्काल हस्तक्षेप करने की अपील की है। महासंघ के अध्यक्ष देवराज बवेजा ने कहा कि चौक बाजारों में अतिक्रमण हटाकर राहत दी जाए, यही हमारी मांग है।

Office of The Commissioner (Investment Promotion) & INDEXTb, Government of Gujarat
A/5 State Emporia Bldg. 2nd floor Baba Kharak Singh Marg New Delhi -110001

Renovation and finishing work of office of the Commissioner (Investment promotion) & INDEXTb Govt. of Gujarat, A/6 State Emporia Bldg. Baba Kharak Singh Marg, New Delhi - 110001

Sealed tenders are invited under two bid system (Technical & Financial) from firms/ agencies for above noted work. Details of bidding documents available in the office of the Commissioner (IP) & INDEXTb, at A/6 State Emporia Bldg. 2nd floor Baba Kharak Singh Marg, New Delhi -1 or can be downloaded from https://tender.nprocure.com and www.indextb.com

Bids will be submitted in the office of the Commissioner (IP)/ INDEXTb on or before 17.03.2026 upto 17.00 hrs. Estimated cost is Rs. 29.88 Lakhs inclusive of GST.

Sd/-
Junior Resident Officer
INDEXTb, New Delhi

ऑयल एण्ड नेचुरल गैस कॉरपोरेशन लिमिटेड
Oil and Natural Gas Corporation Ltd.

No. ONGC/Corp.Mktg/Gas Evacuation/ EOI/2026-27 02/03/2026

ओएनजीसी फील्ड्स से गैस निकासी हेतु रुचि की अभिव्यक्ति के लिए आमंत्रण

[illegible]

कृपया नीचे उल्लिखित तथ्यों के अनुसार अनुरोध को उत्तर पत्रक में प्रस्तुत किया जाए।

[illegible]

मार्केटिंग अधिकारी
कॉर्पोरेट मार्केटिंग, ओएनजीसी
प्रथम मंजिल, दीनदयाल ऊर्जा भवन, नेल्सन मंडेला रोड, वसंत कुंज, नई दिल्ली–110070
ध्यान दें: श्री यश राज, मार्केटिंग अधिकारी
मोबाइल: 7004128796, 8300011382 | ईमेल आईडी: raj_yash@ongc.co.in

अधिक जानकारी के लिए, कृपया ओएनजीसी के ई-पोर्टल पर जाएं: https://www.ongcindia.com

क्या कहते हैं आपके नंबर
(2 मार्च - 8 मार्च 2026)

(आचार्य नंदिता पांडे)

● **मूलांक 1**
(जन्म तिथि 1, 10, 19, 28)
इस सप्ताह अपने कार्यक्षेत्र में उन्नति होगी और आपको तुरंत निर्णय लेने वाली क्षमता द्वारा भी सफलता आप हासिल करेंगे। प्रेम संबंध में भावनात्मक तौर पर समय कठिन रहेगा जिस वजह से मन बेचैन रहेगा। इस सप्ताह आर्थिक मामलों में भी कष्ट बढ़ सकते हैं और किसी हानि की संभावना भी बढ़ सकती है। हालांकि, सप्ताह के अंत में पुराने रुके हुए प्रोजेक्ट्स दोबारा शुरू हो सकते हैं।

● **मूलांक 2**
(जन्म तिथि 2, 11, 20, 29)
कार्यक्षेत्र में उन्नति होती जाएगी और कार्यस्थल अब आपको सपोर्ट करता जाएगा व आपके प्रोजेक्ट्स को सही पथ पर लेकर आएगा। इस सप्ताह उन्नति के मार्ग प्रशस्त होते जाएंगे। आर्थिक मामले में कोई दो प्रोजेक्ट आपके लिए अच्छे धन प्राप्ति के योग बनाएंगे। प्रेम संबंध में प्रैक्टिकल होकर निर्णय लें तो जीवन में सुख समृद्धि प्राप्त होगी। बातचीत द्वारा किसी भी उलझन को सुलझाएंगे तो बेहतर परिणाम सामने आएंगे।

● **मूलांक 3**
(जन्म तिथि 3, 12, 21, 30)
इस सप्ताह कार्यक्षेत्र में उन्नति होगी व कोई नया प्रोजेक्ट आपके लिए सफलता के मार्ग प्रशस्त करेगा। प्रेम संबंध में आपसी प्रेम सुदृढ़ होता जाएगा एवं किसी अन्य की मदद से भी आपकी लव लाइफ में सुकून रहेगा। आर्थिक मामले में फोकस की आवश्यकता है व आप जितना अपने निवेशों पर फोकस करेंगे उतना बेहतर परिणाम आपको मिलेंगे।

● **मूलांक 4**
(जन्म तिथि 4, 13, 22, 31)
इस सप्ताह आप अपने प्रोजेक्ट्स को लेकर काफी जोश में रहेंगे और यह सफल भी होते जाएंगे। प्रेम संबंध में आपसी प्रेम को सुदृढ़ करने के कई अवसर आपको इस सप्ताह मिलेंगे। इस सप्ताह आपकी लव लाइफ काफी रोमांटिक रहेगी। आर्थिक मामले में भी धनवृद्धि के संयोग बन रहे हैं व निवेशों द्वारा फायदे होंगे।

● **मूलांक 5**
(जन्म तिथि 5, 14, 23)
यह सप्ताह सोच समझकर निर्णय लेने वाला सप्ताह है। किसी भी मामले को अच्छी तरह से सोचें और फिर निर्णय लें तो बेहतर रहेगा। कार्यक्षेत्र में बातचीत द्वारा उलझनों को सुलझाएंगे तो बेहतर परिणाम सामने आएंगे। प्रेम संबंध में संयम के साथ लिए गए निर्णय आपके हित में फैसला लेंगे। आर्थिक मामले में युवा वर्ग पर खर्च अधिक हो सकते हैं व इस तरफ ध्यान देने की आवश्यकता है।

● **मूलांक 6**
(जन्म तिथि 6, 15, 24)
इस सप्ताह आर्थिक दृष्टिकोण से समय अनुकूल रहेगा एवं धन प्राप्ति के कई संयोग बनेंगे। आप अपनी और अपने प्रियजनों के बेहतर भविष्य के लिए कुछ ठोस आर्थिक निर्णय ले सकते हैं। कार्यक्षेत्र में धीरे धीरे उन्नति होगी और प्रोजेक्ट सफलता के मार्ग में आगे बढ़ेंगे। प्रेम संबंध में बातचीत द्वारा मामलों को सुलझाएंगे तो बेहतर रहेगा।

● **मूलांक 7**
(जन्म तिथि 7, 16, 25)
इस सप्ताह आपकी आर्थिक स्थिति में बेहतर परिणाम नजर आएंगे एवं थोड़ा सा दान पुण्य भी करेंगे तो अधिक धन प्राप्ति के संयोग भी बनते जाएंगे। कार्यक्षेत्र में किसी नए प्रोजेक्ट को लेकर बेचैनी अधिक रहेगी एवं मन अशांत रहेगा। प्रेम संबंध में अचानक से सप्ताह के उत्तरार्ध में स्थितियां बेहतर होती जाएंगी एवं आपसी प्रेम में वृद्धि होगी।

● **मूलांक 8**
(जन्म तिथि 8, 17, 26)
कार्यक्षेत्र में उन्नति होगी व प्रोजेक्ट सफलता के मार्ग में आगे बढ़ते जाएंगे। सप्ताह की शुरुआत में आपके लिए किए गए कोई भी कार्य आपके लिए शुभ परिणाम लेकर आएंगे। आर्थिक मामलों में धीरे धीरे सफलता हासिल होगी और धन वृद्धि के योग बनेंगे। प्रेम संबंध में भावनात्मक तौर पर कष्ट रहेगा और मन अशांत रहेगा।

● **मूलांक 9**
(जन्म तिथि 9, 18, 27)
इस सप्ताह आपकी आर्थिक स्थिति काफी अच्छी रहेगी एवं धन प्राप्ति के संयोग पूरे सप्ताह बनेंगे। आप अपने निवेशों को लेकर भी प्रसन्न रहेंगे एवं उनके द्वारा सफलता हासिल होगी। कार्यक्षेत्र में धीरे धीरे उन्नति के मार्ग में आगे बढ़ते जाएंगे एवं प्रोजेक्ट भी सफल होते जाएंगे।

TELEVISION

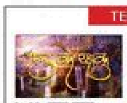

big magic

09:00	बालू हलवा	14:30	हम पांच
10:00	बद्दूमा बुद्धक	15:00	अजब देश की गजब कहानी
11:00	रुद्र के रक्षक	16:30	प्यार मोहब्बत हैप्पी लाइफ
11:30	अलादीन	19:30	रुद्र के रक्षक
12:00	चक्रधारी अजेय कृष्णा	21:00	चीड़
13:30	भ से भाई		

'सृष्टि के कण-कण में राम'

■ NBT न्यूज, नई दिल्ली: गीता भवन, बिड़ला मंदिर में रामकथा सुनाते हुए आचार्य रामगोपाल शुक्ल ने कहा कि राम तो सृष्टि के कण-कण में रमण करते हैं। **होली महोत्सव:** दिव्य ज्योति जागृति संस्थान के दिव्य धाम आश्रम, पंजाब खोड़ में साध्वी तपेश्वरी भारती ने कहा कि प्रह्लाद की होली बाहरी रंगों तक सीमित नहीं, वह तो आंतरिक होली थी।

12 राशियां और आपका दिन

ARIES 21 Mar-19 Apr
बेहतर होगा कि आप अपने काम में ज्यादा ध्यान दें। किसी कारण आज आपको खुद पर नियंत्रण करना पड़ सकता है। कई लोगों के लिए दिन भर आलस्य का माहौल रहेगा। आपकी परेशानी का कारण छोटी-मोटी टेंशन है। शाम को घर में अधिक समय बिताने से घरवालों को अच्छा लगेगा और मन भी शांत रहेगा।

TAURUS 20 Apr-20 May
दिन भर काफी व्यस्त शेड्यूल रहेगा। शाम तक अच्छी खबरें मिलेंगी और आप फायदे में भी रहेंगे। पेशेवर मामलों में सावधानी बरतने से होने वाले नुकसान से बचा जा सकता है। निवेश के मामले में आज समझदारी से फायदा उठाया जा सकता है। शाम को मांगलिक कार्यक्रम में जाने का मौका मिलेगा।

GEMINI 21 May-21 Jun
आज का दिन उत्साह से भरा है। दोपहर तक कोई टेलीफोन कॉल के जरिए किसी खास मामले में जानकारी दे सकता है। विद्यार्थी अपना ज्यादा से ज्यादा ध्यान पढ़ाई में लगाएं तो लाभ मिलेगा। व्यापारी अपने व्यापार में नई तकनीकें अपना सकते हैं, जिससे प्रगति के रास्ते भविष्य के लिए भी खुलेंगे।

CANCER 22 Jun-22 July
आज का दिन आपके लिए विशेष सक्रिय हो सकता है। किसी एक ही तारीख पर काम करना काफी रहेगा। आज कोई जोखिम भरा कदम न उठाएं। परिवार में मौजूद आपके विरोधी फिलहाल कुछ समय तक सिर नहीं उठा पाएंगे और स्थितियां आपके पक्ष में रहेंगी। मित्रों से आपको सहायता मिलती रहेगी।

LEO 23 July-22 Aug
दिन बहुत अच्छा बीतेगा। दिल में कोई बात या नया विचार हो तो तुरंत आगे बढ़ें, फायदा जरूर होगा। रिश्तेदारों से पुराने गिले-शिकवे दूर करने का समय है। दोस्तों के साथ रहने से लाभ हो सकता है। किसी कारण से घरवालों से बहस हो सकती है, संयम रखें। हनुमानजी के दर्शन करें।

VIRGO 23 Aug-22 Sep
आज आपका दिन काफी व्यस्त कर देने वाला होगा। दिमाग से किए गए काम का फायदा होगा और इसकी खुशी भी मिलेगी। पुराने समय से चली आ रही टेंशन कम हो जाएगी। अगर आप दूसरों की मदद करेंगे तो आपकी मदद करने वाले भी आगे आएंगे। ईमानदारी से किया गया हर काम फलदायक रहेगा।

LIBRA 23 Sep-22 Oct
आपको दिन के पहले हिस्से में फोन कॉल के जरिए कोई खुशखबरी मिलेगी। कार्यालय के साथी भी टीमवर्क से खुश होंगे। लेन-देन और व्यापार में खतरा हो सकता है, इसलिए सतर्क रहें। स्वास्थ्य पर ध्यान देने की जरूरत है। प्रेम संबंधों के मामले में भी आज अच्छा दिन है, खर्च थोड़ा बढ़ सकता है।

SCORPIO 23 Oct-21 Nov
दिन के पहले हिस्से में मेहनत कुछ ज्यादा ही करनी होगी। शाम तक मुनाफे के कई मौके आएंगे। घूमने-फिरने के अवसर मिल सकते हैं और आप इसके लिए तैयार रहेंगे। पार्टी में किसी अच्छे और असरदार लोगों से मेल-मुलाकात होगी तथा कोई खास काम की फिक्र भी खत्म होगी।

SAGITTARIUS 22 Nov-21 Dec
आज आपका समय अच्छा है, इसका पूरा फायदा उठाएं। कार्यालय में सहयोगियों से बहस में न उलझें। आपकी कई इच्छाएं आज पूरी हो सकती हैं। घूमने-फिरने से कोई जरूरी काम बन सकता है। वित्त से जुड़े कामों में अनुभवी लोगों की सलाह लेना फायदेमंद साबित होगा।

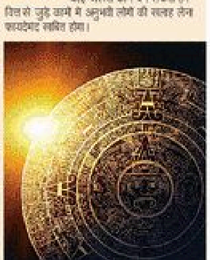

CAPRICORN 22 Dec-19 Jan
आज आपकी किसी से अनबन न हो, इस बात का ध्यान रखें। काम-काज में आपकी स्थितियां बेहतर होंगी। व्यापार में मुनाफे की आस रहेगी और खर्चीली स्थिति भी मजबूत रहेगी। दिन भर कई काम रहेंगे, लेकिन किसे करना है और किसे टालना है, यह आपको सोच-समझकर तय करना होगा।

AQUARIUS 20 Jan-18 Feb
आज टीमवर्क से काम करने वाला दिन है। कार्यालय में साथियों के साथ मिलकर काम करने से अच्छे परिणाम मिलेंगे। बातचीत से कोई नया और फायदे का विचार सामने आ सकता है। सेहत के लिए उचित समय। अपनी जेब का ध्यान जरूर रखें। आने वाले वक्त में खर्च बढ़ सकते हैं।

PISCES 19 Feb-20 Mar
आज का दिन थोड़ा धीमा रह सकता है। धीरे-धीरे आगे बढ़ने से ही लाभ होगा। कोशिश जारी रखें तो अटके हुए काम भी बन जाएंगे। सतर्क होकर अपने काम में जुट जाएं, शायद यह सफर का आखिरी दौर हो। बाहर फिजूलखर्ची करने के बजाय परिवार के साथ समय बिताएं तो बेहतर होगा।

जन्मदिन की शुभकामनाएं

यह वर्ष रजत पाद से प्रवेश हो रहा है। वर्ष का स्वामी बृहस्पति मार्च तक जहां आपके विशेष परिश्रम को उजागर करेगा। वहीं अप्रैल में बौद्धिक प्रयासों में भी आशातीत सफलता होगी। मई से लेकर जून तक कुछ जातकों को अनिश्चित तरीके से धन लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। जुलाई अगस्त में दूर व नजदीक की धार्मिक यात्रा और देशाटन का योग बनेगा। सितंबर और अक्टूबर में मंगल ग्रह आपके कर्म क्षेत्र और व्यय पर हावी रहेगा। नवंबर में नए व्यापारिक कार्यों का आयोजन होगा। दिसंबर महीने के अंत तक अविवाहित जातकों का भाग्य उदय अपने बुद्धि बल और पुरुषार्थ से होगा। विद्यार्थियों के लिए वर्ष प्रतियोगिताओं में सफलता कारक रहेगा। इसलिए ध्यान से पढ़ाई करें। जनवरी से फरवरी अंत तक अविवाहितों के विवाह होंगे। विशेष अच्छे परिणामों के लिए हनुमान जी की पूजा व मंगलवार का व्रत हितकारी सिद्ध होगा।
-आचार्य कृष्ण दत्त शर्मा

कल का पंचांग (मंगलवार, 3 मार्च 2026)

राष्ट्रीय राष्ट्रीय मिति फाल्गुन 12, शक संवत 1947, फाल्गुन शुक्ल पूर्णिमा, मंगलवार, विक्रम संवत 2082। सौर फाल्गुन मास प्रविष्टे 20, रमजान 13, हिजरी 1447 (मुस्लिम), तद अनुसार अंग्रेजी तारीख 3 मार्च 2026 ई.। सूर्य उत्तरायण, दक्षिण गोल, बसंत ऋतु। राहु काल अपराह्न 3 बजे से 4 बजकर 30 मिनट। पूर्णिमा तिथि शाम 5 बजकर 8 मिनट तक के बाद प्रतिपदा तिथि का आरंभ। मघा नक्षत्र सुबह 7 बजकर 32 मिनट के बाद पूर्वाफाल्गुन नक्षत्र का आरंभ। चंद्रमा दिन रात सिंह राशि पर संचार करेगा। आज के व्रत त्योहार होलिका दहन (प्रदोष काल में)।

सुडोकू

2						4		6
		4	2					
7				1	9		8	
		2		9			6	
		9	1		8	3		
	4			7		8		
	3		7	6				8
					2	5		
1		8						4

TIMES interact — Connecting People, Connecting Needs.
To book your ad | Logon to: ads.timesofindia.com or Call: 18001205474 (Toll Free) | Scan QR Code

प्रॉपर्टी
प्रॉपर्टी ऐन्सलेरीज
लीज और किराए पर

अपनी सम्पत्ति/गोदाम/ फैक्ट्री पर अधिकतम गारंटेड लीज किराया पाए, संपर्क : 94254 11929

टेंडर और नोटिस
निविदाएं (टेंडर्स)

TENDER invited for 1.Integrated Facility Mngmt Services 2.Security services for Amrapali Sapphire Ph-1, Sec-45 Noida Contact: 9717638005, 01204338964, mail: finance.aoa @gmail.com Last date submission of bid on 16.03.2026

व्यक्तिगत
खोया एवं पाया

IT is notified for the information that I, Sumit Dhaiya S/o Hoshiar Singh Dhaiya R/o DP-223, Pitampura Delhi -110034 have lost my original Handing Possession letter above said address. finder please contact 9811222132

नाम परिवर्तन

मैं, भूपाल सिंह महरा पुत्र नारायण सिंह महरा, निवास - सेक्टर 4/300 आरके पुरम, नई दिल्ली ने भविष्य के हेतु अपना नाम बदलकर भूपाल सिंह मेहरा कर दिया है।

I, Parveen Kumar, R/o 33/20, Vishwas Nagar, Shahdara, Delhi-110032, declare that my daughter's name "Lucky" is changed to "Jyoti". Henceforth known as Jyoti.

I, Hailey Bawihtlung, residing at 98, 1st Floor, Humayunpur, Safdarjung Enclave, New Delhi-110029, have changed my name to Hailey Lalrendiki for personal reasons. Henceforth, I shall be known as Hailey Lalrendiki.

मैं, जो अब तक रश्मि के नाम से जानी जाती थी, नंद किशोर अग्रवाल की पुत्री और अभिमान कुमार पराशक की पत्नी, निवासी डी-3, 3062, वसंत कुंज, नई दिल्ली -110070, ने अपना नाम बदल लिया है और अब से रश्मि बंसल पराशक के नाम से जानी जाऊंगी।

I, Pratik Jhunjhunwala, father of Kaanish Jhunjhunwala, residing at C-94, Sushant Apartment, Sushant Lok 1, Gurugram, Haryana 122001, do hereby declare that my child's name has been changed from Kaanish Jhunjhunwala to Kriday Jhunjhunwala. Henceforth, he/she will be known as Kriday Jhunjhunwala for all purposes.

मैं, गीता महरा पत्नी श्री भूपाल सिंह मेहरा, निवास - सेक्टर 4/300 आरके पुरम, नई दिल्ली ने भविष्य के सभी कार्यों के लिए अपना नाम बदलकर गीता मेहरा कर दिया है।

भर्ती
भर्ती-रिक्त पदों की स्थिति
अन्य रिक्तियां
सामान्य

मार्केट आयु पब्लिक स्कूल, पॉकेट - H, सेक्टर - 18 रोहिणी, दिल्ली - 110089 को सिक्योरिटी गार्ड, पीस किपिंग चाहिए। स्कूल में 3, 9 Mar को 2:30 बजे मिलें।

TIMES interact SPECIAL

GP Pipe Manufacturing & Steel Stockyard Facility
At Kochi, Kerala
A fully operational GP(Galvanised Plain) pipe manufacturing, coil handling & storing facility with value added services in Kerala available for
* Contract Manufacturing / OEM
* Lease / Strategic Partnerships
* Expansion support for Steel Companies.
Close proximity to Adani Logistics Park Railway Siding, Port etc
email: steelsservice1@gmail.com

BOOK YOUR PERSONAL ADS
CALL : 18001205474 (Toll Free)
TO BOOK ONLINE LOG ON TO ads.timesofindia.com
EXCLUSIVE OFFERS AND ASSISTANCE
SCAN QR CODE

EDUCATION FORUM

NIMCET-2026
NIT MCA COMMON ENTRANCE TEST
Coordinating Institute: National Institute of Technology Tiruchirappalli
Admission to Master of Computer Applications (MCA) Programme in 11 participating NITs and 2 IIITs (Bhopal and Vadodara) of the country is made through NIMCET.
For details on eligibility criteria, online application form and information brochure of NIMCET-2026, please visit the official website:
https://nimcet.admissions.nic.in
The Application fee is Rs.1250/- for SC/ST/PwD and Rs.2500/- for UR/OBC/EWS candidates.
Date of opening of online application: 03rd March 2026
Date of closing of online application : 01st May 2026
Date of Examination: 6th June 2026 (Saturday)
Coordinator, NIMCET-2026

HEALTH & WELLNESS

SEX Problems? स्थायी इलाज के लिए चेतन आयुर्वेदा ▶बदरपुर ▶दरियागंज ▶भजनपुरा ▶छतरपुर 3580, Main Road, Daryaganj N.D.-2 9817469817

IVF क्यों? जब है Ayurved — फिलोपियन ट्यूब बंद, ल्यूकोरिया, निसन्तान-शुक्राणु कमी, SEX रोगी मिलें, बवासीर, सफेद दाग/सोरायसिस — आकाश दवाखाना — एसटेट टावर आकाश सिनेमा के पास आजादपुर दिल्ली 9953396533 8860003863

ASTRO ZONE

समस्या बताए आसान हल पाए — भविष्यवक्ता, वास्तुशास्त्री, रत्न विशेषज्ञ — व्यापारिक • जायदाद संबंधी, पारिवारिक • नौकरी • तलाक, गृहकलेश • लव मैरिज, विवाह में अड़चन — दयाल जी SINCE 1999 — 93-1140-1150 — द्वारका / करोल बाग, सुभाष चौक-गुरुग्राम — Dayal Darbar

BOOK YOUR TENDER & NOTICE ADS — For booking please contact Aman : 9312633518

Readers are recommended to make appropriate enquiries and seek appropriate advice before sending money, incurring any expenses, acting on medical recommendations or entering into any commitment in relation to any advertisement published in this publication. All creatives marked as Advertorial, Spotlight and Promotional Features are to be treated as Advertisements. The Times of India Group doesn't vouch for any claims made by the Advertisers of the products and services. The Printer, Publisher, Editor, and the owners of The Times of India Group publications shall not be held liable for any consequences, in the event such claims are not honoured by the Advertisers.

GALLERIA

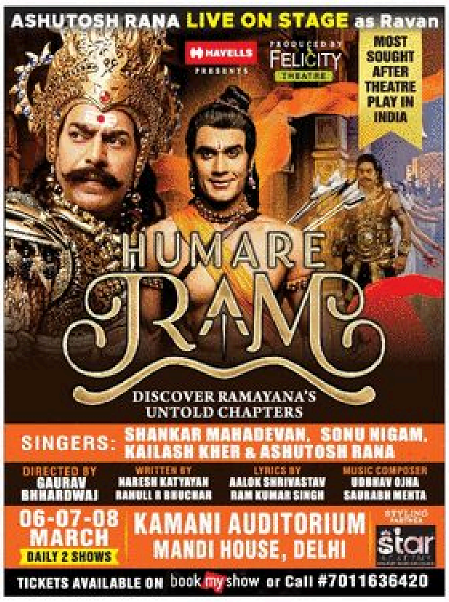

TIMES interact
TO ADVERTISE IN THE CLASSIFIEDS SECTION, FOR ANY OF THE BELOW MENTIONED CATEGORIES

MATRIMONIAL · PROPERTY · BUSINESS · RECRUITMENT, EDUCATION · CHANGE OF NAME, LOST & FOUND · SHOPPING · TENDER, PUBLIC NOTICE · SERVICES, VEHICLES, TRAVEL · BIRTHDAY/ ANNIVERSARY ADS

Please call us at the below mentioned nos.

Area / Zone	Contact Person	Mobile No.
Central Delhi + North Delhi	Amit Ghosh	98117 90649
Central Delhi2 + Ghaziabad	Sunil Srivastava	99994 99496
South Delhi + Faridabad	Raghav Arora	99999 95460
West Delhi + Dwarka + Gurgaon	Aman Pasricha	93126 33518
East Delhi + Noida	Sumit Negi	98992 68321

हनी ट्रैप में फंसाकर पहले लूटा, फिर अपहरण कर किया मर्डर

पहचान छिपाने के लिए शव को कई टुकड़ों में काटकर नदी में फेंका, एक गिरफ्तार

■ NBT न्यूज, द्वारका

हनी ट्रैप में फंसाकर द्वारका के रहने वाले एक शख्स की हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है। मृतक की पहचान द्वारका सेक्टर-14 के राधिका अपार्टमेंट निवासी अनुरूप गुप्ता (48) के रूप में की गई है। उनका करीब 10 दिन पहले 18 फरवरी को बिंदापुर इलाके से अपहरण किया गया था। उनका क्षत-विक्षत शव उत्तर प्रदेश के मथुरा में नदी से बरामद किया गया है। पहचान छिपाने और सबूत मिटाने के लिए बॉडी के हाथ, पैर और सिर को काटकर अलग-अलग हिस्सों में फेंक दिया गया था।

मरने वाले की पहचान द्वारका के अनुरूप के रूप में हुई

सूत्रों के अनुसार, अनुरूप पुरानी दिल्ली स्थित छत्तीसगढ़ भवन में कैंटीन चलाते थे। उन्हें एक लड़की के जरिए हनी ट्रैप में फंसाया गया। उस लड़की ने अनुरूप को मिलने के बहाने बिंदापुर बुलाया। वहां पहले से ही उस लड़की के कई साथी मौजूद थे, जिन्होंने अनुरूप को बंधक बनाकर जमकर पीटा। इसके बाद उनसे गोल्ड की जूलरी और कैश लूट लिया। इसके बाद आरोपियों ने बैंक अकाउंट से मोटी रकम ट्रांसफर करने का भी प्रेशर बनाया। ट्रांजैक्शन में फेल होने और डर के कारण आरोपी उनका अपहरण करके उन्हें उत्तर प्रदेश के मथुरा ले गए। वहां उनकी हत्या करने के बाद शव को टुकड़ों में काटकर नदी में बहा दिया।

अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दबिश

जॉइंट सीपी जतिन नरवाल ने बताया कि पुलिस ने इस मामले में शामिल सभी आरोपियों की पहचान कर ली है। एक को गिरफ्तार कर लिया गया है। अन्य की गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दी जा रही है। बिंदापुर थाने में दर्ज गुमशुदगी की जांच करते हुए पुलिस जब जांच करती हुई मथुरा पहुंची, तो वहां नदी से अनुरूप के शव के टुकड़े बरामद हुए। रविवार शाम विडियोग्राफी के साथ शव का पोस्टमॉर्टम कराया गया, जिसके बाद परिजन शव लेकर दिल्ली रवाना हो गए।

तस्करी कर लाया 2100 क्वॉर्टर शराब

■ NBT न्यूज, नजफगढ़ : द्वारका जिले की एंटी नारकोटिक्स सेल की टीम ने तस्करी करके लाई गई शराब की खेप को पकड़कर 2100 क्वॉर्टर अवैध शराब बरामद की है। शराब तस्करी में इस्तेमाल कार को भी पुलिस ने जब्त किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान कपिल शर्मा के रूप में हुई है। जिस पर हरियाणा में मामला दर्ज था।

डीसीपी द्वारका अंकित सिंह ने बताया आरोपी कपिल शर्मा हरियाणा के सोनीपत से शराब की खेप गाड़ी में भरकर लाया था। एक सूचना के आधार पर इंस्पेक्टर सुभाष की देखरेख में गाड़ी को इंदिरा पार्क इलाके में ट्रैप किया। जब गाड़ी की तलाशी ली गई तो 42 कार्टन उसमें से मिले। उसके अंदर से शराब के 2100 क्वॉर्टर बरामद किया गया।

एक्स आर्मी मैन ने की खुदकुशी

■ NBT न्यूज, रणहौला : बाहरी दिल्ली के रणहौला थाना इलाके में एक शख्स द्वारा परेशान होकर खुदकुशी करने का मामला सामने आया है। मृतक की पहचान विनेश के रूप में हुई है। उन्होंने काफी समय पहले आर्मी से वीआरएस ले लिया था। शनिवार सुबह 7.45 पर पुलिस को मृतक के भाई जो दिल्ली पुलिस में है, उन्होंने पुलिस को कॉल किया था। पता चला कि विनेश ने अपने कमरे में खुद की लाइसेंसी पिस्टल से सिर में गोली मार ली है।

भाई ने पुलिस को बताया था कि यह जानकारी उनकी भाभी ने दी थी। सुबह उठने पर विनेश के कमरे का दरवाजा अंदर से बंद मिला, आवाज देने पर भी नहीं खोलने पर आस पड़ोस की मदद से दरवाजा को जोर से धक्का देकर खोला गया। देखा कि विनेश मरे हुए हैं। विनेश परिवार के साथ बापरौला में रहते थे।

अस्पताल में कैंची से मासूम की कटी उंगली, प्रबंधन पर FIR

■ NBT रिपोर्ट, गाजियाबाद : कविनगर स्थित सर्वोदय अस्पताल में भर्ती नौ माह की मासूम को डिस्चार्ज के समय कैनुला हटाते समय उंगली कट गई। मासूम की उंगली कटकर अलग हो गई। इस मामले में बच्ची के पिता की शिकायत पर नर्स और अस्पताल प्रबंधन के खिलाफ कविनगर थाने में केस दर्ज किया गया है।

परिवार का आरोप, कैनुला हटाते समय लापरवाही से हुई घटना

हापुड़ के गांव दादरी निवासी अंकुश त्यागी ने बताया कि उनकी नौ माह बेटी श्री त्यागी को निमोनिया के चलते 24 फरवरी को कविनगर स्थित सर्वोदय अस्पताल में भर्ती कराया गया था। डॉक्टरों ने उपचार के बाद बच्ची की हालत में सुधार हुआ और 27 फरवरी को डिस्चार्ज की प्रक्रिया शुरू की गई। डिस्चार्ज से पहले बच्ची के हाथ में लगी कैनुला हटाई जानी थी। इसी दौरान एक नर्स कैनुला निकालने पहुंची। आरोप है कि नर्स ने टेप को हटाने के लिए कैंची का प्रयोग किया। कैंची चलाते समय लापरवाही बरती गई और बच्ची की अंगुली कट गई। अंगुली कटकर जमीन पर गिर पड़ी। घटना होते ही वह सन्न रह गए। अस्पताल स्टाफ ने पहले मामले को दबाने की कोशिश की, लेकिन बच्ची की गंभीर स्थिति देखकर परिवार के लोगों ने विरोध जताया। बाद में बच्ची को तत्काल प्राथमिक उपचार दिया गया। पीड़ित ने अस्पताल प्रबंधन पर चिकित्सकीय मानकों की अनदेखी और प्रशिक्षित स्टाफ की कमी का आरोप लगाया है। सर्वोदय हॉस्पिटल के मीडिया कोऑर्डिनेटर डॉक्टर नीरज गर्ग ने बताया कि कैनुला निकालते समय उंगली का एक छोटा हिस्सा कट गया है। उसे प्लास्टिक सर्जन से ऑपरेट कराया गया है, जो पूरी तरह से सही है। जल्द ही बच्ची सही हो जाएगी।

टॉय गन से जूलरी शॉप में लूट की कोशिश

NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली : महिपालपुर में एक जूलरी शॉप में खिलौना पिस्टल से लूटपाट की कोशिश करने वाले बदमाश को पब्लिक ने पकड़कर जमकर पीटा। आरोपी ने अंगूठियां लेकर भागने की कोशिश के दौरान पिस्टल निकालकर जूलर को डराने का प्रयास किया था। जूलर द्वारा शोर मचाने पर मौके पर जुटे लोगों ने आरोपी को दबोच लिया। वसंत कुंज नॉर्थ थाना पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार करके उसके खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। पकड़े गए आरोपी की पहचान रोशन सिंह के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, ऋषभ शाह (19) परिवार के साथ महिपालपुर इलाके में रहते हैं और यहीं पर रमा जूलर्स के नाम से शॉप है। बदमाश ने यहीं वारदात की कोशिश की।

प्रपत्र IV

पीआरपी अधिनियम, 2023 के अनुसार प्रकाशित होने वाले समाचार पत्र नवभारत टाइम्स, नई दिल्ली के स्वामित्व और अन्य विवरणों के बारे में विवरण

1.	प्रकाशन का स्थान	:	द टाइम्स ऑफ इंडिया, 7, बहादुरशाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002
2.	प्रकाशन की आवधिकता	:	दैनिक (रविवार को छोड़कर)
3.	क) मुद्रक का नाम	:	राजीव यादव, कृते प्रोप्राइटर, बेनेट, कोलमैन एंड कंपनी लिमिटेड
	ख) राष्ट्रीयता	:	भारतीय
	ग) पता	:	7 बी एस जेड मार्ग, नई दिल्ली-110 002
4.	क) प्रकाशक का नाम	:	राजीव यादव, कृते प्रोप्राइटर, बेनेट, कोलमैन एंड कंपनी लिमिटेड
	ख) राष्ट्रीयता	:	भारतीय
	ग) पता	:	7 बीएसजेड मार्ग, नई दिल्ली-110 002
5.	क) संपादक (दिल्ली मार्केट)	:	आशीष पांडे
	ख) राष्ट्रीयता	:	भारतीय
	ग) पता	:	द टाइम्स ऑफ इंडिया, 7, बहादुरशाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110 002

बेनेट, कोलमैन एंड कंपनी लिमिटेड

दिनांक 28.02.2026 तक कंपनी की कुल चुकता पूंजी का 1% से अधिक शेयर रखने वाले शेयरधारकों की सूची।

1) सम्मति प्रॉपर्टीज लिमिटेड, 814, प्लॉट नंबर 7, कड़कड़ टावर, लक्ष्मी नगर डिस्ट्रिक्ट सेंटर, नई दिल्ली - 110 092

2) भारत निधि लिमिटेड, 3/6, द्वितीय तल, आसफ अली रोड, दरिया गंज, सेंट्रल दिल्ली, नई दिल्ली-110002

3) पीएनबी फाइनेंस एंड इंडस्ट्रीज लिमिटेड, द्वितीय तल, प्रॉपर्टी नंबर 3/6, आसफ अली रोड, दरिया गंज, सेंट्रल दिल्ली, नई दिल्ली-110002

4) कैमैक कमर्शियल कंपनी लिमिटेड, द्वितीय तल, प्रॉपर्टी नंबर 22-ए, आसफ अली रोड, दरिया गंज, सेंट्रल दिल्ली, नई दिल्ली-110002

5) अर्थ उद्योग लिमिटेड, चतुर्थ तल, 15, प्रताप नगर, मयूर विहार, फेज-1, पूर्वी दिल्ली, भारत-110091

6) एसोसिएटेड स्टॉकिस्ट लिमिटेड, द्वितीय तल, प्रॉपर्टी नंबर 3/6, आसफ अली रोड, दरिया गंज, सेंट्रल दिल्ली, नई दिल्ली-110002

7) डीएस इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड, 814, प्लॉट नंबर 7, कड़कड़ टावर, लक्ष्मी नगर, डिस्ट्रिक्ट सेंटर, पूर्वी दिल्ली, नई दिल्ली-110092

8) अशोका विनिवेश लिमिटेड, 77ए, ब्लॉक-बी, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली-110048

मैं, राजीव यादव, एतद्द्वारा घोषणा करता हूं कि ऊपर दिए गए विवरण मेरे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार सत्य हैं।

2 मार्च, 2026

राजीव यादव
प्रकाशक

ज़मानत पर छूटकर फिर की वारदात, पहुंचा जेल

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली : जमानत पर रिहा होने के कुछ ही दिनों बाद दोबारा चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले एक कुख्यात अपराधी को थाना नबी करीम पुलिस ने 48 घंटे के अंदर गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। आरोपी की पहचान नबी करीम निवासी 37 वर्षीय विनय के रूप में हुई है, जो थाना नबी करीम का घोषित बैड कैरेक्टर (बीसी) है। पुलिस ने उसके कब्जे से चांदी की जूलरी और नकदी बरामद की है।

सेंट्रल जिले के डीसीपी अनंत मित्तल ने बताया कि 22 फरवरी को एक महिला ने ई-एफआईआर दर्ज कराई थी। शिकायत के अनुसार, 21/22 फरवरी की रात करीब 1:45 बजे से 2:05 बजे के बीच, उनकी अनुपस्थिति में अज्ञात व्यक्ति उनके घर में घुसे और चोरी की वारदात को अंजाम दिया। चोर घर से जूलरी और करीब 40 हजार रुपये नकद लेकर फरार हो गए।

शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली, जिसमें एक संदिग्ध व्यक्ति मुंह ढके हुए शिकायतकर्ता के घर में घुसते दिखाई दिया। फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर उसकी पहचान विनय के रूप में की गई, जो थाना नबी करीम का कुख्यात हिस्ट्रीशीटर और घोषित बैड कैरेक्टर (बीसी) निकला। इसके बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

गर्मी के दिन!
अब घर में चाहिए

कैलास जीवन
मल्टिपर्पज् आयुर्वेदिक क्रीम

आँखों की जलन
गुनगुने पानीसे चेहरा और आँखें साफ कीजिए. रात को सोते समय कैलास जीवन आँखों की पलकों पर हलकासा लेप लगाकर रूई की पट्टी रखिए. आँखों की जलन से आराम पाइए और शान्त एवम् गहरी निद्रा का अनुभव लिजिए.

कील-मुहाँसे
चेहरा गुनगुने पानीसे सेकने के बाद धोकर नरम मुलायम सुती कपडेसे सुखाकर कैलास जीवन हल्के हाथोंसे चेहरेपर लगाइए. कील-मुहाँसों की तकलीफ से राहत मिलेगी. चेहरा साफ, कांतिमान होकर निखर आएगा.

एडियोंका फटना
पाँव धोकर, कुछ देर तक गुनगुने पानी में रखिए, नरम बनने के बाद मुलायम सुती कपडे से सुखाएँ. फटी एडियों पर कैलास जीवन धीरेसे लगाएँ. मलना नही. कैलास जीवन त्वचामें घुल जाएगा और फटी एडियों पर असर करेगा. एडियाँ और पाँव की त्वचा साफ, मुलायम बन जाएगी.

बवासीर / फिशर्स
एक चम्मच कैलास जीवन में उतनी ही मात्रा पीसी शक्कर मिला कर रोज रात (२१ दिनों तक) सेवन किजिए तथा प्रतिदिन २-३ बार उस जगह पर लगाइए. बवासीर, फिशर्स से राहत मिलेगी. परहेज आवश्यक.

हाथ पाँव और आँखों की जलन, मुहाँसे, मुँह के छाले, एड़ियों का फटना, कटना, जलना, झुलसना, डायपर-नॅपी रॅश आदि के लिए गुणकारी।
विकार अनेक, इलाज एक... आज ही खरीदिए।

Also available on amazon Flipkart netmeds.com
Available in: 20g Tube, 30g, 60g, 120g, 230g Bottle

Manufacturer: ASUM, Pune. 020-24486865 | Customer Care: Prashant: 91300 26070 | asumkj@gmail.com | www.asum.com

Distributor: Delhi: Gopal Stores: 9810524934, Noida: Ajay Medical: 0120-2527981
Seelampur: Agarwal Ayurvedic: 9711251291, Saraswati Vihar: Saraswati Ayu: 27058720
Motinagar: Ishar Dass & Sons: 9313519596, Con. Circle: Nath: 9899441605,
Gaziabad - Vaishali: Shri Krishna Ayurved: 9873603747
Khan Market: Preet Medicos: 9899659582, Gurgaon: Vashishth Medical: 9873321179
Faridabad: Laxmi Ayurvedic: 9810083760
Also Available at Chandni Chowk, Bhagirath Palace, Khari Baoli.

जनजातीय कार्य मंत्रालय
MINISTRY OF TRIBAL AFFAIRS

जनजातीय कला महोत्सव 2026
चित्रकला प्रदर्शनी
2 – 13 मार्च 2026

त्रावणकोर पैलेस, के.जी. मार्ग, नई दिल्ली

उद्घाटन समारोह
02 मार्च 2026
शाम 05:30 बजे से

मुख्य अतिथि
श्री जुएल ओराम
माननीय केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्री

विशिष्ट अतिथि
श्री दुर्गादास उइके
माननीय केंद्रीय जनजातीय कार्य राज्य मंत्री

प्रदर्शनी: 03 – 13 मार्च 2026 | प्रातः 11 बजे से शाम 7 बजे तक (सभी के लिए)

मुख्य आकर्षण

लाइव पेंटिंग और प्रदर्शन
जिससे नागरिक कलाकारों की रचनात्मक प्रक्रिया को प्रत्यक्ष रूप से समझ सकें।

प्रदर्शनी और विषय आधारित संवाद
जो शैक्षणिक और संस्थागत सहयोग को बढ़ावा देते हैं।

कार्यशालाएँ और सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ
जो युवाओं को अनुभवात्मक सीखने से जोड़ती हैं।

क्रेता–कलाकार संवाद मंच
जो दीर्घकालिक बाज़ार संबंधों और स्थायी आजीविका को प्रोत्साहित करते हैं।

इन पहलों के माध्यम से यह उत्सव सांस्कृतिक जागरूकता के संवर्धन, आर्थिक सशक्तिकरण के प्रोत्साहन तथा जनजातीय कला को राष्ट्रीय मुख्यधारा में संस्थागत रूप से स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान प्रदान करता है।

"हमारी सरकार जनजातीय विरासत के संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है। जनजातीय कला रूप, भाषाएँ और परंपराएँ केवल अतीत का हिस्सा नहीं हैं, बल्कि हमारे वर्तमान और भविष्य की जीवित धरोहर हैं।"

नरेन्द्र मोदी
भारतीय प्रधानमंत्री

30+ कला रूप | 70+ कलाकार | 1000+ कलाकृतियाँ

भारत की जनजातीय कला एवं सांस्कृतिक विरासत का राष्ट्रीय उत्सव

भारत सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा देश की समृद्ध जनजातीय कला परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत को राष्ट्रीय मंच प्रदान करने के उद्देश्य से जनजातीय कला महोत्सव (ट्राइब्स आर्ट फेस्ट) 2026 का आयोजन किया जा रहा है।

यह राष्ट्रीय पहल आम नागरिकों को जनजातीय विरासत से जोड़ती है और देशभर के जनजातीय कलाकारों के लिए सतत और सम्मानजनक आजीविका के अवसरों को मजबूत करती है।

इसके सहयोग से | FICCI

CBC 43101/13/0029/2526

नवभारत टाइम्स • विचार

नवभारत टाइम्स । नई दिल्ली । सोमवार, 2 मार्च 2026

> युद्ध यह तय नहीं करता कि कौन सही है, यह केवल तय करता है कि कौन बचा है।
> – बर्टेंड रसेल, ब्रिटिश दार्शनिक

बात बिगड़ न जाए

अमेरिका और ईरान के बीच जब शांति वार्ता का नाटक चल रहा था, उसी दौरान डॉनल्ड ट्रंप ने हमले का आदेश दे दिया। अगर यह वार्ता जारी रहती और किसी अंजाम तक पहुंचती, तो भी इस तरह का संघर्ष केवल वक्त की बात थी। अमेरिका भले बात कर रहा हो ईरान के परमाणु और मिसाइल कार्यक्रमों की, लेकिन उसके निशाने पर ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई थे। और हाल में तो ट्रंप ने इतना लिहाज करना भी छोड़ दिया था कि वह खामेनेई की मौत चाहते हैं। लेकिन, अब जब खामेनेई मारे जा चुके हैं, तब भी शायद अमेरिका के लिए यह लड़ाई खत्म न हो।

संघर्ष लंबा चलने का डर

दशकों का प्रभाव । शाह के विरोधी, अयातुल्ला रुहोल्लाह खुमैनी के सबसे करीबी सहयोगी, फिर राष्ट्रपति और सुप्रीम लीडर तक - खामेनेई की तमाम भूमिकाओं का ईरान पर करीब पांच दशकों तक असर रहा। जैसे-जैसे वह मजबूत होते गए, अमेरिका के साथ उनका टकराव भी बढ़ता गया। ट्रंप उन्हें सबसे बड़ा दुश्मन मानते थे। उनके जाने के बाद ईरान और अमेरिका समेत बाकी दुनिया के लिए भी यह सवाल बेहद अहम हो जाता है कि अब आगे क्या होगा।

अराफी को जिम्मेदारी । ईरानी मीडिया के मुताबिक, अयातुल्ला अलीरेजा अराफी को अंतरिम सुप्रीम लीडर चुना गया है। स्थायी व्यवस्था तक उनके पास जिम्मेदारी रहेगी। सर्वोच्च पद के लिए खामेनेई के बेटे मोजतबा का नाम भी चर्चा में चल रहा है, लेकिन वह अभी तक अयातुल्लाह के पद तक नहीं पहुंचे हैं। हालांकि इतना तय लग रहा है कि बदली स्थितियों में इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (IRGC) की भूमिका और ज्यादा बढ़ने वाली है।

संघर्ष तेज हुआ । ट्रंप चाहते थे कि ईरान की सत्ता से खामेनेई हट जाएं और वह उन्होंने पा लिया, लेकिन सिस्टम तो अब भी पुराना ही है। IRGC को खामेनेई ने खड़ा किया है। नेतृत्व के स्तर पर उसे झटका जरूर लगा है, पर उसकी ताकत अब भी कायम है। पूरे खाड़ी क्षेत्र में हमले तेज कर उसने इसका सबूत दिया। होर्मुज स्ट्रेट में भी ऑयल टैंकर को निशाना बनाया गया।

अमेरिका का अतीत । ईरान की बात करते हुए ट्रंप हमेशा वहां की जनता का जिक्र करते हैं। हालांकि हकीकत यह है कि ईरान पर हमले के विरोध में अमेरिका में ही प्रदर्शन हो गए। सत्ता के खिलाफ गुस्से के बावजूद ईरानी जनता का एक तबका खामेनेई के साथ था। वैसे अमेरिका का खुद का अतीत भी उसके पक्ष में नहीं है। जिन देशों में उसने सत्ता परिवर्तन कराया, वहां हालात पहले से बदतर हो गए। ईरान को लेकर भी डर है कि कहीं पूरा इलाका लंबे समय तक चलने वाले संघर्ष में न घिर जाए।

नश्तर

वह तो तोता है

सुप्रीम कोर्ट ने जब से एक जांच एजेंसी को सरकार का तोता कहा था तब से तोतों के एक ग्रुप में विद्रोह की चिंगारी सुलग रही थी। समय के साथ लोग इस बात को भूल गए, पर तोते नहीं भूले। तोतों ने तय किया कि वे सच बोलेंगे। विद्रोही तोतों की यह पीढ़ी दिल्ली में नेताओं के घर पहुंच गई।

सौरभ श्रीवास्तव

एक रोज नेता जी टहलते हुए तोते के पास पहुंचे। पिंजरे में एक मिर्च रखी और पूछा, 'दुनिया का सबसे शक्तिशाली देश कौन-सा है?' तोते ने कहा, 'अमेरिका।' 'पर मैंने तो तुम्हें अपने देश का नाम रटाया था।' 'मैं रट्टू तोता नहीं हूं।' नेता जी मुस्कुराए और पिंजरे में रखी मिर्च वापस उठा ली। उन्होंने कुछ रोज तोते की ओर ध्यान नहीं दिया, सोचा इससे उसे अक्ल आएगी। हफ्ते भर बाद वह फिर तोते के पास पहुंचे, पिंजरे में अमरूद का टुकड़ा रखा। तोते ने खाने के बाद कहा, 'सवाल नहीं पूछेंगे?' नेता जी तोते की चालाकी पर मुस्कुराए। उन्होंने अमरूद का दूसरा टुकड़ा तोते को दिखाया और पूछा, 'दुनिया का सबसे बड़ा नेता कौन?' 'मेरा पेट भर गया है, पर आप आस-पास के तोतों को बुलाकर वोटिंग करवा लीजिए।' नेता जी को लगा बात राजनीति की ओर मुड़ रही है, यहां तो जीत उनकी ही होगी। अगले दिन उनके लॉन में पड़ोसी नेताओं के तोतों के 10 पिंजरे रखे गए। हर पिंजरे के आगे चार कार्ड रखे गए, सभी पर एक ही नेता का नाम लिखा था। कार्ड की कतार के अंत में फल रखे गए। पिंजरों के गेट खुले। तोते बाहर निकले और एक साथ चिल्लाने लगे। 'लेकर रहेंगे आजादी, तोतेपन से आजादी, खुलकर बोलने की आजादी।' कहते हुए सारे तोते उड़ गए। नेता जी हैरान थे। उन्होंने नौकरों से पूछा, 'ये नारे कहां सीखे इन्होंने?' एक ने बताया, 'आप तो 10 मिनट बिताते थे इनके साथ, पर ये आपके घर के बाहर होने वाले विरोध-प्रदर्शन की आवाजें दिन भर सुनते थे। अड़ोस-पड़ोस वालों का भी यही हाल रहा होगा।' नेता जी बुदबुदाए, 'सब नोटा दबा गए।'

एकदा

संकलन : हरिप्रसाद राय

जीवन का काव्य

मजबूत इच्छाशक्ति और अटूट संकल्प के आगे विपरीत परिस्थितियां झुक जाती हैं। इसका सशक्त उदाहरण कश्मीर की संत-कवयित्री लाल देद हैं, जिन्हें लल्लेश्वरी भी कहा जाता है।

बचपन से ही उन्होंने अपमान और यातना का सामना किया। उनकी मां ने भी तिरस्कृत किया। 12 वर्ष की उम्र में उनका विवाह पंपूर के एक परिवार में हुआ, जहां सास की कठोरता और उपेक्षा भी उनकी शिव भक्ति की दृढ़ इच्छाशक्ति को डिगा न सकी। उन्हें आधा पेट भोजन मिलता, फिर भी वह शिवभक्ति में अडिग रहीं। 24 वर्ष की आयु में घर छोड़कर साधना पथ पर निकल पड़ीं। लोगों ने मंदबुद्धि समझकर उनका उपहास किया, पर वह डटी रहीं। एक सूफी संत गुरु सिद्ध श्रीकांत के संपर्क में आने के बाद उन्होंने जीवन के अनुभवों को काव्य में ढालना शुरू किया। उनके ये पद 'वाख' कहलाए, जिनमें जीवन, आध्यात्म और मानवता की सच्ची राह दिखाई देती है। वाख जन-जन की जुबान पर चढ़ गए और दैनिक जीवन का हिस्सा बन गए। एक हजार वर्ष बाद भी कश्मीर में उनका प्रभाव जीवित है। हिंदू और मुसलमान, दोनों उन्हें श्रद्धा से याद करते हैं। लाल देद की वाणी आज भी कश्मीरियत और मानवीय एकता का संदेश देती है।

खामेनेई की हत्या का दोनों देशों के रिश्तों पर पड़ सकता है असर

ईरान संकट भारत के लिए चुनौती

हर्ष वी. पंत

शनिवार यानी 28 फरवरी को अमेरिका और इस्राइल के संयुक्त हमले में ईरान के 86 वर्षीय सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई तेहरान दफ्तर में मारे गए। ईरान के सरकारी मीडिया ने इसकी पुष्टि की। जवाबी कार्रवाई में ईरान ने इराक, खाड़ी देशों और इस्राइल में अमेरिकी बेसों पर मिसाइल दागीं।

तय थे वारिस । खामेनेई की हत्या के बाद ईरान की सत्ता खाली हो गई। वहां का संविधान कहता है कि एक्सपर्ट्स असेंबली जब तक उत्तराधिकारी न चुन ले तब तक तीन लोगों की अस्थायी काउंसिल ही सुप्रीम अथॉरिटी संभालेगी। इसमें राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान, जुडिशरी प्रमुख गुलाम होसैन मोहसेनी इजेही और गार्डियन काउंसिल ज्यूरिस्ट शामिल हैं। कहा जा रहा है कि खामेनेई ने पिछले साल ही युद्ध के दौरान कई संभावित वारिस तय कर लिए थे। इनमें ईरानी मदरसे के प्रमुख अयातुल्ला अलीरेजा अराफी, अयातुल्ला मोहसेन अराकी, अयातुल्ला हशेम हुसैनी बुशहरी और संभवतः जुडिशरी प्रमुख मोहसेनी इजेही शामिल हैं। इसके अलावा, खामेनेई के बेटे मोजतबा खामेनेई और हसन खुमैनी का भी नाम है।

IRGC रीढ़ । तीन संभावना जताई जा रही है। पहली, यथास्थिति बरकरार रखना। इससे मौलवी आइडियोलॉजी बरकरार रहेगी और इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (IRGC) ताकत देती रहेगी। दूसरी, IRGC को सीधे मिलिट्री टेकओवर, सुरक्षा सिस्टम का दबदबा और मौलवी संस्थाओं को हटाया जाएगा। तीसरी संभावना है कि अमीरों के बीच संघर्ष होगा, बड़े पैमाने पर विरोध-प्रदर्शन किए जाएंगे या दलबदल के बीच सरकार गिर जाएगी। ऐसा नहीं लगता कि लोकतंत्र आएगा।

टकराव का खतरा । ईरान की अर्थव्यवस्था पहले से ही कमजोर है। देश प्रतिबंध, महंगाई, करंसी में गिरावट जैसी समस्याओं का सामना कर रहा है। अगर नया नेतृत्व भी कट्टरपंथी होता है, तो अमेरिका के साथ टकराव बढ़ने का खतरा है। सिर्फ एक व्यावहारिक और बातचीत के लिए तैयार नया नेता ही प्रतिबंधों में राहत दिला सकता है। लेकिन, अगर लोगों को लगा कि वह दबाव में झुककर समझौता कर रहा है, तो घरेलू मोर्चे पर मुश्किल होगी।

अमेरिका का विरोध । ईरान ने जवाबी कार्रवाई में इराकी कुर्दिस्तान और खाड़ी देशों सहित दो दर्जन से अधिक अमेरिकी बेस को निशाना बनाया। दोहा, दुबई और मनामा में भी हमले हुए। इस्राइल ने अधिकतर मिसाइलें नष्ट कर दीं, लेकिन पूरे देश में सायरन बजा। इराक, यमन और लेबनान में ईरान समर्थित मिलिशिया संघर्ष बढ़ाने को तैयार है। आर्म्ड फोर्सेज के प्रमुख मौसवी, रक्षा मंत्री नासिरजादेह और IRGC प्रमुख पाकपुर जैसे वरिष्ठ कमांडरों की हत्या से कमांड एंड कंट्रोल कमजोर हुआ।

संघर्ष से संकट | पूरे पश्चिम एशिया में उथल-पुथल का अंदेशा | होर्मुज स्ट्रेट बंद हुआ तो क्रूड ऑयल पर असर | भारत के ईरान में निवेश को लेकर अनिश्चितता

बदलाव संभव । 'एक्सिस ऑफ रेजिस्टेंस' सबसे कठिन दौर से गुजर रहा है। हिज्बुल्लाह, हूती और इराकी मिलिशिया ने प्रमुख संरक्षक और स्ट्रेटेजिक कोऑर्डिनेटर खो दिया है। छोटे हमले हो सकते हैं, लेकिन तेहरान के निर्देश और फंडिंग के बिना प्रॉक्सी वॉर कमजोर पड़ सकती है। आने वाले हफ्तों में एक्सपर्ट्स असेंबली की बैठक, IRGC की स्थिति और आम लोगों का गुस्सा जैसी तीन बातों पर ध्यान रहेगा। खामेनेई की मौत से 36 साल का संतुलन टूट गया है। ईरान अब बिना परखी हुई काउंसिल, विरोधी दावेदार और युद्ध की परिस्थितियों में खड़ा है।

भारत पर असर । खामेनेई की हत्या भारत के लिए भी गंभीर गंभीर चुनौती है। ईरान के साथ आर्थिक, रणनीतिक और कूटनीतिक रिश्ते हैं। होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले तेल पर निर्भर भारत की ऊर्जा सुरक्षा जोखिम में है। ईरान की जवाबी कार्रवाई, शिपिंग रुकावट और स्ट्रेट बंद होने की धमकियों से कच्चा तेल 100 डॉलर से अधिक प्रति बैरल तक जा सकता है, जिससे फ्यूल, ट्रांसपोर्ट और दवाएं महंगे हो सकते हैं। चाबहार पोर्ट, लंबे निवेश और 2024 एग्रीमेंट के बावजूद नेतृत्व परिवर्तन, गुटबाजी और अमेरिकी प्रतिबंध से अनिश्चितता है। इससे पाकिस्तान को बाईपास करने और चीन के असर को कम करने की भारत की रणनीति प्रभावित हो सकती है।

रहेगी उथल-पुथल । डिप्लोमैटिक स्तर पर भारत नाजुक संतुलन बनाए रखता है। विदेश मंत्रालय ने गहरी चिंता जताई और बातचीत की अपील की। ईरान की दिल्ली एम्बेसी ने सार्वजनिक रूप से शोक व्यक्त किया, जबकि कश्मीर और लखनऊ में शिया समुदाय ने विरोध किया। कुल मिलाकर खामेनेई की मौत से अभी हालात अस्थिर हो सकते हैं। तेल महंगा हो सकता है और क्षेत्र में तनाव बढ़ सकता है। आगे नया नेता कौन और कैसा होगा, इसी पर भारत की कूटनीति निर्भर करेगी।

(लेखक इंग्लैंड के किंग्स कॉलेज में प्रफेसर हैं)

जीन्स का चैप्टर ही नहीं, मटर सोशल साइंस भी

गर्मियों में जो रुतबा आम का है, वैसा ही कुछ जलवा होता है सर्दियों में मटर का। अब मौसम जब दोराहे पर खड़ा है, तब मटर ने भी रंग बदलना शुरू कर दिया है, लेकिन इससे मोह है कि छूटता ही नहीं। मटर परफेक्ट है उन लोगों के लिए जिन्हें प्यार है सरप्राइज से। गिफ्ट पैक-सी होती है इसकी हर फली। अंदर कितने दाने बंद हैं, तब तक पता नहीं चलता, जब तक फली खोली न जाए। उपहारों पर बंधी चमकीली डोरी की तरह फली पर धीमे से फेरी जाती हैं अंगुलियां। अगर ध्यान कहीं और रहा, तो दाने उछल-कूद मचाने लगते हैं। फिर पकड़ने के लिए दौड़िए उनको!

मटर की यह शरारत हजारों साल पुरानी है। उम्र बीती, पर इसका बचपना खत्म नहीं हुआ। मध्य पूर्व के इलाकों में खेती शुरू हुई थी इसकी और फिर वहां से फिर ये पूरी दुनिया में फैली। जब इंसान सीख रहा था कि क्या खाने लायक है और क्या नहीं, तब फली से निकले दानों ने पहली बार भी सरप्राइज ही किया होगा उसे! और ऐसी ही हैरत वैज्ञानिक ग्रेगर जॉन मेंडल को भी हुई, तभी तो कुछ सिकुड़े, कुछ चिकने, कुछ हरे और कुछ पीले दानों को देख उन्हें ख्याल आया जीन्स का। मटर के साथ उनके मेलजोल ने जेनेटिक्स की नींव रख दी।

आनुवंशिकी का चैप्टर ही नहीं, मटर सामाजिक विज्ञान भी है। हर फली अलग है। किसी में दाने छोटे-छोटे होते हैं, किसी में बड़े और भरे हुए। कोई फली कम दानों वाली है, तो कोई इतनी उदार कि गिनती भूल जाएं। यही तो जीवन का पाठ है, विविधता। सब एक जैसे नहीं होते, फिर भी सब एक ही पौधे की उपज हैं। मटर जैसी ही है जीवन की पोटली। हम अनुमान लगाते हैं, उम्मीद करते हैं, पर असली सच्चाई तभी सामने आती है जब परत खुलती है। हर फली सिखाती है कि अनिश्चितता डर नहीं, आनंद भी हो सकती है।

AI Image

जीवन आनंद
शैलेंद्र पांडेय

मटर छीलना आसान काम है, पर इसके लिए समय चाहिए। शुरुआती चंद दाने जब बर्तन में पहुंचते हैं, तो उनके गिरने की एक अलग आवाज आती है। दाने अपनी मौजूदगी को शोर से जताते हैं। लेकिन, धीरे-धीरे जब बर्तन भरने लगता है, तो शांति छा जाती है। खालीपन और अज्ञानता का ऐसा शोर हर जगह मिलेगा आपको।

मटर छीलते हुए हमें यह भी दिखता है कि सारे दाने फली से जुड़े रहते हैं। वे अलग-अलग होते हुए भी एक डोरी से बंधे हैं। यह जुड़ाव याद दिलाता है अपनी जड़ों की। वह उगी किसी खेत में, तोड़ा किसी ने और तौला किसी ने, फिर भी मूल से जुड़ाव खत्म नहीं हुआ। हम भी चाहे जहां चले जाएं आखिरकार हिस्सा हैं किसी फली यानी परिवार, समाज, संस्कृति का। दूर होकर भी संबंध बनाए रखना ही संतुलन है।

THE SPEAKING TREE

और पढ़ने के लिए देखें
www.speakingtree.nbt.in

युद्ध का असर सीमाओं पर नहीं, चेतनाओं पर भी

शीतल वर्मा

ध्यान की उस अगाध शांति में, जब मैंने अपनी आंखें बंद कीं और संसार के कोलाहल से दूर अपने भीतर उतरने का प्रयास किया, तो मुझे वह शून्यता नहीं मिली जिसकी अपेक्षा थी। मेरा अंतर्मन उन मासूम स्कूली बच्चों की चीखों और युद्ध की उस भयावह विभीषिका से भर गया, जिसने शनिवार को दुनिया को झकझोर कर रख दिया। मुझे एहसास हुआ कि मेरा ध्यान उन आत्माओं के प्रति मेरी एक मूक संवेदना, एक आत्मिक श्रद्धांजलि है।

जब हम ध्यान की गहराई में उतरते हैं, तो हमारे अहंकार और व्यक्तित्व की दीवारें ढहने लगती हैं। हम 'मैं' से 'हम' की ओर बढ़ने लगते हैं। शनिवार की वह घटना केवल एक समाचार नहीं, मानवता के शरीर पर लगा एक गहरा घाव था। मुझे महसूस हुआ कि मेरा हृदय उन पिताओं और माताओं के साथ धड़क रहा है, जिन्होंने अपने भविष्य को मिट्टी में मिलते देखा। उन बच्चों के वास्ते, उनकी अधूरी मुस्कान और उनके वे सपने जो युद्ध की बारूदी गंध में कहीं खो गए, वे सब मेरे ध्यान का केंद्र बन गए।

AI Image

वह एक विरोधाभास जैसा लग सकता है- एक तरफ ध्यान की शांति और दूसरी तरफ युद्ध की क्रूरता। लेकिन वास्तव में यही वह क्षण था जब मेरी करुणा अपनी पराकाष्ठा पर थी। मैंने अनुभव किया कि सच्ची शांति वह नहीं है जो दुनिया की समस्याओं से आंखें फेर ले, बल्कि वह है जो दुनिया के दर्द को अपने भीतर समाहित कर ले और उसे प्रार्थना में बदल दे। मेरी हर श्वास उन बच्चों के लिए मौन प्रार्थना बन गई थी। मैंने महसूस किया कि युद्ध केवल सीमाओं पर नहीं, हमारी सामूहिक चेतना पर भी प्रहार करता है।

अंत में, उस ध्यान ने मुझे यह सिखाया कि हम सब एक अदृश्य सूत्र से बंधे हैं। मेरी यह श्रद्धांजलि इस बात का संकल्प थी कि मैं अपनी शांति और जागरूकता के माध्यम से इस संसार में थोड़ी और संवेदनशीलता व प्रेम लाने का प्रयास करूंगा, ताकि भविष्य में किसी और बच्चे का बस्ता युद्ध की वेदी पर न चढ़े।

कांटे की बात

> ईरान के सम्मानित नेता खामेनेई की हत्या कर दी गई। इसके बाद ईरान चुप नहीं बैठने वाला। जब जिनेवा में अमेरिका-ईरान की शांति वार्ता चल रही थी, उसी समय हमला किया गया। यह हमला कायराना और अमानवीय है।

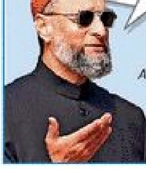
असदुद्दीन ओवैसी, *AIMIM प्रमुख*

बचने को कम समय देता है सर्वाइकल कैंसर

केंद्र सरकार सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए लड़कियों को फ्री में ह्यूमन पैपिलोमा वायरस (HPV) वैक्सीन लगाएगी। यह भारत में महिलाओं में होने वाला दूसरा सबसे आम कैंसर है। स्क्रीनिंग की कमी से 60-70% मामलों का पता अडवांस स्टेज में चलता है।

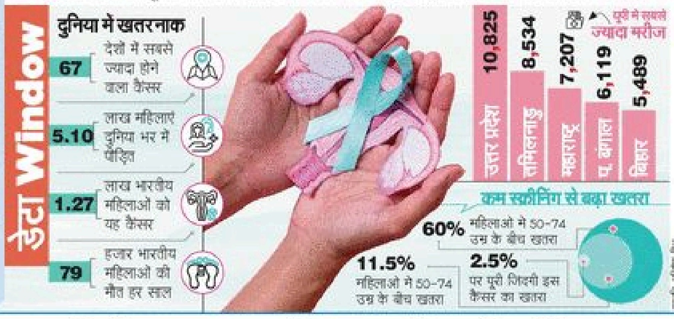

जनता जंक्शन

इरफान

EV की रेस, पीछे छूट रही धरती की फ़िक्र

मृत्युंजय राय

हिमाचल प्रदेश के बर्फीले इलाके में दो मोर दिखे हैं। इसके बाद जलवायु परिवर्तन को लेकर एक बार फिर चर्चा तेज हुई है, लेकिन ग्लोबल लीडर्स के बीच इस मुद्दे को लेकर जितनी गंभीरता दिखनी चाहिए, वह अभी तक नहीं दिखी है। और तो और, डॉनल्ड ट्रंप के फिर से राष्ट्रपति पद संभालने के बाद वैश्विक महाशक्ति अमेरिका इस मुद्दे को लेकर लापरवाह हो गया है। वैसे, कॉरपोरेट वर्ल्ड की ओर से जलवायु परिवर्तन को लेकर लोगों की फिक्र को भुनाने की कोशिश जरूर जारी है, जिसमें सरकारें भी शामिल हैं। इसका औजार बनाया गया है इलेक्ट्रिक गाड़ियों को। इसे जलवायु परिवर्तन रोकने के एक इंस्ट्रूमेंट के तौर पर पेश किया गया। कहा गया कि इलेक्ट्रिक गाड़ियां इंसानी सभ्यता की इस चुनौती को खत्म कर देंगी। क्या सचमुच ऐसा है? इस दावे की सचाई क्या है?

इसमें कोई शक नहीं है कि इलेक्ट्रिक क्लीन एनर्जी है, लेकिन यह इन गाड़ियों में लगने वाली बैटरी से बनती है। इन्हें बनाने के लिए जिन कच्चे माल की जरूरत होती है, उनकी माइनिंग से पर्यावरण को नुकसान पहुंचता है। फिर इनकी माइनिंग के लिए मजदूरों का शोषण भी हो रहा है। जर्नलिस्ट निकोलस नियारकोस (Nicolas Niarchos) ने **'The Elements of Power: A Story of War, Technology, and the Dirtiest Supply Chain on Earth,'** नाम की किताब में इसी पहलू पर रोशनी डाली है। वह बताते हैं कि डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो से लेकर इंडोनेशिया में इन बैटरियों को बनाने में जिस कोबाल्ट और निकेल की माइनिंग हो रही है, उससे पर्यावरण को किस कदर नुकसान पहुंच रहा है।

किताब में निकोलस बताते हैं कि इन देशों में माइनिंग से वहां की धरती किस तरह से तबाह हो रही है। हरे-भरे इलाके उजाड़े जा रहे हैं। पानी के स्रोत प्रदूषित किए जा रहे हैं। निकोलस यह भी लिखते हैं कि कहीं-कहीं इन खनिजों की माइनिंग के लिए बाल मजदूरी भी करवाई जा रही है। जहां कांगो और इंडोनेशिया जैसे देश पर्यावरण की कीमत पर ये काम कर रहे हैं, वहीं चीन इसका असल फायदा उठा रहा है। वह इन खनिजों की प्रोसेसिंग कर रहा है और अपने यहां के इलेक्ट्रिक गाड़ियां बनाने वाली कंपनियों को मजबूत भी। निकोलस का दावा है कि इलेक्ट्रिक गाड़ियों में लगने वाली बैटरी बनाने के लिए जिन चीजों का इस्तेमाल हो रहा है, उसने दुनिया की सर्वाधिक गंदी सप्लाई चेन को जन्म दिया है। वह यह भी लिखते हैं कि बैटरी बनाने की यह पूरी व्यवस्था एक तरह से इलेक्ट्रिक गाड़ियों के क्लीन होने के दावे की धज्जियां उड़ा रही है।

विचार विंडो

AI Image

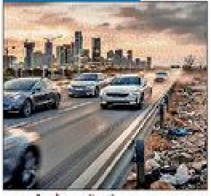

निकोलस किताब में जापान के लिथियम आयन बैटरी इनोवेशन और चीन के साइकल से इलेक्ट्रिक गाड़ियों के बाजार में दबदबा बनाने के बारे में भी बताते हैं। वह लिखते हैं कि चीन ने यह दबदबा भारी सब्सिडी और लचीली औद्योगिक नीति की बदौलत हासिल किया है। इसी वजह से आज चीन की BYD दुनिया की सबसे बड़ी इलेक्ट्रिक गाड़ी कंपनी बन गई है।

बेशक, चीन अपनी नीतियों के दम से इस उद्योग में बाकी देशों से आगे निकलने में कामयाब हुआ है, लेकिन उसके इस लालच की वजह से बड़ी संख्या में मजदूर बुरी परिस्थितियों में काम करने को मजबूर हैं। यही नहीं, इससे जियो-पॉलिटिकल टेंशन भी बढ़ी है। निकोलस ने 1970 के दशक के ऑयल क्राइसिस को आज खनिजों के पीछे भागने की होड़ से जोड़ा है। उन्होंने किताब में दिखाया है कि किस तरह से नीतियां और तकनीक मिलकर धरती को नुकसान पहुंचा रही हैं, भले ही यह सोच-समझकर न किया गया हो। निकोलस ने नीति-निर्माताओं और निवेशकों से सचाई को समझकर समय रहते सुधार लाने की अपील की है।

रीडर्स मेल

www.edit.nbt.in

भरोसा न डगमगाए

28 फरवरी का संपादकीय 'लापरवाही की हद' पढ़ा। दिल्ली की शराब नीति से जुड़े भ्रष्टाचार मामले में आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल और पूर्व शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया और अन्य नेताओं को राहत मिली है। यदि अदालत को पर्याप्त साक्ष्य नहीं मिले और मुकदमा शुरू करने लायक आधार भी नहीं बना, तो स्वाभाविक रूप से जांच एजेंसियों पर सवाल खड़े होते हैं। किसी भी लोकतंत्र में एजेंसियों की विश्वसनीयता सबसे महत्वपूर्ण है। अगर वही कमजोर पड़े तो न्याय व्यवस्था पर भरोसा भी डगमगाता है। राजनीतिक मामलों में पारदर्शिता, संतुलन और निष्पक्षता जरूरी है, ताकि कार्रवाई न्यायसंगत दिखे और हो भी।

राजेश उपाध्याय, नोएडा

nbtedit@timesofindia.com पर अपनी राय नाम-पते के साथ मेल करें।

विचार

सपनों से सफलता तक का रास्ता मौजूद है, बस जरूरत है उसे पहचानने की, उस पर विश्वास करने की और हर दिन मेहनत के साथ एक कदम आगे बढ़ने की। जब इरादे मजबूत हों, तो मंजिल खुद रास्ता बना देती है।
- कल्पना चावला

इस गांव में पुरुषों के नहीं लड़कियों के नाम की लगती है नेमप्लेट

नेमप्लेट बताती है, इस घर में पढ़ी-लिखी बेटी रहती है

अंबाला के खेड़ा गनी गांव में ग्रैजुएट बहू-बेटियों के नाम घरों की नेमप्लेट पर दर्ज, पंचायत की अनोखी पहल

Pritambhara.Prakash
@timesofindia.com

■ **कभी-कभी** बदलाव न तो शोर मचाता है, न घोषणा करता है - वह बस चुपचाप दीवारों पर लिख दिया जाता है। और जब दीवारें बोलने लगती हैं, तो समाज की खामोशी टूटने लगती है। ऐसी ही एक मधुर, लेकिन दूर तक सुनाई देने वाली दस्तक आई है- हरियाणा के अंबाला जिले के छोटे से गांव खेड़ा गनी से, जहां घरों की पहचान अब सिर्फ पुरुष मुखिया के नाम से नहीं, बल्कि पढ़ी-लिखी बेटियों और बहुओं से हो रही है। यह पहल किसी औपचारिक आदेश का परिणाम नहीं, बल्कि एक संवेदनशील सोच का विस्तार है।

खेड़ा गनी की सुबहें अब कुछ अलग होती हैं। जैसे ही सूरज की पहली किरण गांव की गलियों में उतरती है, घरों के दरवाजों पर लगी स्टील की नेम प्लेट चमक उठती है। इन पर किसी खानदान का नाम नहीं, बल्कि बेटियों की मेहनत और पढ़ाई की पहचान दर्ज है। MA, MBA, MSc, BEd, BCom। हर प्लेट मानो कह रही हो कि यह गांव अपनी बेटियों पर गर्व करता है।

इस पहल की नींव किसी सरकारी आदेश से नहीं, नवंबर 2025 में आयोजित एक महिला ग्राम सभा बैठक में पड़ी। बैठक में एचआईआरडी के निदेशक डॉ. वीरेंद्र चौहान मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल हुए। स्वास्थ्य विभाग, महिला पुलिस थाना, प्रोटेक्शन अधिकारी और महिला एवं बाल विकास विभाग की महिला अधिकारियों ने महिलाओं को स्वास्थ्य, स्वच्छता, कानून, अधिकार, सामाजिक उत्थान और सोलर रूफटॉप सिस्टम जैसे विषयों पर जागरूक किया। गांव के सरपंच परवीन धीमान बताते हैं, चर्चा के दौरान एक विचार ने आकार लिया- गांव में कितनी बहू-बेटियां पढ़ी-लिखी हैं, क्यों न इसका सर्वे कराया जाए? न्यूनतम योग्यता ग्रैजुएशन तय की गई।

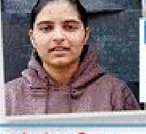

इससे उन लड़कियों को हौसला मिलेगा, जो 12वीं के बाद पढ़ाई छोड़ देती है। -तमन्ना धीमान

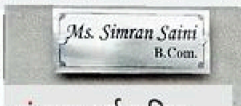

यूं शुरू हुई मुहिम

इसके बाद पंचायत प्रतिनिधियों ने घर-घर जाकर जानकारी जुटाई। सर्वे पूरा हुआ तो तस्वीर उम्मीद से कहीं अधिक उजली निकली- करीब 30 बहू-बेटियां ऐसी मिलीं, जिन्होंने कम से कम ग्रैजुएशन की डिग्री हासिल की है। पंचायत ने तय किया कि इन उपलब्धियों को कागजों में नहीं, गांव की दीवारों पर दर्ज किया जाएगा। सभी 30 महिलाओं की नेम प्लेट बनवाई गई और उनके घरों के बाहर लगवा दी गई। पंचायत सदस्य मनोज कुमार, अनिल कुमार, रुबल देवी, नीतू, पूजा और ग्राम सचिव लोकवीर ने इस पहल को जमीन पर उतारने में अहम भूमिका निभाई।

आज गांव की तस्वीर बदल चुकी है। गलियों से गुजरते वक्त हर कुछ कदम पर किसी बेटी की सफलता नजर आती है।

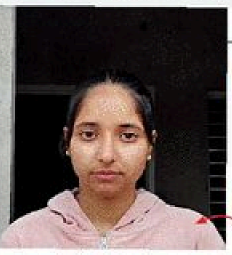

दीवारों ने बेटियों का नाम ओढ़ लिया

पंचायत ने पढ़ी लिखी लड़कियों का डेटा तैयार किया है, ताकि जरूरत पड़ने पर उन्हें आगे की पढ़ाई या प्रतियोगी परीक्षाओं में मदद मिल सके। कुछ लड़कियां सिविल सर्विसेज और पोस्ट ग्रैजुएशन की तैयारी में भी जुटी हैं। छोटा सा गांव, कच्ची-पक्की गलियां और सादगी भरी जिंदगी। लेकिन खेड़ा गनी ने चुपचाप एक बड़ा संदेश दे दिया है।

'पढ़ने के लिए मिलेगा हौसला'

जो बेटियां अभी पांचवीं क्लास में हैं और जिन्हें यह भी ठीक से नहीं पता कि पढ़ाई कितनी दूर तक जाती है, वे बड़े भरोसे से कहती हैं कि हम भी सारी क्लासें पढ़ेंगे, पढ़ाई बीच में नहीं छोड़ेंगे, हमें भी अपने नाम की नेम प्लेट चाहिए। **-परवीन धीमान**, सरपंच

अपनी नेम प्लेट देखकर गर्व महसूस होता है। लगता है कि हमारी कद्र हुई है। **-सिमरन सैनी**

इस कदम से माता-पिता भी बेटियों को ऊंची पढ़ाई कराने के लिए प्रेरित होंगे। **-रजनी सैनी**

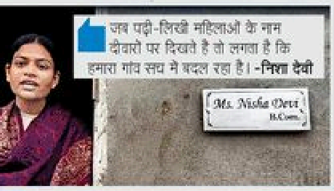

जब पढ़ी-लिखी महिलाओं के नाम दीवारों पर दिखते हैं तो लगता है कि हमारा गांव सच में बदल रहा है। **-निशा देवी**

उम्मीद का फैक्ट

भारतीय बाज़ार में विदेशी निवेशकों का बढ़ा भरोसा

AI Image

फरवरी 2026 में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (FPI) ने भारतीय शेयर बाजार में 22,615 करोड़ रुपये का निवेश किया। यह पिछले 17 महीनों में सबसे बड़ा मासिक इनफ्लो माना जा रहा है। वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारत पर बढ़ा भरोसा दुनिया के मुकाबले मजबूत आर्थिक स्थिति का संकेत देता है।

- फरवरी महीने में कुल शुद्ध FPI इनफ्लो 22,615 करोड़ रुपये, पिछले 17 महीनों का हाईएस्ट लेवल।
- **17 महीनों का सबसे बड़ा निवेश:** सितंबर 2024 के बाद यह पहली बार है जब इतना बड़ा मासिक निवेश दर्ज हुआ।
- **बैंकिंग और फाइनेंस सेक्टर में ज्यादा खरीद:** डेटा के अनुसार सबसे अधिक निवेश बैंकिंग, फाइनेंस और कैपिटल गुड्स सेक्टर में हुआ है। हालांकि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) की चिंताओं के चलते IT सेक्टर से 10,956 करोड़ रुपये निकाले भी गए।
- **क्यों लौटा भरोसा ?** भारत-अमेरिका के बीच अंतरिम व्यापार समझौता, भारतीय बाजार के वैल्यूएशन में आई कमी और कंपनियों के तीसरी तिमाही के नतीजों ने विदेशी निवेशकों का मूड बदल दिया है।

फिज़ाओं में गुलाल, हवाओं में भक्ति...

ओडिशा के भुवनेश्वर में 'डोला जात्रा' के साथ होली का शंखनाद हो गया है। राधा-कृष्ण की सजी-धजी पालकी (विमान) लिए झूमते भक्तों ने शनिवार को आसमान सतरंगी कर दिया। मृदंग की थाप पर थिरकते इन कदमों ने बता दिया-रंगों का त्योहार आ गया है।

PTI

अजमेर की पहचान बन चुकी फौज़िया खान की तोप की गूंज

रमज़ान का समय बताने वाली 'तोपची'

दरगाह में बादशाह अकबर के समय की परंपरा निभा रहीं

Ashish.Mehta
@timesofindia.com

■ **अजमेर शरीफ** दरगाह की छत से गूंजने वाली एक खास आवाज शहर की पहचान बन चुकी है। यह आवाज है फौज़िया खान की तोप की। दरगाह द्वारा आधिकारिक रूप से मान्यता प्राप्त 'तोपची' फौज़िया धार्मिक रस्मों का समय बताने के लिए तोप दागती हैं। अजमेर के दिल में स्थित दरगाह की रौनक के बीच जब तोप की गूंज उठती है तो यह सहरी, इफ्तार और नमाज के समय का संकेत देती है। रमजान के दौरान 37 वर्षीय फौज़िया पूरी निष्ठा से यह जिम्मेदारी निभाती हैं। इसी कारण उन्हें 'तोपची' के नाम से जाना जाता है। उर्स-ए-ख्वाजा गरीब नवाज, हर जुमे की नमाज और रमज़ान के दौरान वह दरगाह परिसर से तोप दागती हैं। फौज़िया कहती हैं, 'यह इबादत का काम है, जिम्मेदारी भी है और सम्मान भी।' माना जाता है कि मुगल काल में बादशाह अकबर ने बड़े धार्मिक आयोजनों के दौरान समय प्रबंधन के लिए इस परंपरा की शुरुआत कराई थी।

पिता के निधन के बाद संभाला काम: फौज़िया आठ साल की थीं जब उन्होंने अपने पिता मोहम्मद हाफिज़ खान की मदद करनी शुरू की। वह कहती हैं, अब्बा ने मुझे इस काम की तकनीक सिखाई। 2008 में पिता के निधन के बाद लोगों को लगा कि जिम्मेदारी किसी पुरुष रिश्तेदार को दी जाएगी। लेकिन फौज़िया आगे आईं और दरगाह प्रशासन ने उन्हें स्वीकार कर लिया। इस तरह अजमेर को पहली महिला तोपची मिली।

रात दो बजे से करनी पड़ती है तैयारी

फौज़िया का दिन रात 2 बजे से शुरू हो जाता है। वह तोप की सफाई करती हैं, बारूद तैयार करती हैं। पहला धमाका सहरी का संकेत देता है, दूसरा खाने का समय खत्म होने का। सूर्यास्त पर इफ्तार के लिए तोप फिर दागी जाती है।

चाय-नाश्ते की दुकान भी

रमजान के दौरान उन्हें 1500 रुपये मिलते हैं, जो बारूद के खर्च के लिए भी पर्याप्त नहीं होते। जीविका चलाने के लिए वह चाय-नाश्ते की छोटी दुकान भी चलाती हैं। उन्हें अब तक कोई सरकारी या धार्मिक सम्मान नहीं मिला।

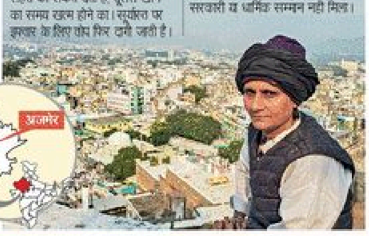

NBT जन्मदिन मुबारक

आप भी भेज सकते हैं देश की जानी-मानी हस्तियों को जन्मदिन की बधाई । बस इस QR कोड को स्कैन करें और विश करें।

HAPPY BIRTHDAY HAPPY BIRTHDAY

2 मार्च

टाइगर श्रॉफ
2 मार्च 1990 को जन्मे टाइगर श्रॉफ जबरदस्त एक्शन और डांस मूव्स के लिए मशहूर हैं। 'हीरोपंती' से डेब्यू कर टाइगर ने 'बागी' सीरीज और 'वॉर' जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्में दी हैं।
@tigerjackieshroff
@iTIGERSHROFF

5 मार्च

सौरभ शुक्ला
5 मार्च 1963 को जन्मे सौरभ शुक्ला एक्टर और स्क्रीनराइटर हैं। फिल्म 'सत्या' के 'कल्लू मामा' से पहचान बनाने वाले सौरभ को 'जॉली एलएलबी' के लिए नैशनल अवॉर्ड मिला। 'बर्फी' और 'रेड' जैसी फिल्मों में उनके काम को काफी सराहा गया।
@saurabhshuklafilms

3 मार्च

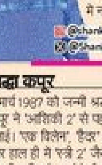

शंकर महादेवन
3 मार्च 1967 को जन्मे शंकर महादेवन दिग्गज गायक और संगीतकार (शंकर-एहसान-लॉय फेम) हैं। उन्हें पद्म श्री और कई नैशनल अवॉर्ड्स मिल चुके हैं। साल 2024 में उनके बैंड 'शक्ति' ने ग्रैमी अवॉर्ड जीतकर दुनिया भर में नाम रोशन किया।
@shankar.mahadevan
@Shankar_Live

श्रद्धा कपूर
3 मार्च 1987 को जन्मी श्रद्धा कपूर ने 'आशिकी 2' से पहचान बनाई। 'एक विलेन', 'हैदर' और हाल ही में 'स्त्री 2' जैसी सुपरहिट फिल्में उन्होंने दी हैं।
@shraddhakapoor
@shraddhakapoor

सलीम मर्चेंट
3 मार्च 1974 को जन्मे सलीम मर्चेंट ने 'चक दे! इंडिया', 'फैशन' और 'रब ने बना दी जोड़ी' जैसी फिल्मों में यादगार संगीत दिया है। वे एक बेहतरीन गायक भी हैं।
@salimmerchant
@salim_merchant

6 मार्च

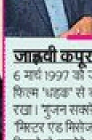

सतीश उपाध्याय
6 मार्च 1962 को जन्मे सतीश उपाध्याय दिल्ली के विधायक हैं। वे दिल्ली प्रदेश बीजेपी के अध्यक्ष भी रह चुके हैं।
@satishupadhyaybjp
@upadhyaysbjp

जाह्नवी कपूर
6 मार्च 1997 को जन्मी जाह्नवी ने फिल्म 'धड़क' से बॉलिवुड में कदम रखा। 'गुंजन सक्सेना', 'मिली' और 'मिस्टर एंड मिसेज माही' जैसी फिल्मों से उन्होंने अपनी एक्टिंग का लोहा मनवाया। वे श्रीदेवी और बोनी कपूर की बेटी हैं।
@janhvikapoor

7 मार्च

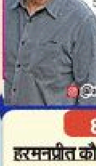

अनुपम खेर
7 मार्च 1955 को जन्मे अनुपम खेर ने 500 से ज्यादा फिल्मों में काम किया है। 'सारांश' से करियर शुरू करने वाले खेर ने 'कर्मा', 'ए वेडनसडे' और 'द कश्मीर फाइल्स' जैसी यादगार फिल्में दी हैं।
@anupampkher @AnupamPKher

4 मार्च

रोहन बोपन्ना
4 मार्च 1980 को जन्मे टेनिस स्टार रोहन बोपन्ना दुनिया के नंबर-1 (डबल्स) खिलाड़ी रह चुके हैं। पद्म श्री और अर्जुन अवॉर्ड से सम्मानित किया जा चुका है।
@rohanbopanna0403
@RohanBopanna

8 मार्च

हरमनप्रीत कौर
8 मार्च 1989 को जन्मी हरमनप्रीत महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हैं। अर्जुन अवॉर्ड और पद्म श्री से सम्मानित हरमनप्रीत T20 इंटरनैशनल में शतक लगाने वाली पहली भारतीय महिला क्रिकेटर हैं।
@imharmanpreet_kaur
@ImHarmanpreet

दिल्ली : महानगर : महाकवरेज

रंगों वाली निशानेबाज़ी और यादों वाला संडे

कमलजीत सहरावत बोलीं, मोबाइल से नहीं, मैदान में पसीना बहाने से बनेगा बच्चों का भविष्य

NBT हैप्पी स्ट्रीट
द्वारका में सड़क पर उतरा जोश

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

NBT हैप्पी स्ट्रीट के दूसरे संडे को सुबह करीब 7:30 बजे ही आयोजन स्थल पूरी तरह लोगों से भरा नजर आया। न सिर्फ द्वारका बल्कि दूर-दूर की सोसायटियों और सेक्टरों से वहां लोग पहुंचे। लोगों ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम में शामिल होकर उन्हें पता चला कि सुबह जल्दी उठने की क्या अहमियत है? इस तरह के कार्यक्रम नियमित तौर पर और अन्य एरिया में करने की डिमांड भी लोग एनबीटी से कर रहे हैं।

द्वारका सेक्टर-12 की रोड नंबर 201 में आयोजित इस कार्यक्रम की लोकप्रियता दूसरे ही संडे काफी अधिक रही। लोगों के अनुसार, पहले संडे को उन्हें देर से पता चला इसलिए वह कार्यक्रम में शामिल नहीं हो सके थे। लोग यहां काफी उत्साहित दिखाई दिए। हर उम्र के लोग यहां आए थे और सभी के लिए एटीएस होमक्राफ्ट के साथ मिलकर एनबीटी हैप्पी स्ट्रीट में कई एक्टिविटीज के इंतजाम थे। लोगों के अनुसार यह कार्यक्रम न सिर्फ मेंटल और फिजिकल हेल्थ के जरिए जरूरी है बल्कि इससे कम्युनिटी कनेक्ट भी बढ़ रहा है। बच्चे भी आउटडोर एक्टिविटी से जुड़ रहे हैं।

कैरम, बास्केटबॉल, बैडमिंटन, साइक्लिंग, शूटिंग समेत कई एक्टिविटी हुईं

कई इलाकों से बड़ी संख्या में आए लोग

कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 6:30 बजे से होनी थी, लेकिन आयोजन स्थल पर सुबह 6:10 बजे से ही लोग आने लगे थे। वह लोग आयोजन स्थल के आसपास ही वॉर्म अप कर कार्यक्रम के शुरू होने का इंतजार करते दिखाई दिए। सात बजे तक तो कार्यक्रम में अच्छी खासी भीड़ हो गई और साढ़े सात से नौ बजे तक आयोजन स्थल पूरी तरह पैक रहा। कार्यक्रम में कैरम, बास्केटबॉल, बैडमिंटन, साइक्लिंग, शूटिंग जैसी गतिविधियां थीं। इसके अलावा होली को देखते हुए आज के कार्यक्रम में रंगों भरी निशानेबाजी भी मौजूद थी। इसमें रंग भरे बलून से आर्चरी बोर्ड पर निशाना लगाना था।

फिजिकल एक्टिविटी ही फिटनेस का असली मंत्रः सांसद

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पश्चिमी दिल्ली की सांसद कमलजीत सहरावत रहीं। उन्होंने कहा कि एनबीटी हैप्पी स्ट्रीट में इतनी भीड़ देखकर मुझे खुशी हो रही है। संडे की सुबह इतनी संख्या में लोगों को सुबह देखकर अच्छा लगा। हैप्पी स्ट्रीट की बात हो तो मुझे लगता है कि भारत में दिल्ली और दिल्ली में द्वारका ऐसी जगह है जहां हम जब चाहें स्ट्रीट को हैप्पी बना सकते हैं। यहां हमारे पास चौड़ी सड़कें हैं, बेहतरीन इन्फ्रास्ट्रक्चर है। लेकिन स्ट्रीट तब हैप्पी होती है जब लोग खासतौर पर बच्चे इसमें घूमते खेलते नजर आएं। एनबीटी का यह प्रयास सराहनीय है और इसे रेगुलर करना चाहिए। यह हैप्पी स्ट्रीट एक दिन तक सीमित न रहे, इसके लिए पूरा सहयोग किया जाएगा। इस मुहिम को आरडब्ल्यूए, सरकार आगे बढ़ाएं। हमारी उम्र के हर लोगों के शरीर पर चोटों के निशान हैं। सड़कों पर खेलते हुए गिरे तो वह निशान बने और हम मजबूत हुए। लेकिन अब बच्चों के शरीर पर वह निशान नहीं हैं। हमें उन्हें फिजिकल एक्टिविटी का महत्व सिर्फ मौखिक नहीं बल्कि इस तरह के कार्यक्रम के जरिए बताना होगा। फेसबुक, व्हाट्सऐप बहुत अच्छा है, लेकिन हम एक घंटे चाहे डिनर टेबल पर ही अपने परिवार के साथ बैठें और बात करें।

सहरावत ने कार्यक्रम को पूरा सहयोग देने की बात दोहराई

दिल्ली में आज 500 से ज़्यादा जगहों पर होलिका दहन

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

पंडितों के अनुसार, राजधानी में दहन का मुहूर्त शाम 6:20 बजे से रात 8:50 बजे तक

चंद्र ग्रहण की वजह से होली की तिथियों को लेकर फैले कंफ्यूजन के बीच अधिकांश जगहों पर राजधानी में होलिका दहन की तैयारियां पूरी हो गई हैं। सोमवार को कई जगहों पर होलिका दहन होगा। होली से एक दिन पहले होलिका दहन मनाया जाता है, इस बार चंद्र ग्रहण की वजह से होली पर्व 4 मार्च को मनाया जाएगा। कई जगहों व मंदिरों आदि में होलिका दहन की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

जानकारी के अनुसार, अलग-अलग एरिया में आरडब्ल्यूए, विभिन्न संगठन के अलावा मंदिरों की ओर से भी होलिका दहन की तैयारियां की जा रही हैं। राजधानी दिल्ली में 500 से अधिक जगहों पर होलिका दहन की तैयारियां की गई हैं। ग्रेटर कैलाश आरडब्ल्यूए के विपिन मनचंदा ने बताया कि आज होलिका दहन रात 8 बजे किया जाएगा। इससे पूर्व महिलाएं होली का पूजन करेंगी। पीतमपुरा आरडब्ल्यूए के लोकेश बाखुजा ने बताया कि होलिका दहन की तैयारियां हो गई हैं। रात दस बजे होलिका दहन होगा। द्वारका में विभिन्न सोसायटियों ने मिलकर होलिका दहन के आयोजन किए हैं।

पंडितों के अनुसार इस बार होलिका दहन 2 मार्च को है। होलिका दहन फाल्गुन पूर्णिमा पर प्रदोष काल में करने का महत्व है। इस साल फाल्गुन पूर्णिमा 2 मार्च को शाम 5:55 बजे शुरू होगी और अगले दिन 3 मार्च को 5:07 पर समाप्त होगी।

अब चूंकि 3 मार्च को चंद्र ग्रहण शाम 6:20 बजे तक रहेगा। इस दिन पूर्णिमा तिथि 5:07 पर ही समाप्त हो जाएगी। ऐसे में होलिका दहन के लिए 2 मार्च सबसे श्रेष्ठ दिन माना जा रहा है। राजधानी में दहन का मुहूर्त शाम 6:20 बजे से रात 8:50 बजे तक है।

NOTE : -

[: राजस्थान पत्रिका , दैनिक जागरण delhi, नवभारत टाइम्स delhi, अमर उजाला delhi, हिन्दुस्तान delhi, Pioneer hindi delhi, जनसत्ता delhi,]

English NEWSPAPERS
[Times Of India delhi, Indian Express delhi, The Hindu delhi, Financial Express delhi, economic times delhi , the Pioneer english delhi , the tribune delhi] ETC.

We are providing all news paper pdf hindi and English want to read daily newspapers by pdf please msg me on telegram

2. आकाशवाणी (AUDIO)

whatsapp Group ka link pane ke liye Newspaper_pdf_bot par jaye.

Click here to contact:-https://t.me/Newspaper_pdf_bot
Or type in Search box of Telegram
@Newspaper_pdf_bot And you will find a channel
BACKUP GROUP LINK
https://t.me/joinchat/5P9EL1JaqoYzNTI1

Hindi-English News Paper Website:- onlineftp.in